THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-29 अंक : 270 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) पौष कृ.7 2081 रविवार, 22 दिसंबर-2024

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✻ पृष्ठ : 16+32 मूल्य : 8 रुपये

केजरीवाल के खिलाफ केस चलेगा

नई दिल्ली, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ शराब नीति घोटाले में केस चलाने की अनुमति ईडी को मिल गई है। सूत्रों के मुताबिक, एलजी वीके सक्सेना ने शनिवार को अनुमति दे दी है।

ईडी ने 5 दिसंबर को एलजी से केस चलाने के लिए अनुमति मांगते हुए कहा था- शराब घोटाले की जांच में पता चहा है कि शराब नीति को लागू करने के दौरान भ्रष्टाचार हुआ है। दरअसल, शराब घोटाले को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने 6 नवंबर को फैसला सुनाते हुए कहा था कि पब्लिक सर्वेंट पर सरकार की अनुमति के बिना मनी लॉन्ड्रिंग (पीएमएलए) की धाराओं के तहत केस नहीं चलाया जा सकता है।

कुवैत के ऐतिहासिक दौरे पर पहुंचे पीएम

> रामायण और महाभारत का अरबी में अनुवाद करने वालों से की मुलाकात

नई दिल्ली, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। कुवैत पहुंचने के तुरंत बाद शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दो स्थानीय लोगों अब्दुल्ला अल बैरन और अब्दुल्लातीफ अलनेसेफ से मुलाकात की। ये वही लोग हैं जिन्होंने भारतीय महाकाव्य रामायण और महाभारत का अरबी में अनुवाद करके प्रकाशित किया है। अल बरून ने जहां रामायण और महाभारत दोनों का अरबी में अनुवाद किया है, वहीं अल नेसेफ ने रामायण और महाभारत के अरबी संस्करण प्रकाशित किए हैं।

प्रधानमंत्री ने अपने मासिक प्रसारण कार्यक्रम मन की बात के हालिया संस्करण में इन दोनों लोगों और उनके प्रयासों के बारे में भी बात की थी। पीएम से मुलाकात के बाद अब्दुल्लातीफ अलनेसेफ ने समाचार एजेंसी एएनआई से कहा, 'मैं बहुत खुश हूं, यह मेरे लिए सम्मान की बात है। पीएम मोदी इससे बहुत खुश हैं। ये पुस्तकें बहुत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने (प्रधानमंत्री मोदी ने) दोनों पुस्तकों पर हस्ताक्षर किए।' उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने पूछा कि अनुवाद में कितने साल लगे, जिसके जवाब में उन्होंने कहा कि उन्हें दो साल और आठ महीने लगे। अब्दुल्लातीफ अलनेसेफ और अब्दुल्ला बैरन ने दुनिया भर से 30 से अधिक पुस्तकों और महाकाव्यों का अरबी में अनुवाद किया है। पीएम मोदी ने किताब पर हस्ताक्षर करने के साथ ही जय श्रीराम भी लिखा। बीजेपी के आईटी मीडिया सेल प्रभारी ने एक्स पर लिखा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जय श्रीराम के साथ अरबी भाषा में अनुवादित रामायण का समापन किया।'

बता दें कि पीएम मोदी ऐतिहासिक दो दिवसीय यात्रा पर कुवैत पहुंचे हैं। यह 43 वर्षों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की देश की पहली यात्रा है। मोदी की कुवैत यात्रा, 43 वर्षों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली यात्रा है, जो सीरिया में बशर अल-असद के शासन के पतन के दो सप्ताह बाद और गाजा में इजरायल और हमास के बीच संभावित युद्धविराम समझौते के संकेतों के बीच हो रही है। कुवैत की यात्रा करने वाली आखिरी भारतीय प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी थीं, जिन्होंने 1981 में यात्रा की थी।

अविस्मरणीय अनुभव का लें आनंद : मोदी

नई दिल्ली, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। गुजरात के रण उत्सव को 'अविस्मरणीय अनुभव' बताते हुए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को लोगों से कच्छ आने का आग्रह किया ताकि वे 'संस्कृति, इतिहास और लुभावनी प्राकृतिक सुंदरता के अनूठे मिश्रण' में डूब सकें। अपने सोशल मीडिया पोस्ट में, पीएम मोदी ने लिखा सफेद रण बुला रहा है! एक अविस्मरणीय अनुभव आपका इंतजार कर रहा है! आओ, संस्कृति, इतिहास और लुभावनी प्राकृतिक सुंदरता के अनूठे मिश्रण में डूबो!

उग्रवाद समाप्त हो गया : अमित शाह

> अब पूर्वोत्तर में पुलिस के दृष्टिकोण में बदलाव की जरूरत

अगरतला, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि पूर्वोत्तर में उग्रवाद समाप्त हो गया है और अब पूर्वोत्तर राज्यों की पुलिस को अपने दृष्टिकोण में बदलाव लाने का समय आ गया है। शाह ने कहा कि अब पुलिस को लोगों को जल्द न्याय सुनिश्चित कराने पर फोकस करना चाहिए। त्रिपुरा की राजधानी अगरतला में पूर्वोत्तर परिषद (एनईसी) के 72वें अधिवेशन को संबोधित करते हुए अमित शाह ने ये बात कही।

उग्रवाद का दौर समाप्त हुआ :

शाह ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते 10 वर्षों में 20 शांति समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए हैं, जिससे पूर्वोत्तर के राज्यों में शांति आई है। इन शांति समझौतों के चलते 9,000 सशस्त्र उग्रवादियों ने आत्मसमर्पण किया है। शाह ने कहा कि, पुलिस ने चार दशकों तक पूर्वोत्तर में उग्रवाद से लड़ाई लड़ी। चूंकि अब उग्रवाद समाप्त हो गया है, इसलिए अब पुलिस बल को लोगों की एफआईआर दर्ज करने के तीन साल के भीतर न्याय दिलाने के दृष्टिकोण को बदलने की जरूरत है। गृह मंत्री ने यह भी कहा कि केंद्र ने पूर्वोत्तर क्षेत्र में रेल संपर्क के लिए 81,000 करोड़ रुपये और सड़क नेटवर्क के लिए 41,000 करोड़ रुपये खर्च किए हैं।

'इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड के सार्वजनिक निरीक्षण पर प्रतिबंध'

नई दिल्ली, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। चुनाव आयोग (ईसी) की सिफारिश के आधार पर, केंद्रीय कानून मंत्रालय ने चुनाव संचालन नियम, 1961 के नियम 93 में संशोधन किया है, ताकि सार्वजनिक निरीक्षण के लिए खुले 'कागजातों' या दस्तावेजों को प्रतिबंधित किया जा सके। नियम 93 के अनुसार, चुनाव से संबंधित सभी 'कागजात' सार्वजनिक निरीक्षण के लिए खुले रहेंगे। इस संशोधन में 'कागजातों' के बाद 'इन नियमों में निर्दिष्ट अनुसार' जोड़ा गया है। कानून मंत्रालय और चुनाव आयोग के अधिकारियों ने अलग-अलग बताया कि संशोधन के पीछे एक अदालती मामला 'ट्रिगर' था। जबकि नामांकन फॉर्म, चुनाव एजेंटों की नियुक्ति, परिणाम और चुनाव खाता विवरण जैसे दस्तावेजों का उल्लेख चुनाव संचालन नियमों में किया गया है, आदर्श आचार संहिता अवधि के दौरान उम्मीदवारों के सीसीटीवी कैमरा फुटेज, वेबकास्टिंग फुटेज और वीडियो रिकॉर्डिंग जैसे इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेज इसके दायरे में नहीं आते हैं। चुनाव आयोग के एक पदाधिकारी ने कहा, ऐसे कई मामले सामने आए हैं, जब नियमों का हवाला देते हुए ऐसे इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड मांगे गए हैं। >14

देश में पराली से बनी पहली सड़क का उद्घाटन

नागपुर, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने शनिवार को बायो-बिटुमेन (पराली से बना डामर) से बनी देश के पहली सड़क का उद्घाटन किया। यह नागपुर के मानसर में नेशनल हाईवे-44 का हिस्सा है।

इस दौरान गडकरी ने कहा कि इससे प्रदूषण कम करने में मदद मिलेगी। वेस्ट को वैल्यू (पैसा) में बदला जा सकेगा। किसान अब 'अन्नदाता' और 'ऊर्जादाता' के साथ ही 'बिटुमेनदाता' भी बनेंगे। देश में बायो वेस्ट से सीएनजी बनाने के 400 प्रोजेक्ट प्रोसेस में हैं। इनमें 40 पूरे हो चुके हैं, जिनमें पराली से सीएनजी बनाई जा रही है। >14

इसरो-ईएसए के बीच बड़ा समझौता

> अंतरिक्ष यात्रियों के प्रशिक्षण पर मिलकर सहयोग करेंगी दोनों एजेंसियां

बेंगलूरू, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने शनिवार को कहा कि उसने यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ईएसए) के साथ एक समझौता किया है, जिसके तहत अंतरिक्ष यात्री प्रशिक्षण, मिशन क्रियान्वयन और अनुसंधान प्रयोगों से जुड़ी गतिविधियों पर सहयोग किया जाएगा। समझौते पर इसरो प्रमुख एस सोमनाथ और ईएसए के निदेशक जोसफ एशबैचर ने हस्ताक्षर किए।

इसरो ने एक बयान में कहा, इस समझौते के तहत दोनों एजेंसियां मानव अन्वेषण और अनुसंधान में सहयोग करेंगी। खासकर अंतरिक्ष यात्री प्रशिक्षण, प्रयोग, अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर ईएसए की सुविधाओं का उपयोग, मानव और जैव चिकित्सा अनुसंधान प्रयोगों का क्रियान्वयन, साथ ही शिक्षा और जन जागरूकता की गतिविधियों पर मिलकर काम किया जाएगा। बयान में आगे कहा गया कि एक्सिओम-4 मिशन में इसरो के गगनयात्री और ईएसए के अंतरिक्ष यात्री शामिल हैं। >14

सड़क हादसों में नौ लोगों की मौत

बेंगलूरू, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक में शनिवार को दो सड़क हादसों में कुल नौ लोगों की जान चली गई। पहला हादसा बेंगलूरू के बाहरी इलाके नेलमंगला के तालकेरे में हुआ, जहां एक कंटेनर ट्रक पलटकर एक कार पर गिर गया। वहीं, दूसरा हादसा मांड्या जिले के मड्डूर तालुका में हुआ, जहां एक ट्रक ने कार को टक्कर मार दी। तालकेरे में एक कंटेनर ट्रक पलटकर एक कार पर गिर गया। इस हादसे में कार में सवार छह लोगों की मौत हो गई। दुर्घटना के कारण नेशनल हाईवे 48 पर यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ। मड्डूर तालुका में एक ट्रक ने कार को टक्कर मार दी। इस हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई।

दलित शिक्षक के साथ भेदभाव मामले में आईआईएम निदेशक की बढ़ी मुश्किलें

सात प्रोफेसरों के खिलाफ केस दर्ज

बेंगलूरू, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। देश के प्रतिष्ठित प्रबंधन संस्थान आईआईएम (इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट) बंगलूरू में जातिगत भेदभाव का मामला सामने आया है। संस्थान के एक दलित शिक्षक की शिकायत के बाद पुलिस ने निदेशक और सात प्रोफेसरों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

यह आरोप लगाए

इस मामले में एसोसिएट प्रोफेसर गोपाल दास की शिकायत पर शुक्रवार को आईआईएमबी के निदेशक और अन्य संकाय सदस्यों के खिलाफ अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों (अत्याचार निवारण) अधिनियम और भारतीय दंड संहिता के तहत मामला दर्ज किया गया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, 'हमें शिकायत मिली, जिसके आधार पर केस दर्ज किया गया है। मगर, जिनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है, उन्होंने उसी शाम अदालत से स्टे आदेश लेने का दावा किया। हालांकि, हमें अभी तक ऐसा कोई आदेश नहीं मिला है।'

इस रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई

राज्य सरकार के डायरेक्टरेट ऑफ सिविल राइट्स एनफोर्समेंट (डीसीआरई) ने इस मामले की जांच की। इसी रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने प्रोफेसर की शिकायत पर कानूनी कार्रवाई शुरू की।

आईआईएम ने यह कहा

इस मामले में आईआईएम बंगलूरू का कहना है, 'उत्पीड़न या भेदभाव के बजाय, दास को 2018 में नियुक्ति के बाद से संस्थान से हर प्रकार का समर्थन प्राप्त हुआ। उनके शोध और शिक्षण के लिए महत्वपूर्ण प्रोत्साहन मिले हैं, इसके अतिरिक्त उन्हें संस्थान में जिम्मेदारियों की भी पेशकश की गई थी।' आईआईएम ने यह भी कहा कि दास के भेदभाव के आरोप तभी सामने आए जब कुछ डॉक्टरेट छात्रों द्वारा उनके खिलाफ दर्ज कराई गई उत्पीड़न की शिकायतों के कारण पदोन्नति के लिए उनके आवेदन को रोक दिया गया था।

क्या है मामला?

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, इस साल की शुरुआत में आईआईएम बंगलूरू के मार्केटिंग के एसोसिएट प्रोफेसर गोपाल दास ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को एक पत्र लिखकर संस्थान में उनके प्रति हो रहे भेदभावपूर्ण व्यवहार के बारे में बताया था। इस पत्र में संस्थान द्वारा उनकी जाति सार्वजनिक करने और उन्हें पदोन्नति देने से इनकार करने की शिकायत भी की गई थी, जिसके बाद राज्य सरकार के डायरेक्टरेट ऑफ सिविल राइट्स एनफोर्समेंट (डीसीआरई) ने इस मामले की जांच की। दास ने आरोप लगाया था कि आठ व्यक्तियों ने जानबूझकर उनके जाति को कार्यस्थल पर उजागर किया।

साथ ही उन्हें वैकल्पिक पाठ्यक्रम और पीएचडी कार्यक्रमों से हटने के लिए मजबूर किया गया। उन्होंने आरोप लगाया था कि संस्थान में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के छात्रों की शिकायत निवारण के लिए परिसर में कोई व्यवस्था नहीं है।

दान पेटी में गिरा आईफोन मंदिर ने अपनी संपत्ति बताया

युवक ने फोन मांगा तो मंदिर प्रशासन बोला- अब ये भगवान का, सिम कार्ड-डेटा ले लो

चेन्नई, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। तमिल फिल्म 'पालयथम्मन' में एक महिला गलती से अपने बच्चे को मंदिर की 'हुंडी' (दान पेटी) में गिरा देती है और बच्चा 'मंदिर की संपत्ति' बन जाता है। ऐसी ही घटना चेन्नई के पास थिरुपुरुर के अरुलमिगु कंदस्वामी मंदिर में हुई है। दरअसल, विनयागपुरम के रहने वाले एक भक्त दिनेश का आईफोन गलती से मंदिर की दान पेटी में गिर गया। आईफोन वापस मांगने के लिए उन्होंने मंदिर प्रशासन से संपर्क किया। हालांकि, उन्हें खाली हाथ लौटना पड़ा।

मंदिर के अधिकारियों ने दिनेश से कहा कि हुंडी में मिली कोई भी चीज भगवान की होती है। हालांकि, मंदिर प्रशासन ने उन्हें सिम कार्ड देने और फोन से डेटा डाउनलोड करने की पेशकश की। दिनेश बोले- दान के लिए पैसा निकाल रहा था, फोन ही गिर गया दिनेश एक महीने पहले परिवार के साथ मंदिर गए थे। पूजा के बाद वे दान पेटी में पैसे डालने गए थे। जब वह अपनी शर्ट की जेब से नोट निकाल रहे थे, तो उनका आईफोन गलती से दान पेटी में गिर गया। चूंकि दान पेटी ऊंचाई पर रखी हुई थी, इसलिए वह फोन नहीं निकाल पाए। घबराए हुए दिनेश ने मंदिर के अधिकारियों से संपर्क किया।

दो महीने में एक बार खुलती है दान पेटी

मामला नवंबर का है, लेकिन दिनेश शुक्रवार, यानी 20 दिसंबर को अपना आईफोन लेने मंदिर पहुंचे थे। दरअसल, मंदिर के नियम के मुताबिक दान पेटी दो महीने में एक बार खोली जाती है। दिनेश ने मंदिर प्रशासन से अपने फोन गिरने की शिकायत दर्ज कराई। उन्हें दिसंबर में आने को कहा गया।

खबरें जरा हटके

दुनिया की सबसे बड़ी बैंक नोट, साइज है इतना ज्यादा, वॉलेट तक में नहीं होती फिट!

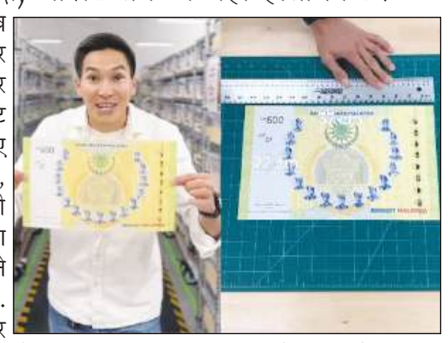

2016 में जब भारत सरकार ने 1000 और 500 के नोट बदले और नए नोट चलाए थे, लोगों की अलग-अलग प्रतिक्रिया देखने को मिली थी. आमतौर पर ऐसा देखा जाता है कि साइज में छोटे नोट ज्यादा हैंडी होते हैं. बड़े नोट को कैरी करना थोड़ा मुश्किल होता है. हालांकि, उसे फोल्ड कर के पर्स या वॉलेट में रखने का भी एक विकल्प होता है, पर कई लोग नोट को सीधे-सीधे ही अपने वॉलेट में डालना पसंद करते हैं. पर क्या आप जानते हैं कि दुनिया में ऐसी बैंक नोट है, जो इतनी बड़ी है कि वो वॉलेट में फिट ही नहीं होगी. इसका साइज देखकर आप हैरान हो जाएंगे.

इंस्टाग्राम अकाउंट पर अक्सर रुपये-पैसों से जुड़े रोचक वीडियोज पोस्ट किए जाते हैं. हाल ही में दुनिया के सबसे बड़े बैंक नोट से जुड़ा एक वीडियो पोस्ट किया गया है जिसमें 3 सबसे बड़ी नोट्स दिखाई गई हैं. इससे पहले शायद ही आपने इतनी बड़ी नोट्स देखी होंगी. वीडियो में शख्स सबसे पहले जिस नोट को दिखाता है, वो तीसरी सबसे बड़ी नोट है. ये फीजी देश की है, जिसका मूल्य है 2 हजार फीजी डॉलर (36.61 रुपये). ये एक स्पेशल नोट है जिसे साल 2000 में नई सदी की शुरुआत के उपलक्ष में लॉन्च किया गया था.

दुनिया की सबसे बड़ी बैंक नोट

दूसरी सबसे बड़ी बैंक नोट फिलिपीन्स की है. इसका मूल्य 1 लाख फिलिपीन पेसोस (1.4 लाख रुपये) है. ये नोट साल 1998 में इशू की गई थी. नोट को फिलिपीन्स के 300वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर जारी किया गया था. नोट पर एतिहासिक दृश्य बने हुए थे. अब बात करते हैं सबसे बड़ी नोट की. दुनिया की सबसे बड़ी बैंट नोट मलेशिया की है. इसका मूल्य 600 रिंगिट (11,900 रुपये) है. ये नोट लंबाई में 22 सेंटीमीटर और चौड़ाई में 35 सेंटीमीटर की है. ये नोट मलेशिया के 60वें स्वतंत्रता दिवस को मनाने के लिए 2017 में इशू हुई थी. नोट के सामने देश के 15 राजाओं की फोटो है. ये सारी नोट बहुत दुर्लभ हैं और कई बार इनको बेचकर लोगों की अच्छी कमाई हो जाती है.

रीवा के विकास की उंगलियों का कमाल

आंख पर पट्टी बांधकर करते हैं स्पीड टाइपिंग! बनाया वर्ल्ड रिकार्ड

अजब रीवा में गजब का टैलेंट है, यहां जो भी होता है वह अक्सर अलग ही होता है. यहां टैलेंट की कोई कमी नहीं है. फिर वह चाहे बच्चा हो या जवान, एक नए हुनर के साथ उभर कर सबको चौंका ही देता है. आज हम बात करने जा रहे है विंध्य के रीवा जिले के रहने वाले एक 30 वर्षीय युवक की. जिसने कुछ ऐसा ही कारनामा कर के दिखाया है, जिसे देखकर हर कोई हैरान है. रीवा के रहने वाले विकास त्रिपाठी इतने फास्ट टाइपिस्ट हैं की पलक झपकते ही वह A से लेकर Z तक हर एक वर्ड के बाद स्पेस के साथ अल्फाबेट टाइपिंग कर देते हैं. इतना ही नहीं विकास के टाइपिंग करने का अंदाज अलग है, क्योंकि वह यह काम आंखों को खोलकर नहीं आंखो में पट्टी बांधकर करते हैं.

एसिस्ट बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड ने दर्ज किया नाम

विकास के इस कारनामे को देखते हुए "एसिस्ट बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड" और "इंडिया बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड" में उनका नाम दर्ज किया है. विकास त्रिपाठी कंप्यूटर टाइपिंग करने में इतने माहिर है कि आंखों पर काली पट्टी बांधकर मात्र 3.62 मिली सेकेंड में A लेकर Z तक की अल्फाबेट टाइपिंग करके नया इतिहास रच दिया. जिसके लिए एसिस्ट बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड ने उनका नाम दर्ज किया है. उनके इस हुनर को देखकर हर कोइ हैरान है कि भला कोई व्यक्ति कैसे आंख पर काली पट्टी बांधकर इतनी फास्ट टाइपिंग कर सकता है.

आइंस्टीन से भी तेज दिमाग वाला शख्स! खोज लिया दुनिया के सबसे मुश्किल सवाल का जवाब, हर कोई चाहेगा जानना

जब लोगों के मन में किसी भी चीज को लेकर जिज्ञासा पैदा होती है, तब वो प्रश्न का रूप ले लेती है. दुनिया में करोड़ों सवाल हो सकते हैं, आसमान नीला क्यों है? टायर काले ही क्यों होते हैं? आज मन उदास क्यों है? आपके परीक्षा में कितने अंक आएंगे? लगभग हर सवाल का जवाब आप खोज सकते हैं, पर कुछ सवाल इतने मुश्किल होते हैं कि उनके जवाब कोई नहीं जानता. दुनिया में ऐसा ही एक बेहद मुश्किल सवाल है, मरने के बाद क्या होता है?

इस प्रश्न का उत्तर सिर्फ परमात्मा के पास है, मगर एक शख्स ने दावा किया है कि उसने इसका उत्तर खोज लिया है. ये कोई मामूली शख्स नहीं है, इसका दिमाग महान वैज्ञानिक आइंस्टीन से भी तेज है!

डेली स्टार न्यूज वेबसाइट के अनुसार अमेरिका के क्रिस लैंगन का दावा है कि उनका आईक्यू दुनिया में सबसे ज्यादा है, वो आइंस्टीन और स्टीफन हॉकिन्स से भी ज्यादा है. उनका आईक्यू 190 से 210 वहीं आइंस्टीन का आईक्यू करीब 160 था. क्रिस का दावा है कि मरने के बाद भी एक दुनिया है, मरना जीवन का अंत नहीं है. क्रिस लैंगन को कॉगनेटिव थ्योरेटिक मॉडल ऑफ यूनिवर्स के लिए जाना जाता है, जिसके तहत वो रिएलिटी को सेल्फ सिम्युलेशन मानते हैं.

मौत का मतलब है फिजिकल बॉडी को त्यागना!

वो गणित के दम पर भगवान और दूसरी दुनिया के होने का दावा करते हैं. उनका कहना है कि मौत सिर्फ दूसरे डायमेंशन (आयाम) में जाने का एक जरिया है. एक पॉडकास्ट में इंटरव्यू देते हुए क्रिस ने कहा कि मौत सिर्फ फिजिकल बॉडी को त्यागना होता है, उसका ये मतलब नहीं होता कि इंसान का अस्तित्व ही खत्म हो गया. मरने का मतलब होता है कि आपका, अपने शरीर से संबंध खत्म हो गया.

पिछले शरीर के बारे में सब भूल जाता है इंसान

जब आप इस सत्य से निकलते हैं, तो दूसरे सत्य में लौट जाते हैं. आपको दूसरा शरीर मिल जाता है, जिसमें आप कुछ वक्त और रहते हैं. उनका कहना है कि जब इंसान दूसरे डायमेंशन में पहुंचता है, तो उसे पिछले शरीर के बारे में कुछ याद नहीं रहता.

पत्नी ने करवाई पति की हत्या

पत्थरों से दबी मिली अधजली लाश, दो बच्चों को छोड़कर प्रेमी के साथ भागी महिला

फरीदाबाद, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के फरीदाबाद में एक महिला ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर अपने ही पति की हत्या की साजिश रची। महिला के प्रेमी ने ने मिलकर पहले युवक को शराब पिलाया फिर उसके बाद पीट-पीटकर युवक की हत्या कर दी। फिर उसके शव को पहाड़ी पर ले जाकर पत्थर के नीचे दबा दिया।

पति की मौत के बाद महिला अपने प्रेमी संग फरार हो गई, फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। हरियाणा के जिले फरीदाबाद के थाना धोज इलाके में एक पत्नी द्वारा अपने ही पति की अपने प्रेमी के साथ मिलकर हत्या करवाने का मामला सामने आया है। बता दें की मृतक का शव आज 6 दिन बाद माँगर के पहाड़ों में जला हुआ और पत्थरों से दबा हुआ मिला। मृतक की बहन शबनम ने बताया कि उसके भाई तैयब की शादी 12 साल पहले पाखल की रहने वाली अनीशा से हुई थी, जिसके दो बच्चे भी थे। अनीशा तैयब के साथ अपने मायके में ही रहती थी लेकिन इसी दौरान उसका एक रवि नाम के लड़के से अवैध संबंध हो गया। जिसे उसके भाई ने अपनी आंखों से देख भी लिया था, लेकिन उसने घर बसाने के लिए अनीशा से कहा कि वह अब यहां नहीं रहेंगे, अपनी मां के पास रहेंगे। लेकिन अनीशा नहीं मानी, इसके बाद से अनीशा लगभग 6 सालों से तैयब से अलग रह रही थी। लेकिन रवि और उसका अवैध संबंध चला रहा। बीते सोमवार को रवि ने उसके भाई तैयब को फोन करके पाखल टोल के पास में बुलाया था और फिर उसे दो अन्य साथियों के साथ रवि ने शराब पिलाई और फिर उसकी पीट पीट कर हत्या कर दी।

उसके भाई को मौत के घाट उतारने के बाद हत्यारे ने उसके शव को जला दिया और फिर पत्थरों में दबाकर फरार हो गए 6 दिन बाद आज उसके भाई का शव मिला है वह चाहती है कि उसके भाई की निर्मम हत्या करने वाले रवि उसके दो साथी और उसकी भाभी अनीशा के खिलाफ पुलिस सख्त से सख्त से सख्त पुलिस कानूनी कार्रवाई करें।

सीटी रवि का दावा–मेरी जान को खतरा

महिला आयोग ने विधान परिषद के अध्यक्ष को जांच के लिए लिखा पत्र

बेंगलूरू, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक राज्य महिला आयोग ने भाजपा के एमएलसी सीटी रवि के खिलाफ उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। यह मामला 19 दिसंबर की कर्नाटका विधान परिषद का है, जहां रवि ने महिला और बाल कल्याण मंत्री लक्ष्मी हेब्बलकर के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियां की थीं। इस बीच, भाजपा नेता सीटी रवि ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कई गंभीर आरोप लगाए।

महिला आयोग की अध्यक्ष नागलक्ष्मी चौधरी ने विधान परिषद के अध्यक्ष बसवराज होरट्टी को पत्र लिखकर इस घटना की उच्चस्तरीय जांच करने की अपील की। उन्होंने कहा कि रवि ने जो अपशब्द कहे, वे महिलाओं का अपमान करने वाले और असंवैधानिक थे।

मंत्री एक जिम्मेदार पद पर...

चौधरी ने कहा कि एक पूर्व मंत्री, जो समाज में एक जिम्मेदार पद पर है, को महिलाओं के सम्मान का ध्यान रखना चाहिए था। इस प्रकार के शब्दों का इस्तेमाल महिलाओं की गरिमा और सम्मान को ठेस पहुंचाता है। उन्होंने होरट्टी से इस मामले पर गंभीरता से विचार करने और उच्च स्तरीय जांच का आदेश देने का अनुरोध किया।

मेरी जान को खतरा : सीटी रवि

भाजपा नेता सीटी रवि ने कहा, 'मुझे अभी भी जान का खतरा है, इसलिए मैं सरकार से सहायता देने के लिए कह रहा हूं। अगर मुझे कुछ होता है तो सरकार को जिम्मेदारी लेनी होगी। डीके शिवकुमार और लक्ष्मी हेब्बलकर ने कुछ योजना बनाई जो मेरे लिए खतरा है। मैं पूरे मामले में न्यायिक जांच की मांग करता हूं। जिस तरह से पुलिस ने मेरे साथ व्यवहार किया है, उनकी और पुलिस कॉल रिकॉर्ड की जांच की जानी चाहिए।' उन्होंने आगे कहा, 'मैं एक और गंभीर आरोप लगा रहा हूं कि मेरा फोन ट्रैक किया जा रहा है। इसकी भी जांच किए जाने की जरूरत है। डीके शिवकुमार ने कहा कि यह लक्ष्मी हेब्बलकर क्षेत्र है और मुझे जाने की अनुमति दी गई थी, वह क्या सोचते हैं, क्या बेलगावी एक बनाना रिपब्लिक है? क्या कनकपुरा एक बनाना रिपब्लिक है? मैं आपसे उन अधिकारियों को निलंबित करने का अनुरोध करता हूं जो निर्देशों पर काम नहीं करते हैं।' घटना के बाद, 19 दिसंबर को रवि को बेलगावी में गिरफ्तार किया गया था, लेकिन कर्नाटक हाईकोर्ट ने उन्हें जमानत दे दी थी, यह कहते हुए कि गिरफ्तारी नियमों के अनुसार नहीं की गई थी।

आरोपों को नकार चुके हैं सीटी रवि

इससे पहले, आरोपों के बारे में पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए भाजपा नेता सीटी रवि ने कहा था, 'उन पर लगे आरोप झूठे हैं, ऑडियो और वीडियो की पुष्टि होने दीजिए, उसके बाद मैं बोलूंगा। मैं अभी कुछ नहीं कहूंगा। मैं ऐसा व्यक्ति नहीं हूं जो किसी को व्यक्तिगत रूप से गाली दे। मैंने उन्हें गाली नहीं दी है, मुझे नहीं पता कि उन्हें ऐसा क्यों लगा। मैंने उनसे कुछ नहीं कहा। मैंने उनके खिलाफ कोई व्यक्तिगत टिप्पणी नहीं की है, जैसा कि वह दावा कर रही हैं।'

'भूमि अधिग्रहण के कारण रेलवे परियोजनाओं में हो रही देरी'

रेल मंत्रालय ने दी जानकारी

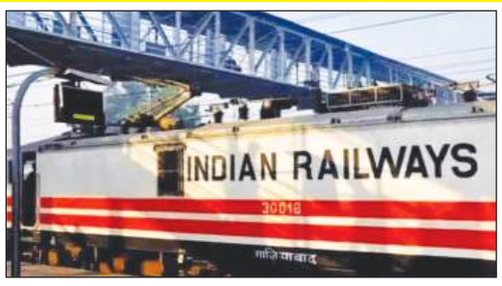

कोलकाता, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। रेल मंत्रालय ने बताया कि भूमि अधिग्रहण में चुनौतियों के कारण पश्चिम बंगाल में कई रेलवे बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में देरी हुई है। उन्होंने कहा कि फंडिंग में पर्याप्त वृद्धि के बावजूद परियोजनाओं की गति धीमी रही। 2009 से 2014 के दौरान 4,380 करोड़ रुपये आवंटित किए गए थे, जो 2024-25 में बढ़कर 13,941 करोड़ हो गए। एक अप्रैल तक बंगाल में 43 रेलवे परियोजनाएं हैं, जिसमें पूर्वी, दक्षिण पूर्वी और पूर्वोत्तर में नई लाइनें और आधुनिकीकरण के प्रयास शामिल हैं।

मंत्रालय ने बताया कि भूमि अधिग्रहण एक महत्वपूर्ण चुनौती बनी हुई है। परियोजनाओं को पूरा करने के लिए 3,040 हेक्टेयर जमीन की आवश्यकता है, लेकिन केवल 640 हेक्टेयर जमीन ही दिया गया है। परियोजनाओं को पूरा करने के लिए अभी भी 2,400 हेक्टेयर जमीन की आवश्यकता है। रेलवे अपनी परियोजनाओं के लिए राज्य सरकारों के माध्यम से भूमि अधिग्रहण करता है। रेलवे ने बताया कि भूमि अधिग्रहण चुनौती के कारण देरी का सामना करने वाले कुछ प्रमुख परियोजनाओं के नाम- नबद्वीपधाम नई लाइन (10 किमी); इसके लिए 106.86 हेक्टेयर जमीन की आवश्यकता है, लेकिन 0.17 हेक्टेयर अधिग्रहीत किया गया है। चंदनेश्वर-जलेश्वर नई लाइन (41 किमी): 158 हेक्टेयर की आवश्यकता है, लेकिन आज तक इसके लिए कोई जमीन अधिग्रहीत नहीं की गई। नैहाटी-राणाघाट तीसरी लाइन (36 किमी): 87.83 हेक्टेयर जमीन की आवश्यकता है, लेकिन इसके लिए केवल 0.09 हेक्टेयर अधिग्रहीत किया गया। बालुरघाट-हिल्ली नई लाइन (30 किमी): 156.38 हेक्टेयर जमीन की आवश्यकता है, लेकिन 67.38 हेक्टेयर अधिग्रहीत किया गया। सैंथिया (5 किमी) और सीतारामपुर (7 किमी) में बाईपास: 22.28 हेक्टेयर जमीन की आवश्यकता है, लेकिन इसके लिए 2.22 हेक्टेयर का ही अधिग्रहण किया जा सका है।

मेरठ में गंजों को तेल लगाने वाले 3 पकड़े

लोग बोले-सिर में खुजली और जलन हो रही; पुलिस ने दिल्ली-बिजनौर में छापा मारकर पकड़ा

मेरठ, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। मेरठ में गंजे लोगों के सिर पर बाल उगाने का दावा करने के मामले में पुलिस ने 3 लोगों को अरेस्ट किया है। आरोपियों के नाम समीर, इमरान खान और सलमान है। तीनों आरोपी बिजनौर और दिल्ली के रहने वाले हैं। प्रहलाद नगर के रहने वाले शादाब राव ने लिसाड़ी गेट थाने में तहरीर दी थी। उसी की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा किया है। तेल लगाकर बाल उगाने के नाम पर धोखाधड़ी करने के मामले में इन तीनों को अरेस्ट किया गया है। सीओ कोतवाली आशुतोष ने बताया कि तीन आरोपियों को अरेस्ट किया गया है। इन पर धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया है। बाकी जांच की जा रही है।

वादी के सिर में हुई थी दवा से एलर्जी

शादाब राव पुत्र जलील अहमद निवासी म.न. 581 प्रहलादनगर थाना लिसाडी गेट मेरठ ने लिसाड़ी गेट थाने में तहरीर दी थी। कहा कि बिजनौर के रहने वाले सलमान और उसकी टीम मिलकर लोगों के साथ धोखाधड़ी कर रहे हैं।

वो लोगों को सिर में बाल उगाने के नाम पर दवा देते हैं। शादाब ने बताया कि इस दवा से उसके अपने सिर में खुजली और एलर्जी हो गई। इसलिए उसके साथ धोखाधड़ी की गई है। शादाब की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया। तीनों आरोपियों को पुलिस ने अरेस्ट किया है।

मुंबई नाव हादसा : पैरेंट्स बच्चों को समुद्र में फेंकना चाहते थे

ताकि डूबने से पहले रेस्क्यू टीम उन्हें बचा ले, सीआईएसएफ कॉन्स्टेबल का खुलासा

मुंबई, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। मुंबई में 18 दिसंबर को हुए नाव हादसे में मौत का आंकड़ा 15 पहुंच गया। हादसे के चौथे दिन शनिवार को 7 साल के बच्चे का शव मिला। सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन खत्म हो गया है। गेटवे ऑफ इंडिया से एलीफेंटा जा रही पैसेंजर बोट और नेवी की स्पीड बोट टकराकर डूब गई थी। दोनों में कुल 113 लोग सवार थे, जिसमें 98 को बचाया गया था।

हादसे के तीन दिन बाद लापता सात वर्षीय बच्चे का मिला शव

मुंबई में हुए नौका हादसे में लापता सात साल के बच्चे का शव शनिवार को मिला। नौसेना की नौकाओं ने शनिवार को भी तलाशी अभियान जारी रखा। एक अधिकारी ने बताया कि ये तलाशी अभियान शनिवार शाम तक जारी रहेगा। गुरुवार शाम को हादसे में लापता 43 वर्षीय व्यक्ति का शव बरामद हो गया था। बच्चे का शव मिलने के बाद बाद हादसे में मरने वालों का आंकड़ा बढ़कर 15 हो गया।

बीती 18 दिसंबर को हुई दुर्घटना मुंबई के बंदरगाह क्षेत्र में हुई सबसे घातक दुर्घटनाओं में से एक मानी जा रही है।

रेस्क्यू टीम में शामिल एक सीआईएसएफ कॉन्स्टेबल ने शनिवार को बताया कि बोट में सवार कुछ पैरेंट्स अपने बच्चों को समुद्र में फेंकना चाहते थे। उन्हें लग रहा था कि बोट डूब रही है, पानी में फेंकने से बच्चे शायद बच जाएं। उन्हें लग रहा था कि बच्चों को बचाने के लिए मदद जल्दी पहुंच जाएगी। वहीं, एक कार्गो शिप के ड्राइवर ने बताया- मेरी बोट की कैपेसिटी 12 लोगों की थी, लेकिन मैंने अपने अनुभव पर भरोसा करते हुए 56 लोगों को बोट में चढ़ाया और उन्हें किनारे तक पहुंचाया। यह बहुत बड़ा एक्सीडेंट था। महिलाएं-बच्चे चिल्ला रहे थे। सभी बोट में चढ़ना चाहते थे। इन 56 लोगों में एक बच्चा बच नहीं सका।

18 दिसंबर को दोपहर करीब 3:30 बजे नेवी की स्पीड बोट पैसेंजर बोट से टकराई, जिसके बाद पैसेंजर बोट डूबने लगी। 90 यात्रियों की क्षमता वाली बोट में करीब 107 लोग सवार थे। नेवी की बोट पर 6 लोग थे, जिनमें से सिर्फ 2 को बचाया जा सका। दोनों बोट पर कुल मिलाकर 113 लोग मौजूद थे। अब तक 14 लोगों की मौत हुई है। बोट की टक्कर के बाद 25 मिनट बाद नेवी ने सवार लोगों का रेस्क्यू किया। रेस्क्यू ऑपरेशन तीसरे दिन भी जारी है। नेवी टक्कर के बाद से लापता हुए 7 साल के बच्चे की तलाश शुक्रवार को भी कर रही है। कोलाबा पुलिस स्टेशन में नेवी के क्राफ्ट ड्राइवर पर केस दर्ज किया गया। एफआईआर में लापरवाही से मौत, दूसरों की निजी सुरक्षा या जिंदगी खतरे में डालने, लापरवाही से नाव चलाने की धाराएं शामिल हैं। हादसे के बाद गेटवे ऑफ इंडिया के आसपास बोटिंग के दौरान लाइफ जैकेट पहनना अनिवार्य कर दिया।

चश्मदीदों के 3 बयान, कहा- नेवी की बोट स्टंट कर रही थी

चश्मदीद ने बताया कि टक्कर से पहले नेवी की स्पीडबोट स्टंट कर रही थी, इसलिए मैंने इसका वीडियो रिकॉर्ड कर लिया। नेवी बोट का ड्राइवर शोऑफ कर रहा था। जिगजैग पैटर्न में स्पीडबोट चला रहा था। हमारी बोट में किसी ने भी लाइफ जैकेट नहीं पहनी थी। टूरिस्ट बोट के ड्राइवर ने बताया कि हम घटनास्थल पर सबसे पहले पहुंचे। पलटी हुई नाव पर सवार लोग मदद के लिए हाथ हिला रहे थे।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

रविवार, 22 दिसंबर, 2024 3

सुविचार
हर कोई इस बात से अनजान है कि वो खुद कितना क़ीमती है!

दूसरों की जिंदगी से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं : रेवंत रेड्डी

पुष्पा-2 फिल्म का अभिनेता अनुमति न मिलने के बावजूद थिएटर में गया

हैदराबाद, 21 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने विधानसभा में 'संध्या थिएटर घटना' पर बात की। उन्होंने कहा कि पुलिस ने जगह की कमी, खासकर दर्शकों के लिए एक ही प्रवेश द्वार होने के कारण मशहूर हस्तियों को संध्या सिनेमा हॉल में जाने की अनुमति नहीं दी। पुष्पा-2 फिल्म का नायक अनुमति न मिलने के बावजूद थिएटर में गया। अगर नायक थिएटर में जाकर फिल्म देखता और चला जाता तो कोई आपत्ति नहीं होती।

थिएटर जाते समय उसने सड़क पर कार की छत खोलकर रोड शो किया। आसपास के सभी थिएटरों से लोग अचानक संध्या थिएटर की ओर आ गए। नतीजतन, इलाके में भगदड़ मच गई। भगदड़ में मां रेवती की मौत हो गई और उसका बेटा कोमा में चला गया। भगदड़ में भी मां ने अपने बेटे का हाथ नहीं छोड़ा। यह एक मां का अपने बच्चे के प्रति प्यार होता है। मां ने अपने बेटे का हाथ थामे हुए ही दम तोड़ दिया। हीरो के थिएटर में घुसने पर भी भगदड़ मच गई। स्थानीय एसीपी ने नायक से कहा कि कानून व्यवस्था बिगड़ने का खतरा है। लेकिन नायक ने एक न सुनी। नगर आयुक्त ने कहा कि नायक वहां से जाने को तैयार नहीं हुआ।

डीसीपी नायक के पास पहुंचे और चेतावनी दी कि अगर वह वहां से नहीं हटा तो उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा। जाते समय भी फिल्म अभिनेता ने कार की छत खोली और रोड शो किया। पुलिस ने नायक और थिएटर प्रबंधन के खिलाफ मामला दर्ज किया। पुलिस ने गैर जिम्मेदाराना जवाब देकर अपना कर्तव्य निभाया। इस घटना पर कुछ राजनीतिक दलों ने अपनी शैतानी दिखाई। परिवार ने अपने बेटे के लिए 12,000 रुपये देकर फिल्म टिकट खरीदे, जिसमें से प्रत्येक टिकट की कीमत 3,000 रुपये थी।

परिवार ने कहा कि उनका बेटा नायक का बहुत बड़ा प्रशंसक है। जब एक मां की थिएटर में मौत हो गई, तो नायक शोकाकुल परिवार से मिलने नहीं आया और बच्चे का अस्पताल में इलाज चल रहा था। 10 साल के शासन के दौरान मंत्री रहे बीआरएस नेता ऐसे अमानवीय लोगों को गिरफ्तार करने के लिए सरकार की आलोचना कर रहे हैं। मां की मौत के लिए जिम्मेदार व्यक्ति को थाने बुलाए जाने पर विपक्ष गंदी भाषा का प्रयोग कर सरकार पर आरोप लगा रहा है। राज्य सरकार ने फिल्म उद्योग को बढ़ावा देने के लिए विशेष शो की अनुमति दी। क्या मां की मौत के लिए जिम्मेदार व्यक्ति को गिरफ्तार न करना उचित है? क्या फिल्म अभिनेताओं और राजनीतिक नेताओं के लिए कोई विशेष कानून होगा? सरकार डॉ. बीआर अंबेडकर द्वारा बनाए गए संविधान के अनुसार काम कर रही है। फिल्मी हस्तियां जेल गए नायक को सांत्वना देने के लिए उमड़ पड़ीं, लेकिन कोई भी पीड़ित परिवार से मिलने नहीं गया। पता नहीं फिल्म उद्योग के सेलिब्रिटी क्या चाहते हैं। फिल्म व्यवसाय गलत नहीं है, लेकिन हम दूसरों की जिंदगी से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं करेंगे। जब तक हम राज्य में सत्ता में हैं, तब तक इस तरह के खेल नहीं होने देंगे।

सतर्कता से बच गए साइबर अपराध पीड़ित के 4.6 लाख रुपये

हैदराबाद, 21 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। साइबर अपराध पीड़ित की तत्काल शिकायत और एसआर नगर पुलिस स्टेशन की एक महिला साइबर योद्धा की त्वरित कार्रवाई से साइबर धोखेबाजों के हाथों में पड़ने वाले 4.6 लाख रुपये बचाने में मदद मिली। शहर के एक 45 वर्षीय व्यवसायी ने साइबर जालसाजों द्वारा सोशल मीडिया पर सौर पैनलों से संबंधित पोस्ट किए गए विज्ञापन से आकर्षित होकर जानकारी के लिए संपर्क किया।

पुलिस ने बताया कि सोलर पैनल खरीदने में दिलचस्पी रखने वाले शिकायतकर्ता ने साइबर जालसाजों द्वारा बताए गए दो बैंक खातों में 5 लाख रुपये ट्रांसफर किए थे। हालांकि, पैसे मिलने के बाद जालसाजों ने शिकायतकर्ता को जवाब देना बंद कर दिया। ठगी का अहसास होने पर पीड़ित ने एसआर नगर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस स्टेशन में महिला हेड कांस्टेबल धीना ने तुरंत एनसीआरपी एंट्री की और लाभार्थी बैंकों के साथ-साथ उनके नोडल अधिकारियों और बैंक प्रबंधकों से संपर्क कर फंड ब्लॉक करने को कहा। नतीजतन, दोनों बैंक खातों से कुल 4.6 लाख रुपये ब्लॉक कर दिए गए।

पुलिस के निर्देशों का पालन किया था : अल्लू अर्जुन

मेरा उद्देश्य मनोरंजन करना रहा है, नुकसान पहुंचाना नहीं

हैदराबाद, 21 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अभिनेता अल्लू अर्जुन ने शनिवार को इस महीने की शुरूआत में संध्या थिएटर में हुई दुखद घटना पर अपनी चुप्पी तोड़ी, जिसमें एक महिला की मौत हो गई और उसका बेटा भगदड़ में गंभीर रूप से घायल हो गया, जब वह अपनी हालिया रिलीज 'पुष्पा-2' के एक लाभ शो के लिए थिएटर गए थे। अल्लू अर्जुन ने माफी मांगते हुए और थिएटर में भगदड़ जैसी स्थिति में 35 वर्षीय महिला रेवती की मौत और उसके 8 वर्षीय बेटे श्रीतेज के गंभीर रूप से घायल होने के बारे में कई गलतफहमियों को स्पष्ट करते हुए कहा कि यह एक दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना थी और इसमें किसी की गलती नहीं थी। उन्होंने जानमाल के नुकसान पर गहरा दुख व्यक्त किया लेकिन इस बात पर जोर दिया कि उनका कभी किसी को नुकसान पहुंचाने का इरादा नहीं था। उन्होंने कहा, इस प्रेस कॉन्फ्रेंस का मुख्य कारण यह स्पष्ट करना है कि मैं किसी को दोषी नहीं मानता, न तो सरकार को और न ही अधिकारियों को। यह घटना पूरी तरह से दुर्भाग्यपूर्ण थी, उन्होंने आगे कहा कि आगे की अटकलों और गलत सूचनाओं से बचने के लिए वह अब तक चुप रहे हैं।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में, जो मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी द्वारा अभिनेता को दुर्घटना के लिए सीधे तौर पर दोषी ठहराए जाने और उन पर बिना अनुमति के थिएटर में जाने और फिल्म देखे बिना लौटने से इनकार करने का आरोप लगाने के कुछ घंटों बाद हुई, अल्लू अर्जुन ने किसी भी रोड शो या जुलूस में शामिल होने से इनकार किया।

उन्होंने स्पष्ट किया, मैंने पुलिस के सभी निर्देशों का पालन किया और बिना अनुमति के कहीं नहीं गया। उन्होंने बताया कि वह भीड़ को हटाने और थिएटर में सुरक्षित पहुंच सुनिश्चित करने के प्रयास में प्रशंसकों का अभिवादन करने के लिए अपनी कार से बाहर आए थे। उन्होंने यह भी पुष्टि की कि भारी भीड़ के कारण पुलिस और थिएटर प्रबंधन के अनुरोध पर वह थिएटर से बाहर चले गए। मुख्यमंत्री के इस दावे का खंडन करते हुए कि उन्होंने गिरफ्तारी की धमकी मिलने तक थिएटर नहीं छोड़ा था और उन्होंने एक महिला की मौत के बारे में जानने के बाद भी अपने प्रशंसकों को हाथ हिलाया था, अल्लू अर्जुन ने खुलासा किया कि उन्हें अगली सुबह तक इस दुखद मौत के बारे में पता नहीं था। घटना के बारे में जानने के बाद, उन्होंने तुरंत अपनी टीम को परिवार से संपर्क करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि कानूनी प्रतिबंधों के कारण, वह वर्तमान में शोक संतप्त परिवार से व्यक्तिगत रूप से मिलने में असमर्थ हैं, लेकिन अपनी टीम के माध्यम से सहायता प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें बच्चे की स्थिति के बारे में हर घंटे अपडेट मिल रहा है। अभिनेता ने सरकार के प्रति आभार भी व्यक्त किया और अपने चरित्र को हुए नुकसान पर निराशा व्यक्त की। उन्होंने कहा, कृपया मेरे चरित्र पर हमला न करें। मेरा हमेशा से उद्देश्य मनोरंजन करना रहा है, नुकसान पहुंचाना नहीं। कानूनी प्रतिबंधों का हवाला देते हुए सवालों का जवाब दिए बिना ही उन्होंने अपनी बात समाप्त कर दी।

फूड डिलीवरी ऐप कर्मचारी गिरफ्तार

'म्यूल' अकाउंट चलाने का आरोप

पेडापल्ली, 21 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एक लोकप्रिय फूड डिलीवरी ऐप के डिलीवरी बॉय को एक खाता चलाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है, जिसमें मंचेरियल की एक महिला से चुराए गए पैसे ट्रांसफर किए गए थे। गोदावरीखानी साइबर अपराध पुलिस के अनुसार, साइबर बदमाशों ने मंचेरियल में एक महिला से 31.6 लाख रुपये चुरा लिए थे। पीड़िता की शिकायत के आधार पर साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन के एसएचओ (डीएसपी) एम वेंकटरमण और इंस्पेक्टर जे कृष्णमूर्ति ने जांच शुरू की और हैदराबाद के दबीरपुरा से मोहम्मद अवाद को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ करने पर अवाद ने बताया कि उसने अपने नाम से तीन बैंक खाते खोले थे और खाते का विवरण इलियास को दे दिया था, क्योंकि इलियास ने प्रत्येक एक लाख रुपये की जमा राशि पर 300 रुपये कमीशन देने का वादा किया था। पेशे से एसी तकनीशियन, अवाद एक लोकप्रिय फ़ूड डिलीवरी ऐप के लिए डिलीवरी बॉय के तौर पर भी काम कर रहा था।

तेलंगाना में अब कोई लाभकारी शो नहीं

टॉलीवुड के लिए विशेष टिकट दरें नहीं

हैदराबाद, 21 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार ने तेलुगु फिल्मों के लिए लाभकारी शो और टिकट बढ़ोतरी जैसी विशेष सुविधाओं को खत्म करने का फैसला किया है। यह फैसला हाल ही में अल्लू अर्जुन की 'पुष्पा 2 - द रूल' के लाभकारी शो के दौरान संध्या थिएटर में हुई भगदड़ के मद्देनजर लिया गया है। भगदड़ में रेवती नाम की महिला की मौत हो गई, जबकि उसका बेटा श्रीतेज अभी भी अस्पताल में जिंदगी के लिए संघर्ष कर रहा है। सिनेमेटोग्राफी मंत्री कोंमटि रेड्डी वेंकट रेड्डी ने शनिवार को विधानसभा में यह घोषणा की। मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार अब किसी भी लाभकारी शो और टिकट बढ़ोतरी जैसी विशेष सुविधाओं की अनुमति नहीं देगी। साथ ही मंत्री ने अपने निजी खाते से पीड़ित परिवार को 25 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की भी घोषणा की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार श्रीतेज के इलाज का खर्च वहन कर रही है।

तेलंगाना डीजीपी डॉ. जितेंद्र, साइबराबाद पुलिस कमिश्नर अविनाश मोहंती, रक्षा विभाग के अधिकारी और अन्य गणमान्य व्यक्ति हकीमपेट वायुसेना स्टेशन पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को विदाई देते हुए।

एसपी रोहित राजू ने समाज कल्याण आश्रम स्कूल का किया निरीक्षण

बच्चों के साथ बैठकर किया भोजन

कोत्तागुडेम, 21 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस अधीक्षक बी रोहित राजू ने शनिवार को जिले के अन्नापुरेड्डीपल्ले स्थित समाज कल्याण बालक आश्रम स्कूल एवं कॉलेज का औचक निरीक्षण किया। एसपी ने कक्षाओं का निरीक्षण किया, शिक्षकों के पढ़ाने के तरीके को देखा और विद्यार्थियों से उनकी समस्याओं के बारे में पूछा। इसके बाद उन्होंने विद्यार्थियों से बातचीत की और उन्हें पढ़ाई में अव्वल आकर अपने माता-पिता का नाम रोशन करने की सलाह दी।

रोहित राजू ने विद्यार्थियों को बुरी आदतों, व्यसनों से दूर रहने तथा अनुशासन में रहने को कहा। विद्यार्थियों को शिक्षकों द्वारा सिखाई गई बातों को ध्यान से सुनना चाहिए तथा उच्च स्तर तक पहुंचने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि छात्रों को अपने माता-पिता और शिक्षकों को नहीं भूलना चाहिए, चाहे वे अपने जीवन में किसी भी स्तर पर पहुंच जाएं। उन्होंने छात्रों को खेलों में भी आगे बढ़ने की सलाह दी, साथ ही उन्हें केवल फिल्मों में दिखाए गए अच्छे कामों को अपनाने के लिए कहा। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर कोई व्यक्ति वास्तविक जीवन में खुद को हीरो समझता है और गलत रास्ते पर चलता है, तो वह असफल हो जाएगा। एसपी ने बाद में रसोई, स्टोर रूम, डाइनिंग हॉल का निरीक्षण किया और अधिकारियों को वहां की स्थिति सुधारने के लिए कई सुझाव दिए। इसके बाद वे छात्रों के साथ दोपहर के भोजन में शामिल हुए। इस मौके पर एसबी इंस्पेक्टर नागराजू, जुलुरपाड़ सीआई इंद्रसेना रेड्डी, अन्नापुरेड्डीपल्ले एसआई चंद्रशेखर और अन्य मौजूद थे।

छात्र ने ऑनलाइन सट्टेबाजी में गंवाए पैसे, की आत्महत्या

हैदराबाद, 21 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी जिले के महेश्वरम में ऑनलाइन सट्टेबाजी में पैसा हारने के बाद एक डिग्री छात्र ने आत्महत्या कर ली। महेश्वरम के पोचम्मा बस्ती निवासी साई किरण 21 वर्ष शहर के एक कॉलेज से प्रथम वर्ष की पढ़ाई कर रहा था। शुक्रवार की रात को उसने खुद पर ईंधन छिड़ककर आग लगा ली। उसे अस्पताल ले जाया गया और अस्पताल में उसे मृत घोषित कर दिया गया।

साई किरण के परिजनों ने पुलिस को बताया कि वह ऑनलाइन सट्टे की लत में फंस गया था और पैसे हार गया था। उसने अपने दोस्तों से भी पैसे उधार लिए थे। डांटने पर उसने यह कदम उठाया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

महिलाओं के खिलाफ अपराध करने वालों की खैर नहीं : सीपी सुधीर बाबू

हैदराबाद, 21 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा आयुक्त सुधीर बाबू ने आज कहा कि इस वर्ष आयुक्तालय के अधिकार क्षेत्र के तहत एलबीनगर क्षेत्र में कुल 25 चेन स्नैचिंग के मामले दर्ज किए गए हैं।

अधिकारियों और 18 पुलिस कर्मियों के सहयोग से सभी मामलों को सुलझाया है। राचकोंडा आयुक्तालय में आज सीसीएस एलबीनगर, आईटी सेल और 18 स्टाफ सदस्यों को विशेष रूप से बधाई दी गई और प्रमाण पत्र सौंपे गए। इस मौके पर सीपी ने कहा कि हम कमिश्नरेट के अधिकार क्षेत्र में शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं और महिलाओं की सुरक्षा को उच्च प्राथमिकता दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि आयुक्तालय के अधिकार क्षेत्र में सीसीटीवी का व्यापक उपयोग भी मामलों की जांच में अधिकारियों के लिए बहुत उपयोगी है। कमिश्नर ने चेतावनी दी कि महिलाओं के खिलाफ अपराध करने वालों और चेन स्नेचरों को किसी भी सूरत में नजरअंदाज नहीं किया जाएगा। इस अवसर पर एलबीनगर डीसीपी प्रवीण कुमार, एसओटी डीसीपी मुरलीधर, एसओटी अतिरिक्त डीसीपी नंद्याला नरसिम्हा रेड्डी, वनस्थलीपुरम एसीपी काशीरेड्डी, वनस्थलीपुरम, मीरपेट डीआई उपस्थित रहे।

एंटी नारकोटिक्स ब्यूरो ने जब्त किया एक किलो एमडीएमए

संगारेड्डी, 21 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना एंटी नारकोटिक्स ब्यूरो (टीजीएएनबी) ने एनएच-65 पर इस्नापुर में दो गांजा तस्करों को गिरफ्तार कर उनके पास से एक किलोग्राम एमडीएमए जब्त किया। बताया जा रहा है कि ड्रग तस्कर मुंबई में नाइजीरियाई सप्लायरों से नियमित रूप से ड्रग खरीद रहे थे। आरोपियों में मुंबई निवासी मोहम्मद सलीम अब्दुल (30) और मुकेश दुबे शामिल हैं। एक अन्य तस्कर रईस रियाज शेख फरार है। बताया जा रहा है कि दोनों हैदराबाद के बालानगर निवासी शेख आमेर को ड्रग बेचने के लिए हैदराबाद जा रहे थे। अधिकारियों ने बताया कि वे हैदराबाद में रहने वाले नाइजीरिया के सप्लायर जेरी और जिमी से 1,000 रुपये में एक ग्राम एमडीएमए ड्रग खरीद रहे थे। वे ड्रग को 4,000 से 5,000 रुपये प्रति ग्राम के हिसाब से बेच रहे थे।

पूर्व तट रेलवे
निविदा सं.: SANDT_WAT_24_S_ZONAL-SUP
कार्य का नाम : वाल्टियर मण्डल में सीनियर सेक्शन इंजीनियर/सिग्नल/श्रृंगवरपुकोटा के अधिकार क्षेत्र के अधीन सिग्नल जोनल कार्य।
विज्ञापित मूल्य (रुपये में) : 46,63,646/-, EMD (रुपये में): 93,300/-, पूरा होने की अवधि: 12 महीने।
बिड प्रारंभ होने की तिथि: दिनांक 23.12.2024, निविदा बंद होने की तिथि व समय: दिनांक 06.01.2025 को 1500 बजे।
ऐसी निविदा के लिए मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं है एवं इस तरह प्राप्त मैनुअल प्रस्ताव पर ध्यान नहीं दिया जायेगा।
निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण विस्तृत विवरण वेबसाइट www.ireps.gov.in में उपलब्ध है।
वरिष्ठ मण्डल सिग्नल एवं टेलीकॉम इंजीनियर/वाल्टियर
PR-818/P/24-25

कलेक्टर ने दिव्यांग स्ट्रीट वेंडर को नई यात्रा शुरू करने में की मदद

खम्मम, 21 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आम लोगों तक पहुंचने वाले जिला कलेक्टर मुजम्मिल खान ने खम्मम में एक विकलांग व्यक्ति को एक नई यात्रा शुरू करने में मदद की। कलेक्टर, जो उन वर्गों से जुड़ रहे हैं, जिनकी ओर आमतौर पर उच्च पदों पर बैठे अधिकारियों द्वारा ध्यान नहीं दिया जाता, कई अवसरों पर ऑटो-रिक्शा अड्डों का दौरा कर चुके हैं और ऑटो रिक्शा चालकों से बातचीत कर उनकी समस्याओं के बारे में जान चुके हैं।

अपने प्रयासों को जारी रखते हुए, खान ने दिसंबर के दूसरे सप्ताह में ऑटो-रिक्शा चालकों और उनके परिवारों के लिए एक विशेष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया ताकि उनकी स्वास्थ्य समस्याओं का समाधान किया जा सके। उन्होंने ऑटो रिक्शा चालकों के लिए योग कक्षाएं आयोजित करने के लिए भी कदम उठाए।

कलेक्टर ने महिला से कहा कि वे सरकार की ओर से उन्हें आर्थिक मदद देंगे। बाद में उन्होंने नगर निगम आयुक्त अभिषेक अगस्त्य से संपर्क किया और सुझाव दिया कि कमला को ऋण दिलाने की व्यवस्था की जाए। कलेक्टर के निर्देशों के बाद, नगरीय क्षेत्रों में गरीबी उन्मूलन मिशन (एमईपीएमए) के जिला मिशन समन्वयक सावला सुजाता, नगर मिशन समन्वयक जी सुजाता और सामुदायिक आयोजक बी रोजा ने एक स्थानीय बैंक से संपर्क किया और कमला को एक लाख रुपये का व्यवसाय ऋण प्रदान किया।

चेरलापल्ली रेलवे स्टेशन 28 दिसंबर को खुलने की संभावना

हैदराबाद, 21 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पुनर्विकसित चरलापल्ली रेलवे स्टेशन का उद्घाटन करने की अटकलों के विपरीत, केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव द्वारा 28 दिसंबर को स्टेशन का उद्घाटन करने की उम्मीद है। उम्मीद थी कि 430 करोड़ रुपये की भारी लागत से पुनर्विकसित किया गया चरलापल्ली स्टेशन अगस्त में आसपास के क्षेत्र में सड़क चौड़ीकरण कार्य के बाद खुल जाएगा। हालांकि, एप्रोच रोड कनेक्टिविटी विकसित करने के लिए भूमि अधिग्रहण सहित विभिन्न कारणों से इसमें देरी हुई।

चेरलापल्ली स्टेशन को टर्मिनल से 50 रेलगाड़ियां चलाने की योजना के साथ विकसित किया गया था, और यह लिफ्ट, एस्केलेटर, 9 प्लेटफार्म, विशाल पार्किंग स्थल आदि सहित आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है। शुरूआत में, दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) के अधिकारी करीब 25 सेवाएं चलाएंगे। रेलवे बोर्ड ने पहले ही स्पष्ट कर दिया है कि कृष्णा एक्सप्रेस, सबरी एक्सप्रेस, सातवाहन एक्सप्रेस और अन्य ट्रेनें चलाई जाएंगी।

स्टेशन से ट्रेनों को शुरू करने में सुविधा के लिए कोच मेंटेनेंस की सुविधा भी होगी।

चेरलापल्ली रेलवे स्टेशन दोनों शहरों में चौथा प्रमुख यात्री टर्मिनल बन जाएगा और इसे हवाई अड्डों के बराबर आधुनिक सुविधाओं और प्रौद्योगिकी के साथ विकसित किया गया है। आने वाली सुविधा न केवल सिकंदराबाद, नामपल्ली और काचेगुडा स्टेशनों पर बोझ कम करेगी बल्कि शहर की आबादी की बढ़ती जरूरतों को भी पूरा करेगी। हालांकि, दक्षिण मध्य रेलवे ने अभी तक उद्घाटन दिवस की आधिकारिक घोषणा नहीं की है।

विश्वविद्यालय में छत का प्लास्टर गिरने से छात्र घायल

नलगोंडा, 21 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नलगोंडा स्थित महात्मा गांधी विश्वविद्यालय परिसर में शनिवार को नीलगिरि छात्रावास के बाथरूम की छत का प्लास्टर गिर जाने से एक छात्र घायल हो गया।

यह घटना सुबह-सुबह उस समय हुई जब छात्र शौचालय का उपयोग कर रहे थे। छत का प्लास्टर एक छात्र के सिर पर गिर गया, जिससे उसके सिर में चोट लग गई।

छात्रों ने कथित तौर पर कुछ दिन पहले विश्वविद्यालय के अधिकारियों के साथ छत की जर्जर स्थिति का मुद्दा उठाया था, लेकिन उनकी ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली।

ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति से चिंतित छात्रों ने विश्वविद्यालय के अधिकारियों से भविष्य में ऐसी दुर्घटनाओं को रोकने के लिए कदम उठाने का आग्रह किया।

पूर्व तट रेलवे
निविदा सं. CAMC_PA-VSKP-VZM-CHE-RGDA
कार्य का नाम: 02 (दो) वर्षों के लिए वाल्टियर मण्डल के विशाखापट्नम, विजयनगरम, रायगडा एवं श्रीकाकुलम रोड स्टेशन में सिंगल लाइन डबल फेस एक नजर में (At a glance) प्रदर्शन फलक (AGDB), मेन डाटा कम्युनिकेशन हब (MDCH), प्लेटफॉर्म डाटा कम्युनिकेशन हब (PDCH), यूपीएस 5 KVA, कोच गाइडन्स डिस्प्ले बोर्ड (CGDB) के लिए व्यापक वार्षिक रख-रखाव ठेका।
विज्ञापित मूल्य (रुपये में): 44,49,646/-, EMD (रुपये में): 89,000/-, निविदा दस्तावेज की मूल्य (रुपये में): 3,540/-, पूरा होने की अवधि: 24 महीने।
बिड प्रारंभ होने की तिथि: दिनांक 23.12.2024, निविदा बंद होने की तिथि व समय: दिनांक 06.01.2025 को 1700 बजे।
ऐसी निविदा के लिए मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं है एवं इस तरह प्राप्त मैनुअल प्रस्ताव पर ध्यान नहीं दिया जायेगा।
निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण विस्तृत विवरण वेबसाइट www.ireps.gov.in में उपलब्ध होंगे।
वरिष्ठ मण्डल सिग्नल एवं टेलीकॉम इंजीनियर/वाल्टियर
PR-820/P/24-25

कोर्ट में बयान से पलटे तो होगी प्रशासनिक कार्रवाई

सरकारी नौकरी भी जाएगी

पटना, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। राज्य में 17 लाख से अधिक कांड लंबित हैं, जिसमें कमी लाने के लिए गृह विभाग और पुलिस मुख्यालय ने विशेष अभियान शुरू किया है। इसके तहत पुलिस, अभियोजन समेत सभी स्टेक होल्डरों की बैठक की गई है। इसके अलावा सभी जिलों को 10 से 12 बड़े आपराधिक कांडों को चिह्नित करने का निर्देश दिया गया है, जिनका स्पीडी ट्रायल चलाकर निष्पादन किया जाएगा। अभियोजन स्तर पर कांडों के निष्पादन में तेजी आए, इसके लिए गवाही देकर मुकरने वालों पर भी कड़ा एक्शन लिया जाएगा। कोर्ट में गवाही देकर पलटने वाले सरकारी कर्मियों व अधिकारियों के विरुद्ध बर्खास्तगी तक की अनुशंसा की जाएगी।

इसके लिए सीआइडी के डीआइजी की अध्यक्षता में कमेटी बनाई गई है, जो प्रशासनिक कार्रवाई करेगी। सूचना भवन के संवाद कक्ष में आयोजित प्रेस वार्ता में गृह विभाग के प्रधान सचिव अरविंद कुमार चौधरी और डीजीपी विनय कुमार ने इसकी जानकारी दी। प्रेस वार्ता में एडीजी मुख्यालय कुंदन कृष्णन, सचिव प्रणव कुमार के साथ विशेष सचिव केएस अनुपम भी शामिल रहीं।

'टल्ली' होकर स्कूल पहुंचे प्रिंसिपल

पुलिस को देख भागने लगे

भागलपुर, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार में शराबबंदी के बाद भी शराब पीकर लड़ाई झगड़ा करने और अपशब्द कहने के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। ऐसी ही एक मालमा भागलपुर जिले से आया है। जहां एक स्कूल के प्रिंसिपल शराब के नशे में धुत होकर स्कूल पहुंचे तो लड़खड़ाते कदमों को देख बच्चों को शक हो गया। वहीं इसकी सूचना पुलिस को मिली तो स्कूस पहुंच प्रिंसिपल को हिरासत में ले लिया, हालांकि प्रिंसिपल ने पुलिस को देख भागने की कोशिश की थी। दरअसल भागलपुर जिले के कहलगांव अनुमंडल के अमडण्डा थाना क्षेत्र अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय काझा के प्रिंसिपल साहब शराब के नशे में ही स्कूल पहुंच गए। ग्रामीणों ने इसकी सूचना पुलिस को दी तो जैसे ही पुलिस स्कूल पहुंची तो प्रिंसिपल मनोहर दास विद्यालय छोड़कर भागने लगे, लेकिन पुलिस ने प्रिंसिपल का पीछा किया और खेत में जाकर उन्हें दबोच लिया। जांच में गुरुजी शराब के नशे में पाए गए फिर पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

शराब की भट्टी पुलिस ने किया ध्वस्त

जमुई, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। जिले के गिद्धौर थाना क्षेत्र अंतर्गत गेनाडीह गांव में रात गिद्धौर थानाध्यक्ष सर्वजीत कुमार को गुप्त सूचना मिली थी कि गांव स्थित महादलित टोले के एक बंद कमरे में शराब की भट्टी चलाया जा रहा है। सूचना के बाद गिद्धौर थाने के अवर निरीक्षक रंजीत कुमार अपने दलबल के साथ मौके पर पहुंचे तो शराब कारोबारी होरिल मांझी के घर बाहर से ताला लगा था। अंदर से शराब की गंध आ रही थी। पुलिस ने ताला तोड़कर जब अंदर देखा तो आग लगे चूल्हे पर ऐलुमिनियम के बर्तन में शराब बनाया जा रहा था। मौके से पुलिस ने भारी मात्रा में शराब बरामद किया है।

जबकि शराब बनाने में इस्तेमाल किए जाने वाला जावा महुआ बर्तन सहित अन्य सामग्री बरामद किया गया। पुलिस को देख शराब तस्कर होरिल मांझी मौके से फरार हो गया। पुलिस ने शराब तस्कर के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर उसकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी शुरू कर दिया है।

बेतिया में 3.576 किलो चरस बरामद: 4 गिरफ्तार

बेतिया, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर दो अलग-अलग थाना क्षेत्रों से 3 किलो 576 ग्राम चरस के साथ एक महिला तस्कर समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस अधीक्षक डॉ। शौर्य सुमन के निर्देश पर चलाए गए अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। सदर एसडीपीओ-वन विवेक दीप ने बताया कि मझौलिया और चनपटिया पुलिस ने यह सफलता हासिल की। मझौलिया थाना पुलिस ने रात वाहन जांच अभियान के दौरान 1 किलो 38 ग्राम चरस और एक चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की। पुलिस ने चीनी मिल के समीप वाहन जांच के दौरान मोटरसाइकिल पर सवार दो संदिग्ध व्यक्तियों को रोका। तलाशी के दौरान चरस और चोरी की मोटरसाइकिल (रजिस्ट्रेशन नंबर बीआर31ए एच9518) बरामद की गई।

केंद्र में राहुल गांधी, यूपी में अजय राय

सरकार को घेरते-घेरते कैसे खुद घिर गए कांग्रेस के दोनों दिग्गज?

लखनऊ, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली में राहुल गांधी और लखनऊ में अजय राय सरकार को घेरने निकले कांग्रेस ये दो दिग्गज खुद पुलिसिया जांच के घेरे में आ गए हैं। राहुल से जुड़े मामले में दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच तो अजय राय से जुड़े मामले में यूपी पुलिस की एसआईटी जांच कर रही है। दिलचस्प बात है कि पुलिस की घेरे में आए दोनों ही नेता संविधान के मुद्दे पर सरकार को घेरने निकले थे।

दिल्ली में राहुल कैसे घिरे?

आंबेडकर पर अमित शाह के एक बयान को लेकर गुरुवार (19 दिसंबर) को राहुल गांधी कांग्रेस सांसदों के साथ संसद परिसर पर प्रदर्शन कर रहे थे। राहुल जब आंबेडकर की मूर्ति से मकर द्वार की तरफ आने लगे तो द्वार के पास पहले से बीजेपी के सांसद प्रदर्शन कर रहे थे। आरोप हैं कि राहुल गांधी ने इस दौरान बीजेपी सांसद प्रताप सारंगी और मुकेश राजपूत के साथ धक्का-मुक्की की। इस मामले में दिल्ली की पार्लियामेंट स्ट्रीट थाने में एफआईआर कराई गई है। दिल्ली पुलिस ने राहुल के खिलाफ इस एफआईआर को क्राइम ब्रांच के लिए ट्रांसफर कर दिया है। वहीं कांग्रेस का कहना है कि यह मुद्दों से भटकाने के लिए किया गया है। कांग्रेस ने संसद से सीसीटीवी फुटेज की मांग की है। पार्टी का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज जारी होने के बाद दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा।

दोनों केस में अब आगे क्या?

राहुल गांधी मामले की जांच क्राइम ब्रांच कर रही है। क्राइम ब्रांच इस मामले में पहले बीजेपी के दोनों सांसदों का बयान दर्ज करेगी। इसके बाद आगे का एक्शन हो सकता है। इस मामले में राहुल गांधी से भी पूछताछ की जा सकती है। वहीं कांग्रेस पूरे मामले में सीसीटीवी फुटेज दिखाने की मांग कर रही है, इसलिए कहा जा रहा है कि यह मामला लोकसभा स्पीकर के पास भी जा सकता है।

लोकसभा परिसर मामले में स्पीकर का रोल अहम है। राहुल पर अगर जांच आगे बढ़ती है तो उन्हें मामले में जमानत भी लेनी पड़ सकती है। क्योंकि उनके खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 117, धारा 115, धारा 125, धारा 131, धारा 351 और धारा 3(5) के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

जिस महिला की हत्या के लिए पति ने काटी जेल, वो जिंदा मिली; दूसरी शादी भी कर ली

नालंदा, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। नालंदा जिले के नगरनौसा थाना क्षेत्र के चौरासी गांव से बेहद हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। जिस पत्नी की हत्या के आरोप में पति को जेल की हवा खानी पड़ी थी, वह जिंदा निकली है। यही नहीं महिला ने दूसरी शादी करके अपना घर भी बसा लिया है। वहीं दूसरी ओर पहला पति दहेज और हत्या का केस लड़ रहा है। इस मामले का आश्चर्यजनक पहलू यह है कि पुलिस के एक अनुसंधानकर्ता ने ही जांच में महिला को मृत मानते हुए कोर्ट में पति और उसके माता-पिता के विरुद्ध आरोपपत्र दाखिल किया था। उसी पुलिस ने उस मृत महिला को पूर्णिया के धमदाहा से सकुशल बरामद कर गुरुवार को उसी हिलसा कोर्ट में हाजिर किया है। महिला ने दूसरी शादी कर ली है और दूसरे पति से उसे एक पांच साल का बच्चा भी है।

मुजफ्फरपुर में दरोगा समेत 134 पुलिसकर्मियों पर एफआईआर

आठ थानों में केस दर्ज

मुजफ्फरपुर, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार के मुजफ्फरपुर में 134 पुलिसकर्मियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। ये पुलिसकर्मियों पीड़ितों को न्याय दिलाने में बाधा बन रहे हैं। आरोप है कि इन पुलिसकर्मियों ने तबादले के बाद 943 केस से जुड़ी फाइल संबंधित अधिकारी को नहीं सौंपी है। इस वजह से इन केसों में आगे की कार्रवाई नहीं हो पा रही है। इसी वजह से इन पुलिसकर्मियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिसकर्मियों को तबादले के बाद उन सभी केस की फाइल दूसरे अधिकारी को सौंपनी होती है, जिन पर वह काम कर रहे हैं, लेकिन 134 पुलिसकर्मियों ने ऐसा नहीं किया है। अगर इन पुलिसकर्मियों ने केस से जुड़ी फाइल दूसरे अधिकारी को नहीं सौंपी तो उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा। एसएसपी राकेश कुमार के आदेश पर तबादले के बाद भी केसों का प्रभार नहीं सौंपने के मामले में मुजफ्फरपुर के विभिन्न थानों में दारोगा समेत 134 पुलिसकर्मियों पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। मामला दर्ज कर पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी है। पीड़ितों को न्याय दिलाने में बाधा बने 134 अधिकारियों पर नामजद विश्वाघात की धारा लगाई गई है।

'जब केजरीवाल अन्ना के नहीं हुए तो किसके होंगे'

दिल्ली के पूर्व सीएम पर बरसे ललन सिंह

पटना, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री एवं जदयू के वरिष्ठ नेता राजीव रंजन सिंह ऊर्फ ललन सिंह ने कहा है कि दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को नैतिकता पर बोलने का कोई अधिकार नहीं है। केजरीवाल ने गुरुवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को पत्र लिखकर डॉ। भीमराव आंबेडकर प्रकरण के आधार पर भाजपा के साथ अपने संबंधों पर फिर से विचार करने का आग्रह किया था। ललन सिंह ने कहा कि नीतीश कुमार का राजनीतिक जीवन पूरी तरह बेदाग रहा है, जबकि केजरीवाल भ्रष्टाचार के आरोप में जेल जा चुके हैं। भ्रष्टाचार के विरोध में हुए आंदोलन से ही केजरीवाल की राजनीति शुरू हुई थी। अन्ना हजार के नेतृत्व वाले आंदोलन में केजरीवाल सत्ता हासिल करने के लक्ष्य के साथ ही शामिल हुए थे। ललन सिंह ने आरोप लगाया कि केजरीवाल भ्रष्टाचार में लिप्त हो गए। उन्होंने कहा- केजरीवाल जब अन्ना के नहीं हुए तो किसी के नहीं हो सकते हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि दिल्ली में रहने वाले पूर्वांचल के लोगों के दम पर ही अरविंद केजरीवाल की सरकार बनती है, मगर कोरोना के समय दिल्ली सरकार ने पूर्वांचल के लोगों को नोएडा पहुंचाकर छोड़ दिया था। उस समय नीतीश कुमार ने 25 लाख लोगों को महीनों भोजन उपलब्ध कराया। उन्हें अपने साधनों से घर पहुंचाया।

'मैं आपकी पीड़ा समझ सकता हूं'

संजय झा ने कहा कि उस दिन संसद में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह कांग्रेस की कलई खोल रहे थे, इसलिए आपको दिक्कत हुई। संजय झा ने कहा, मैं आपकी असली पीड़ा समझ सकता हूं। उन्होंने केजरीवाल से कहा कि आपको भी जब कभी मौका मिला तो दलितों को उनकी हिस्सेदारी से दूर रखा। संजय झा ने यह भी कहा कि गृह मंत्री शाह ने उस दिन इतिहास के वो पन्ने पलटे, जो आप और आपके गठबंधन के नेता राहुल गांधी देखना नहीं चाहते हैं। उन्होंने यह भी कह दिया कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बाबा साहेब के पदचिह्नों पर चलते हुए दलितों-पिछड़ों के लिए जो किया है, आप और आपके गठबंधन के नेता राहुल गांधी उसे करने की कल्पना भी नहीं कर सकते।

अंबेडकर के मुद्दे पर मायावती ने किया विरोध 24 दिसंबर को प्रदर्शन का ऐलान किया

लखनऊ, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। संविधान निर्माता बाबा साहेब अंबेडकर को लेकर गृह मंत्री अमित शाह के बयान पर बहुजन समाज पार्टी की मुखिया मायवती ने ज़ोरदार हमला किया है। उन्होंने कहा कि अमित शाह ने अंबेडकर को लेकर जो बयान दिया है उससे लोगों की भावनाएं आहत हुई है। उन्हें अपने बयान पर माफी मांगनी चाहिए। अगर ऐसा नहीं हुआ तो बसपा 24 दिसंबर को देशभर में विरोध प्रदर्शन करेगी। बसपा सुप्रीमो मायावती ने अमित शाह के बयान पर निशाना साधते हुए एक्स पर लिखा, देश के दलित, वंचित व अन्य उपेक्षितों के आत्म-सम्मान व मानवीय हकूक के लिए अति-मानवतावादी व कल्याणकारी संविधान के रूप में असली ग्रंथ के रचयिता बाबा साहेब डा। भीमराव अम्बेडकर भगवान की तरह परमपूजनीय हैं। उनका श्री अमित शाह द्वारा किया गया अनादर लोगों के दिलों को आहत पहुंचाता है।

अमित शाह से माफी की मांग

ऐसे महापुरुष को लेकर संसद में इनके द्वारा कहे गए शब्दों से पूरे देश में सर्वसमाज के लोग काफी उद्वेलित, आक्रोशित व आन्दोलित हैं। अम्बेडकरवादी बीएसपी ने इस क्रम में उनसे बयान वापस लेने व पश्चाताप करने की माँग की है, जिसपर अभी तक भी अमल नहीं किया जा रहा है। ऐसे में मांग न पूरी होने पर फिर पूरे देश में आवाज उठाने की बात बीएसपी द्वारा की गई। इसीलिए अब पार्टी ने अपनी इस मांग के समर्थन में 24 दिसम्बर 2024 को देशव्यापी आन्दोलन करने का फैसला लिया है। उस दिन देश के सभी जिला मुख्यालयों पर पूर्णतः शान्तिपूर्ण धरना-प्रदर्शन किया जाएगा।

कानपुर में ठगी का नया खेल किराए के मकान का पता दिखाकर महिला ने लिया लोन, एफआईआर दर्ज

कानपुर, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। किराए के मकान का पता दिखाकर लोन लेने का फर्जीवाड़ा पकड़ में आया है। इस मामले में स्वरूप नगर थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। यह मामला उस समय पकड़ में आया जब पुलिस धोखाधड़ी के मामले की तस्दीक करने आरोपित के आवास में पहुंची। उसी दौरान पता चला कि आरोपितों ने किराए के आवास पता दिखाकर लोन भी लिया है। रूपरूप नगर की बेनाझाबर निवासी तान्या दीक्षित ने चार माह पूर्व स्वरूप नगर थाने में तहरीर देकर प्राथमिकी दर्ज कराई थी। जिसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि औरैया जनपद निवासी विक्रम सेंगर, मां तृप्ती सेंगर, बहन तान्या सेंगर और प्रेमिका प्रियंका सेंगर ने पीएचडी कराने और नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी कर ली। इस मामले में पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की थी। इसी दौरान पुलिस को पता चला कि आरोपित प्रियंका गीता नगर में महेश चंद सोनकर के आवास में 20 दिनों तक रही थी। इस दौरान आरोपित युवती ने अपना नाम जेनी बताया था। युवती ने इसी आवास के पते पर कोटक महिंद्रा बैंक से लोन पास कराकर दो लाख रुपये का ट्राजेंक्शन भी किया। पुलिस जब आवास पर तस्दीक करने पहुंची तो पता चला कि वह किराएदार थी। स्वरूप नगर थाना प्रभारी सूर्यबली पांडेय ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। गीता नगर में घर के पते की तस्दीक करने के दौरान किराए पर रहने की जानकारी मिली है। आरोपितों के खिलाफ रावतपुर के साथ ही अन्य थानों में धोखाधड़ी के मामले दर्ज है।

'अमित शाह के भाषण का उद्देश्य अंबेडकर को नीचा दिखाना था'

कांग्रेस नेता अखिलेश प्रसाद सिंह का हमला

पटना, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस की बिहार इकाई ने डॉ। बीआर अंबेडकर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की कथित रूप से 'अपमानजनक' टिप्पणी के लिए यहां विरोध प्रदर्शन किया। प्रदेशाध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह ने भारतीय जनता पार्टी के उस आरोप को भी खारिज कर दिया कि संसद में राहुल गांधी के धक्का देने से सत्तारूढ़ गठबंधन के दो सांसदों को गंभीर चोटें आई हैं। राज्यसभा सांसद सिंह ने गुरुवार को घटनास्थल पर मौजूद होने का दावा किया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि अस्सी वर्षीय कांग्रेस अध्यक्ष खरगे को सत्तारूढ़ पार्टी के कुछ सदस्यों द्वारा धक्का दिया गया था। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की बाबासाहेब अंबेडकर को लेकर टिप्पणी के खिलाफ कांग्रेस ने शुक्रवार को विरोध प्रदर्शन किया। कांग्रेस नेता ने प्रदर्शन के दौरान संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा हम नेता से तत्काल इस्तीफे और माफी की मांग करते हैं।

'कांग्रेस-इंडिया गठबंधन इसे बर्दाश्त नहीं करेगा'

कांग्रेस नेता अखिलेश प्रसाद सिंह ने कहा पूरा देश आक्रोशित है। देशभर में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं और अमित शाह के पुतले हर जगह जलाए जा रहे हैं। संसद में उनके भाषण का उद्देश्य स्पष्ट रूप से अंबेडकर को नीचा दिखाना था। यह संविधान के प्रति बीजेपी की अवमानना को दर्शाता है। कांग्रेस और पूरा इंडिया गठबंधन इसे बर्दाश्त नहीं करेगा।

मां ने 3 जुड़वा बच्चों की हत्या करके सुसाइड किया

दुर्गेश्वरी, मां — बेटी लक्ष्मी और ऊजाला, बेटा रौनक

प्रतापगढ़, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रतापगढ़ में एक मां ने अपने 3 बच्चों की हत्या की, फिर खुद सुसाइड कर लिया। शनिवार सुबह कमरे में चारों के शव लटकते मिले हैं। तीनों बच्चे जुड़वा थे, इनमें दो बेटियां और एक बेटा है। उम्र डेढ़ साल है। शुरुआती जांच के आधार पर पुलिस ने बताया कि महिला पति की प्रताड़ना से परेशान थी। वह आए दिन मारपीट करता था। पति मौके से फरार है। वारदात भदोही गांव की है। यहां संदीप उर्फ राजतेजा पत्नी दुर्गेश्वरी और 3 बच्चों के साथ रहता था। सुबह काफी देर तक दुर्गेश्वरी के कमरे का दरवाजा नहीं खुला। सास ने आवाज लगाई, लेकिन अंदर से कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद सास ने पड़ोसियों को बुलाया। दरवाजा तोड़ा गया तो अंदर सभी फंदे पर लटके हुए थे। तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। दोनों बेटियों के शव एक दुपट्टे से लटके थे, जबकि मां और बेटे का शव एक दुपट्टे से लटका मिला। पुलिस ने बताया कि दुर्गेश्वरी (30), दो बेटियों लक्ष्मी और ऊजाला और बेटे रौनक का शव मिला है। कमरा अंदर से बंद था। घटनास्थल को देखकर ऐसा लग रहा है कि छत से फंदा बनाकर महिला ने बेटियों को लटकाया। फिर बेटे की हत्या करके सुसाइड किया। महिला की 3 साल पहले शादी हुई थी। पड़ोसियों ने बताया कि पति संदीप शराब का लती था। अक्सर पत्नी से मारपीट करता था। शुक्रवार रात को भी विवाद के बाद पत्नी ने बच्चों के साथ खुद को कमरे में बंद कर लिया था। एसपी डॉक्टर अनिल कुमार ने बताया- गृह कलेह में खुदकुशी की बात सामने आई है। फरार पति की तलाश की जा रही है। सभी शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।

मोहन भागवत के मंदिर-मस्जिद वाले बयान को हथियार बनाएंगे अखिलेश यादव! बनाया खास प्लान

लखनऊ, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयं सेवक के प्रमुख मोहन भागवत ने मंदिर-मस्जिद को लेकर जो बयान दिया है उस पर सियासत तेज हो गई है। समाजवादी पार्टी समेत तमाम विरोधी दल और मुस्लिम संगठनों ने भी भागवत के बयान का स्वागत किया है। इन तमाम बातों के बीच समाजवादी पार्टी ने अब मोहन भागवत के बयान को जन-जन तक पहुंचाने की रणनीति तैयार की है, जिसे सपा अब बीजेपी के हार्ड हिन्दुत्व की काट के तौर पलटवार करेगी। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने एक कार्यक्रम में देश के विभिन्न हिस्सों से निकल रहे मंदिर और मस्जिद विवाद को लेकर अहम टिप्पणी करते हुए कहा था कि अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के बाद कुछ लोग इस तरह के मुद्दे उछालकर खुद को हिन्दुओं का नेता साबित करना चाहते हैं। जोकि स्वीकार्य नहीं है।

मोहन भागवत के बयान पर सपा ने बीजेपी को घेरा

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी आरएसएस प्रमुख के इस बयान का समर्थन किया और पार्टी कार्यकर्ताओं को उनके बयान को जन-जन तक पहुंचाने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही सपा ने ये भी आरोप लगाया कि देश में बीजेपी को सीएम योगी आदित्यनाथ के इशारे पर प्रशासन मंदिर खोजने में जुटा है। और ये बता रहे हैं कि कौन सा मंदिर कहां और कितने साल पुराना है। अखिलेश यादव ने ये भी कहा कि कहीं कोई मंदिर मिला नहीं है बल्कि मंदिर तो हमेशा से ही वहीं पर था। उस मंदिर पर न तो किसी ने कोई कब्जा किया और न ही खंडित किया बल्कि बहुत से ऐसे मंदिर है जो पूजन के अभाव में खाली पड़े हैं और देवता वहां श्रद्धालुओं का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने ये भी सवाल उठाया कि जब प्रदेश में राजनाथ सिंह, कल्याण सिंह और राम प्रकाश गुप्ता की सरकारें रही तब ये मंदिर क्यों नहीं खोजे गए।

कानपुर में गुमशुदा मंदिरों की तलाश में रोड पर निकलीं मेयर प्रमिला पांडे, बोलीं- 'अब इन्हें करना पड़ेगा खाली'

कानपुर, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। कानपुर की मेयर और सीनियर बीजेपी नेता प्रमिला पांडे गुमशुदा मंदिरों की तलाश में पुलिस के साथ रोड पर निकल पड़ी हैं। सिर में हेलमेट लगाए प्रमिला खंडहर पड़े मंदिरों की तलाश कर रही हैं। इस दौरान उनके साथ बड़ी संख्या में पुलिस भी है। वह पुराने और बंद पड़े मंदिरों को चिन्हिंत कर रही हैं ताकि उनका जीर्णोद्धार कराया जा सके। मेयर प्रमिला पांडे ने कहा कि इस जगह को सुनार गली कहते हैं। यहां पर अग्रवाल समुदाय के लोग रहते थे। कहा जाता है कि यहां हर 10 घर के बाद एक मंदिर और कुआं हुआ करता था। जो अब नहीं है। अगर हमारे मंदिर हैं तो मूर्तियां गई कहां। किसी भी धर्म-समुदाय के लोग हों अगर मंदिर वहां पर है तो उसकी सुरक्षा करना वहां के लोगों का कर्तव्य है। अब यहां पर मंदिर नहीं है। इन लोगों को खाली करना पड़ेगा। यहां पर अब फिर से पूजा पाठ होगा।

यूपी के डीजीपी और सहारनपुर के एसएसपी इलाहाबाद हाईकोर्ट में तलब, 27 जनवरी को पेशी

प्रयागराज, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अदालत के आदेश का पालन नहीं होने पर यूपी के डीजीपी और सहारनपुर जिले के एसएसपी को समन जारी करते हुए उन्हें कोर्ट में तलब कर लिया है। दोनों पुलिस अफसरों को 27 जनवरी को व्यक्तिगत तौर पर कोर्ट में पेश होकर अपना हलफनामा दाखिल करना होगा। डीजीपी और एसएसपी को यह बताना होगा कि आखिरकार उन्होंने क्यों सुप्रीम कोर्ट और इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश का पालन नहीं किया। यह मामला उत्तराखंड राज्य के देहरादून के रहने वाले ध्रुव सेठी और उनकी पत्नी अलका सेठी से जुड़ा हुआ है। सेठी दंपति ने यूपी के सहारनपुर में एक जमीन खरीदी थी, लेकिन वहां के एक माफिया ने पुलिस और रेवेन्यू डिपार्टमेंट के अफसरों के साथ मिलकर उनकी जमीन पर कब्जा कर लिया। सेठी दंपति ने पुलिस से लेकर सीएम पोर्टल पर शिकायत की लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई।

इस फैसले को दी थी चुनौती

आरोप है कि जमीन कब्जा करने वाले माफिया ने पुलिस से सांठ-गांठ कर सेठी दंपति के खिलाफ एससी-एसटी एक्ट और आईपीसी की गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज करा दी। पुलिस ने इस मामले में दंपति के खिलाफ चार्जशीट भी दाखिल कर दी। सेठी दंपति ने इस चार्जशीट को इलाहाबाद हाईकोर्ट में चुनौती दी। हाईकोर्ट ने न सिर्फ चार्जशीट को रद्द कर दिया बल्कि भू माफिया के साथ पुलिस अफसरों के गठजोड़ पर तीखी टिप्पणी करते हुए यूपी के डीजीपी से दंपति द्वारा की गई शिकायत पर सहारनपुर के एसएसपी से जांच कराने और उचित कार्रवाई का आदेश दिया।

शिक्षकों के फर्जीवाड़े से उड़ी विभाग की नींद यूपी में बैठकर जमुई में लगा रहे हाजिरी

जमुई, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश समेत अन्य जगहों से ही जमुई में अवस्थित स्कूलों में गुरुजी हाजिरी बना रहे हैं। इसकी अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन मामला पदाधिकारी के संज्ञान में भी है। शिक्षा विभाग के डीपीओ (स्थापना) पारस कुमार ने बताया कि उन्हें ऐसी जानकारी मिली है। मामले की जांच के साथ ऐसे शिक्षकों को पकड़ने की कवायद की जा रही है। पकड़े जाने पर निलंबन समेत सख्त कार्रवाई की जाएगी। कुछ शिक्षकों ने भी नाम गुप्त रखने की शर्त पर बताया कि मोबाइल को फ्लाइट मोड में रखकर हाजिरी बनाने पर कहीं से भी उपस्थिति दर्ज हो जाती है। स्कूल के पांच सौ मीटर के दायरे में रहने की आवश्यकता नहीं पड़ती है। सोनो समेत अन्य प्रखंडों में ऐसे शिक्षकों की संख्या काफी है। अगर विभाग विद्यालय का लोकेशन और दर्ज उपस्थिति का लोकेशन की पड़ताल करे तो और भी बड़ी तस्वीर सामने आएगी इधर, शिक्षा विभाग जिले में लगातार ई-शिक्षा कोष पर उपस्थिति बनाने में धोखाधड़ी पकड़ रहा है। फोटो से फोटो खींच कर, दूसरे शिक्षक का फोटो, विद्यालय को फोटो डालकर हाजिरी बनाई गई है। शिक्षा विभाग की रैंडमली जांच में ऐसा मामला फिर उजागर हुआ है। ताजा मामला सोनो प्रखंड के नवसृजित प्राथमिक विद्यालय कर्मातांड से जुड़ा हुआ है। यहां के तीन शिक्षक-शिक्षकाओं से विभाग ने इस मामले में स्पष्टीकरण मांगा है। इन शिक्षकों बबिता कुमारी, कृष्ण कन्हैया और मो मुख्तार आलम का नाम शामिल है।

ज्ञानवापी प्रकरण की सुनवाई टली, अगली तारीख चार जनवरी को

ज्ञानवापी शिवलिंग पर बयान की प्राथमिकी रद्द करने से इन्कार

वाराणसी, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। ज्ञानवापी को लेकर जिला जज संजीव पाण्डेय की अदालत में लंबित मुकदमों की सुनवाई शनिवार को टल गई। जिला जज के अवकाश पर होने के कारण लंबित मुकदमों में सुनवाई नहीं हो सकी। मुकदमों में अगली सुनवाई के लिए चार जनवरी की तिथि मुकर्रर की गई है।

वाराणसी की ज्ञानवापी मस्जिद में शिवलिंग को लेकर इंटरनेट मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट करने वाले डीयू के प्रोफेसर डा। रतन लाल के विरुद्ध प्राथमिकी रद करने से इन्कार करते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने अहम टिप्पणियां कीं। डा। रतन लाल की याचिका खारिज करते हुए न्यायमूर्ति चंद्र धारी सिंह की पीठ ने कहा कि प्रथमदृष्टया उन्होंने समाज के सद्भाव में अशांति पैदा की और उनकी पोस्ट समाज के एक बड़े वर्ग की भावनाओं को ठेस पहुंचाने के इरादे से की गई थी। कोर्ट ने जोर दिया कि एफआइआर होने के बाद भी प्रोफेसर ने टिप्पणी की है। पीठ ने कहा कि एक इतिहासकार और शिक्षक के रूप में याचिकाकर्ता पर समाज के प्रति बड़ी जिम्मेदारी है, क्योंकि वह आम जनता के लिए एक आदर्श हैं। याचिकाकर्ता को अधिक सचेत होना चाहिए क्योंकि उसके बयान में दूसरों को प्रभावित करने की अधिक शक्ति होती है। समाज में कोई अशांति या वैमनस्य नहीं होना प्राथमिकी को रद करने का आधार नहीं हो सकता है। शिव लिंग से जुड़ी मान्यता पर ध्यान देते हुए पीठ ने इस बात पर जोर दिया कि बुद्धिजीवी होने के नाते किसी भी व्यक्ति को इस प्रकार की टिप्पणियां या पोस्ट करने का अधिकार नहीं है। पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ता प्रोफेसर के कृत्य और टिप्पणियां भगवान शिव और शिव लिंग के उपासकों के विश्वासों व रीति-रिवाजों के विरुद्ध थीं।

याचिकाकर्ता द्वारा पोस्ट की गई सामग्री न केवल शिकायतकर्ता की धार्मिक भावनाओं को आहत करती है, बल्कि दो अलग-अलग समुदायों के बीच घृणा और सांप्रदायिक तनाव को भी बढ़ावा देती है।

दुष्कर्म के दोषियों को आजीवन कारावास

सीहोर, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। मजदूरी के रुपये देने का कहकर बुलाने और दुष्कृत्य करने के मामले में कोर्ट ने दो आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। पॉक्सो न्यायालय के विशेष न्यायाधीश अभिलाष जैन ने फैसला सुनाते हुए पीड़िता के उज्ज्वल भविष्य और शिक्षा के लिए प्रतिकर स्वरूप चार लाख रुपये दिलवाए जाने का भी आदेश पारित किया। विशेष लोक अभियोजन अधिकारी और मामले के पैरवीकर्ता केदार सिंह कौरव ने बताया कि पीड़िता ने अपने माता-पिता के साथ पांच अक्तूबर 2022 इछावर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

पिकअप के अंदर रखी थी शराब न्यू ईयर से पहले भोपाल में बड़ी खेप जब्त

भोपाल, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के भोपाल के पिपलानी थाना क्षेत्र में पुलिस ने अवैध शराब की बड़ी खेप बरामद की है। पुलिस को एक मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक पिकअप वाहन में अवैध शराब लाई जा रही है, जिसे घेराबंदी कर पकड़ा गया। इस दौरान पुलिस को 130 पेटी यानी 1530 लीटर अंग्रेजी शराब मिली, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 12 लाख रुपये बताई जा रही है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, यह शराब बिलखरिया क्षेत्र से एक पिकअप वाहन में लाकर राजधानी भोपाल में कहीं सप्लाई की जानी थी, लेकिन पुलिस ने वाहन को घेरकर उसे पकड़ लिया। जब पुलिस ने पिकअप वाहन की तलाशी ली, तो उसमें अंग्रेजी शराब की 130 पेटियां भरी हुई थीं। शराब के इस बड़े जखीरे को देखकर पुलिस के भी होश उड़ गए। मुखबिर से मिली सूचना के बाद पिपलानी पुलिस ने आनंद नगर चौकी के पास घेराबंदी की और पिकअप वाहन को रोककर तलाशी ली।

श्रीराम जानकी मंदिर गबन मामले में कोर्ट ने सुनाया फैसला

90 लाख देने पर साध्वी को मिलेगी जमानत

छिंदवाड़ा, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। नोनिकला के श्री राम जानकी मंदिर के महंत स्व. कनक बिहारी दास जी महाराज के खाते से फर्जी नॉमिनी बनकर 90 लाख रुपए निकालने वाली कथित साध्वी को सीजेएम कोर्ट में 90 लाख रुपये जमा कराने होंगे, तब उसको जमानत मिलेगी। दरअसल हाईकोर्ट ने श्रीराम जानकी मंदिर आश्रम छिंदवाड़ा के महंत की राशि के गबन के मामले में आरोपी साध्वी लक्ष्मी दास को 90 लाख रुपये सीजेएम कोर्ट में जमा कराने के निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने कहा आवेदिका राशि जमा करने के बाद उसकी रसीद जांच अधिकारी को दें। रसीद सौंपने के बाद आवेदिका को अग्रिम जमानत देने के निर्देश दिए।जस्टिस प्रमोद कुमार अग्रवाल की एकलपीठ ने इस मामले में बनाए एक अन्य आरोपी हर्ष रघुवंशी को भी उक्त राशि जमा कराने की शर्त पर जमानत का लाभ दे दिया। कोर्ट ने साफ कहा कि जमानत के दौरान आरोपी देश छोड़कर नहीं जाएंगे।

चैंजिंग रुम में छिपाया मोबाइल रिकॉर्ड करता था महिलाओं के वीडियो, भोपाल में एमआरआई सेंटर का कर्मचारी गिरफ्तार

भोपाल, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। भोपाल के एक एमआरआई सेंटर में महिलाओं के चेंजिंग रूम से मोबाइल फोन पकड़ा गया है। इस फोन में दो महिलाओं के वीडियो भी मिले हैं। दोनों वीडियो चेंजिंग रूम में ही रिकॉर्ड किए गए हैं। पुलिस ने आरोपी कर्मचारी को गिरफ्तार कर लिया है और आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है कि वो इन वीडियो का क्या करता था और उसने अब तक इस तरह से कितने वीडियो बनाए हैं। मामला भोपाल के मालवीय नगर का है। यहां एक एमआरआई सेंटर के चेंजिंग रूम में मोबाइल मिलने से बवाल हो गया। यहां एमआरआई कराने पहुंची एक महिला ने चेजिंग रूम में मोबाइल फोन देखा। इस फोन में वीडियो रिकॉर्डिंग चालू थी। महिला ने यह बात अपने पति को बताई, जिसने मोबाइल को पकड़ा और पुलिस को पूरे मामले की सूचना दी।

अधिकारियों की जांच हो

धक्का-मुक्की केस में दिग्विजय ने सुरक्षा पर उठाए सवाल

भोपाल, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने संसद की सुरक्षा को लेकर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि आखिर कैसे बीजेपी सांसद डंडे लेकर कैसे संसद भवन के भीतर आ गए। इसके अलावा दिग्विजय सिंह ने सीआईएसएफ की सुरक्षा पर भी सवाल खड़े किए हैं। दिग्विजय सिंह ने कहा कि पहले जो वाच एंड वार्ड की सुरक्षा व्यवस्था थी, उसी को वापस लौटाना चाहिए। वे ट्रेंड लोग थे और हर परिस्थितियों को समझते थे। जो मौजूदा समय में सीआईएसएफ के जवान हैं, उनको संसद में कैसे डील करना है, इसकी कोई ट्रेनिंग नहीं है। दिग्विजय ने आगे कहा कि जब पहले से दिख रहा है कि, कन्फ्रंटेशन दोनों पक्षो में हो सकता है तो क्या किया? कोई तैयारी क्यों नहीं की गई? इसके जिम्मेदार अधिकारियों की जांच करके उनके खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए।

धक्का-मुक्की में घायल हुए खरगे- दिग्विजय

राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह ने संसद में हुई धक्का मुक्की को लेकर बयान दिया है । दिग्विजय सिंह ने अपना बयान संसद मार्ग थाने में दिया है। वे दूसरे कांग्रेसी नेताओं के साथ संसद में हुई धक्का मुक्की को लेकर थाने में शिकायत दर्ज कराने गए थे। दिग्विजय ने कहा कि भाजपा सांसदों की धक्का मुक्की से कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को चोट आई है। दिग्विजय सिंह ने कहा, ये समझ से परे है कि संसद भवन में आखिर डंडे कैसे पहुंच गए। इसकी जांच होनी चाहिए और अधिकारियों पर कार्रवाई की जाने चाहिए।

क्यों बदली गई थी संसद की सुरक्षा?

संसद की सुरक्षा की जिम्मेदारी मई महीने में सीआरपीएफ को सौंपी गई थी। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के 1,400 कर्मचारियों के हटने के बाद सीआईएसएफ के 3,317 से अधिक जवानों ने संसद भवन की सुरक्षा अपने हाथ में ले ली थी। सुरक्षा व्यवस्था बदलने के पीछे पिछले साल 13 दिसंबर को संसद में हुई चूक के बाद लिया गया था।

महिला की सजगता से बची एटीएम लूट

सागर, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। सागर में कोतवाली पुलिस ने सतर्कता दिखाते हुए हरियाणा के दो बदमाशों को एटीएम से ठगी करते हुए रंगे हाथ पकड़ा। भैंसा निवासी दीक्षा खंगार की सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आरोपियों को गिरफ्तार किया। पकड़े गए बदमाशों में राजकुमार उर्फ राजा (हिसार) और अभिषेक (कैथल) शामिल हैं। उनके पास से एक हजार रुपये नकद, सनमाइका पट्टी, एटीएम के पुराने पार्ट्स, पेचकस और एक आई टेन कार बरामद हुई। आरोपियों से पूछताछ जारी है और ठगी के अन्य मामलों के खुलासे की उम्मीद है।

प्रियंका गांधी की सांसदी खतरे में, छिन जाएगी लोकसभा की सदस्यता? बीजेपी नेता ने केरल हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया

कोच्चि, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। वायनाड लोकसभा सीट से कांग्रेस की सांसद प्रियंका गांधी की लोकसभा सदस्यता पर खतरे के बादल मंडराने लगे हैं। दरअसल, वायनाड लोकसभा सीट पर उनकी जीत को चुनौती देते हुए बीजेपी नेता नव्या हरिदास ने केरल हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। नव्या हरिदास ने वायनाड से बीजेपी के टिकट पर प्रियंका गांधी के खिलाफ चुनाव लड़ा था, लेकिन वो प्रियंका गांधी से 5,12,399 वोटों से हार गई थीं। वे सीपीआई के सत्यन मोकेरी के बाद तीसरे स्थान पर रहीं। केरल हाईकोर्ट के समक्ष अपनी याचिका में, हरिदास ने तर्क दिया है कि गांधी ने अपना नामांकन पत्र दाखिल करते समय, उनके और उनके परिवार के स्वामित्व वाली विभिन्न संपत्तियों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी छिपा दी थी। हरिदास के अनुसार, प्रियंका गांधी ने मतदाताओं की पसंद को प्रभावित करने के इरादे से मतदाताओं को गुमराह किया, गलत जानकारी दी और अंधेरे में रखा। याचिका में यह भी आरोप लगाया गया है कि उन्होंने कई मौकों पर मतदाताओं पर अनुचित प्रभाव डाला और कानून का उल्लंघन किया।

गढ़चिरौली में माओवादियों को बड़ा झटका, 6 लाख के इनामी नक्सली ने किया आत्मसमर्पण

गढ़चिरौली, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र पुलिस ने शनिवार को बताया कि गढ़चिरौली जिले में 8 लाख रुपये के इनामी दो नक्सलियों ने सुरक्षा बलों के समक्ष आत्मसमर्पण किया है। आत्मसमर्पण करने वाले इन नक्सलियों पर हत्या, लूट, अपहरण समेत कई मामले दर्ज हैं। पुलिस की ओर जारी जानकारी में मुताबिक, गढ़चिरौली निवासी रामासु पोयम उर्फ नरसिंह (55) और पड़ोसी छत्तीसगढ़ के नारायणपुर निवासी रमेश कुंजाम उर्फ गोविंद (25) ने शुक्रवार को गढ़चिरौली पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस ने बताया कि 6 लाख रुपये के इनाम वाले पोयम को 1992 में टिपागढ़ एलओएस के सदस्य के रूप में भर्ती किया गया था और वह 2010 से कुतुल और नेलनार एलओएस में क्षेत्र समिति सदस्य (एसीएम) के रूप में कार्यरत था। पुलिस ने बताया कि, पोयम के नाम 12 मामले दर्ज हैं, जिनमें छह मुठभेड़, पांच हत्याएं और डकैती का एक अपराध शामिल हैं। कुंजाम, जिस पर 2 लाख रुपये का इनाम था। 2019 में संगठन में सदस्य के रूप में शामिल हुआ था। उसे 2020 में चेतना नाट्य मंच (सीएनएम) के सदस्य के रूप में भर्ती किया गया और 2021 में वह कुतुल एलओएस का सदस्य बन गया।

महाकालेश्वर मंदिर के अन्न क्षेत्र में हादसा, महिला कर्मचारी का दुपट्टा आलू छीलने वाली मशीन में फंसा, मौत

उज्जैन, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर के अन्नक्षेत्र में आज सुबह एक दुखद घटना घटी। यहां काम कर रही एक महिला कर्मचारी की एक हादसे में मौत हो गई। महिला का दुपट्टा आलू छिलने की मशीन में फंस गया, जिसके बाद वह गंभीर रूप से घायल हो गई। उसे तत्काल अस्पलाल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। मृतक महिला का नाम रजनी खत्री (30 वर्ष) है। रजनी खत्री श्री महाकालेश्वर मंदिर के अन्नक्षेत्र में भोजन बनाने और वितरण का काम करती थी। आज सुबह वह आलू छील रही थी, तभी उसका दुपट्टा अचानक मशीन में फंस गया। घटना इतनी तेज़ी से घटी कि कोई भी रजनी को बचाने का प्रयास नहीं कर सका। वह गंभीर रूप से घायल हो गई और उसे तुरंत इलाज के लिए अवंती हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान मृत्यु हो गई। एसडीएम लक्ष्मी नारायण गर्ग ने बताया कि केशव नगर में रहने वाली सुश्री रजनी खत्री पिछले काफी समय से श्री महाकालेश्वर मंदिर के अन्नक्षेत्र में भोजन बनाने और वितरण का काम कर रही थी।

संजय राउत के घर के बाहर दिखे संदिग्ध निकले मोबाइल कंपनी के कर्मचारी, पुलिस ने पूछताछ के बाद छोड़ा

मुंबई, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। मुंबई पुलिस ने शिवसेना नेता संजय राउत के बंगले के बाहर संदिग्ध रेकी के सिलसिले में चार लोगों से पूछताछ की है। हालांकि बाद में यह पुष्टि होने के बाद उन्हें छोड़ दिया कि वे एक दूरसंचार नेटवर्क सेवा कंपनी के कर्मचारी थे। भांडुप इलाके में शनिवार को सुबह करीब साढ़े नौ बजे शिवसेना नेता के बंगले 'मैत्री' के बाहर मोटरसाइकिल पर सवार दो लोग देखे गए। इसे संदिग्ध पाते हुए बंगले के बाहर इंतजार कर रहे कुछ लोगों ने राउत के छोटे भाई विधायक सुनील राउत को इसकी जानकारी दी।

जिसके बाद पुलिस ने दो लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया था।

पुलिस ने बताया कि दो लोग दोपहिया वाहन पर आए, कुछ देर तक बंगले के बाहर रुके और फिर वहां से चले गए। सूचना मिलने के बाद कांजुरमार्ग पुलिस स्टेशन की एक टीम जल्द ही मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। संजय राउत के बंगले के बाहर रेकी की घटना पर राकांपा-एसपी विधायक जितेंद्र आव्हाड ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, सीसीटीवी कैमरे में साफ दिख रहा है कि दो लोग मोटरसाइकिल पर आए थे। अगर शिवसेना(यूबीटी) सांसद संजय राउत सुरक्षित नहीं हैं, तो आम आदमी का क्या होगा?

पुलिस अधिकारी ने बताया कि ये लोग टेलीकॉम नेटवर्क सेवा कंपनी इंस्टा आईसीटी सॉल्यूशन के कर्मचारी थे और शनिवार को इलाके में नेटवर्क का परीक्षण कर रहे थे। उन्होंने बताया कि चार लोगों से पूछताछ की गई और बाद में पुलिस द्वारा कंपनी के साथ उनकी भूमिका और पदनाम की पुष्टि करने के बाद उन्हें छोड़ दिया गया।

मुंबई में बीएमसी चुनाव अकेले लड़ सकती है शिवसेना यूबीटी संजय राउत के बयान पर कांग्रेस ने दिखाए तीखे तेवर

मुंबई, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद शिवसेना (उद्धव गुट) के सुर बदलने लगे हैं। पार्टी के सीनियर नेता संजय राउत ने संकेत दिया है कि ठाकरे सेना आगामी बीएमसी चुनाव अकेले लड़ सकती है। पुणे में मीडिया को संबोधित करते हुए संजय राउत ने कहा कि कार्यकर्ताओं की इच्छा है कि महानगरपालिका चुनाव अकेले लड़ा जाए। उन्होंने कहा कि मुंबई में हमारी ताकत है। मुंबई में हमें लड़ना चाहिए ये कार्यकर्ताओं की इच्छा है। संजय राउत ने कहा कि विधानसभा चुनाव में विपरीत परिस्थितियों के बावजूद भी हमने मुंबई में 10 सीटें जीती। 4 सीट बहुत कम मार्जिन से हारे। मुंबई में शिवसेना (उद्धव गुट) की ताकत बनी रहनी चाहिए नहीं तो ये लोग (विरोधी दल) मुंबई को तोड़ देंगे।

गुजरातः पार्सल में ब्लास्ट होने से मचा हड़कंप डिलीवरी करने वाला और लेने वाला दोनों घायल

अहमदाबाद, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। गुजरात के अहमदाबाद के साबरमती इलाके में पार्सल में ब्लास्ट होने से हड़कंप मच गया। पार्सल डिलीवरी करने वाला और पार्सल लेने वाला दोनों घायल हो गए। घटना शनिवार सुबह करीब 10.30 बजे शिवम रो हाउस में हुई। पुलिस के मुताबिक पार्सल डिलीवरी करने वाला और पार्सल लेने वाला दोनों घायल हैं। पुलिस के मुताबिक पार्सल में बैटरी में ब्लास्ट हुआ। पार्सल ब्लास्ट की खबर मिलते ही स्थानीय पुलिस ने स्थल पर पहुंच कर तहकीकात शुरू की । पुलिस अधिकारी नीरज कुमार बरगुर्जर ने बताया कि साबरमती में गौरव गढ़वी नामक व्यक्ति बलदेव के आवास पर आया और एक पार्सल सौंपा जो फट गया। आरोपी गौरव गढ़वी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

दोनों के बीच आंतरिक विवाद था। पुलिस मामले की जांच कर रही है। अन्य आरोपियों को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। पुलिस, बम निरोधक दस्ता, डॉग स्क्वाड, एफएसएल मौके पर मौजूद है। पुलिस ने बताया कि आरोपी ने पार्सल बनाकर लेकर आया था। पार्सल में ब्लेड और इलेक्ट्रॉनिक स्विच भी थी। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। इस घटना में किसी की जान नहीं गई है। आरोपी से पुलिस पूछताछ कर रही है। साबरमती पुलिस ने बताया कि आरोपी की पहचान गौरव गढ़वी के रूप में हुई, जो यहां बलदेवभाई को पार्सल पहुंचाने आया था। हालाँकि, डिलीवरी के दौरान पार्सल में विस्फोट हो गया, जिससे बलदेवभाई के भाई किरीट सुखाड़िया और गढ़वी खुद घायल हो गए। जांच के दौरान यह बात सामने आई कि यह धमाका निजी पारिवारिक विवाद का नतीजा था। प्रारंभिक जांच से पता चला कि विस्फोट में शराब के कंटेनरों का इस्तेमाल किया गया था। पुलिस ने हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर लिया है। विस्फोट को अंजाम देने में शामिल लोगों के नामों की पहचान कर ली गई है और जांच जारी है।

पत्नी को एलिमनी का पैसा देने के लिए 80 हजार के चिल्लर लेकर कोर्ट पहुंचा पति

नई दिल्ली, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। तलाक के बाद एक पति को अपनी पत्नी के गुजारे के लिए उसे भत्ता देना पड़ता है। जिसे हम एलिमनी यानी गुजारा भत्ता कहते हैं। ऐसे ही अपनी पत्नी को गुजारा भत्ता देने के लिए एक पति 80000 रुपए के सिक्के लेकर पहुंचा। ये सिक्के सिर्फ 1 और 2 रुपए के थे। घटना 18 दिसंबर को कोयंबटूर के एडिशनल फैमिली कोर्ट में घटित हुई। जहां कोर्ट ने पति को उसकी पत्नी के लिए 2 लाख रुपए एलिमनी के तौर पर देने को कहा था। जिसके बाद पति सिक्कों से भरे दो सफेद थैलियां लेकर कोर्ट पहुंचा। कोर्ट में जब जज ने एलिमनी के तौर पर पति के लाए गए सिक्कों को देखा तो जज साहब भी हैरान रह गए। उन्होंने उस शख्स को सिक्कों के बदले नोट देने को कहा। उसके बाद अगले दिन उस शख्स ने 80 हजार रुपए नोटों के रूप में जमा करने को कहा। बता दें कि, एलिमनी के तौर पर 80 हजार देने वाला शख्स पेशे से एक टैक्सी ड्राइवर है। जो वड़ावल्ली का रहने वाला है। 37 वर्षीय इस टैक्सी ड्राइवर की पत्नी ने पिछले साल कोर्ट में तलाक की अर्जी दायर की थी। जिसके बाद कोर्ट ने उस टैक्सी ड्राइवर को अपनी पत्नी की भरण-पोषण के लिए उसे 2 लाख रुपये अंतरिम गुजारा भत्ता देने का आदेश दिया था। आदेश के बाद वह टैक्सी ड्राइवर उसमें से 80 हजार रुपए के सिक्के लेकर कोर्ट पहुंचा था। जब कोर्ट में उसने सिक्कों से भरे थैले को जमा करने के लिए दिया तो यह देख वहां मौजूद सभी लोग हैरान रह गए। फिर कोर्ट ने उस टैक्सी ड्राइवर को सिक्कों के बदले नोट जमा कराने को कहा। जब टैक्सी ड्राइवर सिक्कों के बंडल के साथ अदालत से बाहर निकल रहा था, तभी उसका वीडियो किसी ने बना लिया और उसे सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। फिलहाल ये वीडियो इन दिनों खूब तेजी से वायरल हो रहा है।

आयकर विभाग ने कश्मीर से दुबई तक फैले हवाला नेटवर्क का किया भंडाफोड़

800 करोड़ रुपये के लेन-देन का खुलासा

श्रीनगर, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। रियल इस्टेट और कश्मीरी हस्तशिल्प शिल्प से जुड़े कुछ लोगों के कश्मीर से दुबई तक फैले हवाला नेटवर्क की जांच करते हुए आयकर विभाग ने 800 करोड़ रुपये के निवेशका पता लगाया है। इसके अलावा कश्मीर में 50 करोड़ रूपये से अधिक की संपत्ति के सौदों से जुड़े लेन देन के दस्तावेज और एक करोड रुपये से अधिक की नकदी भी जब्त की है।

तीन लोगों के घरों में ली गई तलाशी

उल्लेखनीय है कि आयकर विभाग ने गत बुधवार को श्रीनगर में एक नामी कालीन व्यापारी समेत तीन लोगों के घरों और कार्यालयों की तलाशी ली थी। इसी दौरान मुंबई और दिल्ली में भी कुछ जगहों पर तलाशी ली गई थी। संबंधित अधिकारियों बताया कि बुधवार की जांच के दौरान पता चला है कि कश्मीर से नकद हवाला लेन देन हो रहा है और इसके जरिए दुबई और संयुक्त अरब अमीरात में संपत्ति निवेश किया जा रहा है।

800 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश के सबूत मिले

जांच के दौरान दुबई स्थित इन संपत्तियों में 800 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश के सबूत मिले हैं। यह भी पाया गया है कि निवेश करने वाले भारतीय नागरिक श्रीनगर से लेकर दिल्ली और हैदराबाद तक पूरे भारत में स्थित हैं, और अब वह सभी आयकर विभाग की जांच के दायरे में हैं। कश्मीर में जांच के दौरान 50 करोड़ रुपये से अधिक के संपत्ति सौदों के लेन देने से संबधित दस्तावेजी सुबूत जब्त किए गएहैं। इसके अलावा एक करोड़ रुपये से अधिक की नकद राशि भी जब्त की गई। यह कार्रवाई आयकर अधिनियम, 1961 और काला धन अधिनियम, 2015 के तहत की जा रही है।

हवाला क्या होता है

हवाला का मतलब एजेंटों के जरिए धन को एक देश से दूसरे देश में ट्रांसफर किया जाता है। इस प्रकार यह पैसे के लेन देन का एक गैर कानूनी तरीका है जिसे "हुंडी" भी कहा जाता है गृह मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार भारत में हर साल हवाला कारोबार का आकार 20 से 25 अरब डॉलर का है। इसके जरिए अवैध रूप से कमाए गए पैसे को एक तरह रे छिपाया जाता है।

जंगल में शेरों को हुई ये बीमारी, होम्योपैथी-आर्युवेद से किया जा रहा इन्हें ठीक

इटावा, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश इटावा सफारी पार्क के बब्बर शेरों को आयुर्वेदिक और होम्योपैथिक दवाओं से पेट के रोग दूर किए जा रहे हैं। कोरोना संक्रमण के दौरान दो शेरों पर आयुर्वेदिक दवाओ का इस्तेमाल किया गया था, जिसका फायदा मिलने के बाद अन्य बब्बर शेरों पर इसका इस्तेमाल किया गया है। अब इटावा सफारी प्रबंधन ने इसको प्रयोग के रूप में शामिल कर लिया है। इसके लिए एक शोध पत्र भी सफारी की ओर से जारी किया गया है। जानकारी के अनुसार, एशियाटिक बब्बर शेरों के सबसे बड़े प्रजनन केंद्र के रूप में देश दुनिया में अपनी पहचान स्थापित कर चुके इटावा सफारी पार्क प्रबंधन ने पार्क के शेरों में कब्ज की समस्या को दूर करने के लिए आयुर्वेदिक और होम्योपैथिक दवाइयों का प्रयोग करके एक शोध पत्र जारी किया है। कोरोना संक्रमण के दौरान दो शेरों पर आयुर्वेदिक दवा का इस्तेमाल किया गया था, जिसका फायदा मिलने के बाद अन्य शेर शेरनियों पर इसका प्रयोग किया गया है, जोकि सफल रहा।

अतुल कुमार

सबसे युवा विश्व शतरंज चैंपियन बने डी गुकेश

शतरंज की दुनिया में पिछले चार दशकों से छाये सन्नाटे को 18 वर्षीय युवा शतरंज खिलाडी डी गुकेश ने तोडा । शतरंज के विश्व विजेता खिताब को जीत रूस के गैरी कास्पारोव की लगभग चार दशको से छायी छोटी उम्र (22) वर्ष की मोनोपोली के रिकार्ड को तोड गोल्डन हिस्ट्री लिखी । चीन के ग्रैंड मास्टर डिंग लिरेन को 58 चालों के बाद पराजित कर । गुकेश ने वर्ल्ड चेस चैंपियनशिप के प्रतिष्ठित गेम में जीत हासिल की । इस टूर्नामेंट ने शतरंज प्रेमियों को खूब छकाया जिससे धारणा बनने लगी थी कि यह बराबरी पर खत्म होगा लेकिन गुकेश की सूझ बूझ भरी चालों ने प्रतिद्वंदी को अपनी स्ट्रेटेजी के जाल में ऐसा फंसाया कि उन्हें सरेंडर कर हार माननी पडी । देश के लिये यह गौरव पूर्ण अचीवमेंट है। जिसको पा खेल प्रेमियों के बीच खुशी की लहर दौड गयी । दरअसल इस खिताब को जीतने वाले गुकेश तीसरे एशियन हैं ।इसके पूर्व विश्वनाथन आनंद और डिंग ने इस कीर्ती को पाया था । खेल की टेबल पर जैसे ही गुकेश ने दोनों हाथ हवा में उठाये वह हिस्टारिकल विक्ट्री के न भुलाये जाने वाले क्षण थे जिस का इंतज़ार सभी देशों के खिलाडियों को रहता है । इन सुनहरे पलों पर शायर जिगर मुरादाबादी का लिखा शेर फिट बैठता है " अपना ज़माना आप बनाते हैं अहल ए दिल / हम वो नहीं जिनको ज़माना बना गया "

शतरंज का खेल माइंड बोग्लिंग़ का ऐसा उदाहरण है जिसमें हर चाल बहुत दूर तक सोच समझ कर चलनी पडती है वर्ना कौनसा मोहरा कब किस दिशा को बदल दे कहना मुमकिन नहीं होता । इसलिये शतरंज को हमेशा सीखने और बढने के लिये प्रेरित करने वाला खेल माना गया , जो लाइफ में डिसिप्लिंड और समझदार होना सिखलाता है ।" यह खेल ध्यान , एकाग्रता ,कल्पना , कोआर्डिनेशन , टीँम वर्क और लीडरशिप के गुणों की सीख देता है ' गुकेश का खेल इसकी बेहतरीन मिसाल बन सामने आया है ।

गुकेश की ऐतिहासिक विजय से विश्व में सबसे युवा सिरमौर का उदय हुआ है जिसने अपने खेल हुनर से सारी दुनिया को चौंकाया । खेल में आये उतार चढाव का पूरे साहस से सामना किया । शोहरत पाने की ओर तेज़ी से बढने में गुकेश की ग्रैंड मास्टर आनंद की वेस्ट ब्रिज आनंद चेस अकादमी द्वारा मेंटरिंग़ की गयी । चेस बोर्ड पर चालों की गहराई के हिसाब किताब की कुदरती क्षमता के आधार पर उनके हरफनमौला खेल ने उनको अपने से अधिक अनुभवी के मुकाबले बेहतर स्थिति में रखा ।जिसे देख लोग हैरत करने लगे कि यह नौजवान क्या कमाल का खेल खेल रहा है ! गुकेश के खेल में वह सारी खूबियां देखने मिली जो एक वर्ल्ड चैंपियन में होनी चाहिये । ध्यान रहे ! इस टूर्नामेंट के पहले सिंगापुर के लिये टिकट कटवाने के पहले डिंग लिरेन एक विश्व स्तरीय

मुकाबला जीत सभी की संभावनाओं की लिस्ट में अव्वल थे । उम्मीद की जा रही थी कि इसे भी जीतेंगे लेकिन गुकेश ने सारी एक्सपेक्टेशंस पर पानी फेर शतरंज के खेल में नया इतिहास लिखा।

उनकी उम्र जब 5- 6 वर्ष थी तब उनके माता पिता कई खिलौने ला कर देते लेकिन टायस के बीच में कूल चेस बोर्ड को चुना और उसके मोहरों से ऐसा रिश्ता कायम किया कि उसने पूरी दुनिया में उनको चमकाया । यह वही समय था जब शतरंज के महान खिलाडी और पूर्व विश्व विजेता विश्वनाथन आनंद विद्यार्थियों के बीच खेल के प्रति जागरूकता को बढाने के लिये स्कूलों में क्लासेस लेते और कार्यशालाएं आयोजित करते उसी दौरान उन्होंने एक स्कूल की पहली बेंच पर बैठे दूसरे विद्यार्थी में छिपे चेस के टेलेंट को पहचाना और उनकी मेंटरिंग़ की । जिसने जो डिविडेंट्स दिये आज वह सबके सामने है। विश्वनाथन आनंद जैसे महान खिलाडी द्वारा खेल को बढाने के जो प्रयास किये जा रहे हैं उसकी जितनी प्रशंसा की जाए कम है । आज ऐसे कितने खिलाडी हैं जो अपने किसी भी खेल को बढावा देने के लिये ऐसा कर रहे हैं सोचिये !

गुकेश की यह ग्रेट विक्ट्री समय की पुकार भी है कि पेरेंट्स अपने बच्चों में छिपी खेल प्रतिभा को बढने दें और इसके लिये उन्हें प्रोत्साहित करें । नया सूत्र बन पडा है कि कंप्यूटर में एम एस ,पी जी करो और विदेश का रास्ता नापो ।इससे देश और समाज को क्या हासिल होगा ! ।मौजूदा वक्त में स्पोर्ट्स देश का मान , महिमा और महत्व को बढाने का श्रेष्ठ मंच है ।ग्लोबल इकनामी के इस युग में देश की ब्रांडिंग़ भी होगी । वर्ल्ड चैंपियन ।डोम्माराजू गुकेश का जन्म 7 मई 2006 को चेन्नई मे तेलुगु भाषी परिवार में हुआ जो मूल रूप से आंध्र प्रदेश से हैं ।गुकेश के पिता पेशे से डाक्टर और मां माइक्रोबायलाजिस्ट हैं ।

दिलचस्प बात है कि दुनिया में 172 देशों में खेले जाने वाले इस खेल की शुरुआत भारत में गुप्त वंश के दौरान छठी शताब्दी में हुई। जिसे चतुरंग़ कहा जाता था ।विश्व विजेता गुकेश ने काले मोहरों से खेलते हुए बडी जीत दर्ज की ।उन की एक आदत है कि किसी भी मैच में अपनी पहली चाल चलने के पहले आंखे बंद कर ईश्वर की प्रार्थना कर खेल को आगे बढाते हैं । विश्व खिताब जीतने के बाद भी बडी आस्था से उन्होंने हाथ जोड प्रभु का आभार मान चेस बोर्ड को प्रणाम किया ।चैंपियनशिप में खेले गये 14 दौर की बाज़ियों में 13 वे दौर तक मुकाबला बराबरी पर चला साफ है कि मुकाबला कितना कडा था । हर राउंड कई कई घंटों तक चला जिसे शतरंज प्रेमियों ने दिलचस्पी से देखा । गुकेश ने सिर्फ

इस खेल के प्रति दीवानगी के बूते वर्ल्ड चैंपियनशिप जीती । उनके पिता स्कूल के बाद उनको चेस कोचिंग में अभ्यास के लिये भेजते ।कोच ने उनकी प्रतिभा को पहचाना सन 2015 में गोवा में नैशनल स्कूल चैपियनशिप जीती और इसके बाद लगातार दो साल तक इसे जीतते रहे । सन 2016 में कामन वेल्थ गेम्स में गोल्ड मेडल जीता । तब उनकी उम्र सिर्फ 10 वर्ष थी । छोटी उम्र में भारतीय ग्रैंड मास्टर बन धूम मचायी ।दस ओपन टाइटल जीत चुके हैं ।

वर्ल्ड चैंपियन बनने के बाद उनके पिता डा रजनीकांत जो ई एन टी सर्जन हैं के अनुसार बाहर से शांत दिखने वाले गुकेश असल में बेहद शरारती हैं ,वो कुछ न कुछ शरारत करते हैं घर में हमको चकमा देते रहते हैं । दुनिया में खेलने के लिये कहीं भी जाएं उनकी पहली पद्संदीदा डिश इडली ,दोशा और दही चावल होते है । इसके अलावा हिंदी फिल्में पसंद हैं ।

आज वह 18 @ 18 हैं अर्थात 18 वर्ष की उम्र में शतरंज के 18 वे वर्ल्ड चैंपियन हैं स्वदेश लौटने पर उनके लिये इसी थीम पर उनके भव्य स्वागत में विशेष कार डिज़ाइन की गयी । अपने पर हो रही पैसों की बारिश पर कहा कि मैं मटेरियलिस्टिक नहीं बनना चाहता इससे खेल से ध्यान बंटता है । वास्तव में यह एक डेडिकेटेड चैंपियन का प्रशंसनीय नज़रिया है । किसी शायर ने खूब कहा " नज़र को बदलो तो नज़ारे बदल जाते हैं / सोच को बदलो तो सितारे बदल जाते हैं / कश्तियां बदलने की ज़रूरत नहीं दिशाओं को बदलो तो किनारे खुद ब खुद बदल जाते हैं // शतरंज के विश्व विजेता गुकेश ने यही किया ।

काव्य कुंज

धीर बन , सुधीर बन

कुमुद बाला,
हैदराबाद

धीर बन ,
सुधीर बन और कर्म से तू वीर बन
संभावना की दृष्टि रख,
पाखंडियों पे तीर बन
धीर बन , सुधीर बन ।।
जो देश के लिए मरे,
वो देश का सपूत है
जो गर्व करे देश पर , वो देश का सपूत है
तिलक करे जो माटी का,वो देश का सपूत है
जो देश के लिए जिये , वो देश का सपूत है
सपूत बन,अवधूत बन , जरूरतों का चीर बन
धीर बन , सुधीर बन और कर्म से तू वीर बन
संभावना की दृष्टि रख, पाखंडियों पे तीर बन
हिमवान बन,हिमताज चुन,सैनिक तू महान बन
ध्वजा गहन,ध्वजा पहन,तू ध्वजा तरंगतान बन
आवाज़ बन, परवाज़ बन, राष्ट्र का हमराज़ बन
प्यार बन , दुलार बन ,तू भारत की पहचान बन
सरल बन,गरल बन और तू वक्त का कबीर बन
धीर बन , सुधीर बन और कर्म से तू वीर बन
संभावना की दृष्टि रख , पाखंडियों पे तीर बन
है गर्व देशभक्ति पर और गर्व मातृशक्ति पर
है गर्व देशनीति पर और गर्व देशप्रीति पर
देश की है माटी माँ , देश की है प्राची माँ
देश है सर्वोपरि , इस बात की है साक्षी माँ
तू नौजवां,तू हमजवां,तू दुश्मनों की पीर बन
धीर बन , सुधीर बन और कर्म से तू वीर बन
संभावना की दृष्टि रख,पाखंडियों पे तीर बन
धीर बन , सुधीर बन ।।

देने वाला ऊपर वाला

गीता अग्रवाल
हैदराबाद

देने वाला ऊपर वाला,
धन का मत कर अभिमान।
जिसको जिसकी आवश्यकता,
उसका कर दान ।।
कपकपाती ठंड से पहले,
गरीब में कंबल बंटवाना,
बच्चों,बूढ़ों को गर्म स्वेटर,मोजे, हाथों में दस्ताना,
कोई गरीब ठंड से न मरे ऐसा प्रबंध तुम करवाना
तिजोरी भरने से पहले किसी का भला कर जाना,
दुआएं गरीब की फलती बहुत,दुआओं का रख मान ।
देने वाला ऊपर वाला,धन का मत कर अभिमान।
जिसको जिसकी आवश्यकता,उसका कर दान ।।
प्रचंड ग्रीष्म की पीड़ा में प्यासे को पानी मिल जाए,
प्याऊ, मीठा शरबत पीकर तो तन,मन खिल जाए,
वृक्ष लगाना भी है बेहतर,सबको ठंडक मिल जाए
कर इंतजाम,मूक परिंदे,जंतुओं को जीवन मिल जाए,
हर मौसम में खोल तिजोरी,सबका कर कल्याण।
देने वाला ऊपर वाला,धन का मत कर अभिमान।
जिसको जिसकी आवश्यकता,उसका कर दान।।

आज परछाई से...

दर्शन सिंह
हैदराबाद

जमाने से कुछ खफा से हैं आज कल
या जमाना ही खफा है हमसे आज कल
जिसे पाने के लिए जमाने भर से लड़े
उसी की तलवार से कट गए हम
चलता ही रह गया,
कौन रखेगा मेरे माथे हाथ
आज परछाई से पूछ ही लिया
क्यों चलती हो..मेरे साथ
उसने भी हस के कहा
और कौन है...तुम्हारे साथ
यों तो तू बहुत दूर है मुझसे
फिर भी दिल के बहुत करीब है मुझसे
जो भी समझ लो, जपता रहूंगा तुझे दिन रात
आज परछाई से..
कत्ल करते नहीं, न खुदकुशी करने देते हैं
ऐसी जिद कि जीवित लाश बना देते हैं
है तो सही दो जिस्म, लेकिन दोनों में समाहित एक ही जान
आज परछाई से..
जाना था तो आए क्यों, झूठे ख्वाब दिखाए क्यों
रहने देता कोरा, आह्लादित गीत सुनाए क्यों
छिटकता तो है
लेकिन सुनहरी यादों में बसता मेरे पास
आज परछाई से...

इतिहास

हेमंत सुराना,
उदयपुर

कलम की ताकत का एहसास करना है ,
विचारों में एक नया बदलाव लाना है
तोड़ बेड़ियाँ उन्मुक्त गगन में उड़ना है,
खोई इंसानियत को पुनः जीवित करना है
अब नए समाज का निर्माण करना है ,
अब नया इतिहास बनाना है
सबको मंजिल तक जाना है,
एक नए मुकाम को पाना है
उठना है ऊपर, हौसला यह बढ़ाना है,
रुकना नहीं, आगे कदम बढ़ाना है
ख्वाबों को सच करना है,
इतिहास नया एक रचना है
लिखना है गौरवमय इतिहास ,
जिनके मन में हो बुलंद अहसास
भले ही हो 'मानव' फिर परिहास,
कर्मों पर हो अटल विश्वास ,
कर्मों पर हो अटल विश्वास ।

बिखरते रिश्ते

डॉ शोभा भंडारी
हैदराबाद

क्यूँ बिखर रहे हैं रिश्ते?
क्यूँ क्षत-विक्षत, क्यूँ ज़ार-ज़ार हो रहे हैं रिश्ते?
बदहवास से सिसक रहे हैं रिश्ते।
हर साल-छह महीने में,
क्यूँ टूट रहे हैं रिश्ते?
तलाक और संबंध- विच्छेद,
हर सीमा को लांघ रहे हैं,
वैवाहिक बंधन को ललकार रहे हैं,
विवाह की संस्था को नकार रहे हैं।।
अदालतों पर पड़ रहा भार है,
वकालत का बढ़ रहा व्यापार है,
जनसंख्या का हो रहा ह्रास है,
दिन-दिन घटता जा रहा ग्राफ है।।
अहं और दंभ की द्वंद्व ने,
स्त्री व पुरूष, दोनों को गरमाया है,
सशक्तिकरण और स्वतंत्रता ने,
नारी समाज को भरमाया है।।
ग़र भारत की संस्कृति को है बचाना,
तो नैतिक जिम्मेदारी भी सबको है तय करना।
पुरजोर यही कोशिश है करना,
सामाजिकता को अक्षुण्ण है रखना,
व्यावहारिकता का पाठ बचपन से है पढ़ाना,
संस्कारों की अलख है जगाना।।

ईमानदारी और ईमानदार

संजीव ठाकुर,
रायपुर

हां सचमुच यह सच है,
कि वह इमानदार है
यह भी सच है
वह गरीब और फटे हाल है,
आपदाओं से घिरा हुआ,
आफतों का साथी,
परेशानियां उसे छोड़ती नहीं,
पर वह परेशान नहीं,
मायूस भी नहीं, थका हुआ है,
पर हारा हुआ कतई नहीं,
हां यह सच है वह ईमानदार है,
आज के मायनों में नहीं
सत्य के मायनों में,
यह भी सच है कि
उसके तीन बच्चे हैं
एक बेरोजगार, एक अविवाहित
एक पालिका स्कूल का विद्यार्थी
सब ईमानदारी के सताए हुए हैं,
पत्नी इलाज के अभाव में
संसार से चल बसी,
लौट कर ना आने के लिए,
यह सच है कि वह इमानदार है,
परेशान भी है फटे हाल भी है,
थका है हारा हुआ नहीं,
ईमानदारी का मारा हुआ है,
अकेला नहीं है वह,
बरगद की तरह अपने में
सभी को समेटे हुए।

घरेलू विवाद और दहेज

संजय एम.
तराणेकर, इंदौर

ये देखों लिख रहीं हैं एक स्त्री,
घरेलू विवाद और दहेज पर।
इन झूठे मामलों की सेज़ पर,
डाका पड़ा हैं पुरूषों जेब पर!
एटीएम दुःखी हुआ ये देखकर।
ये देखों लिख रहीं हैं एक स्त्री,
घरेलू विवाद और दहेज पर।
इस तरह होगी ये नारी सशक्त,
वैवाहिक जीवन होगा विभक्त!
क्या? धन पर ही होगी आसक्त।
ये देखों लिख रहीं हैं एक स्त्री,
घरेलू विवाद और दहेज पर।
कई टूटें अभिभावकों के रिश्ते,
पिता-बेटा इसमें जा रहें पिसते!
नहीं बचा पाते इन्हें भी फ़रिश्ते।
ये देखों लिख रहीं हैं एक स्त्री,
घरेलू विवाद और दहेज पर।
पुरुषों को आत्मसात करना।
विवादों को नेस्तनाबूत करना!
हे स्त्री, सामंजस्य बिठा लेना।

सूरज की रोशनी धरती का मान

डॉ.प्रतिमा सिंह
हैदराबाद

अगर ना होते सूरज तो
सर्दी को दूर भगाता कौन?
अगर ना होते सूरज तो
मधुबन में फूल खिलाता कौन?
अगर ना होते सूरज तो
हमको दिशा दिखाता कौन ?
अगर ना होते सूरज तो
निशा को उषा से मिलाता कौन ?
अगर ना होते सूरज तो चंदा को प्रकाश देता कौन ?
अगर ना होते सूरज तो वसुधा को उर्वरा बनाता कौन?
अगर ना होते सूरज तो पानी को भाप बनाता कौन ?
अगर ना होते सूरज तो बादल को न्योता देता कौन?
अगर ना होते सूरज तो ग्रहों का मेल कराता कौन?
अगर ना होते सूरज तो समय का चक्र समझाता कौन ?
अगर ना होते सूरज तो उदय-अस्ताचल का मतलब समझाता कौन?
अगर ना होते सूरज तो कर्मठता का पाठ पढ़ाता कौन?
अगर ना होते सूरज तो आलस को दूर भागता कौन ?
अगर ना होते सूरज तो सूर्यमुखी का मुख बदलता कौन?
अगर ना होते सूरज तो भोर का गीत बनाता कौन?
अगर ना होते सूरज तो जग को सुंदर बनाता कौन?

कुआँ

डॉ डी डी देसाई

घर-बार से दूर .....
गाँव से दूर .....
कुएँ के किनारे खडी हूँ।
कभी सुनसान जगह को.....
कभी मेरी सुनी माँग को,
पानी में देखती खडी हूँ।
जब पति ने छोडा साथ,
ससुराल वालों ने भी छोडा हाथ
असमंजस में खडी हूँ।
डोली मायके से उठी,
अर्थी ससुराल से ही उठेगी
पिताजी की कही बातें....
याद करती खडी हूँ।
पती के मरने के बाद,
ससुराल से निकाल देने के बाद,
क्या मायके में जीने का हक नहीं है...?
अपने दुःखों को पीकर,
कष्टों का संहार कर,
क्या नारी को जीने का हक नहीं .....?
सोचा .... माँ के पास जाऊँ
पिता की चिंता बढेगी ।
लोगों के ताने सुनने पड़ेंगे ।
एक बार नहीं, बार-बार मरना पडेगा।
करूँ तो क्या करूँ.....?
लोगों के ताने सह नहीं सकूंगी ।
बुरी नजरों से बच नहीं सकूँगी ।
एक जगह है .....
जहाँ न ताने होंगे,
न ही बुरी नजरे होंगी ।
न कोई दुःख होगा,
न ही किसी चीज की कमी होगी ।
सोचते ही चेहरे पर मुस्कान दौड आई ।
बहते आंसुओं को पीकर
पल में कुएँ में छलाँग लगाई।

बढ़े चलें...

डॉ उमेश प्रताप
वत्स, हरियाणा

दीप से दीप जलाकर हम सब,
तिमिर हटाकर बढ़े चलें।
जटिल विडम्बना कितना रोके,
पार करें और बढ़े चलें।
सरल नहीं है लक्ष्य अपना,
कंटक मार्ग पर चलना,
आगे-आगे बढ़ते जाये और, बाती के जैसे जलना,
लक्ष्य पूर्ण हो जाएगा, एक-एक पग बढ़े चले
जटिल विडम्बना कितना रोके, पार करें और बढ़े चलें।
गिरिजन निर्धन सबको लेकर, स्वप्न को पंख लगाना है
जाति-पंथ के भेद भुलाकर, सबको साथ में लाना है
आदर्शों के पथ पर चलकर, व्यक्ति समाज को गढ़े चले।
जटिल विडम्बना कितना रोके, पार करें और बढ़े चलें।
घात लगाकर बैठे द्रोही, परवाह उनकी करनी क्यों?
घर के भेदी देश के दुश्मन, जितने भी हो डरना क्यों?
सात्विक जन को साथ में लेकर, शनैः-शनैः हम बढे.चलें।
जटिल विडम्बना कितना रोके, पार करें और बढ़े चलें।
समृद्ध इतिहास की शक्ति लेकर, हिन्दु गौरव गान करें।
शिवा-प्रताप से महापुरुषों का, हृदय से सम्मान करें।
सावरकर से चिन्तक बनकर, जागृत होकर बढ़े चलें।
जटिल विडम्बना कितना रोके, पार करें और बढ़े चलें।
मान-सम्मान से ऊपर उठकर, सजग प्रहरी बनना है।
पद लोलुपता रोक न पायें, निस्वार्थ हो बढ़ना हैं।
एक ही लक्ष्य राष्ट्र उत्थान का, लेकर हम सब बढ़े चलें।
जटिल विडम्बना कितना रोके, पार करें और बढ़े चलें।

फिर छितिज पर चमकी आभा

कमलेश झा

अरुण किरण के धवल रथ से
फिर छितिज पर चमकी आभा ।
खग विहग के मधुर कलरव से
गूंज रही है संपूर्ण धरा ।।
हलधर का अपने कंधों पर
बोझ लिए हल का ले जाना।
टुनटुन घंटी बैलों की
छेड़ रही है सुंदर सा गाना।।
कमर पर मटकी लेकर फिर पनघट तक गोरी का जाना ।
जीवन के जद्दोजहद का एक सुबह फिर से शुरू हो जाना ।।
नव ऊर्जा का संचार किए भानु का छितिज तक आना।
जीव जंतु के जीवन में नव उत्साह और उमंग का भर पाना।।
एक तरफ शशि का जाना सामने से फिर रवि आना।
आशा की नई किरण संग मन में फिर उत्साह जगाना।।
जीवन के इस पूरी किताब में एक पेज आगे बढ़ जाना।
पीछे के अपने सुकर्म से एक नई छाप छोड़ पाना।।
आभा चमके अपने जीवन नित नए व्यवहार के साथ।
समाज और परिवार से रिश्ता मजबूर हो जाएगा अपने आप।।
आभा के इस चकाचौंध में खोना नहीं अपने को आज।
चंद्र छटा सा रूप बनाना शीतल करना जग को आप ।।

एक नाम ठहरा सा है

इस हृदय की तरंगों को, स्पर्श तुम ना करना,
जो गुजरना मेरी गलियों से, तो आँखों को बंद करना।
बर्बादियों ने बड़े करीने से, सजा रखा है इन खंडहरों को,
तुम नक्काशियों में इसकी उलझकर,
मुंडेरों पर ना भटकना।
चाँद छूती है हर रात पर,
लगे अमावस मुझे कुछ ख़ास
कि सितारों ने हीं सिखाया है कि,
इश्क़िया आतिशों में ना बिखरना।
बूँदें ओस की भी उतरती हैं यहाँ,
फैले कोहरे की गवाही में,
तुम ख़्वाहिशों के अपने कारवां को,
मेरी धूप में ना धरना।
उम्मीदों की लकड़ियां जलाकर,
जो कट चुकीं हैं सर्द रातें,
तुम सपनों की रजाईयां लेकर,
मेरी बागों का रुख ना करना।
यूँ तो आवारगी तेरी, अक्सर लगती है मुझको घर सी,
पर तजुर्बे वक़्त ने दिखाए जो, तो लाजमी है मेरा डरना।
यादों की आहटों में सिमट जाती है, ये शामें मेरी रफ़्ता-रफ़्ता
तुम सादगी भोर की बनकर, मेरे गुलमोहरों पर ना उतरना।
जमींदोज़ हैं मेरे हिस्से, जिन्हें ढूढ़ना है बड़ा मुश्किल,
दर्द की नयी रवानगी लिए तुम, सूखे तालाबों में ना छलकना।
कुछ लब्ज गूंजते हैं यहां, एक नाम ठहरा सा है,
एक शोर नया बनकर तुम, मेरे सन्नाटों में ना टहलना।

मनीषा मंजरी
दरभंगा

दावेदार

डॉ टी महादेव राव

चुनावी टिकट के लिए लड़ाई चल रही थी
कुर्सी ही कुर्सी मस्तिष्क में पल रही थी
एक ने कहा ₹मैं इतने कांड निपटाया
विपक्ष से कई सांसद जोड़ लाया
मैं ही हूं असली दावेदार भाया!₹
दूसरे ने कहा
₹अमुक नेता के खिलाफ झूठा प्रचार
किसने करवाया?
और उसे दो टके के भाषणबाज को
गुंडो से किसने पिटवाया?
मुझे कुर्सी देनी होगी₹
तीसरे ने अपना पक्ष दिया
₹यह सब कुछ भी नहीं
कुल पैंतालीस बलात्कार करवाया हूं
पूरे चुनाव क्षेत्र की जनता को
अपनी दहाड़ों से डराया हूं
चाहे मार कर डरा कर या चुराकर
अपनी मतपेटी भरवाया हूं
मेरी योग्यता पर फिर भी आपको शक है
तो यह मेरा बेड लक है
क्योंकि जो भी ऐसे ₹पुनीत कृत्य₹ कर लेता है
वही सही अर्थों में सही नेता है!₹
इस थोक कार्यकर्ता को टिकट मिला
कारण यूं कहा गया
लोकतंत्र की रक्षा करने और
परिस्थितियों पर नियंत्रण रखने में
आप सिद्धहस्त हैं देश की प्रगति और प्रतिष्ठा को
लेकर आपके विचार स्वस्थ हैं।

जिंदगी

रेणुका अग्रवाल
हैदराबाद

सजल रोज़ एक नया
सबक सिखाती है जिंदगी।
अपनों को रोज पराया
कराती है जिंदगी।
ये अपने छोटे छोटे
बच्चे जब बड़े हो जाते है
इन्हीं बच्चों से डराती धमकाती है जिंदगी।
मां को भूलकर बीवी को चाहने लगते है
मां को घर में अपमान दिलाती है जिंदगी।
बेटे की शादी कराके मां बहुत खुश हुई थी बहु
आई तो बेटे से नफरत कराती है जिंदगी।
मां ने सारे फ़र्ज़ अदा किए ईमानदारी से
अपनी औलाद से हिकारते दिलाती है जिंदगी।

स्वतंत्र वार्ता
काव्य कुंज ब्लॉग
AGA, Publications, Ltd,
396, Lower Tankbund,
Hyderabad-500080

हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम

स्वतंत्र वार्ता साप्ताहिकी

रविवार 22, दिसंबर 2024

सरकार इजाजत दे : बांग्लादेश का नामोनिशान नहीं बचेगा

संत बोले– हिंदू खतरे में, महाकुंभ में पीएम से 13 अखाड़े मांगेंगे जवाब

'बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हुई हर घटना पर हमारी नजर है। हम लोग कहते नहीं हैं, करने पर विश्वास रखते हैं। देश के करोड़ों संत सिर्फ भारत सरकार की अनुमति का इंतजार कर रहे हैं। हमें आज इजाजत मिल जाए, तो हम बांग्लादेश को बता देंगे कि कौन कितना ताकतवर है। उनका नामो निशान तक नहीं बचेगा। 'जूना अखाड़े' के मुख्य संरक्षक महंत हरि गिरी बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा को लेकर फिक्रमंद हैं। वो प्रयागराज महाकुंभ पहुंचे हैं। उनका जूना अखाड़ा 10 लाख से ज्यादा नागा संन्यासियों वाला दुनिया का सबसे बड़ा अखाड़ा है।

हरि गिरी बताते हैं कि महाकुंभ में 13 अखाड़ों के 1 लाख से ज्यादा संतों का जमावड़ा लगने वाला है। यहां आने वाला हर संन्यासी सनातन धर्म का ध्वज वाहक है। जहां भी हमारे धर्म पर खतरा दिखता है, हम वहां जाकर अपने भाई-बहनों के लिए लड़ने को तैयार हैं। महाकुंभ के दौरान बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा का मसला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सामने रखा जाएगा।

महाकुंभ 13 जनवरी, 2025 से शुरू होने वाला है। 45 दिनों तक चलने वाले इस धार्मिक जमघट में देश-विदेश से संत पहुंचने लगे हैं। 12 साल पहले प्रयागराज में जब कुंभ हुआ था, तब सभी अखाड़ों ने एकमत होकर राम मंदिर निर्माण के लिए आवाज उठाई थी। तय हुआ था कि अगले महाकुंभ तक राममंदिर हर हाल में बन जाना चाहिए और वैसा ही हुआ। इस बार अलग-अलग अखाड़ों से बांग्लादेश हिंसा के खिलाफ वैसी ही आवाजें उठ रही हैं।

प्रयागराज के संगम तट पर हर 12 साल में महाकुंभ होता है। प्रयाग उन 4 पवित्र जगहों (हरिद्वार, उज्जैन, नासिक और प्रयागराज) में से एक है, जहां कुंभ मेला लगता है। 2019 के अर्धकुंभ में 24 करोड़ लोग पहुंचे थे। प्रयागराज प्रशासन इस बार 45 करोड़ लोगों के आने का अनुमान लगा रहा है। महाकुंभ के दौरान उत्तर प्रदेश में जिलों की संख्या 75 से बढ़कर 76 हो जाती है। इस बार नए जिले को 'महाकुंभनगर' नाम दिया गया है। संगम घाट के आस-पास 4000 हेक्टेयर में नया जिला बसाया जा रहा है।

गंगा पार दूसरी ओर धार्मिक अखाड़ों के लिए जगह दी गई है। 13 जनवरी को अखाड़ों के शाही स्नान से महाकुंभ की शुरुआत होगी। अखाड़ा क्षेत्र की ओर जाने वाला हर रास्ता ठीक किया जा रहा है। जहां से साधु-संन्यासी स्नान के लिए जाएंगे। महाकुंभ शुरू होने में अभी 3 हफ्ते से ज्यादा का वक्त बाकी है, लेकिन धार्मिक अखाड़ों में हवन-पूजन, संतों की बैठकें शुरू हो गई हैं।

पंच अग्नि अखाड़ा महाकुंभ में सबसे पहले पहुंचने वाले अखाड़ों में से एक है। श्रीमहंत मुक्तानंद कहते हैं, 'बांग्लादेश में हिंदुओं की आबादी कम है। इसलिए उन पर लगातार हिंसक हमले हो रहे हैं। पंच अग्नि अखाड़ा इन हमलों की निंदा करता है। हमारे सनातन मंदिरों में मूर्तियां तोड़ी गईं। हम चाहते हैं कि केंद्र बांग्लादेश सरकार से बात करे। वहां पर हमारे जो भी भाई-बहन फंसे हैं, उनके भारत आने के लिए वीजा पर लगी पाबंदियां खत्म की जाएं, ताकि वो भारत आकर सुरक्षित रह सकें।

अखाड़ा परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष महंत रविंद्र पुरी कहते हैं, 'अगस्त से लेकर अब तक जिस तरह बांग्लादेश में हिंदुओं पर 1000 से ज्यादा हमले हुए हैं, उसे लेकर संत समाज में निराशा और गुस्सा है। लगभग सभी अखाड़ों के महंत इस मुद्दे को लेकर चिंतन कर रहे हैं। फिलहाल, बांग्लादेश से भारत आने वाले नागरिकों के लिए टूरिस्ट वीजा बंद है। ऐसे में वहां से कुंभ स्नान के लिए आने वाले हिंदू भी इस बार नहीं आ पा रहे हैं। इन लोगों में कई संन्यासी भी शामिल हैं, जो कुंभ के लिए सालों-साल से इंतजार कर रहे थे।

'13 जनवरी को अखाड़ों के शाही स्नान के साथ मेला शुरू हो जाएगा। इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी, अलग-अलग राज्यों के मुख्यमंत्री और नेता कुंभ में शामिल होने आएंगे। इस दौरान सभी अखाड़ों के अध्यक्ष और महामंडलेश्वर उनसे मिलकर बांग्लादेश में हिंदुओं के हाल पर चर्चा कर सकते हैं। संभव है कि तब इस विषय पर कोई बड़ा फैसला लिया जाए

'नागाओं का इतिहास रहा कि उन्होंने हिंदुओं की रक्षा के लिए समय-समय पर युद्ध लड़े हैं। चाहे वो 1757 में अहमद शाह अब्दाली के साथ जंग हो या फिर 1664 में औरंगजेब की सेना से लड़ाई। नागा साधुओं ने हमेशा देश और सनातन की रक्षा के लिए शस्त्र उठाए हैं। यही वजह है कि महाकुंभ में पहुंच रहे नागा संन्यासियों ने बांग्लादेश हिंसा के खिलाफ प्रदर्शन किया है।

5 दिसंबर 2024, योगी अयोध्या के राम कथा पार्क में रामायण मेले का उद्घाटन करने पहुंचे थे।

इस दौरान उन्होंने मुगल शासक बाबर, संभल हिंसा और बांग्लादेश को लेकर एक बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा- याद कीजिए कि 500 साल पहले बाबर के आदमी ने कुंभ में क्या किया था। यही बात संभल में भी हुई और यही अब बांग्लादेश में भी हो रही है। तीनों का स्वभाव और उनका डीएनए एक ही है

देश में 50 हजार से ज्यादा महिला संतों वाला संन्यासिनी अखाड़ा बांग्लादेश हिंसा के विरोध में हैं। महाकुंभ के बाद अखाड़ा बड़ा आंदोलन करने जा रहा है। हिंदू महासभा संत प्रकोष्ठ की राष्ट्रीय अध्यक्ष और संन्यासिनी अखाड़े की महंत अर्चना गिरी कहती हैं, 'सनातन धर्म पर हमले आज से नहीं बल्कि सदियों से होते रहे हैं, लेकिन हर बार जीत हिंदुओं की हुई है। हम न बंटेंगे न कटेंगे।'

'बांग्लादेश में हिंदुओं पर जो हमले हुए, उसके विरोध में संन्यासिनी अखाड़ा पूरे देश में आक्रोश आंदोलन कर रहा है। अभी महाकुंभ में हम सभी साधु-संत एकजुट होकर बांग्लादेश में हुई हिंसा के खिलाफ रणनीति बनाएंगे। वहां हिंदू धर्माचार्यों पर हुआ अत्याचार सरासर गलत है। भारत का संत समाज वहां फंसे संन्यासियों के साथ खड़ा है।'

महाकुंभ में सभी अखाड़ों से लाखों की संख्या में संत आएंगे। 45 दिन तक चलने वाले सबसे बड़े धार्मिक मेले को सफल बनाने के लिए संत समाज और सरकार मिलकर काम कर रहे हैं। अखाड़ों के अध्यक्ष सरकार तक सीधे अपनी बात पहुंचाएंगे। ऐसे में संभव है कि सनातन बोर्ड के प्रस्ताव के साथ हिंदू रक्षा का भी मुद्दा उठाया जा सकता है।

महाकुंभ में 13 अखाड़ों के 10 लाख संत

1954 के कुंभ में मची भगदड़ के बाद अखाड़ा परिषद की स्थापना की गई, जिसमें देश के 13 अखाड़ों को मान्यता दी गई। अखाड़े खुद को हिंदू धर्म के रक्षक के तौर पर देखते हैं।

13 अखाड़े 3 समूहों में बंटे हैं- 7 शैव अखाड़े शिव की भक्ति करते हैं, 3 वैष्णव अखाड़े विष्णु भक्तों के हैं और 3 उदासीन पंथों के हैं। उदासीन पंथ गुरु नानक की वाणी से प्रेरित हैं।

1954 के कुंभ में मची भगदड़ के बाद अखाड़ा परिषद की स्थापना की गई, जिसमें देश के 13 अखाड़ों को मान्यता दी गई। अखाड़े खुद को हिंदू धर्म के रक्षक के तौर पर देखते हैं।

13 अखाड़े 3 समूहों में बंटे हैं- 7 शैव अखाड़े शिव की भक्ति करते हैं, 3 वैष्णव अखाड़े विष्णु भक्तों के हैं और 3 उदासीन पंथों के हैं। उदासीन पंथ गुरु नानक की वाणी से प्रेरित हैं।

जूना अखाड़ा शैव संप्रदाय का सबसे बड़ा अखाड़ा है। इसमें 10 लाख नागा संन्यासी हैं।

अखाड़ों के नाम

- निरंजनी अखाड़ा
- जूना अखाड़ा
- नागपंथी गोरखनाथ अखाड़ा
- अटल अखाड़ा
- आह्वान अखाड़ा
- आनंद अखाड़ा
- पंचाग्नि अखाड़ा
- निर्मोही अखाड़ा
- वैष्णव अखाड़ा
- उदासीन पंचायती बड़ा अखाड़ा
- उदासीन नया अखाड़ा
- निर्मल पंचायती अखाड़ा
- महानिर्वाण अखाड़ा

श्रीनिवास रामानुजन संख्याओं के जादूगर

– योगेश कुमार गोयल

प्रतिवर्ष 22 दिसम्बर को भारत में 'राष्ट्रीय गणित दिवस' मनाया जाता है, जो देश के महान गणितज्ञों में से एक श्रीनिवास रामानुजन को सम्मान देने के उद्देश्य से उनकी स्मृति में उनके जन्मदिवस पर मनाया जाता है। करीब एक दशक पहले तत्कालीन प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह ने चेन्नई में रामानुजन की 125वीं जयंती समारोह में उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा था कि ऐसे प्रतिभावान तथा गूढ़ ज्ञान वाले पुरूषों और महिलाओं का जन्म कभी-कभार ही होता है। गणित में रामानुजन के अविस्मरणीय योगदान को याद रखने और सम्मान देने के लिए उसी अवसर पर रामानुजन के जन्मदिन पर प्रतिवर्ष 22 दिसम्बर को 'राष्ट्रीय गणित दिवस' मनाए जाने का निर्णय लिया गया था।

मद्रास से करीब चार सौ किलोमीटर दूर तमिलनाडु के ईरोड शहर में 22 दिसम्बर 1887 को जन्मे श्रीनिवास अयंगर रामानुजन का बचपन कठिनाइयों और निर्धनता के दौर में बीता था। तीन वर्ष की आयु तक वह बोलना भी नहीं सीख पाए थे और तब परिवार के लोगों को चिंता होने लगी थी कि कहीं वह गूंगे न हों लेकिन कौन जानता था कि यही बालक गणित के क्षेत्र में इतना महान कार्य करेगा कि सदियों तक दुनिया उन्हें आदर-सम्मान के साथ याद रखेगी। उन्हें गणित में इतनी दिलचस्पी थी कि गणित में उन्हें प्रायः सौ फीसदी अंक मिलते थे लेकिन बाकी विषयों में बामुश्किल ही परीक्षा उत्तीर्ण कर पाते थे क्योंकि गणित के अलावा उनका मन दूसरे विषयों में नहीं लगता था। उन्होंने कभी गणित में किसी तरह का प्रशिक्षण नहीं लिया था।

गणित में अतुलनीय योगदान के लिए श्रीनिवास रामानुजन को के. रंगनाथ राव पुरस्कार भी दिया गया था। उनका गणित प्रेम इतना बढ़ गया था कि उन्होंने दूसरे विषयों पर ध्यान देना ही छोड़ दिया था। दूसरे विषयों की कक्षाओं में भी वे गणित के ही प्रश्नों को हल किया करते थे। नतीजा यह हुआ कि 11वीं कक्षा की परीक्षा में वे गणित के अलावा दूसरे सभी विषयों में अनुत्तीर्ण हो गए और इस कारण उन्हें मिलने वाली छात्रवृत्ति बंद हो गई।

परिवार की आर्थिक हालत पहले ही ठीक नहीं थी, इसलिए परिवार की आर्थिक जरूरतें पूरी करने के लिए उन्होंने गणितज्ञ रामास्वामी अय्यर के सहयोग से मद्रास पोर्ट ट्रस्ट में क्लर्क की नौकरी करनी शुरू की। नौकरी के दौरान भी वे समय मिलते ही खाली पन्नों पर गणित के प्रश्नों को हल करने लग जाया करते थे।

एक दिन एक ब्रिटिश की नजर उनके द्वारा हल किए गए गणित के प्रश्नों पर पड़ी तो वह उनकी प्रतिभा से बहुत प्रभावित हुआ। उसी अंग्रेज के माध्यम से रामानुजन का सम्पर्क जाने-माने ब्रिटिश गणितज्ञ और ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के प्रोफेसर जी एच हार्डी से हुआ। हार्डी ने उनकी विलक्षण प्रतिभा को भांपकर उन्हें अपनी प्रतिभा को साकार करने के लिए लंदन बुला लिया और उनके लिए कैमब्रिज के ट्रिनिटी कॉलेज में व्यवस्था की, जिसके बाद उनकी ख्याति दुनियाभर में फैल गई। जी. एस. हार्डी ने रामानुजन को यूलर, गोस, आर्किमिडीज, आईजैक न्यूटन जैसे दिग्गजों के समकक्ष श्रेणी में रखा था।

क्या समंदर की खूखार शेरनी बनेंगी भारतीय पनडुब्बियां?

ताकते रह जाएंगे पाकिस्तान और चीन

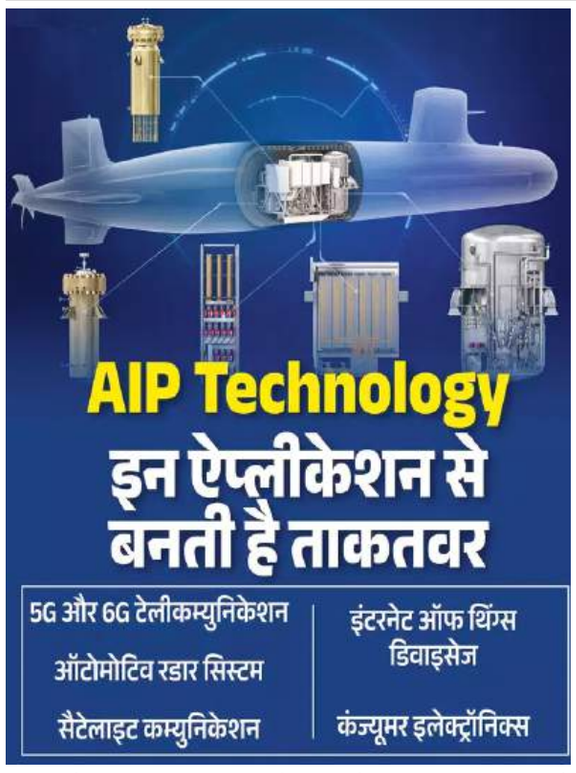

भारत के एक तरफ अरब सागर तो दूसरी ओर बंगाल की खाड़ी और हिंद महासागर है। जहां हिंद महासागर की तरफ से चीन खतरा बना हुआ है तो वहीं, अरब सागर की तरफ से पाकिस्तान। ऐसे में समंदर के भीतर भारत को ऐसी पनडुब्बियों की जरूरत है, जो समंदर के भीतर भारत को अजेय बना सके। यही वजह है कि भारत अब अपनी पनडुब्बियों में एयर इंडिपेंडेंट प्रपल्शन (AIP) तकनीक का इस्तेमाल कर रहा है। खास बात यह है कि ऐसी पनडुब्बियां दुश्मन को अपने बारे में पता नहीं चलने देतीं और समंदर के भीतर तेजी से मीलों तक बगैर शोर किए चुपचाप चलती हैं। जानते हैं इस तकनीक के बारे में और यह भी जानते हैं कि इस तकनीक की अभी चर्चा क्यों हो रही है?

एयर इंडिपेंडेंट प्रपल्शन (AIP) तकनीक किसी पनडुब्बी को समंदर का शांत मगर खूंखार शिकारी बना देती है।हाइड्रोजन और ऑक्सीजन से मिलकर एनर्जी प्रोड्यूस करते हैं। दअरसल, पनडुब्बियां आमतौर पर दो तरह की होती हैं- च्पारंपरिक और परमाणु। पारंपरिक पनडुब्बियां डीजल-इलेक्ट्रिक इंजन का उपयोग करती हैं, जिसके लिए उन्हें एनर्जी के लिए वायुमंडलीय ऑक्सीजन हासिल करने की जरूरत पड़ती है। इस वजह से उन्हें हर दिन सतह पर आना पड़ता है। अगर पनडुब्बी एआईपी प्रणाली से लैस है तो पनडुब्बी को सप्ताह में केवल एक बार ऑक्सीजन लेने के लिए ही बाहर आना होगा।

भारत की कुछ पनडुब्बियों में एयर इंडिपेंडेंट प्रपल्शन (AIP) तकनीक का इस्तेमाल किया जाता है। एआईपी तकनीक से लैस पनडुब्बियां पारंपरिक डीजल-इलेक्ट्रिक पनडुब्बियों के मुकाबले लंबे समय तक पानी में रह सकती हैं। एआईपी तकनीक से लैस पनडुब्बियों से शोर कम होता है और यह गुपचुप तरीके से काम करती है। एआईपी तकनीक से लैस पनडुब्बियां दुश्मनों को सचेत किए बिना खुफिया जानकारी जुटाने, टोही जैसे मिशनों को आसानी से पूरा कर सकती हैं।

एआईपी तकनीक से लैस पनडुब्बियां बिना किसी सैन्य बाधा के विस्तारित मिशन को पूरा कर सकती हैं। एआईपी तकनीक से लैस पनडुब्बियां, कम गति पर लंबी दूरी तक चल सकती हैं। कुछ रिपोर्ट तो यहां तक कहती हैं कि इस तकनीक से लैस पनडुब्बियां बिना बाहर आए 50 हजार घंटे पानी में रह सकती हैं। एआईपी तकनीक से लैस पनडुब्बियों में लिथियम-आयन बैटरी की मदद से तेज गति से अपने लक्ष्य तक पहुंचा जा सकता है।

एआईपी तकनीक से लैस पनडुब्बियों की एक खास बात यह भी है कि ये ग्रीन टेक्नोलॉजी पर आधारित होती है। इनका एकमात्र अपशिष्ट उत्पाद पानी है, जो समुद्री प्रदूषण को कम करने में मददगार है। इनमें लगने वाला सेल ज्यादा पावरफुल है और यह जल्दी खराब भी नहीं होती हैं। एनारोबिक रूप से जलने वाले ईंधन का सबसे पहला प्रयास 1867 में हुआ था। उस वक्त एक स्पेनिश इंजीनियर नार्सिसो मोंटूरियोल ने रासायनिक रूप से संचालित एनारोबिक या वायु स्वतंत्र भाप इंजन को सफलतापूर्वक विकसित किया था। इंजन को पोटेशियम क्लोरेट और जिंक के मेल से बनाया गया था, जो गर्मी और सुविधाजनक रूप से ऑक्सीजन पैदा करता था।

115 साल जीना चाहते थे ओम प्रकाश चौटाला

मेरा स्वास्थ्य अच्छा है। मेरी उम्र 93 साल हो चुकी है और मैं 115 साल तक जिऊंगा। हरियाणा चुनाव से पहले 10 अगस्त को इनेलो सुप्रीमो ओमप्रकाश चौटाला ने ये बात कही थी। लेकिन 5 महीने बाद ही उनका निधन हो गया। हरियाणा के 5 बार सीएम रहे ओम प्रकाश चौटाला को 20 दिसंबर की सुबह हार्ट अटैक आया। इसके चलते उन्हें गुरुग्राम के मेदांता हॉस्पिटल में एडमिट किया। दोपहर करीब 12 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली।

देवीलाल की पांच संतानों में सबसे बड़े ओमप्रकाश चौटाला का जन्म 1 जनवरी, 1935 को हुआ। शुरुआती शिक्षा के बाद ही चौटाला ने पढ़ाई छोड़ दी। इसका जिक्र करते हुए उन्होंने कहा था- 'उस जमाने में बेटों का बाप से ज्यादा पढ़ा होना अच्छा नहीं माना जाता था। ऐसे में मैंने जल्द ही पढ़ाई छोड़ दी।' हालांकि 2013 में शिक्षक भर्ती घोटाले के दौरान जब चौटाला तिहाड़ जेल में बंद थे, तब उन्होंने 82 साल की उम्र में पहले दसवीं और फिर बारहवीं की परीक्षा पास की। 'जब स्कूल में लंच की घंटी बजती तो ओमप्रकाश सबसे पहले हॉस्टल के मेस की तरफ भागते। एक दिन टीचर ने उन्हें रोक लिया तो बोले- भूख बर्दाश्त नहीं होती।

ओमप्रकाश चौटाला की चुनावी राजनीति 1968 से शुरू होती है। पहला चुनाव देवीलाल की परंपरागत सीट ऐलनाबाद से लड़ा, लेकिन राव बीरेंद्र सिंह की विशाल हरियाणा पार्टी के उम्मीदवार लालचंद खोड़ से हार गए। हार के बाद भी चौटाला शांत नहीं बैठे। उन्होंने चुनाव में गड़बड़ी का आरोप लगाया और हाईकोर्ट पहुंच गए। सालभर चली सुनवाई के बाद कोर्ट ने लालचंद की सदस्यता रद्द कर दी। 1970 में उपचुनाव हुए तो चौटाला ने जनता दल के टिकट पर चुनाव लड़ा और विधायक बने।

1978 की बात है। ओमप्रकाश चौटाला के पिता चौधरी देवीलाल हरियाणा के मुख्यमंत्री हुआ करते थे। चौटाला साउथ-ईस्ट एशिया के एक सम्मेलन में बैंकॉक गए हुए थे। 22 अक्टूबर को वे भारत लौटे। दिल्ली एयरपोर्ट पर कस्टम विभाग ने जब उनके बैग की तलाशी ली, तो करीब 4 दर्जन घड़ियां और 2 दर्जन महंगे पेन बरामद हुए। जल्द ही खबर फैल गई कि देवीलाल का बेटा ओमप्रकाश चौटाला तस्करी में पकड़ा गया है। देवीलाल उस समय चंडीगढ़ पीजीआई में अपना इलाज करवा रहे थे। जब देवीलाल को इसकी जानकारी हुई तो उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाई। कॉन्फ्रेंस में उन्होंने साफ लहजे में कह दिया, 'ओमप्रकाश के लिए मेरे घर के दरवाजे हमेशा के लिए बंद हो चुके हैं। हरियाणा के वित्त मंत्री रहे संपत सिंह बताते हैं- 'चौटाला घड़ियों की स्मगलिंग नहीं कर रहे थे। सीएम का बेटा होने के नाते विदेश दौरे पर उन्हें गिफ्ट में घड़ियां मिली थीं। जांच हुई तो चौटाला निर्दोष पाए गए। इसके बाद देवीलाल ने भी बेटे को माफ कर दिया।

1985 में लोगोंवाल समझौता हुआ। इसमें चंडीगढ़ और रावी-व्यास के जल बंटवारे से जुड़ा मामला शामिल था। इसे लेकर हरियाणा में काफी आक्रोश था। देवीलाल के साथ लोकदल के 18 विधायकों ने विधानसभा से इस्तीफा देकर 'न्याय युद्ध' छेड़ दिया। चौटाला भी इसका सक्रिय हिस्सा बने। इस दौरान उन्होंने कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में भी भाग लिया और राजनीति में अपना नाम चमकाना शुरू किया।

1987 के चुनाव में लोकदल को 90 विधानसभा सीटों में से 60 पर जीत मिली। देवीलाल दूसरी बार सीएम बने। दो साल बाद हुए लोकसभा चुनाव में जनता दल की सरकार बनी और वीपी सिंह प्रधानमंत्री बने। देवीलाल भी इस सरकार का हिस्सा बने और उन्हें डिप्टी प्राइम मिनिस्टर बनाया गया। अब देवीलाल के सामने सबसे बड़ा सवाल था कि हरियाणा की कमान किसे सौंपी जाए। दिल्ली के हरियाणा भवन में देवीलाल काफी परेशान दिख रहे थे। देर रात तक उन्हें नींद नहीं आ रही थी। वे दिल्ली की राजनीति में जाना चाहते थे, लेकिन उनकी चिंता ये थी कि उनके बाद हरियाणा की कमान कौन संभालेगा। कहीं पार्टी और परिवार बिखर तो नहीं जाएगा। तब देवीलाल ने कहा, ओम कैसा रहेगा? तब रात के करीब 11 बज रहे थे। देवीलाल ने वीपी सिंह से कहा- मैं भी आपके साथ डिप्टी प्राइम मिनिस्टर की शपथ लूंगा और फोन काट दिया। अगले दिन दिल्ली में लोकदल के विधायकों की बैठक हुई। देवीलाल ने कहा कि ओम मेरी जगह लेगा और हरियाणा का मुख्यमंत्री बनेगा।'

2 दिसंबर 1989 को ओमप्रकाश चौटाला पहली बार हरियाणा के मुख्यमंत्री बने। तब वे राज्यसभा सांसद थे। सीएण बने रहने के लिए उन्हें 6 महीने के भीतर विधायक बनना जरूरी था। देवीलाल ने उन्हें अपनी पारंपरिक सीट महम से चुनाव लड़वाया, लेकिन खाप पंचायत ने इसका विरोध शुरू कर दिया। 36 बिरादरी की खाप ने फैसला किया कि देवीलाल के भरोसेमंद और हर चुनाव में उनके प्रभारी रहे आनंद सिंह दांगी को चुनाव मैदान में उतारा जाए, पर देवीलाल इसके लिए तैयार नहीं हुए। खाप ने आनंद सिंह दांगी को निर्दलीय मैदान में उतार दिया। 27 फरवरी, 1990 को महम में वोटिंग हुई, जो हिंसा और बूथ कैप्चरिंग की भेंट चढ़ गई। चूंकि राज्य का

मुख्यमंत्री चुनाव लड़ रहा था, इसलिए देश-विदेश की मीडिया इस पर नजर रख रही थी। चुनाव में धांधली का मामला मीडिया की सुर्खियां बन गया। ओम प्रकाश चौटाला के एक चुनाव में चौटाला के करीबी रहे हैदराबाद के रहने वाले बीपी सिंघल ने बताया कि एक चुनाव में उनकी जीत के लिए वे हैदराबाद से चंद्रबाबू नायुडू को हरियाणा ले गए थे। उनके जाने का नतीजा यह रहा था कि चौटाला उक्त चुनाव जीत गए थे। बहरहाल, चुनाव आयोग ने आठ बूथों पर दोबारा वोटिंग कराने के आदेश दिए। जब दोबारा वोटिंग हुई, तो फिर से हिंसा भड़क उठी। चुनाव आयोग ने फिर से चुनाव रद्द कर दिया। लंबे सियासी घटनाक्रम के बाद 27 मई को फिर से चुनाव की तारीखें तय की गईं, लेकिन वोटिंग से कुछ दिन पहले निर्दलीय उम्मीदवार अमीर सिंह की हत्या हो गई। अमीर सिंह और दांगी एक ही गांव मदीना के थे। आनंद दांगी पर हत्या का आरोप भी लगा। जब पुलिस दांगी को गिरफ्तार करने उनके घर पहुंची तो उनके समर्थक भड़क गए। पुलिस ने भीड़ पर गोलियां चली दीं। इसमें 10 लोगों की मौत हो गई। महम कांड का शोर संसद में भी गूंजने लगा।

प्रधानमंत्री वीपी सिंह और गठबंधन के दबाव में देवीलाल को झुकना पड़ा। पहली बार मुख्यमंत्री बनने के साढ़े 5 महीने बाद ही ओमप्रकाश चौटाला को इस्तीफा देना पड़ा। उनकी जगह बनारसी दास गुप्ता को सीएम बनाया गया। कुछ दिन बाद चौटाला दड़बा सीट से उपचुनाव जीत गए। बनारसी दास को 51 दिन बाद ही पद से हटाकर चौटाला दूसरी बार सीएम की कुर्सी पर जा बैठे, लेकिन महम कांड का शोर अभी कम नहीं हुआ था। प्रधानमंत्री वीपी सिंह भी चाहते थे कि चौटाला पर जब तक केस चल रहा है वे सीएम न बनें। मजबूरन 5 दिन बाद ही चौटाला को फिर से पद छोड़ना पड़ा। अब की बार उन्होंने मास्टर हुकुम सिंह फोगाट को सीएम बनाया। साल 1990, मंडल कमीशन और ओबीसी आरक्षण के बाद हिंसा के घाव अभी भरे नहीं थे। इसी बीच वीपी सिंह सरकार को बाहर से समर्थन दे रही भाजपा ने राम मंदिर बनाने के लिए रथयात्रा निकालने का फैसला किया। लालकृष्ण आडवाणी, सोमनाथ मंदिर से यात्रा शुरू करके अयोध्या तक जाने वाले थे।

दूसरी तरफ वीपी सिंह सरकार के सहयोगी मुलायम सिंह, लालू यादव जैसे नेता इस यात्रा के विरोध में थे। वीपी सिंह ने आडवाणी से रथयात्रा न निकालने के लिए कहा, लेकिन वे नहीं माने। 23 अक्टूबर की रात 2 बजे बिहार के समस्तीपुर में आडवाणी को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तारी से नाराज भाजपा ने वीपी सिंह सरकार से समर्थन वापस से लिया। 7 नवंबर 1990 को वीपी सिंह की सरकार गिर गई। सरकार गिरने के साथ ही जनता दल के भी दो टुकड़े हो गए। गुजरात के सीएम चिमनभाई पटेल, उत्तर प्रदेश के सीएम मुलायम सिंह यादव और हरियाणा से देवीलाल चंद्रशेखर के साथ गए। जबकि बिहार के सीएम लालू यादव ने वीपी सिंह का साथ दिया। चंद्रशेखर 64 सांसदों के साथ जनता दल से अलग हो गए। उन्होंने समाजवादी जनता पार्टी बनाई। जिस कांग्रेस का विरोध करके जनता दल सत्ता में आई थी, उसी के समर्थन से चंद्रशेखर प्रधानमंत्री बन गए। चंद्रशेखर ने भी देवीलाल को डिप्टी पीएम बनाया। चार महीने बाद यानी, मार्च 1991 में देवीलाल ने हुकुम सिंह को हटाकर ओमप्रकाश चौटाला को तीसरी बार हरियाणा का मुख्यमंत्री बनवा दिया। नतीजा ये हुआ कि 15 दिनों के भीतर ही सरकार गिर गई। राज्य में राष्ट्रपति शासन लग गया। 15 महीने के भीतर तीसरी बार चौटाला ने सीएम पद से इस्तीफा दिया था। राष्ट्रपति शासन लगने के 2 महीने बाद ही मई-जून 1991 में विधानसभा चुनाव हुए। देवीलाल ने घिराय, ओमप्रकाश चौटाला ने दड़बा और रणजीत चौटाला ने रोड़ी से पर्चा भरा। हालांकि, बाद में देवीलाल ने तय किया कि परिवार से केवल एक व्यक्ति चुनाव लड़ेगा। पिता की बात मानते हुए ओमप्रकाश चौटाला सीएम होते हुए भी विधानसभा चुनाव नहीं लड़े।

महम में हिंसा के कारण देवीलाल चौतरफा घिरे थे। वह महम का रास्ता काटकर दिल्ली जाया करते थे। देवीलाल ने घिराय हलके से फार्म भरा और साथ ही सांसद के चुनाव के लिए रोहतक से भी आवेदन कर दिया, मगर दोनों ही चुनाव देवीलाल हार गए। हरियाणा में कांग्रेस की सरकार आ गई। इसी बीच राजीव गांधी की हत्या कर दी गई और पीवी नरसिम्हा राव को प्रधानमंत्री बना दिया गया। नरसिम्हा राव ने हरियाणा में भजनलाल को मुख्यमंत्री बना दिया।

भानु सप्तमी आज

हिंदू धर्म में भानु सप्तमी का दिन भगवान सूर्य देव की आराधना के लिए विशेष रूप से समर्पित है। पंचांग के अनुसार, यदि किसी महीने की सप्तमी तिथि रविवार को आती है, तो उसे भानु सप्तमी कहा जाता है। इस दिन सूर्य देव की पूजा विधिपूर्वक की जाती है। भगवान सूर्य देव को ऊर्जा, शक्ति और साहस का प्रतीक माना जाता है। इस प्रकार, भानु सप्तमी पर व्रत रखने और सूर्य देव की पूजा करने से साधक को स्वास्थ्य और भाग्य की प्राप्ति होती है। आइए जानते हैं कि वर्ष 2024 की अंतिम भानु सप्तमी का व्रत किस दिन मनाया जाएगा।

वैदिक पंचांग के अनुसार, पौष माह के कृष्ण पक्ष की सप्तमी तिथि 21 दिसंबर 2024 को दोपहर 12:21 बजे प्रारंभ हो चुकी है और 22 दिसंबर 2024 को दोपहर 2:31 बजे समाप्त होगी। इसलिए, उदया तिथि के अनुसार, वर्ष 2024 की अंतिम भानु सप्तमी 22 दिसंबर 2024, रविवार को मनाई जाएगी।

भानु सप्तमी का शुभ मुहूर्त क्या है

ब्रह्म मुहूर्त – सुबह 05 बजकर 21 मिनट से 06 बजकर 16 मिनट तक

विजय मुहूर्त – दोपहर 02 बजकर 03 मिनट से 02 बजकर 44 मिनट तक

गोधूलि मुहूर्त – शाम 05 बजकर 27 मिनट से 05 बजकर 54 मिनट तक

योंदय – सुबह 07 बजकर 10 मिनट पर

सूर्यास्त – शाम 05 बजकर 29 मिनट पर

चंद्रोदय – रात को 12 बजकर 13 मिनट पर

चन्द्रास्त – दोपहर 12 बजकर 01 मिनट पर

भानु सप्तमी का महत्व

भानु सप्तमी के दिन व्रत का शास्त्रों में अत्यधिक महत्व है। यह दिन भगवान सूर्य देव की आराधना और उनकी कृपा प्राप्त करने के लिए सर्वोत्तम माना जाता है। इस दिन यदि श्रद्धा पूर्वक सूर्य देव की पूजा की जाए, तो साधक के सभी पाप समाप्त हो जाते हैं और अंत में मोक्ष की प्राप्ति होती है। स्वस्थ जीवन के लिए भी सूर्य देव की पूजा करना आवश्यक है। भानु सप्तमी पर दान और पुण्य करने से साधक के जीवन में समृद्धि आती है।

पौष का कालाष्टमी व्रत आज

मासिक कालाष्टमी व्रत हर माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को रखा जाता है। हर माह में केवल एक ही कालाष्टमी व्रत होता है। इस दिन भगवान रुद्र के अंश काल भैरव की पूजा करते हैं। काल भैरव तंत्र और मंत्र के देवता हैं। इनकी पूजा करने से नकारात्मक शक्तियों का अंत हो जाता है। हर प्रकार की नकारात्मकता से व्यक्ति को मुक्ति मिल सकती है। इस समय पौष का महीना है। पौष की मासिक कालाष्टमी के दिन 4 शुभ योगों का निर्माण हो रहा है।

दिसंबर कालाष्टमी व्रत 2024 तारीख

हिंदू कैलेंडर के अनुसार, मासिक कालाष्टमी व्रत के लिए जरूरी पौष माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि 22 दिसंबर को दोपहर 2 बजकर 31 मिनट से प्रारंभ होगी। इस तिथि का समापन 23 दिसंबर को शाम 5 बजकर 7 मिनट पर होगा। निशिता मुहूर्त के आधार पर मासिक कालाष्टमी व्रत 22 दिसंबर रविवार को रखा जाएगा।

4 शुभ योग में है मासिक कालाष्टमी व्रत

22 दिसंबर को मासिक कालाष्टमी व्रत के दिन 4 शुभ योग बन रहे हैं। उस दिन सर्वार्थ सिद्धि योग, त्रिपुष्कर योग, आयुष्मान योग और सौभाग्य योग बनेंगे। पौष मासिक कालाष्टमी के दिन सर्वार्थ सिद्धि योग पूरे दिन बना हुआ है, वहीं त्रिपुष्कर योग सुबह 07:10 बजे से लेकर दोपहर 02 बजकर 31 मिनट तक रहेगा। सर्वार्थ सिद्धि योग में किए गए कार्य सफल होते हैं, जबकि त्रिपुष्कर योग में किए गए कार्यों का तीन गुना फल मिलता है।

व्रत के दिन आयुष्मान योग प्रातःकाल से लेकर शाम 7 बजे तक रहेगा। उसके बाद से सौभाग्य योग बनेगा। ये दोनों योग भी शुभ माने जाते हैं। कालाष्टमी के दिन उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र प्रातःकाल से लेकर पूर्ण रात्रि तक है।

मासिक कालाष्टमी 2024 मुहूर्त

मासिक कालाष्टमी व्रत वाले दिन का ब्रह्म मुहूर्त प्रातः 5 बजकर 21 मिनट से प्रातः 6 बजकर 16 मिनट तक रहेगा। उस दिन का शुभ मुहूर्त यानी अभिजीत मुहूर्त 11 बजकर 59 मिनट से दोपहर 12 बजकर 41 मिनट तक है।

मासिक कालाष्टमी पर काल भैरव की पूजा का निशिता मुहूर्त रात 11 बजकर 53 मिनट से देर रात 12 बजकर 48 मिनट तक है। इस समय में लोग तंत्र और मंत्र की सिद्धि के लिए काल भैरव की पूजा करते हैं।

सुबह उठते ही ना देखें ये चीजें, हो जाएगा दिन खराब

वर्तमान समय में हर व्यक्ति के जीवन में कभी-कभी खुशियों का आगमन होता है, तो कभी उसे विभिन्न प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इसके साथ ही, दिनभर की मेहनत के बावजूद उसे अपेक्षित परिणाम

नहीं मिलते हैं।

ऐसे में वास्तु शास्त्र में दिए गए सुझावों को अपनाना लाभकारी हो सकता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, सुबह उठते ही कुछ अशुभ वस्तुओं को देखने से बचना चाहिए। ऐसा माना जाता है कि इन वस्तुओं को देखने से व्यक्ति के मन में नकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। आइए, हम आपको बताते हैं कि सुबह उठते ही किन वस्तुओं को देखने से बचना चाहिए।

वास्तु शास्त्र के अनुसार, सुबह उठते ही देवी-देवताओं की पूजा के साथ कुछ विशेष क्रियाएं करनी चाहिए, जो दिन को शुभ बना सकें। लोगों को सुबह-सुबह ऐसी छवियों से दूर रहना चाहिए, जिनमें पशुओं की आक्रामकता दिखाई दे। ऐसी छवियों को देखने से कई समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं और विवाद की स्थिति भी बन सकती है। कुछ व्यक्तियों की आदत होती है कि वे सुबह उठते ही आइने में अपने चेहरे को देखते हैं। वास्तु शास्त्र के अनुसार, यह कार्य अशुभ माना जाता है।

यह माना जाता है कि सुबह उठते ही अपनी या किसी अन्य की परछाई नहीं देखनी चाहिए। सुबह-सुबह परछाई देखना अशुभ या अमंगलकारी माना जाता है, जिससे व्यक्ति में डर, तनाव और भ्रम की स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

सुबह उठकर बंद घड़ी ना देखें

सुबह के समय बंद घड़ी की ओर ध्यान नहीं देना चाहिए। बंद घड़ी को देखने से दिन की शुरुआत नकारात्मक होती है। वास्तुशास्त्र के अनुसार, घर में बंद घड़ी का होना उचित नहीं है। यह अशुभ माना जाता है।

ऐसे कर सकते हैं धरती मां को प्रणाम

सुबह जागते ही अपनी हथेलियों के दर्शन करें और इसके बाद भूमि देवी का ध्यान करें और इस मंत्र का जप करें-

मंत्र

समुद्रवसने देवि पर्वतस्तनमंडले।
विष्णुपत्नी नमस्तुभ्यं पादस्पर्शं क्षमस्वमे।।

मंत्र जप करने के बाद अपने पैर पलंग या बिस्तर से जमीन पर रखें।

मंत्र का अर्थ

जो देवी समुद्र को अपने वस्त्र के रूप में धारण करती हैं, जिनके वक्ष स्थल पर पर्वत सुशोभित हैं, जो देवी भगवान विष्णु की पत्नी हैं, उन्हें हम प्रणाम करते हैं और क्षमा याचना करते हैं, क्योंकि मैं जमीन यानी भूमि देवी पर पैर रखने वाला हूं। हे देवी कृपया मेरे चरण स्पर्श को क्षमा करें।

पांडव ना जाते थे मंदिरों में और ना करते थे मूर्तिपूजा, क्या थी इसकी वजह

महाभारत काल में बेशक पांडव पूजा-पाठ और यज्ञ करते थे लेकिन मूर्ति पूजा नहीं करते थे। आखिर क्यों वो ऐसा करते थे। उस दौर में वो मंदिरों में भी नहीं जाते थे।

ये बड़ा सवाल है कि महाभारत काल में आखिर पांडव मूर्ति पूजा नहीं करते थे। युधिष्ठिर तो सबसे ज्यादा धार्मिक थे। यज्ञ का आयोजन करते थे लेकिन कभी मूर्ति पूजा नहीं की। देवताओं की मूर्ति के आगे सिर नहीं झुकाया। कुछ ऐसा ही बाकी पांडव भी करते थे। वैसे पांडव भगवान शिव, सूर्य, ब्रह्मा, कृष्ण, धर्मराज और वायु के परम भक्त थे। उन्होंने इसके बाद भी मूर्ति पूजा को जीवन में नहीं ढाला।

कब माना जाता है महाभारत का युग

महाभारत काल का समय द्वापर युग के आखिर और कलियुग के शुरू में बताया जाता है। पुराणों में बताया गया है कि कलियुग की शुरुआत 3102 ईसापूर्व हुई। माना जाता है कि महाभारत का युद्ध इससे कुछ समय पहले शायद 3139 ईसापूर्व से 3102 ईसापूर्व के बीच हुआ होगा।

कैसे तब होती थी पूजा

महाभारत के अनुसार, पांडवों का धार्मिक जीवन मुख्य रूप से वैदिक परंपराओं और कर्मकांडों पर आधारित था। यज्ञ, मंत्र और देवताओं की स्तुति वैदिक धर्म का मुख्य अंग था। ये वैदिक काल था। तब देवी-देवताओं की पूजा मुख्यतः यज्ञ और हवन के माध्यम से की जाती थी न कि मूर्तियों के माध्यम से। हम आपको आगे बताएंगे कि पांडवों में कौन कितना यज्ञ और पूजा करता था। ये भी कि उस दौर क्यों ना तो मूर्तिपूजा होती थी और ना ही मंदिर जाया जाता था।

किन देवी-देवताओं को मानते थे पांडव

पांडव कई देवी देवताओं के परम भक्त थे। उन्होंने कृष्ण को ईश्वर के रूप में स्वीकार किया। गीता में अर्जुन को भगवान कृष्ण ने ही धर्म का ज्ञान दिया।

युधिष्ठिर धर्मराज (धर्म के देवता) के प्रति विशेष आस्था रखते थे। भीम भगवान हनुमान के प्रति श्रद्धालु थे। भीम का हनुमान से मिलन भी हुआ था।द्रौपदी देवी दुर्गा की उपासक थीं।

क्यों मूर्तिपूजा नहीं करते थे पांडव

इतने धार्मिक होते हुए भी पांडव आखिर मूर्ति पूजा क्यों नहीं करते थे। देवी-देवताओं की मूर्तियों के सामने माथा नहीं टेकते थे। क्योंकि तब वैदिक धर्म में मूर्तियों की पूजा नहीं होती थी। भगवान को निराकार मानते थे, ।लिहाजा प्राकृतिक शक्तियों (जैसे अग्नि, वायु, सूर्य, चंद्रमा) और विशेष देवताओं की पूजा ही अधिक हुआ करती थी। वैदिक साहित्य में मूर्तिपूजा का उल्लेख नहीं मिलता।**(जारी)**

नई साल आने से पहले घर से बाहर करें ये चीजें

नया साल नई ऊर्जा और सकारात्मकता के साथ आता है। इसे और बेहतर बनाने के लिए यह जरूरी है कि हम अपने घर को साफ-सुथरा और वास्तु दोष रहित रखें। वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर में मौजूद कुछ चीजें नकारात्मक ऊर्जा फैलाती हैं, जिससे तरक्की में बाधा आती है। इसलिए, नए साल से पहले इन चीजों को घर से हटा देने से सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। आइए जानते हैं कौन-कौन सी चीजें घर से तुरंत हटानी चाहिए।

1. टूटे हुए बर्तन

अगर घर में टूटे या चटके हुए बर्तन हैं, तो उन्हें तुरंत हटा दें। यह न केवल वास्तु दोष का कारण बनते हैं, बल्कि आर्थिक हानि और रिश्तों में तनाव का भी संकेत देते हैं।

2. पुरानी और खराब घड़ियां

घड़ी समय का प्रतीक होती है। घर में बंद या खराब घड़ियां रखने से जीवन में रुकावटें आती हैं। इन्हें तुरंत ठीक कराएं या हटा दें।

3. नकारात्मक चित्र और पेंटिंग्स

ऐसी पेंटिंग्स जो उदासी, युद्ध, या नकारात्मक भावनाओं को दर्शाती हों, उन्हें घर में रखना अशुभ माना जाता है। इनकी जगह प्राकृतिक दृश्यों वाली या प्रसन्नता दर्शाने वाली तस्वीरें लगाएं।

4. सूखी और मुरझाएं हुए पौधे

घर में मुरझाए हुए पौधे नकारात्मक ऊर्जा फैलाते हैं। इन्हें तुरंत हटा दें और हरे-भरे पौधों को जगह दें। ये घर में सकारात्मक ऊर्जा और खुशहाली लाते हैं।

5. टूटे हुए शीशे और कांच

टूटा हुआ शीशा या कांच अशुभ माना जाता है। यह धन हानि और पारिवारिक कलह का कारण बन सकता है। ऐसे शीशे तुरंत बदलवा लें।

6. पुराने और बेकार सामान

घर में जमा पुरानी और बेकार चीजें, जैसे- खराब इलेक्ट्रॉनिक्स, पुराने कपड़े, और टूटे फर्नीचर, नकारात्मक ऊर्जा का कारण बनते हैं। इन्हें दान करें या हटा दें।

7. टूटे हुए जूते-चप्पल

टूटे या फटे हुए जूते-चप्पल घर में रखना आर्थिक समस्याओं का कारण बनता है। इन्हें तुरंत घर से बाहर निकाल दें।

8. धूल और गंदगी

धूल और गंदगी घर में नकारात्मक ऊर्जा को बढ़ावा देती है। साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखें, खासकर घर के कोनों में।

9. खराब इलेक्ट्रॉनिक्स

जो इलेक्ट्रॉनिक उपकरण काम नहीं कर रहे हैं, उन्हें घर में न रखें। इन्हें ठीक कराएं या हटा दें।

10. पुरानी धार्मिक सामग्री

फटी हुई धार्मिक पुस्तकें, भगवान की खंडित मूर्तियां या टूटे हुए फोटो फ्रेम घर में रखना अशुभ होता है। इन्हें सम्मानपूर्वक हटाएं।

भगवान महंगी चीजों से नहीं, बिना किसी स्वार्थ के की गई भक्ति से प्रसन्न होते हैं

स्वामी विवेकानंद के गुरु रामकृष्ण परमहंस से जुड़े कई ऐसे किस्से हैं, जिनमें जीवन में सुख, शांति और सफलता पाने के सूत्र छिपे हैं। अगर इन सूत्रों को अपना लें तो हमारी कई समस्याएं खत्म हो सकती हैं। आज जानिए एक ऐसा किस्सा, जिसमें परमहंस जी ने बताया है कि हमारी भक्ति कैसी होनी चाहिए...

परमहंस जी के एक शिष्य मथुरा बाबू बहुत अमीर थे। मथुरा बाबू भगवान विष्णु के भक्त थे। उन्होंने विष्णु जी का एक मंदिर बनवाया था। मंदिर में भगवान की मूर्ति का श्रृंगार बहुत महंगे वस्त्र और आभूषणों से कर रखा था।

जो लोग मंदिर की मूर्ति देखते थे, वे मूर्ति के महंगे श्रृंगार की तारीफ जरूर करते थे। ये बातें सुनकर मथुरा बाबू बहुत खुश होते थे। मथुरा बाबू जब भी परमहंस जी से मिलते तो अपने मंदिर और महंगी सजावट की बातें करते रहते थे। परमहंस जी तो महंगी चीजों को कोई महत्व नहीं थे, इसलिए वे मथुरा बाबू की सभी बातें बहुत ध्यान से सुन लेते, लेकिन इन बातों के जवाब में कुछ कहते नहीं थे।

एक दिन मथुरा बाबू परमहंस जी के पास दौड़ते हुए आए और कहने लगे कि आप मेरे साथ चलिए। मेरे मंदिर में चोरी हो गई है। चोर मूर्ति के वस्त्र और गहने चुरा ले गया। परमहंस जी को लेकर मथुरा बाबू मंदिर में पहुंचे। मंदिर पहुंचकर परमहंस जी मूर्ति को निहारने लगे। मथुरा बाबू भगवान से ही शिकायत करने लगे कि आप तो भगवान हैं, आपके सामने चोरी कैसे हो गई? मथुरा बाबू तो दुखी हो रहे थे, लेकिन परमहंस जी तो मुस्कान के साथ ही मूर्ति को ही देखे जा रहे थे। मथुरा बाबू ने परमहंस जी के चेहरे पर मुस्कान देखी तो इसकी वजह पूछी।

रामकृष्ण परमहंस की सीख

परमहंस जी बोले कि मथुरा बाबू भगवान के लिए महंगी चीजों का कोई महत्व नहीं है। वे तो अपने भक्ति की निःस्वार्थ भक्ति से ही प्रसन्न होते हैं।

जिन भक्तों की भावनाएं निःस्वार्थ हैं, उन्हें भगवान की कृपा जरूर मिलती है। भगवान को ऐसी महंगी चीजों से कोई मोह नहीं है।

ये बातें सुनकर मथुरा बाबू का दुख दूर हो गया, उन्हें समझ आ गया कि वे व्यर्थ ही इन चीजों का मोह कर रहे थे और इन चीजों की वजह से उनके मन में अहंकार भी आ गया था।

'देव डी' के दो साल तक नहीं मिला 'काम' : कल्की

कल्कि कोचलिन ने अनुराग कश्यप की फिल्म 'देव डी' से सिनेमा करियर की शुरुआत की थी। उसने अपने करियर की शुरुआती चुनौतियों के बारे में बताया कि यह फिल्म करने के 2 साल बाद तक उसे कोई फिल्म ऑफर नहीं हुई और उसकी प्रोफेशनल जर्नी काफी मुश्किलों भरी रही है।

उसने कहा, फिल्म 'देव डी' के ठीक बाद, मेरे पास लगभग दो साल तक कोई और फिल्म नहीं थी। मुझे लगता है कि अगली फिल्म 'जिंदगी न मिलेगी दोबारा' थी।

कल्कि ने बताया कि इस दौरान उसने थिएटर पर काम किया, एक नाटक का निर्माण किया जिसमें उसे 1 लाख रुपए का पुरस्कार मिला। काम न मिलने के दौरान अपने खर्चों को कल्कि ने कैसे मैनेज किया, इस बारे में भी उसने बताया कि वह वड़ा पाव जैसे सस्ते भोजन पर निर्भर थी और आने-जाने के लिए लोकल ट्रेनों का इस्तेमाल करती थी। कल्कि ने कहा, लोग मुझे जानते हैं और मेरा चेहरा देखते ही ऐसे आश्चर्य व्यक्त करते थे कि मैं बिना बॉडीगार्ड के कैसे इस तरह बाहर निकल सकती हूं।

कल्कि मानती है कि उन दिनों की वजह से ही वह ज्यादा समझदार हुई है।

'सरप्राइज गेस्ट' बन कर दर्शकों का मनोरंजन करेगी जसलीन रॉयल

'खो गए हम कहां', 'लव यू जिंदगी', 'हीरिए', 'रांझणा' और 'साहिबा' जैसे सुपरहिट गीतों के लिए मशहूर भारतीय संगीत सनसनी जसलीन रॉयल 'म्यूजिक ऑफ द स्फीयर्स वर्ल्ड टूर' के भारत चरण के दौरान प्रतिष्ठित ब्रिटिश बैंड 'कोल्डप्ले' के साथ 'सरप्राइज गैस्ट' के रूप में परफॉर्म करने जा रही है। यह सहयोग दो प्रमुख स्थानों पर होगा- 18, 19 और 21 जनवरी, 2025 को नवी मुंबई के डी.वाई. पाटिल स्टेडियम में, उसके बाद 25 और 26 जनवरी, 2025 को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में। इस दौरान प्रशंसकों को जसलीन की भावपूर्ण भारतीय धुनों और 'कोल्डप्ले' के रॉक एंथम के अनूठे मिश्रण को सुनने का मौका मिल सकता है। 'कोल्डप्ले' के भारत दौरे में असाधारण संगीत अनुभव हो सकता है, जिसमें यह बैंड 'पैलो', 'द साइंटिस्ट', 'क्लॉक्स', 'फिक्स यू', 'वीवा ला विदा' और 'ए स्काई फुल ऑफ स्टार्स' जैसे क्लासिक्स का प्रदर्शन करेगा। जसलीन का प्रदर्शन इस दौरान स्थानीय स्पर्श जोड़ेगा।

अपना उत्साह व्यक्त करते हुए, जसलीन ने कहा, मैं 'कोल्डप्ले' के साथ मंच सांझा करने के लिए रोमांचित और सम्मानित महसूस कर रही हूं। उनका संगीत मेरे लिए बहुत बड़ी प्रेरणा रहा है और मैं भारत में अपने अविश्वसनीय प्रशंसकों के लिए प्रदर्शन करने का इंतजार नहीं कर सकती।

'कोल्डप्ले' का भारत संगीत कार्यक्रम एक बड़े टूर का हिस्सा है, जिसने पहले ही वैश्विक स्तर पर हलचल मचा दी है। मार्च 2022 में लॉन्च होने के बाद से, 'म्यूजिक ऑफ द स्फीयर्स वर्ल्ड टूर' के 1 करोड़ से अधिक टिकट बिक चुके हैं। इसने इसे इतिहास में सबसे अधिक देखा जाने वाला दौरा बना दिया।

भारत में अपने पड़ावों के बाद, बैंड 2025 की शुरुआत में अबू धाबी, सियोल और हांगकांग जाएगा। यह भारत में 'कोल्डप्ले' का दूसरा प्रदर्शन होगा। उनका पहला प्रदर्शन ग्लोबल सिटीजन फैस्टिवल के लिए मुंबई में 2016 में एक यादगार संगीत कार्यक्रम था। आगामी शो बैंड के रिकॉर्ड तोड़ 2024 यूरोपीय स्टेडियम प्रदर्शनों के बाद आ रहे हैं।

गौरतलब है कि जसलीन गत दिनों गुरु रंधावा के खिलाफ कॉपीराइट उल्लंघन से जुड़ा मामला दर्ज कराने को लेकर भी सुर्खियों में रही। जसलीन के अनुसार उसके संगीत को उसकी सहमति के बिना इस्तेमाल किया गया है।

इंतजार का फल मीठा मिला : मालविका मोहनन

मालविका को अपने दुबले-पतले और चुस्त-दुरुस्त शरीर के कारण मलयालम फिल्म उद्योग में भेदभाव का सामना करना पड़ा, जहां सुडौल महिलाओं को तरजीह दी जाती है।

चर्चित इंटरनैशनल फिल्म 'बियांडद क्लाऊड्स' से फिल्मों में डेब्यू करने वाली मालविका मोहनन दक्षिण भारतीय सिनेमा का बड़ा नाम है। मालविका वह पैन इंडिया स्टार है, जो दक्षिण भारतीय फिल्मों और बॉलीवुड दोनों में ही एक्टिव है। गत दिनों साऊथ की फिल्म 'थंगलान' और बॉलीवुड फिल्म 'युद्धा' को लेकर चर्चा में रही मालविका की पहली हिन्दी फिल्म 'बियांड द क्लाऊड्स' जाने-माने निर्देशक माजिद मजीदी ने बनाई थी।

साऊथ के जाने-माने सिनेमैटोग्राफर के.यू. मोहनन की बेटी मालविका उच्च शिक्षा पाने की राह पर थी कि एक दिन पिता के सैट पर उसे साऊथ के सुपरस्टार मम्मूटी की तरफ से रोल ऑफर हुआ और उसकी जिंदगी बदल गई।

फिल्म 'बियॉन्ड द क्लाऊड्स' में तारीफ पाने के बावजूद वह हिन्दी फिल्मों में ज्यादा नजर नहीं आई और उसने साऊथ की फिल्मों पर ही अधिक जोर दिया। इसकी वजह पूछने पर वह कहती है, हमारी इंडस्ट्री का स्वभाव ऐसा है कि हम कोई पूर्व योजना बना कर अपना करियर आगे नहीं बढ़ा पाते। मेरे माता-पिता मलयाली हैं और मैं मुंबई में पली-बढ़ी हूं, तो मैंने मुंबई के साथ-साथ दूसरी फिल्मों को भी देखा है। मेरा ऐसा कुछ प्लान नहीं था कि मुझे किसी खास इंडस्ट्री में काम करना है। मेरी शुरुआत साऊथ फिल्मों से हुई मगर ऐसा नहीं है कि मेरे पास हिन्दी से ऑफर नहीं आए। हिन्दी फिल्मों के प्रस्ताव तो कई आए, मगर मैं भूमिकाओं के मामले में काफी चयनित रही हूं। मुझे अगर किसी बड़े हीरो की फिल्म में रोल मिला, तो वह मैंने नाममात्र के लिए नहीं अपनाया।

मेरे लिए हमेशा किरदार अहम रहा। अगर मुझे कहानी पसंद आती है और लगता है कि मैं इस भूमिका का आनंद ले पाऊंगी, तभी मैं रोल के लिए हामी भरती हूं, वरना मैं भूमिका को नहीं अपनाती। इस मामले में मैं चूजी ही रहना पसंद करती हूं मगर अब मैं करियर के उस दौर में हूं, जहां मुझे जिस डायरैक्टर के साथ काम करना है या फिर जिस प्रोजैक्ट का हिस्सा बनना है, वह मैं कर पा रही हूं। मुझे तेलुगु और हिन्दी से भी ऑफर आ रहे हैं। मैं खुश हूं कि मुझे इंतजार का फल मीठा मिला। तमिल से मुझे अच्छी भूमिकाएं मिल रही हैं। हिन्दी में भी मेरी फिल्म 'युद्धा' गत दिनों रिलीज हुई। मेरी फिल्म 'थंगलान' को भी काफी तारीफ मिली, तो मैं खुश हूं।

गौरतलब है कि मालविका ने गत दिनों अपने पतले शरीर के कारण मलयालम फिल्म उद्योग में भेदभाव का सामना करने के बारे में बात करते हुए बताया था कि वहां की फिल्म इंडस्ट्री में सुडौल महिलाओं को तरजीह दी जाती है और उसे अक्सर अपने दुबले-पतले, चुस्त-दुरुस्त शरीर के लिए आलोचना का सामना करना पड़ता है।

लड़कियों के साथ असमानता का बर्ताव हर जगह होता है

मालविका एक आत्मनिर्भर और सक्षम महिला है, मगर लड़कियों को लेकर उसको सबसे ज्यादा कौन-सी बात परेशान करती है, पर उसका कहना था, मुझे पावर डायनामिक्स बहुत परेशान करते हैं। कई बार उन्हें सम्भालना थोड़ा मुश्किल हो जाता है।

आप अगर अपने आस-पास ज्यादा फ्रेंडली होते हैं, तो उसका अर्थ कुछ और लगाया जाता है, मगर यदि आप थोड़े रिजर्व होते हैं, तो आपको घमंडी समझा जाता है। ऐसे समय में एक लड़की होने के नाते संतुलन बनाना थोड़ा जटिल हो जाता है।

देखिए हमारे आस-पास लोग भले और दयालु होते हैं, मगर कई बार आपको यह समानता का अहसास नहीं कराया जाता।

लड़कियों के साथ असमानता का बर्ताव हर जगह होता है। लड़कियों को जिस असमानता या प्रताड़ना से गुजरना पड़ता है, उसे देख-सुन कर बेबसी महसूस होती है। लड़कियों को अगर समानता का अहसास करना है, तो उसके लिए जमीनी स्तर पर काम करना होगा। लोगों की सोच में बदलाव लाना होगा।

पिछली फिल्म 'थंगलान' में उसकी लुक काफी हटकर थी। एक हीरोइन होने के नाते उसके लिए लुक कितनी मायने रखती है, पर उसका कहना था, मुझे अपनी लुक को लेकर ऐसी कोई असुरक्षा नहीं थी कि मैं कैसी लगूंगी- अच्छी लगेंगी या दूरी क्योंकि लुक नहीं किरदार अहम होता है।

'आलोचकों' के निशाने पर भूमि पेडनेकर

लोगों की पसंद और नापसंद के बारे में कुछ कहा नहीं जा सकता। कब किसे क्या पसंद आ जाए और क्या नापसंद आ जाए, क्या पता।

अपनी पहली ही फिल्म 'दम लगा के हइशा' के लिए 27 किलो वजन बढ़ाने वाली भूमि पेडनेकर ने इस फिल्म के बाद गजब का बदलाव करते हुए न केवल अपना वजन घटाया, बल्कि अपनी एक अलग पहचान बनाई।

कभी अपनी फैशन सैंस तो कभी अपनी लुक और वजन को कम करने को लेकर चर्चा में बनी रहने वाली भूमि हाल ही में 'बैगी डिस्ट्रेस्ड जींस' के साथ काले रंग की 'क्रॉप्ड टैंक टॉप' में एक इवेंट में पहुंची, जहां फोटोग्राफरों को पोज देते हुए उसने अपने पेट को अंदर क्या कर लिया, वह ट्रोलर्स के निशाने पर आ गई।

एक यूजर ने लिखा, ये सांस अंदर खींचकर क्या साबित कर रही है कि ये अपने एब्स बना रही है। वहीं दूसरे ने लिखा, सामान्य पेट मोटा भी हो तब भी इससे बेहतर लगता है। एक अन्य ने लिखा, इसने चेहरे पर 'लिपोसक्शन' कराया हुआ है। वजन कम कर लिया है और 'एब्स' ऐसे दिखा रही है जैसे सिर्फ इसी के हों, पूरी दुनिया में।

करना चाहती है प्रेरित

वहीं इस तरह की आलोचना से खुद को अलग-थलग रखने वाली भूमि पर्यावरण सुरक्षा को लेकर शुरू से मुखर रही है और फैशन के जरिए समाज को मुखर बनाने का दम भरती रही है। वह मानती है कि एक महिला अपने तौर- तरीकों, खुद को समाज में प्रस्तुत करने के ढंग और अपने लिबास से परिवर्तन की प्रहरी बन सकती है।

वह कहती है, फैशन को लेकर यह समझना बहुत जरूरी है कि इसका सहज, सरल और सामाजिक होना अनिवार्य है। सिर्फ महंगे वस्त्र या डिजाइनर कपड़ों से ही फैशन होता है, यह भी सही नहीं है। फैशन सामाजिक बदलाव का एक बहुत बड़ा मानक है, यह बात मैं शुरू से मानती रही हूं। पर्यावरण संरक्षण पर काम करने के दौरान ही कोरोना संक्रमण काल के बाद मैंने फैशन के इस पहलू के बारे में लोगों को जागरूक करना शुरू किया। हम लोग जब दिल्ली में थे तो मैं सरोजनी नगर से ही कपड़े लाती थी। फिर उनमें अपनी सोच के हिसाब से मोहल्ले के टेलर मास्टर से बदलाव कराती और नई ड्रेस तैयार कर लेती।

'तलाश' नहीं हुई पूरी : मल्लिका शेरावत

कहते हैं जीवन में हर चीज मिल जाती है, लेकिन जब बात योग्य इंसान की आती है तो हर तरफ निल बटे सन्नाटा नजर आता है। मल्लिका शेरावत को भी अपने लिए योग्य इंसान की तलाश थी, लेकिन जब उसे अपने ब्वॉयफ्रेंड में उस योग्य इंसान की झलक नहीं दिखाई दी तो उसने अपने ब्वॉयफ्रेंड से किनारा कर लिया।

लंबे समय तक फिल्मों से दूरी बनाए रखने के बाद फिल्मों में दोबारा वापसी करने वाली मल्लिका ने एक इंटरव्यू में अपने निजी जीवन के बारे में बताया है कि फ्रांसीसी नागरिक सिरिल ऑक्सेनफैंस के साथ उसका ब्रेकअप हो गया है।

सिरिल ऑक्सेनफैंस के साथ रिलेशनशिप में रही मल्लिका का कहना है कि आज के जमाने में एक योग्य व्यक्ति ढूंढना मुश्किल है। उसने कहा, यह सच है कि मैं सिंगल हूं। हमारा ब्रेकअप हो गया है, लेकिन मैं इस बारे में बात नहीं करना चाहती। मैं शादी के लिए फिट नहीं बैठती। खैर, इतनी जल्दी हिम्मत मत हारिए मल्लिका, अपनी खोज जारी रखिए। योग्य इंसान के मिलते ही आप सिंगल से मिंगल जरूर हो जाएंगी।

पूजा भारती शर्मा फिल्म 'मिशन ग्रे हाऊस' के साथ बॉलीवुड में डेब्यू करेंगी

'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' और 'छोटी सरदारनी' जैसे धारावाहिकों में अभिनय के लिए प्रसिद्ध पूजा भारती शर्मा फिल्म 'मिशन ग्रे हाऊस' के साथ बॉलीवुड में डेब्यू करने को लेकर काफी खुश है।

उसने कहा, मैं बॉलीवुड में अपनी शुरुआत के लिए उत्साहित हूं। यह सपना सच होने जैसा है। मैं किआरा की भूमिका निभा रही हूं जो एक पुलिस अधिकारी है। मैं फिल्म में सीनियर पुलिस अधिकारी की बेटी के किरदार में हूं। मैं नायक कबीर (अबीर खान द्वारा अभिनीत) की अच्छी दोस्त हूं। फिल्म की कहानी में मैं अपने पिता को ग्रे हाऊस में रहस्यमयी हत्याओं के पीछे की सच्चाई उजागर करने के लिए एक खतरनाक मिशन पर हम दोनों को नियुक्त करने के लिए राजी करती हूं। कहानी में बहुत रोमांच और रहस्य है। दर्शकों को इसमें रोमांचक आनंद आएगा।

पूजा ने आगे कहा, मुझे बाइक चलाने का बहुत शौक है। मैं एक बार शूटिंग के लिए देहरादून (उत्तराखंड) गई थी और वहीं बाइक चलाना सीखने में मुझे बहुत मजा आया। मैं इसके लिए खुद को भाग्यशाली मानती हूं और दिलचस्प बात यह है कि मैं अपनी डेब्यू फिल्म में बाइक चलाने के साथ ही कुछ एक्शन भी कर रही हूं। मुझे लगता है कि 'लड़की, बाइक और एक्शन', यह एक 'डैडली कॉम्बीनेशन' है। मैं वास्तव में इसकी रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं। छोटे पर्दे को छोड़ फिल्में करने पर उसने कहा, एक कलाकार के तौर पर मेरा काम किरदार निभाना है और मुझे एक्टिंग करना पसंद है। मैं खुद को किसी खास माध्यम तक सीमित नहीं रखना चाहती।

लोग क्या 'चाहते' हैं मुझे पता है : खुशी कपूर

श्रीदेवी और बोनी कपूर की छोटी बेटी खुशी कपूर भी फिल्मी दुनिया में कदम जमा चुकी है। जोया अख्तर की फिल्म 'द आर्चीज' से डेब्यू कर चुकी खुशी के खूब चर्चे हैं। हालांकि, ये चर्चे उसकी लुक्स या एक्टिंग को लेकर नहीं, बल्कि उसकी लव लाइफ को लेकर हैं। पहली फिल्म में अपने को-स्टार रहे वेदांग रैना को डेट करने को लेकर खुशी खबरों में बनी हुई है। हाल ही में उसने अपनी डेटिंग लाइफ को लेकर खुलकर बात की है।

एक इंटरव्यू में उससे जब पूछा गया कि एक अभिनेत्री के तौर पर वह अपनी डेटिंग लाइफ के बारे में चर्चाओं से कैसे निपटती है, तो खुशी ने कहा, यह मेरे लिए निश्चित रूप से नया है और यह ऐसा कुछ नहीं है जिसके बारे में मुझे पहले बहुत सोचना पड़ा हो। मैं चाहती हूं कि मेरा काम ही मुख्य केंद्र में रहे। मुझे पता है कि जब आप लोगों की नजरों में होते हैं तो एक निश्चित जिज्ञासा होती है कि लोग आपके बारे में जानना चाहते हैं लेकिन मुझे लगता है कि अपने निजी जीवन को निजी रखना और अपने काम को प्राथमिकता देना सबसे अच्छा है।

खुशी ने आगे बताया कि काम से जुड़ी चीजों के लिए वह अपने परिवार में किससे सलाह लेती है। खुशी ने कहा, मैं जाह्नवी (बड़ी बहन), डैड और अर्जुन भैया के पास सबसे ज्यादा जाती हूं। उनके पास मुझसे कई साल अधिक का ज्ञान है, इसलिए जब मैं पूरी तरह से सुनिश्चित नहीं होती कि कुछ स्थितियों को कैसे संभालना है, तो उनकी राय लेना निश्चित रूप से मददगार होता है।

अगली फिल्म

हाल ही में खुशी ने फिल्म 'नादानियां' की शूटिंग पूरी की है। इसके अलावा वह आमिर खान के बेटे जुनैद खान के साथ एक रोमांटिक फिल्म में नजर आएगी। फिल्म के नाम का ऐलान अभी नहीं हुआ है।

जीएसटी काउंसिल ने टर्म इंश्योरेंस पर टैक्स घटाने का फैसला भी टाला, नहीं कम होगा प्रीमियम

नई दिल्ली,21 दिसंबर (एजेंसियां)। जीएसटी काउंसिल की 55वीं बैठक से आम लोगों को काफी उम्मीद थी, लेकिन मीटिंग के बाद सामने आए फैसलों से आम लोगों को बड़ी निराशा हाथ लगी है।दरअसल जीएसटी काउंसिल की इस बैठक से उम्मीद की जा रही थी कि, सरकार टर्म इंश्योरेंस पर जीएसटी की दरों को घटा सकती है, लेकिन वित्त मंत्री और मंत्री समूह के जीएमओ ने इस मुद्दे पर सहमति नहीं बनने की वजह से इसे अगली मीटिंग तक के लिए टाल दिया।

टर्म इंश्योरेंस पर लगता है इतना जीएसटी

टर्म इंश्योरेंस लंबे समय के लिए लिया जाता है।इसका प्रीमियम सालाना, क्वाटर्ली और मंथली बेस पर दिया जाता है।फिलहाल की जीएसटी दरों के अनुसार टर्म इंश्योरेंस लेने पर उसके प्रीमियम पर 18 फीसदी जीएसटी देना पड़ता है।आपको बता दें टैक्स की इतनी ज्यादा दरों की वजह से भी बहुत से लोग टर्म इंश्योरेंस खरीदने से बचते हैं।

आम लोगों को थी ये उम्मीद

जीएसटी काउंसिल की 55वीं बैठक से आम लोगों को उम्मीद थी कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और मंत्री समूह टर्म इंश्योरेंस के प्रीमियम पर लगने वाले 18 फीसदी जीएसटी को घटाकर 5 फीसदी कर सकती हैं।अगर ऐसा होता तो लोगों को महंगाई की मार से थोड़ी राहत मिलती।

क्या होता है टर्म इंश्योरेंस

टर्म इंश्योरेंस एक ऐसा जीवन बीमा प्रोडक्ट है, जो किसी व्यक्ति को निश्चित अवधि (जैसे 10, 20, या 30 साल) के लिए कवर प्रदान करता है।यह बीमा योजना जीवन सुरक्षा का सबसे सस्ता और सरल तरीका है।इसमें व्यक्ति के निधन की स्थिति में उनके परिवार को बीमित राशि दी जाती है, लेकिन अगर बीमित व्यक्ति उस अवधि तक जीवित रहता है, तो कोई राशि वापस नहीं मिलती।

पुरानी कार बेचने वालों को झटका अब चुकाना होगा 18% जीएसटी

नई दिल्ली,21 दिसंबर (एजेंसियां)। अगर आप अपनी पुरानी कार बेचकर उसके बदले उन पैसों से नई कार खरीदने की सोच रहे हैं तो आपके लिए चिंता की खबर आई है, क्योंकि सरकार ने पुरानी गाड़ियों की बिक्री पर लगने वाली जीएसटी दर को बढ़ा दिया है।आसान भाषा में कहा जाए तो अब पहले से अधिक पैसे यूज्ड कार खरीदने के लिए खर्च करने होंगे।क्योंकि सरकार ने पुरानी कार की बिक्री पर जीएसटी दर बढ़ दिया है तो इससे जो पुरानी कार खरीदने वाले हैं।उन्हें अब पहले से अधिक पैसे खर्च करने पड़ सकते हैं।एक बात का और ध्यान रहे कि इस फैसले का असर इलेक्ट्रिक कार पर भी देखने को मिलने वाला है.जैसलमेर में आयोजित जीएसटी काउंसिल की 55वीं बैठक में पुरानी और इस्तेमाल की गई गाड़ियों पर लगने वाले टैक्स दर को बढ़ा दिया गया है।सरकार पहले इसपर 12 फीसदी के दर से जीएसटी वसूलती थी।अब नए फैसले के मुताबिक, 18 फीसदी की दर से टैक्स वसूलेगी।यहां ध्यान देने वाली बात ये है कि यह नियम सिर्फ पेट्रोल-डीजल वाली कार पर ही लागू नहीं होने जा रहा है।बल्कि इस नियम का असर सीएनजी और इलेक्ट्रिक वाहन पर भी देखा जाएगा।यानी अगर आप पुरानी ईवी भी खरीदते हैं तो आपको 18 फीसदी की दर से जीएसटी देना पड़ेगा.बीमा पर मंत्री समूह का नेतृत्व करने वाले बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि समूह, व्यक्तिगत और वरिष्ठ नागरिकों की बीमा पॉलिसियों पर टैक्सेशन के बारे में निर्णय लेने के लिए एक और बैठक की आवश्यकता है, जो जनवरी में होने की उम्मीद है।बता दें कि जीएसटी परिषद की बैठक में बीमा, लग्जरी प्रोडक्ट्स, विमानन टरबाइन ईंधन (एटीएफ) जैसे विभिन्न क्षेत्रों के लिए दरों में समायोजन सहित कई मुद्दों पर चर्चा होगी।पिछले कुछ महीनों में यह चर्चा हुई है कि परिषद से जीवन और स्वास्थ्य बीमा पॉलिसियों के प्रीमियम पर जीएसटी दरों को कम करने के उद्देश्य से प्रस्तावों पर विचार करने की उम्मीद है.

अमेरिका से अधिक तेल और गैस खरीदें या ज्यादा टैक्स दें', ट्रंप ने किसे दे दी यह धमकी? क्या होगा असर

नई दिल्ली,21 दिसंबर (एजेंसियां)। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने देश का भला करने के लिए दूसरे देशों पर दबाव बनाने लगे हैं। उन्होंने यूरोपीय संघ (ईयू) को धमकी दी कि वह अमेरिका से तेल और गैस खरीदकर अमेरिका के साथ अपने व्यापार घाटे को कम करे। अगर यूरोपीय संघ ऐसा नहीं करता है तो उसके ऊपर टैरिफ यानी ज्यादा टैक्स लगा दिया जाएगा। अमेरिकी आंकड़ों के अनुसार साल 2022 में अमेरिका और यूरोपीय संघ के बीच व्यापार घाटा 131.3 बिलियन डॉलर था। वहीं यूरोपीय आयोग के प्रवक्ता ओलोफ गिल ने सीएनबीसी को जवाब देते हुए कहा, 'यूरोपीय संघ और अमेरिका की अर्थव्यवस्थाएं काफी गहरी हैं। इसमें संतुलित व्यापार और निवेश है। हम ट्रंप के साथ चर्चा करने के लिए तैयार हैं कि हम पहले से ही मजबूत संबंधों को और कैसे मजबूत कर सकते हैं। इसमें एनर्जी सेक्टर में हमारे साझा हितों पर चर्चा करना भी शामिल है।' रूस से रिश्ता खत्म करेगा ईयू! इकनॉमिक टाइम्स के अनुसार गिल ने कहा कि ईयू रूसी ऊर्जा आयात को समाप्त कर देगा। साथ ही उन्होंने आपूर्ति स्रोतों में विविधता लाने के लिए यूरोपीय संघ की प्रतिबद्धता का उल्लेख किया। यूरोपीय संघ के एक वरिष्ठ राजनयिक ने नाम न बताने की शर्त पर सीएनबीसी को बताया कि उन्हें ट्रंप के बयान का पहले से ही अनुमान था। उन्होंने अमेरिकी आयात बढ़ाने के लिए ऊर्जा को एक बेहतर विकल्प माना।यूरोपीय संघ यानी ईयू 27 यूरोपीय देशों का एक राजनीतिक और आर्थिक गठबंधन है। इसमें शामिल ज्यादातर देश यूरो करेंसी में व्यापार करते हैं।इसका गठन दूसरे विश्व युद्ध के बाद हुआ था। इसमें ऑस्ट्रिया, बेल्जियम, बुल्गारिया, डेनमार्क, फ्रांस, जर्मनी, इटली, नीदरलैंड्स, स्पेन, स्वीडन आदि देश शामिल हैं।यूरोपीय संघ अपने निर्यात का लगभग 5वां हिस्सा अमेरिका को भेजता है। अमेरिका यूई के निर्यात का सबसे बड़ा उपभोक्ता है। प्राथमिक व्यापार घाटा मशीनरी और वाहनों में है जो 2023 में 102 बिलियन यूरो तक पहुंच जाएगा। हालांकि, अमेरिका ऊर्जा व्यापार में 70 बिलियन यूरो का सरप्लस और सेवाओं में पर्याप्त सरप्लस बनाए रखता है।अमेरिका वैश्विक तेल उत्पादन में अग्रणी है।

पाकिस्तान में सबसे ज्यादा सर्च लिस्ट में मुकेश अंबानी का नाम

भारत के बिजनेस टाइकून के बारे में लोगों ने ये सब ढूंढ़ा

नई दिल्ली,21 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत के अरबपति कारोबारी मुकेश अंबानी का देश में ही नहीं, विदेश में भी जलवा बरकरार है।यहां तक कि भारत के पड़ोसी देश पाकिस्तान में भी लोग जमकर मुकेश अंबानी के बारे में जानना चाहते हैं।ये हम नहीं कह रहे हैं बल्कि पाकिस्तानियों की गूगल सर्च लिस्ट कह रही है।गूगल ने पाकिस्तानियों के 2024 सर्च का डेटा जारी किया है और इसमें मुकेश अंबानी वह भारतीय हैं जिन्होंने 'सबसे ज़्यादा सर्च किए जाने वाले लोगों' की कैटगरी में जगह बनाई है।

मुकेश अ के बारे में क्या-क्या खोजा

पाकिस्तान में गूगल पर सर्च किए जाने वाले लिस्ट में मुकेश अंबानी आगे तो रहे ही, खास बात ये रही कि ये सर्च एशिया के सबसे अमीर शख्स की नेटवर्थ के बारे में ही नहीं थीं, बल्कि उनके परिवार के बारे में भी थीं।लोगों ने इस बिज़नेस टाइकून के बारे में क्या-क्या खोजा, अगर इस पर देखा जाए तो 'मुकेश अंबानी की संपत्ति' और 'मुकेश अंबानी की नेटवर्थ' सबसे ज़्यादा सर्च किए गए परिणामों में से रहे हैं।गूगल सर्च लिस्ट में कुछ अन्य पूछताछ के तौर पर 'मुकेश अंबानी का बेटा', 'मुकेश अंबानी के बेटे की शादी' और 'मुकेश अंबानी का घर' के साथ 'रुपये में अंबानी की नेटवर्थ' जैसे कीवर्ड्स सबसे ऊपर रहे हैं।

रिलायंस के चेयरमैन हैं मुकेश अंबानी

फोर्ब्स के मुताबिक रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर की कुल नेटवर्थ 94.3 बिलियन डॉलर है।मुकेश अंबानी 120 बिलियन के रेवेन्यू वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज चलाते हैं।आरआईएल पेट्रोकेमिकल्स, टेलीकॉम, ऑयल एंड गैस, मीडिया, फाइनेंशियल सर्विसेज और रिटेल सहित कई अलग-अलग इंडस्ट्रीज में बिजनेस करती है।

मुकेश अंबानी के परिवार के बारे में जानें

मुकेश अंबानी की शादी नीता अंबानी से हुई है और मुकेश अंबानी के तीन बच्चे हैं।मुकेश अंबानी के जुड़वां बच्चे आकाश और ईशा अंबानी हैं और उनके सबसे छोटे बेटे अनंत अंबानी हैं।मुकेश अंबानी के तीनों बच्चे रिलायंस के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स में भी हैं।आकाश अंबानी जियो के प्रमुख हैं और ईशा रिटेल और फाइनेंशियल सर्विसेज का मैनेजमेंट करती हैं।

मुकेश अंबानी के सबसे छोटे बेटे अनंत अंबानी एनर्जी बिजनेस की देखरेख करते हैं।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	धनु	मे	धनु----	08-17 बजे
चंद्र-	सिंह	मे	मकर...	08-23 बजे
मंगल	कर्क	मे	कुंभ -	10-14 बजे
बुध-	वृश्चिक	मे	मीन-	11-52 बजे
गुरु-	वृष	मे	मेष---	13-28 बजे
शुक्र-	मकर	मे	वृष---	15-13 बजे
शनि-	कुंभ	मे	मिथुन	17-14 बजे
राहु-	मीन	मे	कर्क...	19-26 बजे
केतु-	कन्या	मे	सिंह---	21-38 बजे
			कन्या---	23-45 बजे
			तुला----	01-50 बजे
			वृश्चिक...	04-00 बजे

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य - उत्तरायणे - ऋतु - शिशिर
महावीर निर्वाण संवत -2051,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 06-45 सूर्यास्त. -17-43
भोग्य कलि वर्ष-426875
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत-1955885125
दिशाशूल - पश्चिम - पान खाकर घर से निकले
तिथि- सप्तमी , 14-32 तक उपरान्त अष्टमी
मास - पौष कृष्ण , रविवार 22 December
नक्षत्र - उ.फाल्गुनी 09-08 पूर्ण दिनरात तक
योग - आयुष्मान 18-59 तक उप सौभाग्य
करण- बव 14-32 तक उप बालव
विशेष:- व्रत -त्योहार - कालाष्टमी

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 16:24 से 17:46 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
उत्पात	06:45 - 08:06 अशुभ	शुभ.	17:43 - 19:24 शुभ
चंचल.	08:06 - 09:29 शुभ	अमृत	19:24 - 21:01 शुभ
लाभ.	09:29 - 10:52 शुभ	चंचल	21:01 - 22:38 शुभ
अमृत	10:52 - 12:15 शुभ	रोग	22:38 - 00:15 अशुभ
काल	12:15 - 13:38 अशुभ	काल	00:15 - 01:52 अशुभ
शुभ	13:38 - 15:01 शुभ	लाभ	01:52 - 03:30 शुभ
रोग	15:01 - 16:24 अशुभ	उत्पात	03:30 - 29:07 अशुभ
उत्पात	16:24 - 17:43 अशुभ	शुभ	05:07 - 06:45 शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

आज आप पूरा दिन थोड़े से भावुक रहेंगे । आप जो भी करेंगे पूरे मन से करेंगे और इसीलिए आपको सफलता जरुर मिलेगी। आप पिछले कुछ समय से किसी महत्वपूर्ण मुद्दे को टाल रहें हैं लेकिन आज इस मुद्दे को प्राथमिकता के आधार पर रखकर सुलझाने के लिए बहुत अच्छा दिन है।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

आज कर्म में आपका विश्वास और पक्का हो जाएगा । आप यह मान लेंगे कि कर्म का फल अवश्य मिलता है । आप दूसरों की तकलीफ समझते हैं । आप सबसे आगे चलते हुए अपने व्यक्तित्व की उदारता की भी नोट करेंगे । कोई आपसे मदद मांगेगा । प्रियजनों के साथ छोटी-मोटी यात्रा कर सकते हैं ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,

आज आप घर और ऑफिस दोनों स्थानों पर शान्तिपूर्ण माहौल बनाने की कोशिश करेंगे । आपका यह अनुभव मजेदार रहेगा और आप इससे प्रेरित भी होंगे । हालांकि अपनी निजी बातें किसी के साथ भी ना बाँटें ,और कोई भी कडवा पाठ सीखने के लिए भी खुद को तैयार रखें ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

आपकी कोई ऐसी निजी घटना है जो आपको रोके हुए है और आपकी तरक्की की राह में बाधा बन रही है । अगर आप खुद को गंभीर मुसीबतों से बचाना चाहते हैं तो इन मुद्दों को सुलझा लें । अपने रिश्तों की महत्ता समझने की कोशिश करें , अपने प्रयासों को रिश्तों की अहमियत देखकर ही निर्धारित करें ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

आज का दिन नई शुरुआत के लिए बिलकुल सही है । आप अपने आपको पीछे धकेलने वाली चीजों से आज मुक्त महसूस करेंगे । किसी नए अवसर में जिंदगी बदलने की क्षमता है लेकिन आपको उसे समय रहते पकड़ना होगा । समय रहते लिया गया निर्णयात्मक फैसला आपके लिए काफी महत्वपूरण एवं लाभकारी बदलाव ला सकता है ।

कन्या टो पा पी यू ष ण ठ पे पो

आप पिछले कुछ दिनों से कोई बड़ी योजना बना रहे हैं । वास्तव में आज आपको यह बात महसूस होगी कि आप क्या करने जा रहे हैं और इसका आप पर काफी प्रभाव पड़ेगा लेकिन अब आपके पास पीछे हटने का विकल्प मौजूद नही है । आपको इसी दिशा में विशवास से आगे बढना होगा और आपको जल्दी ही यह भी अहसास हो जाएगा की जितना आपने सोचा था।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

आपकी सोच आज अद्भुत रूप से साफ़ और स्पष्ट है और आज आप अपने कार्यों के आने वाले समय में लाभ का बिलकुल ठीक अंदाजा लगा पायेंगे । इसीलिए आज का दिन आपके रास्ते में आने वाले अवसरों और निवेश का मुलांकन करके किसी सही निर्णय पर पहुंचने के लिए बिलकुल ठीक है । आप आज अपने आसपास के लोगों में से भी अपने शुभचिंतकों को पहचान पायेंगे ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

आज आपको अपनी मेहनत का फल मिलेगा ।पहचान और इज्जत भी मिलेगी । वित्तीय स्थिति बेहतर होगी,ऑफिस में तारीफ़ मिलेगी । वेतन में बढ़ोतरी भी संभव है । सेल्स क्षेत्र वाले लोग भी लक्ष्य हासिल क्र पायेंगे । आज अपने परिधान में नीला रंग शामिल करें । इससे सकारात्मक ऊर्जा मिलेगी ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

आज का दिन बहुत व्यस्त रहेगा । बहुत सारे काम कतार में हैं । हालाँकि आप अपनी तरफ से उन सब कामों को निपटाने की पूरी कोशिश करेंगे फिर भी सम्भावना यही है कि सब काम पूरे नही हो पायेंगे और आपको इस कारण तनाव होगा । काम पूरे करने में और किसी की सहायता लेने से ना हिचकें,नही तो आप समय पर काम पूरा नही कर पायेंगे ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

आज का दिन घटनाओं से भरा रहेगा और आपको किसी अप्रत्याशित घटना के लिए तैयार रहना है । आपको कई दिशायों में सक्रिय रहना पड़ेगा लेकिन सकारात्मक बने रहेंगे । आप नयी उर्जा एवं वास्तविकता से परिपूर्ण सार्थक योजनायें पेश करेंगे । अपनों को भी इनमे शामिल करें । आज किसी ख़ास व्यक्ति से मुलाक़ात होगी ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

आज आप जो भी कुछ शुरू करेंगे ,उसमे चाहे कितनी ही बाधाएं आयें,आपको सफलता मिलनी तय है । दिन के अंत तक आप दूसरों से फिर से बेहतर सम्बन्ध बना पायेंगे । अपनी प्रकृति में एक जरुरी बदलाव लायें-हर सम्बन्ध में केवल अधिकार जताने की कोशिश में ना रहें । सबको बराबरी का दर्जा दें और आपको भी बदले में सबसे प्यार मिलेगा ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

आपको थोडा सा अधिक लचीला रुख अपनाना चाहिए ,लेकिन आज आप ना तो कोई अच्छी सलाह और ना ही अपने मन की आवाज सुनना चाहते हैं । आपका यह अड़ियल रवैया आपके लिये घर और कार्यस्थल दोनों ही जगह पर आपके लिए नुक्सान का कारण बनेगा । इसका एक ही समाधान है कि आप अपना दिमाग खुला रखें और दूसरों की भी बातें सुनें ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

नमो भारत ट्रेन में सफर करना होगा सस्ता, किराए में मिलेगी 10% की छूट, एनसीआरटीसी ने लॉन्च किया नया प्रोग्राम

नई दिल्ली,21 दिसंबर (एजेंसियां)। नमो भारत ट्रेन में सफर करने वालों के लिए अच्छी खबर है। अब इस ट्रेन में सस्ती दर पर यात्रा कर सकेंगे। इसके लिए एनसीआरटीसी ने लॉयल्टी पॉइंट प्रोग्राम लॉन्च किया है। इससे यात्रियों को किराए में 10 फीसदी की छूट मिलेगी। इसका फायदा उन यात्रियों को ज्यादा मिलेगा जो नियमित रूप से इस ट्रेन में सफर करते हैं। इस नए प्रोग्राम की शुरुआत शनिवार 21 दिसंबर को एनसीआरटीसी के मैनेजिंग डायरेक्टर शलभ गोयल ने साहिबाबाद आरआरटीएस स्टेशन पर की। इस प्रोग्राम के अलावा शनिवार को द्वि-मासिक न्यूजलेटर भी लॉन्च किया गया। इसका

नाम नमो भारत टाइम्स है। यह सभी डिजिटल प्लेटफॉर्म जैसे आरआरटीएस कनेक्ट ऐप, ncrtc.in, rrts.co.in आदि पर मुफ्त में डाउनलोड के लिए उपलब्ध होगा। इसमें नमो भारत के यात्रियों को एनसीआरटीसी की ओर से लॉन्च की जा रही नई स्कीमों और हाल के घटनाक्रमों के बारे में सूचनाएं मिलेंगी।

क्या है यह नया प्रोग्राम ?

दरअसल, यह लॉयल्टी पॉइंट्स कार्यक्रम है। इसका फायदा आरआरटीएस कनेक्ट मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से उठाया जा सकता है। इसके तहत यात्रियों को नमो भारत ट्रेन टिकट पर खर्च किए गए प्रत्येक रुपये के बदले एक अंक प्राप्त होगा। प्रत्येक लॉयल्टी पॉइंट का मूल्य 10 पैसे है। इस पॉइंट को यात्रियों के 'आरआरटीएस कनेक्ट' ऐप में जमा किया जाएगा। इन पॉइंट्स का इस्तेमाल भविष्य में टिकट खरीदने के लिए किया जा सकेगा।

डिजिटल क्यूआर टिकट को मिलेगा बढ़ावा

इस पहल से न केवल यात्रियों को लाभ होगा, बल्कि आरआरटीएस कनेक्ट ऐप के माध्यम से डिजिटल क्यूआर टिकट के उपयोग को भी बढ़ावा मिलेगा। पेपरलेस टिकटिंग के माध्यम से यह यात्रा को भी सरल बनाएगा। आरआरटीएस कनेक्ट ऐप डाउनलोड करने वाले प्रत्येक नए यूजर को 500 लॉयल्टी पॉइंट दिए जा रहे हैं। इनकी वैल्यू 50 रुपये के बराबर है। इसके अलावा यात्री आरआरटीएस कनेक्ट ऐप को अन्य यूजर को रेफर करके अतिरिक्त 500 लॉयल्टी पॉइंट इकट्ठे कर सकते हैं। इससे रेफर करने वाले और जिसे रेफर किया गया है, दोनों को 500 लॉयल्टी पॉइंट मिलेंगे।

खर्च कम करने की तैयारी में जुटा टाटा ग्रुप

अब तिमाही के बजाय हर महीने होगी मॉनिटरिंग

नई दिल्ली,21 दिसंबर (एजेंसियां)। टाटा संस के सबसे बड़े शेयरधारक टाटा ट्रस्ट्स ने ऑपरेशनल खर्च को बेहतर ढंग से मैनेज करने और अपने फंड के जमीनी प्रभाव को बढ़ाने के लिए परियोजना निगरानी प्रक्रियाओं को कड़ा कर दिया है। टाटा संस देश के सबसे बड़े औद्योगिक घराने टाटा ग्रुप की होल्डिंग कंपनी है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। उनका कहना है कि अब तिमाही के बजाय मासिक समीक्षा की जा रही है। साथ ही कंपनी खर्च को और कम करने के लिए डायरेक्ट इंप्लिमेंटेशन प्रोजेक्ट्स पर अनुदान देने को भी प्राथमिकता दे सकती है। सूत्रों ने बताया कि बढ़े हुए कॉस्ट स्ट्रक्चर के कारण कई महीने पहले ट्रस्टियों ने आंतरिक ऑडिट किया था। इसमें कई विसंगतियां सामने आई थी। इस कारण ट्रस्टीज ने निगरानी प्रणाली को कड़ा किया। इसके अतिरिक्त ट्रस्ट की ऑडिट प्रणाली को मजबूत किया गया है और यह अब सीधे चीफ एग्जीक्यूटिव को रिपोर्ट करता है। चीफ एग्जीक्यूटिव कार्यकारी समिति और न्यासी बोर्ड को इस बारे में अपडेट करने के लिए जिम्मेदार है। अधिकारियों ने बताया कि दिवंगत रतन टाटा के तहत गठित एक कार्यकारी समिति कॉस्ट की बारीकी से निगरानी कर रही है और ऐसा करना जारी रखेगी। इसे निर्णय लेने की प्रक्रिया को व्यापक बनाने और यह सुनिश्चित करने के लिए बनाया गया था कि ट्रस्टों का प्रबंधन एक व्यक्ति के बजाय सामूहिक रूप से किया जाए। अभी इसके चार ट्रस्टी नोएल टाटा, मेहली मिस्त्री, वेणु श्रीनिवासन और विजय सिंह है। टाटा संस की इक्विटी पूंजी का लगभग 66% परोपकारी ट्रस्टों के पास है। ये ट्रस्ट टाटा संस से लाभांश प्राप्तियों के माध्यम से धन जुटाते हैं। हाल के वर्षों में टाटा ट्रस्ट कई डीआई प्रोजेक्ट्स में भी शामिल हुआ, जिससे इसकी मैनपावर कॉस्ट बढ़ गई। इन्हें ट्रस्ट द्वारा सीधे ठेकेदारों के माध्यम से उनके दान के हिस्से के रूप में लागू किया गया था। ट्रस्टों को कर उद्देश्यों के लिए डीआई परियोजनाओं पर अपने फंड का एक छोटा प्रतिशत खर्च करना आवश्यक है। मामले से जुड़े एक अधिकारी ने कहा, 'ट्रस्ट के भीतर यह सोच रही है कि इसे ऑपरेटिंग कॉस्ट को नियंत्रित करना होगा ताकि परोपकार के लिए धन का अधिकतम उपयोग किया जा सके, न कि बढ़े हुए वेतन और परिचालन लागत में।' टाटा ट्रस्ट ने कोई टिप्पणी नहीं की।टाटा ट्रस्ट ने पारंपरिक रूप से शिक्षा, स्वास्थ्य, ग्रामीण विकास और अन्य क्षेत्रों में अनुदान दिया है। हालांकि, परिचालन लागत जांच के दायरे में आ गई है, खासकर तब जब परोपकारी मॉडल वैश्विक स्तर पर अधिक चुस्त और लागत प्रभावी संरचनाओं की ओर बढ़ रहे हैं।

खाने के तेल-दालों पर संकट मिटाने के लिए भारत ने ब्राजील से मांगी मदद, आयात बढ़ाने पर विचार

नई दिल्ली,21 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत में दाल और खाने के तेलों के दाम सस्ते करने के लिए भारत सरकार ने पहल शुरू कर दी है।जल्दी ही इसका असर देखने के लिए मिल सकता है।दाल और खाने के तेल की कमी खत्म करने के लिए कई तरह के प्रयास सरकारी स्तर पर शुरू किए गए हैं।भारत सरकार ने इस संकट से पार कराने के लिए ब्राजील से भी मदद मांगी है।ब्राजील भारत को दाल और खाद्य तेल भेजने पर राजी हो गया है।इस आयात से भारत के घरेलू बाजार में इनकी कमी की भरपाई हो सकेगी।दाल और खाने के तेल के दाम नीचे आने की भी संभावना है।इससे मध्यवर्ग की रसोई का संकट कुछ तक हल होगा और थाली पर पड़ रही चोट भी कुछ कम होगी.

ब्राजील बनेगा दाल और खाद्य तेल का सबसे बड़ा स्रोत

भारत में दाल और खाद्य तेल की आपूर्ति सस्ते दामों पर कराने के लिए भारत सरकार आयात के लिए कई देशों के बाजारों के बीच प्रतियोगिता बढ़ाना चाह रही है।इस दौरान ब्राजील दाल और खाद्य तेल के आयात का सबसे बड़ा स्रोत भारत के लिए हो सकता है।फाइनेंशियल एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, ब्राजील में भारत के राजदूत सुरेश रेड्डी ने कहा है कि ब्राजील जैसे दक्षिण अमेरिकी देश से दाल और खाद्य तेल के आयात से भारत के बाजारों में ये दोनों सामग्री किफयती दामों पर सुलभ होगी।अभी देश अपने उपयोग का 58 फीसदी खाद्य तेल और 15 फीसदी दाल आयात करता है.

ब्राजील से उड़द के आयात पर है जोर

भारत का जोर ब्राजील से काफी मात्रा में उड़द के आयात पर है।क्योंकि ब्राजील उडद का बहुत बड़ा आयातक देश है।ब्राजील से उड़द आयात होने से भारत के घरेलू बाजार में दाल में वेराइटी आने के साथ ही दाम भी कम होंगे।अभी देश में दाल का आयात इंडोनेशिया, मलेशिया, कनाडा, आस्ट्रेलिया, म्यांमार, यूक्रेन, मोजांबिक और मलावी से होता है.

बिजली वितरण कंपनियां राज्यों पर वित्तीय रूप से बोझ बनीं

आरबीआई ने अपनी रिपोर्ट में कही यह बात

नई दिल्ली,21 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि बिजली वितरण कंपनियां (डिस्कॉम) राज्यों के लिए वित्तीय रूप से भारी बोझ बनी हुई हैं। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि राज्य डिस्कॉम का कुल संचित घाटा 2022-23 तक 6.5 लाख करोड़ रुपये तक पहुँच गया है, जो देश के सकल घरेलू उत्पाद का 2.4 प्रतिशत है। रिपोर्ट के अनुसार, बिजली वितरण कंपनियाँ (डिस्कॉम) राज्यों पर वित्तीय रूप से बोझ बनी हुई हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि विभिन्न सुधार प्रयासों के बावजूद डिस्कॉम राज्यों के लिए एक बड़ी चुनौती बनी हुई हैं। हालात बदलने के लिए, आरबीआई ने उत्पादकता में सुधार, ट्रांसमिशन और वितरण घाटे को कम करने और बिजली आपूर्ति की वास्तविक लागत के साथ टैरिफ को एडजस्ट करने जैसे उपायों के महत्व पर जोर दिया। आरबीआई की रिपोर्ट में पाया गया है कि राज्यों ने राजकोषीय अनुशासन बनाए रखने में प्रगति की है। 2023-24 में, राज्यों का सकल राजकोषीय घाटा सकल घरेलू उत्पाद के 2.91 प्रतिशत पर सीमित रहा, जो राजकोषीय उत्तरदायित्व विधान की ओर से निर्धारित 3 प्रतिशत की सीमा के भीतर था। पूंजीगत व्यय, जो बुनियादी ढांचे और दीर्घकालिक विकास में निवेश का एक महत्वपूर्ण संकेतक है, 2023-24 में सकल घरेलू उत्पाद का 2.6 प्रतिशत हो गया, जो पिछले वर्ष 2.2 प्रतिशत था। भविष्य को देखते हुए, रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि राज्यों से 2024-25 में राजकोषीय अनुशासन बनाए रखने की उम्मीद है, जिसमें जीएफडी का बजट सकल घरेलू उत्पाद का 3.2 प्रतिशत है।

पॉपकॉर्न पर यूं ही नहीं लगा जीएसटी, दुनिया में इतना बड़ा है बाजार

नई दिल्ली,21 दिसंबर (एजेंसियां)। जीएसटी काउंसिल ने शनिवार को पॉपकॉर्न को तीन तरह के टैक्स स्लैब में डाल दिया है।5 फीसदी, 12 फीसदी और 18 फीसदी।क्या आपने सोचा है कि आखिर पॉपकॉर्न जैसी चीज को जीएसटी के दायरे में लाने की जरुरत ही क्यों पड़ी? वास्तव में पॉपकॉर्न का बाजार भारत में कोई छोटा मोटा नहीं है।इसका दायरा और बाजार काफी बड़ा है।अनुमान के अनुसार भारत में इसका मार्केट साइज करीब 1200 करोड़ रुपए का है।जो साल 2030 में करीब 2600 करोड़ रुपए तक पहुंच सकता है।एक रिपोर्ट के अनुसार पॉपकॉर्न के मार्केट में साल 2024 से लेकर 2023 तक 12 फीसदी से ज्यादा की ग्रोथ देखने को मिल सकती है।खास बात तो ये है कि पूरी दुनिया में पॉपकॉर्न का बाजार 75 हजार करोड़ रुपए है।अब आप समझ सकते हैं कि आखिर सरकार के लिए पॉपकॉर्न से कमाई करना कितना जरूरी हो गया है।आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर पॉपकॉर्न का मार्केट किस तरह का देखने को मिल रहा है?भारत में पॉपकॉर्न का बाजार तेजी के साथ बूस्ट कर रहा है।देश में बीते कुछ सालों में इसकी ग्रोथ 10 फीसदी से ज्यादा देखने को मिल रही है।साल 2030 तक 12 फीसदी से ज्यादा देखने को मिल सकती है।आंकड़ों के अनुसार पॉपकॉर्न का साल 2023 तक 1,158 करोड़ रुपए का था।जोकि मौजूदा समय में करीब 1,200 करोड़ रुपए के आसपास देखने को मिल रहा है।

नान घोटाला, पूर्व महाधिवक्ता वर्मा, टुटेजा, आलोक की होगी सीबीआई जांच

सरकार ने ईओडब्ल्यू में दर्ज केस एजेंसी को सौंपा, गवाहों के बयान बदलवाने का आरोप

रायपुर, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के नान घोटाला (नागरिक आपूर्ति निगम) केस में ईओडब्ल्यू की ओर से दर्ज एफआईआर मामले की अब सीबीआई जांच करेगी। राज्य सरकार ने ईओडब्ल्यू में दर्ज केस एजेंसी को सौंप दिया है। साथ ही सरकार की तरफ से अधिसूचना भी जारी की गई है। कांग्रेस सरकार में महाधिवक्ता रहे सतीश चंद्र वर्मा जांच के घेरे में हैं। आरोप है कि नान घोटाला में अनिल टुटेजा, आलोक शुक्ला और सतीश चंद्र वर्मा ने गवाहों पर दबाव बनाया। बयान भी बदलवाने का आरोप है।

दरअसल, 4 नवंबर को ईओडब्ल्यू ने नान घोटाले में नई एफआईआर दर्ज की गई थी। एफआईआर में रिटायर्ड आईएएस अफसर अनिल टुटेजा, रिटायर्ड आईएएस आलोक शुक्ला और छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के पूर्व महाधिवक्ता सतीश चंद्र वर्मा के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। तीनों पर प्रभावों का दुरुपयोग कर गवाहों को प्रभावित करने का आरोप है। वॉट्सऐप चैट मिलने के बाद तीनों के खिलाफ एफआईआर की गई थी। ईओडब्ल्यू ने अपनी एफआईआर में बताया है कि रिटायर्ड आईएएस डॉ. आलोक शुक्ला और अनिल टुटेजा ने अपनी ताकत का इस्तेमाल करते हुए तत्कालीन महाधिवक्ता सतीशचंद्र वर्मा से असम्यक (व्यक्तिगत प्रभाव का इस्तेमाल करके) लाभ लिया। उनका मकसद था कि सतीशचंद्र वर्मा को लोक कर्तव्य को गलत तरीके से करने के लिए प्रेरित किया जाए, ताकि वह अपनी शक्तियों का दुरुपयोग करते हुए सरकारी कामकाज में गड़बड़ी कर सकें। इसके बाद, सभी मिलकर एक आपराधिक षड्यंत्र में शामिल हुए और राज्य आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो में काम करने वाले उच्चाधिकारियों से प्रक्रियात्मक दस्तावेज और विभागीय जानकारी में बदलाव करवाया। इन बदलावों का मुख्य उद्देश्य था नागरिक आपूर्ति निगम के खिलाफ दर्ज एक मामले (अप.क. 09/2015) में अपने पक्ष में जवाब तैयार करना, ताकि हाईकोर्ट में वे अपना पक्ष मजबूती से रख सकें और उन्हें अग्रिम जमानत मिल सके।

ईओडब्ल्यू (राज्य आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो) ने ईडी की ओर से भेजे गए प्रतिवेदन के बाद एफआईआर की थी। एफआईआर में बताया गया था कि रिटायर्ड आईएएस डॉ. आलोक और अनिल टुटेजा पिछली सरकार में प्रभावशाली माने जाते थे। इन अधिकारियों का 2019 से लगातार सरकार के संचालन नीति निर्धारण और अन्य कार्यों में खासा दखल था। शासन के महत्वपूर्ण पदों पर पदस्थापना और स्थानांतरण में भी उनका हस्तक्षेप होने की चर्चा थी। ईओडब्ल्यू के अनुसार तीनों ने आपराधिक साजिश करते हुए ईओडब्ल्यू में पोस्टेड बड़े अफसरों के प्रक्रियात्मक, विभागीय कार्यों से संबंधित दस्तावेजों और जानकारी में बदलाव करने का प्रयास किया। वहां दर्ज नान के मामले में अपने पक्ष को हाईकोर्ट में पेश करने के लिए खुद जवाब दावा बनवाया, ताकि उन्हें अग्रिम जमानत का लाभ मिल सके।

ईओडब्ल्यू ने अपनी एफआईआर में बताया कि अनिल टुटेजा और डॉ. आलोक शुक्ला शासन में महत्वपूर्ण पदाधिकारी बन गए थे और यह सरकार के सबसे शक्तिशाली अधिकारी थे। सभी महत्वपूर्ण पदों पर पोस्टिंग और ट्रांसफर में इनका सीधा हस्तक्षेप था। एक तरह से कहा जाए कि छत्तीसगढ़ सरकार की सारी ब्यूरोक्रेसी इनके नियंत्रण में थी, जिसके कारण राज्य सरकार के महत्वपूर्ण पदों पर पदस्थ अधिकारियों पर इनका नियंत्रण था। छत्तीसगढ़ राज्य आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो ने डॉ. आलोक शुक्ला, अनिल टुटेजा, सतीश चंद्र वर्मा और अन्य पर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 2018 की धाराओं 7, 7क, 8, और 13(2) और भारतीय दंड संहिता की धाराएं 182, 211, 193, 195-ए, 166-ए, और 120बी के तहत अपराध दर्ज किए गए हैं। इन धाराओं के तहत तीनों के खिलाफ मामला पंजीकृत कर जांच शुरू की गई है। प्रवर्तन निदेशालय की ओर से 2 अप्रैल 2024 को एसीबी-ईओडब्ल्यू को ईमेल की जरिए छत्तीसगढ़ नागरिक आपूर्ति निगम (एनएएन) में हुए बड़े घोटाले से संबंधित रिपोर्ट और दस्तावेज भेजे गए थे, जिसमें ईडी ने अपनी जांच के दौरान जब्त डिजिटल डिवाइस से मिली जानकारी और वॉट्सऐप चैट की जानकारी भेजी थी। इसमें बताया गया था कि हाइकोर्ट में अग्रिम जमानत लेने के लिए अनिल टुटेजा और आलोक शुक्ला नें अपने पद का गलत इस्तेमाल किया था।

बिजली बिल जमा करने का मिल गया समाधान

जेबीवीएनएल वॉट्सऐप पर भेजेगा बिल और क्यूआर कोड, स्कैन करें और हाथों से जमा करें

रांची, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। झारखंड विद्युत वितरण निगम लिमिटेड बिजली उपभोक्ताओं के लिए अच्छी पहल शुरू की है। बिजली बिल पाने और जमा करने से परेशान उपभोक्ताओं को उनके रजिस्टर्ड मोबाइल के व्हाट्स एप पर बिजली बिल भेजेगा। इस बिल के साथ ही क्यू ओर कोड भी होगा। जिसे स्कैन कर उपभोक्ता हाथों हाथ अपना बिजली बिल जता कर सकेंगे।

फिलहाल इसे रांची सर्किल के 5.80 लाख उपभोक्ताओं के लिए शुरू किया जा रहा है। बिजली विभाग इसे ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचा सके, इसके लिए जागरूकता अभियान भी शुरू करेगी। इसके लिए तैयारियां भी शुरू कर ली गई हैं। उपभोक्ताओं के पास इस माध्यम से बिल जमा करने के अतिरिक्त पुराने विकल्प भी होंगे।

जेबीवीएनएल की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार व्हाट्स एप पर बिल पाने के लिए सबसे पहले अपने मोबाइल को अपने कंज्यूमर नंबर के साथ लिंक करें। अभी शहर के कई जगहों पर कैंप लगा जा रहा है। वहां जा कर अपना मोबाइल नंबर लिंक कराएं।

फिर अपने अकाउंट को व्हाट्स एप नंबर से लिंक कराएं। उपभोक्ता चाहें तो 9155029417 पर अपना पुराना बिल का फोटो या कंज्यूमर नंबर भेज कर रजिस्टर्ड करा सकते हैं। इसके बाद आपको व्हाट्स एप पर बिल मिलना शुरू हो जाएगा। जब आपका नंबर लिंक हो जाएगा तब आपको जो बिल मिलेगा उसी में क्यूआर कोड भी होगा। उसे स्कैन करते ही आपका डिटेल मांगा जाएगा। उसे भरते ही डिटेल्स आपके मोबाइल स्क्रिन पर रहेगा। यहां आप अपने किसी भी यूपीआई के माध्यम से पैसे दे सकेंगे।

बिजली उपभोक्ता जेबीवीएनएल की वेबसाइट से बिजली बिल निकाल सकते हैं। इसके लिए जेबीवीएनएल की वेबसाइट पर जाएं। वहां स्मार्ट पोस्टपेड/ प्रीपेड कंज्यूमर लॉग इन लिखे ब्लू रंग के बॉक्स को क्लिक करें। उसमें पहले लॉगिन रजिस्टर करना होगा।

फिर लॉगिन पासवर्ड आ जाएगा। यहां पासवर्ड डालते ही उपभोक्ता का पूरा प्रोफ़ाइल खुल जाता है। इसके बाईं ओर पावर क्वालिटी से लेकर लोड और ऐस्टीमेटेड कंजप्शन आदि की जानकारी उपभोक्ता ले सकते हैं।

वहीं मंथली बिल हिस्ट्री को क्लिक कर बिल डाउनलोड कर सकते हैं। इसमें विस्तृत जानकारी रहती है कि किस महीने कितनी खपत हुई, कितना बिल आया, लोड कितना है, किस दिन उपभोक्ता ने स्वीकृत लोड से अधिक इस्तेमाल किया है। उपभोक्ता यहां प्रतिदिन के हिसाब से खपत और बिल देख सकते हैं। यहीं पेमेंट का भी विकल्प है। यहां भी उपभोक्ता चाहे तो अपने बिल का भुगतान कर सकते हैं।

देसी कट्टा के साथ एक गिरफ्तार

जेल में बंद अपराधी के नाम पर मांगता था रंगदारी, कई थाना में दर्ज है केस

जमशेदपुर, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। जमशेदपुर के कदमा थाना पुलिस ने रंगदारी के मामले का खुलासा करते हुए एक युवक को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। पुलिस की गिरफ्त में आए युवक का नाम बंटी गुहा है, जो परसुडी गोल पहाड़ी का रहने वाला है। एसएसपी किशोर कौशल ने बताया कि बंटी जेल में बंद अपराधी के नाम पर शहर के व्यवसायियों से रंगदारी वसूलने का काम कर रहा था। उसके खिलाफ शहर के अलग-अलग थाना क्षेत्र में आधा दर्जन से भी अधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस ने उसके पास से एक देसी कट्टा, दो जिंदा कारतूस और एक मोबाइल बरामद किया है। एसपी ने बताया कि उसके कदमा थाना अंतर्गत राम जन्म नगर में छिपे होने की गुप्त सूचना मिली थी। इसके बाद थाना प्रभारी के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। टीम ने छापेमारी करते हुए उसे नदी के किनारे से धर दबोचा।

दिन में छा गया अंधेरा, मौसम ने फिर ली करवट

फिर शुरू होगा कड़ाके की ठंड का दौर

रायपुर, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में मौसम का मिजाज बदला हुआ है। राजधानी रायपुर में शनिवार को सुबह से बादल छाए हुए हैं। मौसम विभाग के अनुसार, बंगाल में बने नए सिस्टम के कारण छत्तीसगढ़ में फिलहाल कड़ाके की ठंड से राहत है। नमी के कारण राज्य के कई जिलों में दिन और रात का तापमान में वृद्धि हुई है। राजधानी रायपुर में दिन का तापमान सामान्य से 5 डिग्री तक बढ़ गया है। मौसम विभाग के अनुसार, राज्य में अगले दो दिनों तर कड़ाके की ठंड से राहत मिलेगी। उसके बाद फिर से ठंड का दौर शुरू होगा। फिलहाल राजधानी रायपुर में अगले 24 घंटों तक न्यूनतम तापमान 2 डिग्री तक और बढ़ सकता है। रजधानी रायपुर के अलावा दुर्ग, भिलाई, बिलासपुर समेत कई जिलों में शनिवार सुबह से ही बादल छाए हुए हैं। शुक्रवार को 6 डिग्री न्यूनतम तापमान के साथ बलरामपुर राज्य का सबसे ठंडा जिला रहा। एक तरफ जहां लोगों को ठंड से राहत मिली है। वहीं, दूसरी तरफ बस्तर इलाके में बारिश की भी संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, समुद्र से आ रही नमी के कारण शनिवार को बस्तर संभाग के कई जिलों में बारिश की होने की संभावना है। विभाग ने कहा कि बादल हटने के बाद एक बार फिर से कड़ाके की ठंड का दौर शुरू होगा।

राजधानी रायपुर में भी हवाओं में नमी का असर दिख रहा है। विभाग के अनुसार, रात का तापमान सामान्य से 6 डिग्री ऊपर चल रहा है। मौसम वैज्ञानिकों ने बताया कि अगले दो दिनों तक ठंड बढ़ने की संभावना नहीं है। सोमवार-मंगलवार से मौसम साफ होने लगेगा इसके बाद तापमान में फिर से गिरावट होगी। तापमान में गिरावट के साथ ही कड़ाके की ठंड का दौर शुरू हो जाएगा।

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में भी ठंड से राहत मिल रही है। जिले में दो दिन पहले शीतलहर चल रही थी। जिस कारण से ठिठुरन बढ़ गई थी। शनिवार को न्यूनतम तापमान सामान्य से कम हो गया था।

हालांकि जिले के कुछ इलाकों में बारिश की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, बिसालपुर में फिलहाल दो दिनों तक कड़ाके की सर्दी नहीं होगी।

दो लाइन हथेली में लिखकर आरक्षक ने लगा ली फांसी

पुलिस भर्ती में बड़ा घोटाला भूपेश बघेल ने सीएम से जांच की मांग की

राजनांदगांव, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव में एक आरक्षक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। आरक्षक ने फांसी लगाने से पहले अफने हाथ में पुलिस भर्ती घोटाले को लेकर बड़ा खुलासा किया है। पुलिस में लेन-देन के आरोप के बाद आरक्षक अनिल रत्नाकर ने सुसाइड किया है। वे खैरागढ़ में पदस्थ था। वह सरायपाली बसना का रहने वाला था। शनिवार सुबह लालबाग थाना क्षेत्र के रामपुर रोड में एक पेड़ में उसने फांसी लगा ली। आरक्षक के जूते और गाड़ी खेत में मिली है।

आरक्षक ने पुलिस भर्ती में धांधली की बात कही है। उसने मरने से पहले अपने हाथ में लिखा- भर्ती ड्यूटी में लगे कर्मचारियों को फंसाया जा रहा है वहीं, अधिकारियों को बचाया जा रहा है। आरक्षक के फांसी लगाने के बाद आशंका लगाई जा रही है कि आरक्षक भर्ती में लेन-देन में नाम आने के डर से उसने यह आत्मघाती कजम उठाया है। आरक्षक की ड्यूटी पुलिस भर्ती के दौरान फिजिकल टेस्ट में लगाई गई थी। मामले की जानकारी देते हुए सीएसपी पुष्पेंद्र नायक ने बताया- आरक्षक सरायपाली बसना का रहने वाला था। परिवार के लोगों को आत्महत्या करने की सूचना दी गई है। परिवार के पहुंचने के बाद लाश को नीचे उतारकर पंचनामा कर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा जाएगा। फिलहाल इस बात का खुलासा नहीं किया गया है कि आरक्षक ने आत्महत्या क्यों की। पुलिस ने मामले दर्ज कर लिया है और मामले की जांच की जा रही है।

भूपेश बघेल ने बोला हमला

इस पूरे मामले में छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने सरकार पर हमला बोला है। भूपेश बघेल ने कहा- राजनांदगांव का पुलिस भर्ती घोटाला तो गंभीर मामला दिखता है। आरक्षक अनिल रत्नाकर ने आत्महत्या से पहले अपने हाथ पर जो लिखा है वह इसकी गंभीरता को बताता है। 'कर्मचारियों को फंसाया जा रहा है, अधिकारियों को बचाया जा रहा है। अधिकारी सब इन्वॉल्व हैं' का मतलब साफ है विष्णुदेव साय जी। भ्रष्टाचार तो हुआ है। अधिकारियों की भूमिका भी है। अब तो उच्च स्तरीय जांच होनी जरूरी है।

नए डीजीपी का नाम लगभग फाइनल, रेस में 'देव' सबसे आगे

यूपीएससी से आया लेटर, जल्द जारी होगा आदेश, सीक्रेट-प्रपोजल में आईपीएस हिमांशु भी

रायपुर, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ पुलिस के नए डीजीपी का नाम लगभग फाइनल हो गया है। वर्तमान डीजीपी अशोक जुनेजा का कार्यकाल 5 फरवरी, 2025 को पूरा होने वाला है। जुनेजा का कार्यकाल पूरा होने से पहले सरकार ने सीनियर आईपीएस अधिकारियों के नाम शॉर्टलिस्ट करके केंद्रीय गृह मंत्रालय को गोपनीय प्रस्ताव भेजा था।

इस प्रस्ताव में डीजीपी की रेस में सबसे अरुण देव और पवन देव का नाम चल रहा है। बताया जा रहा है कि, अरुण देव के लिए प्रदेश के नेताओं की लॉबी लगी हुई है। वही पवन देव के लिए बिहार के राजनेता लॉबी कर रहे हैं। इन दोनों में से कोई एक छत्तीसगढ़ पुलिस का मुखिया होगा। सूत्रों के अनुसार छत्तीसगढ़ पुलिस के नए डीजीपी के नाम की

घोषणा जल्द हो सकती है।

गृह विभाग के विश्वसनीय सूत्रों के मुताबिक, सीएम सचिवालय से फाइल 20 दिन पहले यूपीएससी को भेजा गया था। यूपीएससी में प्रक्रिया पूरी होने के बाद वहां से लेटर राज्य सरकार को आ गया है। राज्य सरकार के जिम्मेदारों ने यूपीएससी से आए पत्र पर अंतिम निर्णय लगभग ले लिया है। अब जल्द इसको सार्वजनिक किया जाएगा।

बता दें कि सुप्रीम कोर्ट का 2006 का फैसला राज्य डीजीपी नियुक्तियों के लिए मार्गदर्शक ढांचे के रूप में काम करना जारी रखता है। न्यायालय ने आदेश दिया कि राज्य सरकारें संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) द्वारा सूचीबद्ध 3 सबसे वरिष्ठ अधिकारियों में से अपने डीजीपी का चयन करें। चयनित अधिकारी को अपनी सेवानिवृत्ति तिथि की परवाह किए बिना कम से कम दो साल का कार्यकाल पूरा करना होगा। डीजीपी बनने के लिए 30 साल की सेवा जरूरी है। इससे पहले स्पेशल केस में भारत सरकार डीजीपी बनाने की अनुमति दे सकती है।

छोटे राज्यों में आईपीएस का कैडर छोटा होता है, इसको देखते हुए भारत सरकार ने डीजीपी के लिए 30 साल की सर्विस की जगह 25 साल कर दिया है। मगर बड़े राज्यों के लिए नहीं।

पत्नी ने ईसाई धर्म अपनाया तो पति ने लगाई फांसी

बालोद, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। जानकारी के मुताबिक, मृतक की पहचान गजेंद्र उर्फ सूरज देवांगन (35 साल) के रूप में हुई है। सूरज ने मरने से पहले कमरे की दीवार पर सुसाइड नोट लिखा है, जिसमें प्रताड़ित करने का जिक्र है। सूरज ने अपनी पत्नी, सास और ससुर पर आत्महत्या के लिए विवश करने का आरोप लगाया है। हालांकि पुलिस ने धर्मांतरण से जुड़े आरोप का खंडन किया है।

आत्महत्या से पहले सूरज अर्जुदा पुलिस थाने भी गया था। उसने अपनी पत्नी के खिलाफ प्रताड़ना और धर्मांतरण का दबाव बनाने का आरोप लगाया था। लेकिन तब पुलिस ने इस मामले को गंभीरता से नहीं लिया।

पुलिस विभाग के अनुविभागीय अधिकारी देवांश राठौर ने धर्मांतरण से जुड़े आरोप को पूरी तरह से खारिज किया है। उन्होंने बताया कि कोई व्यक्ति सूरज को 50 हजार रुपए के लिए परेशान कर रहा था। इस बात का जिक्र उसने दीवार पर लिखे सुसाइड नोट में किया है।

वहीं ससुराल वालों से परेशान होने की बात भी उसने लिखी है। राठौर ने बताया कि मामले में यह बात सामने आई है कि उसकी पत्नी प्रभु यीशु पर आस्था रखती थी, इसलिए वह उससे झगड़ा करता था। पूरे मामले को लेकर विश्व हिन्दू परिषद ने चेतावनी दी है कि सही कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन किया जाएगा।

विश्व हिंदू परिषद के जिला संयोजक बलराम गुप्ता ने बताया कि मामले को संज्ञान में लिया है। थाना प्रभारी से भी बात की गई है। कड़ी से कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।

धमतरी जिले में भी 15 दिन पहले एक युवक ने धर्मांतरण के दबाव में खुदकुशी कर ली थी। फांसी लगाने से पहले युवक ने वॉट्सऐप स्टेटस भी अपडेट किया था। इसमें लिखा कि, पत्नी से परेशान हूं। सास, साली और ससुराल वाले धर्म परिवर्तन करने के लिए दबाव बना रहे हैं।

घंटे भर लड़ते रहे 2 हाथी, 1 एकड़ फसल बर्बाद

चांडिल, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। सरायकेला-खरसावां जिले के नीमडीह प्रखंड क्षेत्र के बागड़ी में दो जंगली हाथियों में करीब एक घंटे तक लड़ाई होती रही। इस लड़ाई को देखने के लिए आसपास के ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। हाथियों की इस लड़ाई के दौरान करीब एक एकड़ में लगी फसल बर्बाद हो गई। मामला शुक्रवार का है। इधर, काफी देर तक हाथियों के बीच लड़ाई जारी रही, तो ग्रामीणों ने शोर मचाना शुरू किया। इसके बाद दोनों हाथी जंगल की ओर भाग गए। नीमडीह प्रखंड में जंगली हाथियों का एक झुड विचरण कर रहा है।

इधर, कादला गांव में जंगली हाथियों का झुंड चौधरी प्रमाणिक के आलू और बांदु गांव निवासी दीनू महतो का धान खा गए। इससे ग्रामीणों में वन विभाग के प्रति नाराजगी देखने को मिल रही है। हाथी जंगल को छोड़कर गांवों में विचरण कर रहे हैं और फसलों को नुकसान पंहुचा रहे हैं। इस कारण किसानों में दहशत व्याप्त है। खेत से लेकर खलियान में धान नहीं मिलने से अब हाथियों के झुंड घर में रखे अनाज को भी निशाना बना रहे हैं। शाम ढलते ही जंगली हाथियों का झुंड विभिन्न जंगलों से निकलकर गावों में प्रवेश कर जाता है। घरों की चार दीवार को तोड़कर अंदर रखे धान, चावल, आलू आदि खा जा रहे हैं।

कंटेनर के नीचे आई बाइक, एक की मौत

बाइक सवार दो महिला गंभीर, एनएच-19 के अवैध कट को पार करते वक्त हुआ हादसा

धनबाद, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। धनबाद के गोविंदपुर थाना क्षेत्र स्थित एनएच-19 जीटी रोड के अवैध कट को पार करते वक्त एक बाइक कंटेनर के नीचे आ गई। इससे बाइक सवार लक्ष्मण साह की मौत हो गई। जबकि बाइक पर बैठीं चिंता देवी और पार्वती देवी जख्मी हैं। हादसा शनिवार को हुआ। वहीं, घटनास्थल पर कंटेनर को छोड़ ड्राइवर फरार होने में सफल रहा। हादसे के बाद बाइक सवार तीनों को स्थानीय लोगों की मदद से धनबाद एसएनएमएमसीएच भेजा गया है। यहां डॉक्टर ने लक्ष्मण साह को मृत घोषित कर दिया। जबकि चिंता देवी और पार्वती देवी की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। वहीं, आए दिन अवैध कट के कारण दुर्घटनाएं घट रही है। हाल के दिनों में गोविंदपुर में सड़क हादसों पर रोकथाम को लेकर डीसी की अध्यक्षता में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक की गई थी, जिसमें डीसी ने अधिकारियों को कई आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए हैं। डीसी माधवी मिश्रा के निर्देश के बाद ट्रैफिक पुलिस की ओर से अवैध कट को चिन्हित कर उन्हें बंद करने के साथ ट्रैफिक नियमों से जुड़े साइन बोर्ड लगाए गए। लगातार अभियान चलाकर सड़क से अतिक्रमण हटाया गया और यह अभियान जारी भी है। बावजूद लोगों का बार-बार ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने के कारण हादसों पर विराम नहीं लग रहा है।

आईएएस सुबोध सिंह मुख्यमंत्री सचिवालय में बने प्रमुख सचिव

रायपुर, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। सेंट्रल डेपुटेशन से छत्तीसगढ़ लौटे आईएएस सुबोध सिंह को मुख्यमंत्री सचिवालय में प्रमुख सचिव बनाया गया है। राज्य सरकार ने इसका आदेश जारी कर दिया है। सिंह पिछले 5 सालों से डेपुटेशन पर दिल्ली में काम कर रहे थे। नीट परीक्षा विवाद के बाद एनटीए (नेशनल टेस्टिंग एजेंसी) के डीजी पद से हटाए गए थे।

इसके बाद सुबोध सिंह दिल्ली में स्टील मिनिस्ट्री में एडिशनल सेक्रेटरी और वित्तीय सलाहकार के तौर पर इस समय काम कर रहे थे। वे 19 दिसंबर शाम ही रायपुर पहुंच गए थे और मुख्य सचिव से मिलकर ज्वॉइनिंग दे दी थी। केन्द्र सरकार के डिपार्टमेंट ऑफ पर्सनल एंड ट्रेनिंग ने सुबोध सिंह की छत्तीसगढ़ वापसी को लेकर 17 दिसंबर को ही आदेश जारी किया था। सुबोध कुमार सिंह भारतीय प्रशासनिक सेवा के 1997 बैच के अधिकारी हैं और अपने करियर में रायपुर समेत छत्तीसगढ़ के कई जिलों में कलेक्टर के तौर पर कार्य कर चुके हैं। डॉ. रमन सिंह के तीसरे कार्यकाल के दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री सचिवालय में सचिव के रूप में अहम जिम्मेदारी निभाई थी। रमन सरकार के समय सुबोध सिंह उनके करीबी अफसरों में गिने जाते थे। छत्तीसगढ़ में रहते हुए उनकी छवि निर्विवाद अधिकारी के रूप में रही।

अनियंत्रित होकर पलटा ट्रक, 4 की मौत

मृतकों में 3 महिलाएं, 25 घायल बाजार करके लौटते समय हादसा

जगदलपुर, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। जिले में ट्रक पलटने से उसमें सवार 4 ग्रामीणों की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि, मृतकों में 3 महिलाएं और एक पुरूष है। सभी बाजार आए हुए थे। लौटते समय अनियंत्रित होकर ट्रक पलट गया। इस हादसे में कुछ लोग घायल भी हुए हैं, जिन्हें मेडिकल कॉलेज लाया गया है। मामले की पुष्टि एएसपी महेश्वर नाग ने की है। मामला दरभा थाना क्षेत्र का है। बताया जा रहा है कि, ये सारे ग्रामीण चांदामेटा के हैं जो बाजार करने के लिए ट्रक 407 में कोलेंगे आए हुए थे। इसी दौरान टर्निंग प्वाइंट में ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया।

बेमेतरा दौरे पर पहुंचे सीएम विष्णुदेव साय

209 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की दी सौगात

बेमेतरा, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। शनिवार को सीएम विष्णुदेव साय बेमेतरा जिले के नवागढ़ में पहुंचे हुए थे। उन्होंने नवागढ़ में आयोजित संत शिरोमणि गुरु घासीदास की जयंती समारोह व राज्य स्तरीय ओपन पंथी नृत्य कार्यक्रम में शिरकत की। साथ ही 209 करोड़ रुपए से अधिक के विकास कार्य की सौगात दी। उन्होंने विभिन्न पंथी नर्तक दल के शानदार, मनोरम पंथी नृत्य का आनंद लिया व पुरस्कृत कर उत्साहवर्धन किया। उन्होंने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि संत शिरोमणि बाबा गुरु घासीदास के संदेश आज भी प्रासंगिक हैं। उन्होंने मनखे-मनखे एक समान, समरसता का संदेश दिया। हमारी सरकार उनके बताए रास्ते पर चलते हुए सभी वर्ग के विकास के लिए कार्य कर रही है। इसी माह 13 दिसंबर को हमारी सरकार के एक साल पूरा होने के उपलक्ष्य में जनादेश परब मनाया गया। राज्य सरकार ने पीएम नरेन्द्र मोदी की अधिकांश गारंटियों को पूरा किया है। हमारी सरकार बनते ही पहली कैबिनेट की बैठक में 18 लाख आवास की स्वीकृति दी गई। धान

के दो साल के बकाया बोनस की राशि किसानों के खाते में अंतरित की गई। महतारी वंदन योजना के तहत 70 लाख महिलाओं को प्रतिमाह 1000 रूपए की राशि दी जा रही हैं।

इस कार्यक्रम में केंद्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू, विधानसभा अध्यक्ष डॉ.रमन सिंह, नवागढ़ विधायक व प्रदेश के खाद्य मंत्री दयालदास बघेल, टंकराम वर्मा, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष किरण सिंह देव समेत अन्य लोग उपस्थित थे।

इन कार्यों का किया भूमिपूजन व लोकार्पण

सीएम विष्णुदेव साय ने यहां 209 करोड़ 12 लाख 57 हजार रुपए के 74 विभिन्न विकास कार्य का भूमिपूजन व लोकार्पण किया है। इनमें 47 करोड़ 44 लाख 81 हजार रुपए के 24 कार्य का भूमिपूजन व 161 करोड़ 67 लाख 76 हजार रुपए के 49 कार्य का लोकार्पण किया। इनमें पीएम ग्राम सड़क योजना की 5 करोड़ 52 लाख 10 हजार रुपए की चार सड़क, जलसंसाधन के 33 करोड़ 81 लाख 12 हजार रुपए के 12 कार्य, चिकित्सा व स्वास्थ्य के 15 करोड़ 5 लाख 25 हजार रुपए के 3 कार्य का भूमि पूजन समेत अन्य कार्य शामिल है। कार्यक्रम के दौरान नवागढ़ विधानसभा क्षेत्र के लिए कई बड़ी घोषणाएं भी किया है।

ट्रम्प की पार्टी में फंडिंग बिल को लेकर विरोध

23 लाख कर्मचारियों की सैलरी इस पर निर्भर, अब वोटिंग के लिए सीनेट में जाएगा

वॉशिंगटन, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी संसद के निचले सदन हाउस ऑफ रेप्रेसेंटेटिव से शुक्रवार को एक अस्थायी फंडिग बिल पारित हो गया है। इससे आखिरी वक्त में गवर्नमेंट शटडाउन टल गया है। अगर यह शटडाउन लागू हो जाता तो सरकार के पास कर्मचारियों को सैलरी देने के पैसे नहीं बचते। हाउस ऑफ रेप्रेसेंटेटिव में रिपब्लिकन पार्टी का कंट्रोल है, लेकिन आंतरिक मतभेद की वजह से उन्हें शटडाउन से बचने के लिए डेमोक्रेट्स पर निर्भर रहना पड़ा। रिपब्लिकन पार्टी के 170 सांसदों और डेमोक्रेटिक पार्टी के 196 सांसदों ने बिल के पक्ष में वोट दिया। जबकि 34 रिपब्लिकन सांसदों ने इस बिल के खिलाफ वोट दिया। इस तरह 34 के मुकाबले यह बिल 366 वोट से पारित हो गया। अब यह बिल वोटिंग के लिए अमेरिकी संसद के ऊपरी सदन सीनेट में जाएगा। जहां सांसदों के पास बिल पारित करने और संघीय एजेंसियों को चालू रखने के लिए आधी रात तक का वक्त है। अगर यह बिल सीनेट में पास नहीं हो पाता है तो शटडाउन शुरू हो जाएगा। अगर अमेरिका में सरकारी शटडाउन लगता है तो 8.75 लाख कर्मचारियों को छुट्टी दी जा सकती है, जबकि इमरजेंसी सेवा में लगे 14 लाख कर्मचारियों को बिना वेतन के काम करना पड़ सकता है। पिछली बार 2018 में जब 35 दिनों तक शटडाउन रहा था तब 20 लाख से ज्यादा लोग इससे प्रभावित हुए थे। इससे पहले अमेरिका के निचले सदन में गुरुवार रात को शटडाउन रोकने के मकदस से एक बिल लाया गया था। इस बिल को अमेरिका के नव-निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और उनके सहयोगी इलॉन मस्क के समर्थन से रिपब्लिकन पार्टी ने पेश किया था। हालांकि, विपक्षी डेमोक्रेट्स ने विरोध कर इसे गिरा दिया। बिल को पास होने के लिए 435 सांसदों वाले हाउस से दो तिहाई यानी 290 वोटों की जरूरत थी। लेकिन समर्थन में 174 सांसदों ने ही वोट किया। जबकि इसके विरोध में 235 वोट पड़े। बिल का विरोध करने वालों

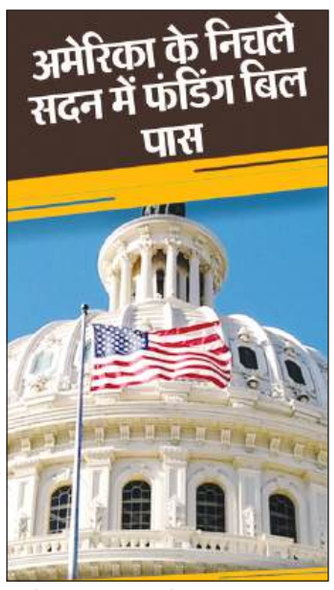

में ट्रम्प की पार्टी के 38 सांसद भी शामिल रहे। इससे पहले हाउस के स्पीकर माइक जॉनसन ने डेमोक्रेटिक पार्टी को साथ लेकर एक बिल तैयार किया था। हालांकि डोनाल्ड ट्रम्प और मस्क ने इस बिल पर कड़ी आपत्ति जताई थी और इसे पेश ही नहीं होने दिया था। अमेरिका में सरकार के कर्ज की एक सीमा तय होती है। वह देश चलाने के लिए उससे ज्यादा उधार नहीं ले सकती है। बीते सालों में सरकार को कैशलेस होने से बचाने के लिए ये सीमा कई बार बढ़ी है। इसके लिए एक बिल अमेरिकी संसद हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव में लाया जाता है। मौजूदा बिल को ट्रम्प की ओर से लाया गया था, ताकि राष्ट्रपति बनने पर वे आसानी से देश चला सकें। इसे ही विपक्ष ने खारिज किया है। इसका सीधा मतलब है कि अमेरिका को खर्च के लिए पैसा नहीं मिलेगा। एक बार बिल खारिज होने के बाद इसे दोबारा पास कराने के लिए आज यानी शुक्रवार तक का आखिरी समय है। इसके बाद भी बिल पास नहीं हुआ तो अमेरिकी सरकार के पास सरकारी खर्च के लिए पैसे नहीं बचेंगे। ऐसी स्थिति में अमेरिका में शटडाउन लग सकता है। अगर ऐसा होता है तो इससे अमेरिका की अर्थव्यवस्था पर खराब असर पड़ेगा और आने वाली ट्रम्प सरकार पर दबाव बढ़ेगा। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका का बजट घाटा बहुत ज्यादा है। इसका मतलब ये हुआ कि सरकार का खर्च उसकी कमाई से कहीं ज्यादा है। इसके चलते उसे अपने कामकाज के लिए कर्ज लेना पड़ता है। हालांकि अमेरिकी सरकार जितना चाहे उतना कर्ज नहीं ले सकती है। इसके लिए एक कर्ज सीमा तय होती है। अमेरिकी सरकार अपने खर्चे का भुगतान इसी सीमा के भीतर कर पाती है। अमेरिका में कर्ज लेने की प्रक्रिया 1939 में शुरू हुई थी। लेकिन तब से अब तक कर्ज लेने की सीमा को 103 बार बढ़ाया जा चुका है। आखिरी बार मई 2023 में अमेरिकी सरकार की कर्ज लेने की सीमा 31.4 ट्रिलियन डॉलर यानी कि 26 लाख हजार करोड़ रुपए तय की गई थी। यह 1 जनवरी 2025 को खत्म हो रहा है। बाइडेन सरकार जो विधेयक ला रही थी, उसमें यह प्रावधान था कि 14 मार्च 2025 तक कर्ज सीमा को यूं ही बरकरार रखा जाए।

भारत को लेकर अमेरिका को ब्लैकमेल कर रहा था पाकिस्तान

नहीं माना तो बनाने लगा वॉशिंगटन किलर मिसाइल, उल्टा पड़ा दांव

इस्लामाबाद, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। जो बाइडन सरकार के अंतिम दिनों में पाकिस्तान और अमेरिका के बीच संबंध तनावपूर्ण हो गए हैं। अमेरिका के उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन फिनर ने खुलासा किया है कि पाकिस्तान अमेरिका किलर परमाणु मिसाइल बनाने में जुटा है। इसका मतलब है कि पाकिस्तान सरकार की कोशिश है कि वह अंतरमहाद्वीपीय मिसाइल बनाए। इसके लिए पाकिस्तान अंतरक्षि कार्यक्रम का झूठ दुनिया को बोल रहा था। अमेरिका ने पाकिस्तान की यह चाल पकड़ ली और इस मिसाइल से जुड़ी कंपनियों पर कड़ा प्रतिबंध लगा दिया। पाकिस्तानी मीडिया के मुताबिक इससे पहले पाकिस्तानी सरकार ने बाइडन प्रशासन को भारतीय मिसाइलों को लेकर ब्लैकमेल करने की कोशिश की थी। अमेरिका ने पाकिस्तान की इस मांग को खारिज कर दिया। माना जा रहा है कि इससे बौखलाया पाकिस्तान अब दबाव को और बढ़ाने के लिए अमेरिका किलर मिसाइलें बनाने में जुट गया

है। पाकिस्तानी अखबार डॉन ने बताया कि पाकिस्तानी अधिकारियों ने अमेरिका से बार-बार मांग की थी कि वह भारत को लंबी दूरी तक मार करने वाली मिसाइलों के निर्माण से रोके। पाकिस्तान ने अमेरिका को आश्वासन दिया था कि उनके मिसाइल कार्यक्रम को खतरे के रूप में नहीं देखा जाए। इसके बदले में पाकिस्तान अमेरिका से चाहता था कि वह भारत को अपनी मिसाइल ताकत बढ़ाने से रोकने की गारंटी दे। अमेरिका पाकिस्तान के इस ब्लैकमेल को खारिज कर दिया था। पाकिस्तानी एक्सपर्ट का कहना है कि इसके बाद पाकिस्तान ने अपने मिसाइल विकास कार्यक्रम को बढ़ाना जारी रखा। पाकिस्तान के पास पहले से ही 2750 किमी तक मार करने वाली शाहीन 3 मिसाइल है जो भारत के किसी भी इलाके को निशाना बना सकती है। इसके बाद भी अब पाकिस्तान अमेरिका तक मार करने वाली मिसाइल को बना रहा है। इसी वजह से अमेरिका के कान खड़े हो गए।

पाकिस्तान में बड़ा आतंकी हमला

खैबर पख्तूनख्वा में 16 पाकिस्तानी सैनिकों की मौत, 8 घायल

इस्लामाबाद, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा के अपर जिले में एक बड़ा हमला हुआ है। मकीन क्षेत्र में महीनों में हुआ यह सबसे बड़ा हमला है। इसमें पाकिस्तान के 16 सैनिकों की मौत हो गई और 8 घायल हो गए। द खोरासान डायरी की रिपोर्ट के मुताबिक एक पुलिस अधिकारी ने कहा, 'लिटा सर क्षेत्र में एक सुरक्षा चौकी पर देर रात हमला हुआ।' पाकिस्तान में अफगानिस्तान से लगती सीमा पर लगातार आतंकी हमले देखे जा रहे हैं। यहां तहरीक ए तालिबान पाकिस्तान के आतंकी आए दिन हमला करते रहते हैं। इससे पहले 5 अक्तूबर को कई आतंकी हमलों में 16 पाकिस्तानी सैनिकों की मौत हो गई थी। खुर्रम जिले में हमले में सात सैनिक मारे गए थे, वहीं दो लोग घायल हुए थे। विश्व स्तर पर नामित आतंकवादी संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान ने कथित तौर पर हिंसा की जिम्मेदारी ली थी। माना जा रहा है कि शनिवार को हुए हमले में भी टीटीपी आतंकियों का हाथ है। टीटीपी का हमला पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच तनाव का कारण है। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक खैबर पख्तूनख्वा में टीटीपी के नेतृत्व वाले तीव्र हमलों और बलूचिस्तान प्रांत में अलगाववादी जातीय बलूच विद्रोहियों के परिणामस्वरूण अकेले इसी साल सैकड़ों सुरक्षाकर्मियों की जान चली गई। हालांकि तालिबान कहता रहा है कि वह अपनी जमीन का इस्तेमाल आतंकी गतिविधियों के लिए नहीं होने दे रहा है।

पाकिस्तान के अशांत उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में मंगलवार को आतंकवादियों ने एक पुलिस जांच चौकी पर ग्रेनेड फेंके, जिससे कम से कम दो पुलिसकर्मी मारे गए और तीन घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी।

जर्मनी के क्रिसमस मार्केट पर हमला

सऊदी डॉक्टर ने तेज रफ्तार कार से लोगों को रौंदा, 2 की मौत, 68 घायल

बर्लिन, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। जर्मनी के मैगडेबर्ग शहर में शुक्रवार को क्रिसमस मार्केट में एक शख्स ने लोगों पर कार चढ़ा दी। घटना में दो की मौत हो गई और 68 लोग घायल हो गए। इस हमले का आरोपी 50 साल का एक सऊदी अरब का डॉक्टर है, जो जर्मनी के पूर्वी राज्य सैक्सोनी-अनहाल्ट में रहता है। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। घायलों को अस्पताल ले जाया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। पुलिस मामले में आगे की जांच कर रही है और लोगों से घटना स्थल से दूर रहने की अपील की है। मैगडेबर्ग के प्रीमियर रीनर हसेलॉफ ने मीडिया से कहा कि हमने हमलावर को गिरफ्तार कर लिया है। वह सऊदी अरब का नागरिक है और 2006 से जर्मनी में रह रहा है। यह हमला देश और शहर के लिए एक आफत है। हसेलॉफ ने आगे कहा- फिलहाल हम जो जानते हैं उसके मुताबिक वह अकेला

हमलावर था, इसलिए हमें नहीं लगता कि अब कोई और खतरा है। हालांकि अभी तक हमलावर के मकसद के बारे में पता नहीं चल सका है। यह शहर बर्लिन से लगभग डेढ़ घंटे की ड्राइव की दूरी पर स्थित है। मैगडेबर्ग में साल में एक बार क्रिसमस मार्केट लगता है और बड़ी संख्या में भीड़ होती है।

हमलावर को 2016 में मिला था शरणार्थी का दर्जा

द गार्जियन के मुताबिक, हमलावर का नाम तालेब है। वह एक मनोचिकित्सक सलाहकार है। तालेब 2006 से जर्मनी में रह रहा था, उसे 2016 में शरणार्थी का दर्जा दिया गया। वह मैगडेबर्ग शहर से करीब 40 किलोमीटर दूर बर्नबर्ग में मेडिकल प्रैक्टिस कर रहा था। उसने हमला करने से पहले एक बीएमडब्ल्यू कार किराए पर ली थी। फिलहाल हमलावर का कट्टरपंथियों से किसी तरह का संबंध नहीं मिला है। जर्मन चांसलर ओलाफ शोल्ज ने इसे लेकर X पर लिखा- मैगडेबर्ग से आई रिपोर्ट्स डर पैदा करती है। मेरी संवेदनाएं पीड़ितों और उनके परिवारों के साथ हैं। हम उनके साथ और मैगडेबर्ग के लोगों के साथ खड़े हैं। डाइ वेल्ट न्यूज के मुताबिक हमलावर की कार में पैसेंजर सीट पर कुछ सामान मिला है। हालांकि अभी तक यह साफ नहीं है कि इसमें कोई विस्फोटक उपकरण था, लेकिन जांच अधिकारी किसी संभावना से इनकार नहीं कर रहे हैं। वहीं मैगडेबर्ग सिटी एडमिनिस्ट्रेशन ने फेसबुक पोस्ट में बताया कि इस हमले में 15 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों का कहना है कि वह इस हमले से सदमे में हैं। वह जर्मन लोगों के दर्द को समझते हैं। वहीं इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने कहा कि हमारे लोकतंत्र में हिंसा के लिए कोई जगह नहीं होना चाहिए।

2016 में ऐसी घटना में गई थी 13 लोगों की जान

यह घटना 19 दिसंबर 2016 को बर्लिन में हुई एक बड़ी आतंकी घटना की याद दिलाती है, जब एक इस्लामिक चरमपंथी ने ट्रक से क्रिसमस बाजार में भीड़ पर हमला किया था। घटना में तब 13 लोगों की मौत हो गई थी और दर्जनों लोग घायल हुए थे। उस हमलावर को कुछ दिनों बाद इटली में पुलिस एनकाउंटर में मार दिया गया था।

म्यांमार में जुंटा सेना को बड़ा झटका

अराकान आर्मी ने मिलिट्री कमांड पर किया कब्जा रोहिंग्या मुस्लिमों का रखाइन हाथ से निकला

नेपीडॉ, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। म्यांमार में सैन्य शासन वाली जुंटा सेना को बड़ा झटका लगा है। देश के विद्रोही समूह अराकान आर्मी ने रखाइन राज्य में एक क्षेत्रीय सैन्य कमान पर कब्जा कर लिया है। अराकान आर्मी ने अपने टेलीग्राम चैनल पर एक बयान में कहा कि कई हफ्तों की लड़ाई के बाद शुक्रवार को एक कमान 'ऐन' पर पूरी तरह से कब्जा कर लिया है। बीते पांच में महीने जातीय विद्रोहियों के कब्जे में जाने वाली यह दूसरी क्षेत्रीय कमान होगी। इसे म्यांमार की सेना के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। म्यांमार की सेना के पास देश में 14 क्षेत्रीय कमांड हैं, जिनमें से कई वर्तमान में जातीय विद्रोही समूहों या पीपुल्स डिफेंस फोर्सेज से लड़ रहे हैं। म्यांमार की सेना ने साल 2021 में चुनी हुई सरकार का तख्तापलट करते हुए सत्ता पर कब्जा कर लिया था, जिसके खिलाफ जातीय समूहों ने लड़ाई छेड़ रखी है। इनमें एक समूह अराकान आर्मी है, जिसने रखाइन प्रांत में जुंटा सेना को बड़ी क्षति पहुंचाई है। रखाइन प्रांत में रोहिंग्या मुसलमानों के खिलाफ हिंसा को लेकर चर्चा में रहा है। पिछले साल नवम्बर में अराकान आर्मी ने सुरक्षा बलों पर हमला शुरू किया था, जिसके बाद से रखाइन राज्य में जबर्दस्त लड़ाई चल रही है। अराकान आर्मी के लड़ाकों ने रखाइन राज्य के बड़े हिस्से पर कब्जा कर लिया है। चीन और भारत के समर्थन से बंदरगाह परियोजनाएं चल रही हैं। राज्य की राजधानी सित्तवे पूरी तरह से कट गई है। एएफपी ने बताया है कि अराकान आर्मी ने पश्चिमी कमांड ऐन के डिप्टी रीजनल कमांडर को पकड़े जाने का दावा किया है।

संयुक्त राष्ट्र ने मनाया विश्व ध्यान दिवस

आध्यात्मिक गुरु ने कहा- यह सभी धर्मों और समय से परे

न्यूयार्क, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के नेताओं ने आज 21 दिसंबर को न्यूयॉर्क में विश्व ध्यान दिवस मनाया। इस खास मौके पर उन्होंने ध्यान को सभी धर्मों और सीमाओं से परे बताया। उनका कहना है कि मौजूदा समय में जारी संघर्षों और अविश्वास में यह (ध्यान) कूटनीति का एक शक्तिशाली साधन है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन ने शुक्रवार को पहले विश्व ध्यान दिवस के मौके पर एक विशेष कार्यक्रम वैश्विक शांति और सद्भाव के लिए ध्यान का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में संयुक्त राष्ट्र के राजदूतों, अधिकारियों, कर्मचारियों, नागरिक समाज के सदस्यों के साथ-साथ भारतीय-अमेरिकी प्रवासी भी शामिल हुए।

आध्यात्मिक नेता गुरुदेव श्री रविशंकर ने इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, आजकल ध्यान कोई लक्जरी नहीं है बल्कि एक आवश्यकता है। ध्यान एक ऐसी चीज है, जिसे आप कहीं भी

लगा सकते हैं। अंतरराष्ट्रीय ध्यान दिवस बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि कई लोग जैसे ही ध्यान शब्द सुनते हैं, उन्हें लगता है कि यह अभ्यास या तो किसी धर्म से है या उनके धर्म ने इसे नहीं सिखाया। आध्यात्मिक नेता गुरुदेव श्री रविशंकर ने इस बात पर जोर दिया कि ध्यान सभी धर्मों और सभी भौगोलिक सीमाओं से परे है, इसलिए यह कई मायनों में बहुत उपयोगी है। यूएन महासभा के अध्यक्ष फिलेमोन यांग ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने कहा, ध्यान सभी सीमाओं, परंपराओं और समय से परे है। आज दुनिया में सभी को शांति चाहिए। दुनिया में तनाव के कारण यह जरूरी हो गया है कि हम शांति और शांति लाने वाली हर चीज को अपनाएं। आइए हम सभी के लिए एक सुरक्षित, अधिक न्यायसंगत भविष्य लाने के लिए अपने द्वारा साझा किए गए इस अभ्यास को आगे बढ़ाएं। इस महीने की शुरुआत में 193 सदस्यीय संयुक्त राष्ट्र महासभा ने सर्वसम्मति से 21 दिसंबर को विश्व ध्यान दिवस मनाने की घोषणा की। ऑपरेशनल सपोर्ट के अवर महासचिव अतुल खरे ने कहा कि नागरिक और कर्मचारी दुनिया की सबसे गंभीर चुनौतियों पर उच्च दबाव के साथ काम करते हैं। वे अपने परिवार और घर से दूर होते हैं। इससे उनके मानसिक स्वास्थ्य पर असर पड़ सकता है। हमारे कर्मियों को हिंसा के खिलाफ नागरिकों की रक्षा करने का काम सौंपा जाता है। इस कार्यक्रम में श्री श्री रविशंकर के नेतृत्व में एक विशेष ध्यान सत्र भी शामिल किया गया था।

ट्रूडो के खिलाफ लाया जाएगा अविश्वास प्रस्ताव

4 महीने से अल्पमत में सरकार चला रहे, खालिस्तानी नेता ने कहा- अब उनका वक्त खत्म हुआ

ओटावा, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो नए साल की शुरुआत में सत्ता गंवा सकते हैं। न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता जगमीत सिंह ने पीएम ट्रूडो के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने का फैसला किया है। जगमीत सिंह ने शुक्रवार को कहा कि वह अगले महीने अल्पमत वाली लिबरल सरकार को गिराने के लिए कदम उठाएंगे ताकि देश में फिर से चुनाव हो सकें। हालांकि गठबंधन से हटने के बाद भी जगमीत से बीते 4 महीने से ट्रूडो सरकार को पद पर बनाए रखने में मदद कर रहे थे। अगर विपक्षी पार्टियां एनडीपी के प्रस्ताव का समर्थन करते हैं, तो ट्रूडो की सरकार का गिरना तय है। ट्रूडो 9 साल से कनाडा के प्रधानमंत्री हैं। संसद में ट्रूडो की पार्टी के पास 153 सीटें हैं। सत्ता में बने रहने के लिए पार्टी को 17 सीटें और चाहिए। अब तक 25 सीटों वाली एनडीपी उसका समर्थन कर रही थी। विपक्षी कंजरवेटिव पार्टी के पास 120 सीटें हैं। कनाडा के हाउस में कॉमन्स में 338 सीटें है। देश में हुए कई सर्वे के मुताबिक कनाडा में अगर चुनाव होते हैं तो कंजरवेटिव पार्टी को बहुमत मिल सकता है, क्योंकि जनता बढ़ती महंगाई से परेशान है। रिपोर्ट के मुताबिक जगमीत सिंह का अविश्वास प्रस्ताव लाना उनकी पार्टी के लिए भी जोखिम भरा हो सकता है क्योंकि सर्वे में एनडीपी भी काफी अंतर से पिछड़ रही है। बहुमत के लिए ट्रूडो की पार्टी को अब क्यूबेक पार्टी का साथ चाहिए होगा। हालांकि क्यूबेक पार्टी ने विपक्षी पार्टी का साथ देने का वायदा किया है। कंजर्वेटिव पार्टी के नेता पियरे पोइलिएवर ने प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि वे जबरदस्ती सरकार गिराने की कोशिश नहीं कर रहे हैं, अब ये जाहिर हो चुका है कि ट्रूडो संसद का विश्वास खो चुके हैं।

रूस के कजान में 9/11 जैसा अटैक

यूक्रेन ने 8 ड्रोन दागे, 6 रिहायशी इमारतों को निशाना बनाया, कजान एयरपोर्ट पर सभी उड़ानें रोकी गईं

मॉस्को, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। रूस के कजान शहर में शनिवार सुबह अमेरिका के 9/11 जैसा हमला हुआ। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक, यूक्रेन ने कजान पर 8 ड्रोन अटैक किए। इनमें से 6 अटैक रिहायशी इमारतों पर हुए। कजान शहर रूस की राजधानी मॉस्को से 720 किलोमीटर दूर है। अभी तक हमले में किसी के मारे जाने की खबर नहीं है। सोशल मीडिया पर हमले के कई वीडियो वायरल हो रहे हैं, जिनमें कई ड्रोन इमारतों से टकराते नजर आ रहे हैं। इन हमलों के बाद कजान समेत रूस के दो एयरपोर्ट्स को बंद कर दिया गया है। अमेरिका में 2001 में आतंकियों ने वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर इसी तरह से 4 प्लेन हाईजैक कर हमला किया था। इनमें से 3 प्लेन एक-एक कर अमेरिका की 3 अहम इमारतों में क्रैश कराए गए। पहला क्रैश 8 बजकर 45 मिनट पर हुआ। बोइंग 767 तेज रफ्तार से वर्ल्ड ट्रेड सेंटर के नॉर्थ टॉवर से जा टकराया। 18

मिनट बाद एक दूसरा बोइंग 767 बिल्डिंग के साउथ टॉवर से जा टकराया था। इन हमलों में लगभग 3000 लोग मारे गए थे।

इससे पहले शुक्रवार को यूक्रेन ने रूस के कुर्स्क बॉर्डर पर अमेरिकी मिसाइलें दागीं थीं। इसमें 6 लोग मारे गए थे। इसके तुरंत बाद रूस ने यूक्रेन की राजधानी कीव पर हमला किया, जिसमें एक की मौत हुई। यूरोपियन यूनियन की चीफ उर्सुला वॉन डेर लेयन के मुताबिक रूस ने कीव में जिस इमारत को निशाना बनाया था, वहां से कई देशों के डिप्लोमेटिक मिशन ऑपरेट होते थे। जर्मनी के चांसलर ओलाफ शोल्ज ने कहा है कि वे जंग खत्म करने पर पुतिन से बात करेंगे।

रूस पर 4 महीने पहले भी 9/11 जैसा हमला हुआ था। यूक्रेन ने रूस के सारातोव शहर में 38 मंजिला रिहायशी इमारत वोल्गा स्काई को निशाना बनाया था। इस शहर में रूस का स्ट्रैटजिक बॉम्बर मिलिट्री बेस भी है। हमले में 4 लोग घायल हुए थे। जिसके बाद रूस ने पलटवार करते हुए यूक्रेन पर 100 मिसाइल और 100 ड्रोन दागे थे। इनमें 6 लोगों की मौत हुई थी और 150 से ज्यादा घायल हुए थे। 4 दिन पहले ही रूस के न्यूक्लियर चीफ इगोर किरिलोव की मॉस्को में हुए एक ब्लास्ट में मौत हो गई थी। हमले के वक्त किरिलोव अपार्टमेंट से बाहर निकल रहे थे, उसी वक्त नजदीक खड़े स्कूटर में ब्लास्ट हो गया। इसमें किरिलोव के साथ-साथ उनका अस्टिटेंट भी मारा गया था।

बांग्लादेश में फिर से पैर जमाना चाहती है आईएसआई

पाकिस्तान से करीबी बढ़ा रहे मोहम्मद यूनुस, भारत के लिए बड़ा खतरा

इस्लामाबाद, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश में शेख हसीना की सत्ता जाने के बाद पाकिस्तान को फायदा दिख रहा है। पाकिस्तान एक बार फिर बांग्लादेश से अपने संबंधों को सुधारने की कोशिश में लगा है। ठीक उसी तरह जब बांग्लादेश में नेशनलिस्ट पार्टी और जमात-ए-इस्लामी सत्ता में थी। इस बार पाकिस्तान का ध्यान मुख्य रूप से व्यापार, संस्कृति और खेल पर है। लेकिन पाकिस्तान की जासूसी एजेंसी ISI का नेटवर्क एक बार फिर बांग्लादेश में सक्रिय हो सकता है। यह भारत के लिए चिंता की बात है। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने गुरुवार को काहिरा में आयोजित डी-8 शिखर सम्मेलन के दौरान पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से मुलाकात की। दोनों ने व्यापार और सांस्कृतिक तथा खेल प्रतिनिधिमंडलों के आदान-प्रदान के जरिए संबंधों को फिर से मजबूत करने पर सहमति जताई। यूनुस और शरीफ ने सार्क को पुनर्जीवित करने की संभावना पर भी चर्चा की, लेकिन यह कदम आगे बढ़ने की संभावना कम है, क्योंकि भारत को इस विचार में खास रुचि नहीं है।

शेख हसीना जब बांग्लादेश की पीएम थीं तब पाकिस्तान के प्रधानमंत्री से कभी-कभी बातचीत होती थी। लेकिन कोई व्यक्तिगत मुलाकात नहीं हुई। बांग्लादेश ने भविष्य की पीढ़ियों के लिए पाकिस्तान से 1971 के मुद्दों को 'हमेशा के लिए' सुलझाने को कहा है ताकि ढाका को इस्लामाबाद के साथ अपने संबंधों को आगे बढ़ाने में मदद मिल सके। बांग्लादेश की सरकारी समाचार एजेंसी बांग्लादेश संघबाद संगठन (बीएसएस) ने यह जानकारी दी।

यूनुस ने शरीफ से 1971 के मुद्दों को सुलझाने का आग्रह किया ताकि ढाका को इस्लामाबाद के साथ अपने संबंधों को आगे बढ़ाने में मदद मिल सके। यूनुस ने कहा, 'ये मुद्दे बार-बार आते रहे हैं। आइए हम उन मुद्दों को सुलझा लें ताकि हम आगे बढ़ सकें।' शरीफ ने कहा कि बांग्लादेश, पाकिस्तान और भारत के बीच 1974 के त्रिपक्षीय समझौते से मामले सुलझ गए हैं, लेकिन अगर कोई अन्य लंबित मुद्दे हैं तो उन्हें उन पर विचार करने में खुशी होगी। यूनुस ने कहा कि यह अच्छा होगा कि 'भविष्य की पीढ़ियों के लिए एक बार में हमेशा के लिए' इन चीजों को सुलझा लिया जाए। सूत्रों के अनुसार, शेख हसीना के सत्ता से हटते ही पाकिस्तान ने बांग्लादेश से संबंध सुधारने की कोशिशें तेज कर दी हैं, जिससे आईएसआई का नेटवर्क फिर से सक्रिय हो गया है। यह नेटवर्क भारत के पूर्वोत्तर राज्यों और पश्चिम बंगाल की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकता है। 1991-96 और 2001-06 के बीच, जब बांग्लादेश में बीएनपी-जमात सत्ता में थी, तब आईएसआई ने भारत विरोधी गतिविधियों को बढ़ावा दिया, जिसमें पूर्वोत्तर विद्रोही समूहों और लश्कर-ए-तैयबा जैसे आतंकी संगठनों को समर्थन और धन मुहैया कराया गया।

बांग्लादेश में 2 दिन में 3 हिंदू मंदिर पर हमला

कई मूर्तियां खंडित, बांग्लादेश में इस साल अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा के 2200 मामले

ढाका, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश में पिछले कुछ वक्त से हिंदुओं के खिलाफ हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही है। बीते दो दिन शुक्रवार और गुरुवार को भी बांग्लादेश में तीन मंदिरों को निशाना बनाया गया। हमलावरों ने इन मंदिरों पर हमला कर कई मूर्तियों को खंडित कर दिया। बांग्लादेश के मैमनसिंह जिले में हलुआघाट पुलिस ने बताया कि हमलावरों ने शुक्रवार सुबह शाकुई संघ में बोंडेरपारा मंदिरों पर हमला कर दो मूर्तियों को खंडित कर दिया। इस घटना में अभी तक कोई मामला दर्ज नहीं किया गया है और न ही किसी की गिरफ्तारी हुई है।

वहीं गुरुवार सुबह हलुआघाट में ही पोलाशकंडा काली मंदिर में पर हमला कर मूर्ति को खंडित कर दिया गया। पुलिस ने इस मामले में 27 साल के एक संदिग्ध को गिरफ्तार किया है। बता दें कि भारत सरकार के अनुसार इस साल 8 दिसंबर तक बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा के 2200 से ज्यादा मामले रिपोर्ट किए गए हैं। इससे पहले बीरगंज में मंगलवार को झारबारी शासन काली मंदिर में 5 मूर्तियों को खंडित किया गया था। इस घटना पर मंदिर समिति के अध्यक्ष जनार्दन रॉय ने कहा था कि हमने पहले कभी ऐसी कोई घटना नहीं देखी थी।

बांग्लादेश में इस साल तक हिंदुओं के खिलाफ 2200 हमले

भारतीय राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने लोकसभा में एक लिखित सवाल के जवाब में बताया कि इस साल 8 दिसंबर तक बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा के 2,200 मामले सामने आए। उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने इन मामलों को बांग्लादेश सरकार के सामने उठाया है। कीर्ति वर्धन सिंह ने कहा कि ढाका में भारतीय हाई कमीशन हालात पर नजर रखे हुए है। उन्होंने कहा- भारत को उम्मीद है कि बांग्लादेश सरकार हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिए सभी जरूरी कदम उठाएगी। 9 दिसंबर, 2024 को विदेश सचिव विक्रम मिस्री की बांग्लादेश यात्रा के दौरान भी यही बात दोहराई गई है। उन्होंने यह भी बताया कि पाकिस्तान में इस साल अक्टूबर तक हिंदुओं के खिलाफ हिंसा के 112 मामले रिपोर्ट किए गए हैं। बांग्लादेश में 5 अगस्त 2024 को शेख हसीना सरकार गिरने के बाद से भारत विरोधी भावनाओं को बल मिला है। इसके अलावा अल्पसंख्यकों से जुड़े धार्मिक स्थलों को लगातार निशाना बनाया जा रहा है। हिंदू नेताओं को धमकियां मिल रही हैं। इस्कॉन से जुड़े धर्मगुरु चिन्मय कृष्ण दास देशद्रोह के आरोप में 25 नवंबर से पुलिस हिरासत में हैं।

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस को फासीवादी बता चुकी हैं। उन्होंने 15 दिसंबर को बांग्लादेश विजय दिवस से एक दिन पहले जारी बयान में कहा था कि मोहम्मद यूनुस एक फासीवादी सरकार का नेतृत्व कर रहे हैं।

वसुंधरा राजे को मिलेगी बड़ी जिम्मेदारी ?

पीएम मोदी से हुई मुलाकात; बीजेपी प्रभारी के पोस्ट से बढ़ी सियासी हलचल

जयपुर, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस सियासी मुलाकात के बाद राजनीतिक हलचल बढ़ गई है। प्रदेश भाजपा प्रभारी राधामोहन दास अग्रवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर मुलाकात की तस्वीर को रिपोस्ट करते हुए बधाई दी है। ऐसे माना जा रहा है कि वसुंधरा राजे को दिल्ली से कोई बड़ा पद मिल सकता है। चूंकि पिछले कई दिनों से राष्ट्रीय अध्यक्ष के तौर पर राजे का नाम चल रहा है।

राजस्थान भाजपा प्रभारी राधामोहन दास अग्रवाल ने वसुंधरा राजे और पीएम मोदी की मुलाकात की तस्वीर को शेयर करते हुए लिखा कि- 'बहुत ढेर सारी शुभकामनाएं एवं बधाइयां।'

मोदी-राजे की मुलाकात

सूत्रों के मुताबिक, प्रधानमंत्री

नरेंद्र मोदी और वसुंधरा राजे ने पार्टियामेंट में मुलाकात की। दोनों की बीच करीब 20-25 मिनट तक बातचीत हुई। पीएम मोदी ने राजे से राजस्थान के बारे में फीडबैक लिया। राजे ने भजनलाल सरकार के कामों को लेकर अपनी बात रखी। इसके अलावा राजे ने संगठन को लेकर भी अपनी राय पीएम मोदी के सामने रखी।

राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि उन्होंने बारां-झालावाड़ में विकास कार्यों को लेकर सरकार की बेरूखी को लेकर शिकायत की। साथ ही कहा कि मुख्यमंत्री मिलते है तो मान-सम्मान देते है लेकिन काम नहीं होते। उनकी कोई पद में रूचि नहीं है, बस केवल सरकार प्रदेश के लिए अच्छा काम करे, जिससे हम 2028 में फिर से रिपीट कर सकें। पीएम मोदी ने राजे को विकास कार्य करने का भरोसा दिलाया। साथ ही पार्टी के साथ काम करने की सलाह दी।

पीएम मोदी ने की थी राजे की तारीफ

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भजनलाल सरकार की पहली वर्षगांठ के कार्यक्रम के दौरान मंच से भाषण में वसुंधरा की तरीफ की थी। उन्होंने कहा था कि भैरों सिंह शेखावत ने राजस्थान में विकास की सशक्त नींव रखी। उसके बाद वसुंधरा राजे ने कमाल संभाली और सुशासन की विरासत को आगे बढ़ाया। साथ ही यह भी कहा कि राजे की धरोहर को भजनलाल की सरकार और समृद्ध करने में जुटी है।

यूथ कांग्रेस ने किया प्रदर्शन, पुलिस और कार्यकर्ताओं में झड़प, लाठीचार्ज और गिरफ्तारी

जयपुर, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान यूथ कांग्रेस ने आज डॉ. भीमराव अंबेडकर पर की गई टिप्पणी के विरोध स्वरूप मुख्यमंत्री निवास का घेराव करने के उद्देश्य से बड़ा प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी कार्यकर्ताओं ने शहीद स्मारक से मुख्यमंत्री निवास की ओर कूच किया लेकिन पहले से तैयार पुलिस ने बैरिकेड्स लगाकर उन्हें रोक दिया।

यूथ कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष और विधायक अभिमन्यु पूनिया के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पुलिस द्वारा लगाए गए बैरिकेड्स को पार करने का प्रयास किया। जैसे ही पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की तो प्रदर्शनकारियों ने इसका विरोध किया। इसके बाद स्थिति तनावपूर्ण हो गई और प्रदर्शनकारियों ने जबरन सुरक्षा घेरा तोड़ने का प्रयास किया।

स्थिति बिगड़ती देख पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए वॉटर कैनन का इस्तेमाल किया। पानी की तेज धार के बावजूद कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पीछे हटने से इंकार कर दिया और पुलिस के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। प्रदर्शनकारियों ने जवाब में पुलिस पर कुर्सियां फेंकीं, जिससे माहौल और गरमा गया।

हालात काबू से बाहर होते देख पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया, जिसमें कई कांग्रेस कार्यकर्ता घायल हो गए, जिन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया। इसके बावजूद प्रदर्शनकारी डटे रहे और गिरफ्तारी देने का निर्णय लिया। पुलिस ने गिरफ्तार कार्यकर्ताओं को शहर के दूरस्थ थानों में ले जाकर छोड़ा।

यूथ कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष अभिमन्यु पूनिया ने इस घटना की कड़ी निंदा की है।

उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन किया जा रहा है और सरकार जनता की आवाज दबाने का प्रयास कर रही है। पूनिया ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगें नहीं मानी गईं तो प्रदेशभर में बड़े स्तर पर आंदोलन किया जाएगा।

पुलिस ने अपनी कार्रवाई का बचाव करते हुए कहा कि यह कदम कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए उठाया गया था। एक अधिकारी ने बताया कि प्रदर्शनकारियों ने कानून हाथ में लेने की कोशिश की, जिसके चलते मजबूरी में वॉटर कैनन और लाठीचार्ज का सहारा लेना पड़ा। बहरहाल स्थिति नियंत्रण में है, लेकिन इस घटना के बाद राजनीतिक माहौल गरमा गया है। कांग्रेस और सरकार के बीच टकराव के चलते आगामी दिनों में और भी प्रदर्शन देखने को मिल सकते हैं।

जयपुर अग्निकांड के बाद सरकार का एक्शन

ब्लैक स्पॉट्स को ठीक करने के लिए चलेगा विशेष अभियान

जयपुर, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में सड़क के खतरनाक मोड यानी ब्लैक स्पॉट्स को ठीक करने के लिए अब विशेष अभियान चलाया जाएगा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश में सड़क दुर्घटनाओं मे कमी लाने के लिए विशेष अभियान चलाकर ब्लैक स्पॉट्स को ठीक करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि सड़कों के दुर्घटना संभावित स्थानों को चिन्हित कर इनका शीघ्र सुधार किया जाए ताकि वाहन दुर्घटनाओं से होने वाले जान-माल के नुकसान को रोका जा सके।

मुख्यमंत्री ने सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि अभियान के दौरान कार्यों की गुणवत्ता का पूरा ध्यान रखा जाए और कामों को निर्धारित अवधि में पूरा करवाया जाए। उन्होंने बताया कि प्रदेश में लगभग 2350 करोड़ की लागत से ब्लैक स्पॉट्स को सुधारने का काम किया जा रहा है ताकि दुर्घटनाओं को कम किया जा सके।

उन्होंने निर्देश दिए हैं कि सड़क निर्माण और मरम्मत के कार्यों में निर्धारित मानकों का पालन नहीं करने वालों के खिलाफ कठोर कार्यवाही की जाए।

गौरतलब है कि प्रदेश में एनएचएआई द्वारा 40 ब्लैक स्पॉट चिन्हित कर 812.64 करोड़ रुपए की लागत से इन्हें सुधारने का कार्य किया जा रहा है, जिनमें से 13 का काम पूरा हो चुका है तथा शेष का प्रक्रियाधीन है। इसी प्रकार, प्रदेश में एनएचएआई 821.51 करोड़ की लागत से 37 अन्य चिन्हित ब्लैक स्पॉट को सुधारने के कार्य भी शीघ्र शुरू करने जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि प्रदेश में एनएच द्वारा सार्वजनिक निर्माण विभाग के साथ लगभग 650 करोड़ की लागत से 176 ब्लैक स्पॉटस को सुधारने का काम किया जा रहा है।

इसी प्रकार सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा चिह्नित 117 ब्लैक स्पॉटस को 31 मार्च 2025 तक ठीक कर दिया जाएगा।

राजस्थान राज्य राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा भी चिन्हित 30 ब्लैक स्पॉट के सुधार के कार्य 21.72 करोड़ रुपए की लागत से करवाए जा रहे हैं, जो आगामी जनवरी तक पूरे हो जाएंगे। इसके अतिरिक्त 4 सड़कों पर 20.34 करोड़ रुपए की लागत से सड़क सुरक्षा की दृष्टि से सुधार कार्य करवाए जा रहे हैं।

बीकानेर के सूफी और भजन गायक रफीक सागर का निधन, संगीत प्रेमी दुखी

बीकानेर, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। अभी संगीत प्रेमी तबला वादक जाकिर हुसैन की मृत्यु का दर्द भूल ही नहीं पाए थे कि शनिवार सुबह एक खबर ने सभी को दुखी कर दिया। सूफी और भजन गायक रफीक सागर (72 वर्ष) का शनिवार को निधन हो गया। बताया जा रहा है कि हार्ट अटैक होने से उनकी मृत्यु हुई है। रफीक सागर ने बॉलीवुड और भोजपुरी की कई फिल्मों में संगीत दिया था। वह एक बेहतरीन किस्म के प्लेबैक सिंगर थे। रफीक सागर के भजन 'सपने में सखी देखो नंद गोपाल' ने बीकानेर सहित पूरे देश के संगीत प्रेमियों के दिल में जगह बनाई। रफीक सागर के सूफी और भक्ति संगीत लोगों के बीच काफी लोकप्रिय है। बताया जाता है कि रफीक गजल के मशहूर गायक मेंहदी हसन को अपना उस्ताद मानते थे। रफीक सागर 50 वर्ष से संगीत की दुनिया में काम कर रहे थे।

रफीक सागर का जन्म बीकानेर के शीतला गेट स्थित मोहल्ला दमामियांन में हुआ था। उनके पिता मरहूम अल्लाह रखे खां एक मशहूर गायक थे। उनकी मां का नाम मेहरा बेगम था। रफीक सागर ने अपने पिता से संगीत सीखा। जहां लोग रफीक सागर के गजल, गीतों के मुरीद थे वहीं उनके भजन सभी को हरदिलअजीज हैं।

रफीक सागर का निधन संगीत जगत की बड़ी क्षति

रफीक सागर के पुत्र राजा हसन संगीत की दुनिया का एक जाना-माना नाम हैं।

दौसा में पूर्व विधायक ओमप्रकाश हुडला पर पॉक्सो एक्ट में मामला दर्ज

दौसा, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। दौसा जिले में महवा के पूर्व विधायक ओमप्रकाश हुडला पर पॉक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज हुआ है। यह मुकदमा एक सरपंच द्वारा दर्ज करवाया गया है। बताया जा रहा है कि मामला नाबालिक बेटियों की पहचान उजागर करने का था।

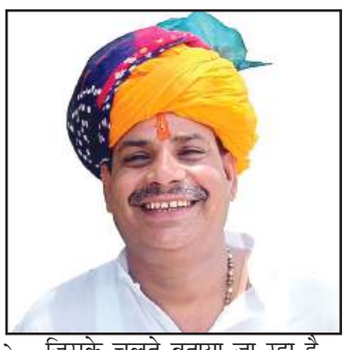

बताते चलें, मामला बालाहेड़ी थाने पर 14 दिसंबर को दर्ज हुआ था। इसमें एक पिता ने अपनी पुत्री सहित पांच अन्य नाबालिग लड़कियों से छेड़छाड़ करने की रिपोर्ट दी थी। यह रिपोर्ट एक शिक्षक के खिलाफ थी, जिसके चलते बताया जा रहा है कि पूर्व विधायक ओमप्रकाश हुडला उक्त मामले को सोशल मीडिया पर वायरल किए थे।

बालाहेड़ी थानाधिकारी हनुमान सहाय ने बताया कि नाबालिग लड़कियों से छेड़छाड़ की रिपोर्ट बालाहेड़ी थाने पर दर्ज हुई थी। इसे पूर्व विधायक ने सार्वजनिक करते हुए उन नाबालिग छात्रों की पहचान तक उजागर करते हुए सोशल मीडिया पर उस रिपोर्ट को वायरल कर दिया था। उधर, इसी मामले में जिसके चलते अब गगवाना के सरपंच अशोक मीणा ने पूर्व विधायक ओमप्रकाश हुडला के खिलाफ बालाहेड़ी थाने पर नाबालिग लड़कियों की पहचान उजागर करने का मामला दर्ज करवाया है, जिसे बालाहेड़ी थाने ने गंभीरता से लेते हुए पॉक्सो एक्ट में मामला दर्जकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

पैसेंजर-बस से ले जा रहे थे 1.5 करोड़ के हीरे

मुंबई से चुराए, गुजरात भागने की फिराक में थे 3 आरोपी

बांसवाड़ा, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। मुंबई से डेढ़ करोड़ के डायमंड चुराकर 3 बदमाश बांसवाड़ा के रास्ते गुजरात भागने की फिराक में थे। राजस्थान-गुजरात बॉर्डर पर बांसवाड़ा के गढ़ी थाना इलाके में पुलिस ने नाकाबंदी की थी। इस दौरान तीनों आरोपियों को हीरों के साथ गिरफ्तार कर लिया गया। सीआई रोहित कुमार सिंह ने बताया- बांसवाड़ा पुलिस के एक हेड कॉन्स्टेबल महिपाल सिंह ने शुक्रवार रात सूचना दी थी कि 3 व्यक्ति बस में सवार होकर गढ़ी इलाके से गुजरने वाले हैं। उनके पास डायमंड हैं। तीनों आरोपी मुंबई से ये हीरे चुराकर लाए हैं। सूचना मिलते ही राजस्थान-गुजरात बॉर्डर पर गढ़ी थाना इलाके में नाकाबंदी कर दी। इस दौरान बांसवाड़ा से हिम्मतनगर (गुजरात) जाने वाली चामुंडा ट्रेवल्स की बस को पुलिस ने नाकाबंदी पर रोका। बस की तलाशी ली गई। बस में सवार तीनों संदिग्धों को नीचे उतारकर पूछताछ की। आरोपियों ने अपने नाम दीपक परमार (29) पुत्र मगन निवासी ईडर (गुजरात), नवदीप (27) पुत्र नरसी निवासी कृष्णनगर (गुजरात), सचिन (39) पुत्र जसवंत निवासी ईडर (गुजरात) बताए। तीनों के पास से कपड़े की एक पोटली में 220.35 कैरेट के हीरे बरामद हुए। साथ ही तीनों से कुल 77 हजार 370 रुपए कैश मिले। हीरों की बाजार कीमत डेढ़ करोड़ रुपए है। हीरे और कैश के बारे में पुलिस ने दस्तावेज मांगे तो उनके पास कोई कागज नहीं थे।

जयपुर अग्निकांड पर सचिन पायलट ने उठाए सवाल

जयपुर, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। राजधानी जयपुर के अजमेर रोड पर हुए भीषण एलपीजी टैंकर ब्लास्ट हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर 14 हो गई है। शनिवार को दो और लोगों ने दम तोड़ दिया। इस हादसे में झुलसे 31 घायलों का इलाज जयपुर के SMS और जयपुरिया अस्पताल में चल रहा है, जिनमें से 27 लोग 80 फीसदी से ज्यादा झुलसे हुए हैं। डॉक्टरों के अनुसार, कई की हालत अब भी गंभीर बनी हुई है।

बता दें, एसएमएस अस्पताल प्रशासन के मुताबिक पहुंचाए गए 5 शव इतने बुरी तरह जल चुके हैं कि उनकी पहचान अब तक नहीं हो सकी है। शवों की शिनाख्त के लिए डीएनए टेस्ट की तैयारी की जा रही है। उसके बाद ही शव परिजनों को सौंपे जाएंगे।

कैसे हुआ जयपुर अग्निकांड?

आपको बता दें, यह भयावह घटना अजमेर रोड स्थित दिल्ली पब्लिक स्कूल के पास हुई। भारत पेट्रोलियम का एलपीजी टैंकर अजमेर से जयपुर की तरफ आ रहा था और यू-टर्न लेते समय जयपुर से अजमेर की ओर जा रहे ट्रक से भिड़ गया। टक्कर के बाद टैंकर में आग लग गई, जिसने कुछ ही पलों में 40 से अधिक वाहनों को अपनी चपेट में ले लिया। इनमें 29 ट्रक, 2 यात्री बसें, 2 गैस टैंकर, 3 कारें, 3 मोटरसाइकिल और 2 पिकअप वाहन शामिल थे। बताते चलें कि शनिवार सुबह राजस्थान के पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट ने SMS अस्पताल पहुंचकर घायलों का हालचाल लिया। उन्होंने डॉक्टरों से इलाज की जानकारी ली और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की। मीडिया से बातचीत में सचिन पायलट ने कहा कि यह एक बेहद दुखद घटना है। कुछ लोग अब भी गंभीर स्थिति में हैं। उन्हें सर्वोत्तम चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। हादसे के पीछे के कारणों की जांच की जानी चाहिए।

उन्होंने आगे कहा कि जैसे-जैसे जनसंख्या बढ़ रही है, परिवहन के साधन भी बढ़ रहे हैं। लेकिन इसके साथ ही दुर्घटनाओं की संख्या भी बढ़ रही है। सरकार

पहले आंखों में डाली मिर्ची, फिर लाठी से किया वार, व्यापारी से लाखों की लूट

बाड़मेर, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। बाड़मेर शहर के भीतरी क्षेत्र सुभाष चौक से निजी अस्पताल के बीच मार्ग पर देर रात कार में आए बदमाशों ने बाइक पर घर लौट रहे व्यापारी की आंखों में मिर्ची डालने के बाद लाठी से वार कर 25 लाख से अधिक रुपए की लूट की वारदात को अंजाम दिया है। हालांकि बाद में यह राशि पांच लाख ही बताई गई। सूचना मिलते ही एसपी मौके पर पहुंचे और जानकारी जुटाई है। पुलिस के मुताबिक बाड़मेर शहर निवासी अशोक मालू पुत्र पारसमल अपने भाई के साथ बाइक पर सवार होकर घर लौट रहे थे।

कार में आए थे बदमाश बीच रास्ते में कार में सवार होकर आए बदमाशों ने बाइक रुकवाई और मिर्च पाउडर आंखों में डाल दिया। इस दौरान व्यापारियों पर लाठी से हमला कर 25 लाख रुपए लूट लिए। सूचना के बाद बड़ी संख्या में लोग एकत्रित हो गए। सूचना पर एसपी समेत पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और मामले की जानकारी ली। साथ ही घायल व्यापारी को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका उपचार करवाया।

बड़ी रकम का अंदेशा

पीड़ित अशोक मालू हवाला कारोबार से जुड़ा है। सूत्रों से मिली जानकारी में सामने आया कि मामला हवाला से जुड़ा है। संभवतः किसी जीरे के व्यापारी से बड़ी रकम लेकर रवाना हुए थे, बीच रास्ते में कार में सवार होकर आए बदमाशों ने हमला कर लूट की वारदात को अंजाम दिया है। हालांकि बाड़मेर पुलिस मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच पड़ताल में जुटी है।

घटना स्थल पर रास्ते में मिर्च पाउडर फैला हुआ मिला है। वहीं पास में कुछ दूरी पर पाउडर का खाली पैकेट भी पड़ा था। बदमाश लूट के बाद वहां से भाग छूटे।

लूट की वारदात की सूचना मिलते ही एसपी घटनास्थल पहुंच गए और मामले की जानकारी जुटाने के बाद खुद गश्त पर निकले। साथ ही उन्होंने शहर समेत जिले भर में हथियारबंद नाकाबंदी करवाई हैं। बदमाशों की तलाश में पुलिस जुटी हुई है।

लूट की वारदात के तत्काल बाद मौके पर पहुंच जानकारी जुटाई है। आरोपियों की तलाश में अलग-अलग टीमों का गठन किया गया हैं। शहर में नाकाबंदी करवाई है। मामले में 25 लाख रुपए की लूट की बात सामने आ रही है, पुलिस मामले की गंभीरता को देखते जांच में जुटी है।

कॉलेज में घुसा पैंथर, बीस दिन बाद भी पकड़ से दूर

अलवर, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। अलवर के राज ऋषि कॉलेज में जहां 20 दिन से पैंथर वन विभाग के लिए पहेली बना हुआ है, वहीं दूसरी ओर पैंथर को इधर से उधर भागते हुए आमजन लगातार देख रहे हैं। राज ऋषि महाविद्यालय के पार्किंग संचालक बनवारी लाल का कहना है कि कल शाम को राज ऋषि महाविद्यालय के एक छोर से छलांग लगाते हुए पैंथर दूसरी ओर रोड क्रॉस कर जंगल में घुस गया। जिसको देखकर वह घबरा गया और वापस महाविद्यालय परिसर पहुंचा। जहां महाविद्यालय प्रशासन को अवगत कराया, लेकिन सूचना के बाद भी वन विभाग की टीम वहां पर नहीं पहुंची। फिलहाल वन विभाग के अधिकारी और कर्मचारी भी यहां से हटा लिए गए हैं। कर्मचारी का कहना है कि जब मैंने खुद बिल्कुल सामने पैंथर को जाते हुए देखा है तो वन विभाग क्यों कार्रवाई नहीं कर रहा। लोगों की जान के साथ भी वन विभाग खिलवाड़ कर रहा है। यह पैंथर पिछले बीस दिनों से वन विभाग के साथ आंख मिचौली कर रहा है। यह पिंजरे तक आता है, लेकिन पिंजरे के अंदर नहीं जाकर वहीं घूमफिर कर वापस लौट जाता है। वन विभाग इन पिंजरों में मेमना और मुर्गा भी रख कर देख चुका है।

डॉक्टर दंपती से 85 लाख 43 हजार की ठगी, साइबर पुलिस ने ठग को पकड़ा

अलवर, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। अलवर के डॉक्टर दंपती को मुनाफे का लालच देकर 85.43 लाख रुपये ठग लिए। साइबर पुलिस ने ठगी के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। ठग से पूछताछ में और भी खुलासे हो सकते हैं।साइबर थाना पुलिस ने बताया कि अक्तूबर महीने में डॉक्टर दंपती ने मुकदमा दर्ज कराया था कि उनके साथ लाखो रुपयों की ठगी हुई है। इसमें उन्होंने बताया, शेयर मार्केट और ट्रेडिंग में रुपये लगाकर ज्यादा मुनाफा देने का लालच देकर 85.43 लाख रुपये की ऑनलाइन ठगी कर ली गई। मामले में साइबर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए देखा तो पाया कि काफी खातों में पैसों का लेनदेन हुआ है, जिसमें मुख्य खाता नासिक का था। इस खाते को ट्रैस करते हुए साइबर टीम ने 21 वर्षीय ठग जिसका नाम जैद कयूम खान है को महाराष्ट्र के नासिक से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस द्वारा उसे अलवर लाया गया। पुलिस साइबर ठग से घटना के संबंध में पूछताछ करने में पता लगा कि उसके खाते में 66 लाख रुपये आये थे तथा अभी आगे और पूछताछ जारी है। ठग ने बताया कि उसने किसी दोस्त से फर्जी खाता खुलवाया था, जिसमें 66 लाख ठगी कर लिए और उस राशि को तुरंत अन्य खातों में ट्रांसफर कर निकाल लिए। वहीं, ठग का जब खाता विवरण देखा तो उसमें करीब दो करोड़ रुपये का लेनदेन पाया गया है, जिससे यह माना जा रहा है कि ठग ने अन्य लोगों से भी ठगी की वारदात की है।

भीषण सड़क हादसा, पति-पत्नी की मौत; बुरी तरह पिचक गई कार

बीकानेर, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के बीकानेर जिले में शनिवार को हुए भीषण सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हो गई। वहीं, दो लोग घायल हो गए। हादसे की सूचना पर दो थानों की पुलिस मौके पर पहुंची। लेकिन, इससे पहले ही स्थानीय लोग घायलों को अस्पताल ले गए।

पुलिस के मुताबिक हादसा आज सुबह बीकानेर के श्रीडूंगरगढ़ में नेशनल हाईवे पर हुआ। कार और बस की आमने-सामने की भिड़ंत में पति-पत्नी की मौत हो गई। हादसे में दंपती घायल हो गए। बताया जा रहा है कि कोहरे के कारण हादसा हुआ है।

जानकारी के मुताबिक कार सवार अजय अपनी पत्नी और साथी व उसकी पत्नी के साथ कार से बीकानेर आ रहे थे। तभी श्रीडूंगरगढ़ में नेशनल हाईवे पर उनकी कार सामने से आ रही बस से टकरा गई। हादसा इतना जबर्दस्त था कि कार बुरी तरह पिचक गई। वहीं, बस का भी आगे का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया।

कार सवार सभी हरियाणा के रहने वाले

फार्म हाउस पर प्रतिबंधित नस्ल के कुत्तों की लड़ाई करवा कर खेल रहे जुआ

हनुमानगढ़, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रतिबंधित नस्ल के कुत्तों की लड़ाई करवा करवा कर उन पर जुआ खेलने का मामला पकड़ में आया है। टाउन थाना पुलिस ने गांव गाहडू रोही फार्म हाउस पर कुत्तों की लड़ाई पर दाव खेलने के मामले में 81 जनों को पशु क्रूरता अधिनियम आदि में गिरफ्तार किया तथा 15 वाहन जब्त किए। मौके से 19 कुत्तों को भी छुड़ाया जो विदेशी नस्ल के हैं। इतनी बड़ी तादाद में आरोपियों की गिरफ्तारी तथा कुत्तों की कस्टडी के चलते टाउन थाने में मेला सा लग गया। दिन भर यह मामला चर्चा का विषय बना रहा।

जिला पुलिस अधीक्षक अरशद अली को गुरुवार रात मुखबिर से सूचना मिली थी कि टाउन थाना क्षेत्र स्थित फार्म हाउस में पंजाब, हरियाणा, श्रीगंगानगर आदि जगहों से कई लोग आए हुए हैं जो प्रतिबंधित नस्ल के कुत्तों की आपस में लड़ाई करवा कर उनकी जीत-हार पर दाव लगाएंगे। एसपी ने सूचना की तस्दीक करवा कर गाहडू रोही स्थित फार्म हाउस पर कार्यवाही के लिए डीएसपी संगरिया करण सिंह, टाउन थाना प्रभारी मोनिका बिश्नोई व जंक्शन थाना प्रभारी सतपाल बिश्नोई को कार्यवाही का निर्देश दिया। टाउन थाने की पुलिस टीम ने फार्म हाउस पर दबिश दी तो वहां कुत्तों की लड़ाई करवा कर उन पर दाव लगाते कई जने मिले।

यदि सौ प्रतिशत फसल ऋण माफी सच है तो राजनीति से संन्यास

हैदराबाद, 21 दिसंबर (एनएसएस): बीआरएस पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष और सिरसिल्ला विधायक केटी रामाराव ने आज कहा कि अगर यह साबित हो जाता है कि राज्य के किसी भी गांव में 100 प्रतिशत फसल ऋण माफी की गई है तो वह विधानसभा अध्यक्ष के प्रारूप में तुरंत इस्तीफा दे देंगे और राजनीतिक सेवानिवृत्ति ले लेंगे। सीएम रेवंत रेड्डी ने कहा कि वह कार्यभार संभालने के बाद 9 दिसंबर, 2023 को ऋण माफी की पहली फाइल पर हस्ताक्षर करेंगे। उन्होंने कहा कि वह एक बार में एक कलम से ऋण माफ करेंगे। 7 दिसंबर को राज्य स्तरीय बैंकरों की एक बैठक में उन्होंने कहा था कि फसल ऋण माफी

योजना के लिए 49,500 करोड़ आवंटित किए जाएंगे। हालांकि सीएम ने कहा कि 40,000 करोड़ रुपये माफ किए जाएंगे, लेकिन राज्य कैबिनेट ने 31,000 करोड़ रुपये के फसल ऋण माफ करने का फैसला किया था। हालांकि, सरकार ने अपने वार्षिक बजट में इस योजना के लिए केवल 26,000 करोड़ रुपये आवंटित किए। सीएम ने अब पलामुरु जिले में एक सार्वजनिक बैठक में कहा कि उन्होंने अब तक 19,000 करोड़ रुपये के फसल ऋण माफ कर दिए हैं। उन्होंने कहा, हम इस सरकार को चुनौती दे रहे हैं। आइए इस राज्य के किसी भी गांव में चलें। कोंडारेड्डीपल्ले, सिरसिल्ला या पलायर, अगर वे कहते हैं कि उनकी पसंद के किसी एक गांव में 100 प्रतिशत ऋण माफी की गई है, तो हम स्पीकर के प्रारूप में इस्तीफा दे देंगे और तुरंत राजनीतिक सेवानिवृत्ति ले लेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि इस तरह की धोखाधड़ी सरकार के लिए अच्छी नहीं है। उन्होंने मांग की कि रैतू बंधु योजना के तहत एक नहीं बल्कि तीन फसलों को शामिल किया जाना चाहिए।

घायल बालक श्रीतेज की हालत स्थिर

हैदराबाद, 21 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केआईएमएस अस्पताल के डॉक्टरों ने आज बताया कि संध्या थिएटर में भगदड़ में घायल हुए बालक श्रीतेज की हालत अब स्थिर है। इस संबंध में केआईएमएस अस्पताल ने श्रीतेज की सेहत पर बुलेटिन जारी किया है। एक बयान में कहा गया है कि श्रीतेज बिना वेंटिलेटर की मदद के सांस ले रहा है। साथ ही कहा गया है कि बालक को कभी-कभी बुखार भी आ रहा था। उन्होंने कहा कि शुक्रवार की तुलना में श्रीतेज की सेहत में सुधार हुआ है। मंत्री कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी पहले ही घोषणा कर चुके हैं कि राज्य सरकार श्रीतेज के इलाज का खर्च उठाएगी। इस संदर्भ में वे केआईएमएस अस्पताल गए जहां लड़के का इलाज चल रहा है और पीड़ित परिवार से मिले। उन्होंने अपने दौरे के दौरान बालक की सेहत के बारे में जानकारी ली।

दिसंबर चमत्कारों का महीना : सीएम

हैदराबाद, 21 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने एलबी स्टेडियम में "क्रिसमस समारोह" में भाग लिया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि दिसंबर चमत्कारों का महीना है। हर साल इसी महीने में ईसा मसीह का जन्मदिन मनाया जाता है। कांग्रेस नेता श्रीमती सोनिया गांधी भी दिसंबर में अपना जन्मदिन मनाती हैं, जो तेलंगाना राज्य के गठन की आधिकारिक प्रक्रिया की शुरुआत का महीना भी था। दिसंबर हम सभी के लिए बहुत महत्वपूर्ण महीना है।

ईसा मसीह ने खुद से प्यार करने के अलावा पड़ोसियों के प्रति स्नेह रखने का संदेश दिया। ईसाई समुदाय गरीबों को मुफ्त शिक्षा और चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने के लिए सरकार से प्रतिस्पर्धा कर रहा है। कभी-कभी, समुदाय ने सरकार से बेहतर गुणवत्ता वाली सेवाएं प्रदान कीं और समाज के निर्माण में भी भाग लिया। उन्होंने कहा कि स्वस्थ तेलंगाना के निर्माण में ईसाई बिरादरी की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है।

हमारी सरकार का विचार है कि सभी धर्मों की रक्षा होनी चाहिए। सरकार किसी भी व्यक्ति को दूसरे धर्म के खिलाफ बोलने को बर्दाश्त नहीं करेगी। लोगों को अपने विश्वास का पालन करने का अधिकार है। सरकार धार्मिक घृणा को बर्दाश्त नहीं करेगी।सरकार ईसाई समुदाय को 100 प्रतिशत सुरक्षा प्रदान करेगी। गरीबों के लिए 200 यूनिट मुफ्त बिजली आपूर्ति दलित और आदिवासी ईसाइयों के लिए बहुत उपयोगी है। जरूरतमंदों को इंदिराम्मा आवास आवंटित करने की आधिकारिक प्रक्रिया संक्रांति त्योहार के बाद शुरू होगी। राज्य सरकार यह सुनिश्चित करने पर विचार कर रही है कि इंदिराम्मा आवासों के आवंटन से गरीब दलित और दलित ईसाई लाभान्वित हों। सरकार में समुदाय को उचित प्रतिनिधित्व प्रदान किया जाएगा। पीसीसी अध्यक्ष से भविष्य में पार्टी में ईसाइयों को पर्याप्त प्रतिनिधित्व प्रदान करने की अपील की।

पार्टी के कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए तैयार लोगों का विवरण प्रदान करने का अनुरोध किया। उन्हें पार्टी में उचित स्थान दिया जाएगा।सरकार आपके कोटा और कल्याणकारी योजनाओं में हिस्सेदारी प्रदान करने के लिए कार्रवाई करेगी। जनता की सरकार सभी धर्मों का समान रूप से सम्मान करती है और यह सरकार आपकी है।

उपराष्ट्रपति की दो दिवसीय यात्रा को लेकर मुख्य सचिव ने बैठक की

हैदराबाद, 21 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य सचिव शांति कुमारी ने शनिवार को भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की राज्य की दो दिवसीय यात्रा के मद्देनजर की जाने वाली व्यवस्थाओं पर तेलंगाना सचिवालय में उच्च स्तरीय अधिकारियों के साथ एक समीक्षा बैठक की। सीएस ने कहा कि इस यात्रा के हिस्से के रूप में, उपराष्ट्रपति 25 दिसंबर को मेदक जिले के कौडिपल्ली मंडल के तुनिकी में आईसीएआर-कृषि विज्ञान केंद्र का दौरा करेंगे, जहां वह जैविक रूप से खेती करने वाले 500 किसानों के साथ बातचीत करेंगे। उन्होंने कहा कि वे 25 दिसंबर की रात कान्हा शांतिवनम में रुकेंगे। कार्यक्रम के मुताबिक, राष्ट्रपति के दो दिनों के दौरे के लिए सभी विभागों के अधिकारियों को समन्वित तरीके से व्यवस्था करने का आदेश दिया गया है।

रंगारेड्डी, मेदक जिला कलेक्टरों, उपराष्ट्रपति कार्यालय और राज्य के सभी विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों को समन्वयित किया जाना चाहिए। डीजीपी को पुलिस विभाग में सुरक्षा, यातायात एवं सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने का निर्देश दिया गया। इस दौरे के दौरान स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को पर्याप्त चिकित्सा कर्मियों के साथ चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया। उपराष्ट्रपति के मार्ग की सड़कों की मरम्मत के लिए आरएंडबी विभाग को निर्देश दिया गया है। टीएसएसपीडीसीएल को बिना किसी रुकावट के निर्बाध बिजली आपूर्ति करने का निर्देश दिया गया। इसी प्रकार अग्निशमन विभाग को भी उचित व्यवस्था करने की सलाह दी जाती है। सीएस ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को 26 की सुबह दिल्ली वापसी तक व्यवस्था करने का आदेश दिया। डीजीपी जितेंद्र, गृह विभाग के विशेष प्रधान सचिव रवि गुप्ता, परिवहन, सड़क और भवन विभाग के विशेष प्रधान सचिव विकास राज, जीएडी सचिव रघुनंदन राव, अग्निशमन सेवा डीजी नागिरेड्डी, टीएसएसपीडीसीएल के एमडी मुर्शरफ अली, सूचना नागरिक संबंध विभाग के विशेष आयुक्त हरीश, निदेशक प्रोटोकॉल वेंकट राव , रंगारेड्डी, मेदक जिले कलेक्टर, अधिकारी, आरजीआई एयरपोर्ट के अधिकारी आदि शामिल हुए।

मछली पकड़ते समय झील में डूबा एक व्यक्ति

मेदक, 21 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। चिन्ना शंकरमपेट मंडल के चेन्नपल्ली में एक स्थानीय झील में मछली पकड़ने गया एक व्यक्ति झील में डूब गया। वह गंगकोला गुरुपदम 30 वर्ष था। शुक्रवार रात को जब वह घर नहीं लौटा तो गुरुपदम की पत्नी राधा ने शनिवार सुबह गांव में उसकी तलाश की। उसका शव झील में तैरता हुआ मिला। स्थानीय लोगों ने राधा को बताया कि उन्होंने उसे शुक्रवार शाम को झील में मछली पकड़ते हुए देखा था। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और शव को पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेज दिया है।

मल्लन्ना सागर नहर में एक व्यक्ति और उसके ससुर डूबे

सिद्दीपेट, 21 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कुकुनुरपल्ली मंडल के टिप्पाराम में मल्लन्ना सागर नहर में मछली पकड़ने गए एक व्यक्ति और उसके ससुर शनिवार को नहर में डूब गए। वे कुकुनुरपल्ली निवासी गोदुगु शिव कुमार 30 वर्ष और रायपोल मंडल के येलकटी निवासी उनके ससुर किस्तैया (55) थे। किस्तैया शुक्रवार को कुमार के घर आए थे। दोनों मछली पकड़ने गए थे और नहर में पानी में समा गए। शवों को नहर से निकाला गया और पोस्टमार्टम के लिए सिद्दीपेट के सरकारी अस्पताल में भेज दिया गया।

महिला वार्डन सस्पेंड

कुमरमभीम आसिफाबाद, 21 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। स्थानीय कुमारी श्रीनिधि डी.एड कॉलेज की द्वितीय वर्ष की छात्रा है, जो कुमरमभीम आसिफाबाद जिले में जिला पिछड़ा वर्ग बालिका छात्रावास (कॉलेज) में रहती है। शुक्रवार के दिन तोर्रम वेंकटलक्ष्मी अन्दुगुला गुडा को बीमारी के कारण जिला अस्पताल ले जाते समय रास्ते में मृत्यु हो गई थी। इसी कारण छात्रावास महिला वार्डन निखत तरन्नुम को छात्रावास कल्याण अधिकारी, जिला पिछड़ा वर्ग बालिका छात्रावास (कॉलेज), आसिफाबाद, जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने उन्हें निलंबित कर दिया।

बंडारू दत्तात्रेय ने राष्ट्रपति से शिष्टाचार भेंट की

हैदराबाद, 21 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने शनिवार को सिकंदराबाद के बोलारम स्थित राष्ट्रपति निलयम में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से शिष्टाचार भेंट की। मुलाकात के दौरान दत्तात्रेय ने भगवान कृष्ण की विराट रूप की एक प्रतिमा भेंट की, जिसमें महाभारत के उस क्षण को दर्शाया गया है, जब वे युद्ध के मैदान में अर्जुन को भगवद गीता का दिव्य ज्ञान देते हैं।

राज्यपाल ने राष्ट्रपति को हरियाणा के कुरुक्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव के सफल आयोजन के बारे में भी बताया, जिसमें भगवद गीता की शाश्वत शिक्षाओं का जश्न मनाया गया और वैश्विक ध्यान आकर्षित किया गया।

एक दिवस गौमाता के नाम का भव्य कलश यात्रा गौपूजा, गौरक्षा महायज्ञ

हैदराबाद, 21 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। संगारेड्डी जिला पटनचेरू नन्दीगांव स्थित श्री राम जीवा सेवा सदन गौशाला में समस्त ट्रस्टी एंव छत्तीस कौम गौरक्षा समिति द्वारा आयोजित एक दिवसीय गौमाता के नाम का भव्य कलश यात्रा, गौमाता पूजन, गौरक्षा महायज्ञ में 108 जोडों द्वारा हवन यज्ञ व सुन्दरकाण्ड पाठ किया गया। प्रेम प्रजापति द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में गौशाला सचिव कमलकिशोर मर्दा ने बताया कि शनिवार को प्रात: भव्य कलश शोभा यात्रा निकाली गई। इसके बाद गौमाता को चुनरिया ओढा कर गौमाता का पूजन किया गया। सभी भक्तोंगणों के लिए प्रसाद की व्यवस्था गौशाला प्रांगण में की गई। गौरक्षा महायज्ञ में पंडित श्री रोमटीचेरला माधवाचार्यालुजी के नेतृत्व में 65 पंडितों की स्वर लहरियों से मंत्र उच्चारण करते हुए सभी ट्रस्टी सदस्यों के साथ छत्तीसी कौम के गौरक्षा के विभिन्न क्षेत्रों के भक्तों ने एक साथ आहुतियां लगाकर महायज्ञ का लाभ लिया गया। सायं सुन्दरकाण्ड पाठ का आयोजन किया गया। अवसर पर ईशनापुर महिला मंडल इन्द्रादेवी, कमलादेवी, लीलादेवी, रुकमादेवी, रेखादेवी, बिरमगुड्डा सुमनमाली, सुरमादेवी कुमावत, सुनीता जाट, ममता सीरवी, पटनचेरू कमलादेवी, हीराबाई, मैनादेवी, संगीता शर्मा, शंकरपल्ली प्रेमादेवी सिरवी, पिस्तादेवी सिरवी, हीगलीदेवी सिरवी, प्रेमदेवी सिरवी, उगमादेवी सिरवी एवं सभी माहिलाए उपस्थित रहे।

कई प्रमुख क्षेत्रों के निर्यात में तेलंगाना का अभूतपूर्व योगदान : राजेश कुमार

हैदराबाद, 21 दिसंबर(स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय स्टेट बैंक, हैदराबाद सर्किल द्वारा आईटीसी काकतीय होटल में निर्यातक सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस संदर्भ में, भारतीय स्टेट बैंक(एसबीआई), हैदराबाद सर्किल ने कमर्शियल क्लाइंट्स ग्रुप (सीसीजी) के सहयोग से आईटीसी काकतीय, बेगमपेट में अपने बहुमूल्य ग्राहकों के लिए, निर्यातक सम्मेलन आयोजित किया। इस कार्यक्रम में उप प्रबंध निदेशक (रिटेल-एएसएफ) सुरेन्द्र राणा, उप प्रबंध निदेशक, वैश्विक बाजार रवि रंजन और एसबीआई कॉर्पोरेट आफिस के शीर्ष अधिकारी उपस्थित हुए। इस सम्मेलन के प्रारंभ के शुभावसर पर, एसबीआई हैदराबाद सर्किल मुख्य महाप्रबंधक राजेश कुमार ने ग्राहकों, गणमान्य व्यक्तियों और शीर्ष अधिकारियों का स्वागत किया।

इस दौरान भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) हैदराबाद सर्किल मुख्य महाप्रबंधक राजेश कुमार अपने संबोधन में हमारी अर्थव्यवस्था के विकास के लिए निर्यात के महत्व पर जोर दिया। जिसमें उन्होने विशेष रूप से फार्मास्यूटिकल्स, आईटी और आईटीईएस, खाद्य प्रसंस्करण जैसे प्रमुख क्षेत्रों में निर्यात क्षेत्र में तेलगाना राज्य के योगदान पर प्रकाश डाला। साथ ही उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि तत्संबंधित सम्मेलन बहुमूल्य कॉर्पोरेट्स और एमएसएमई ग्राहकों के मध्य तालमेल है ।इस कार्यक्रम के मुख्य आकर्षणों में ग्लोबल मार्केट्स के उप प्रबंध निदेशक, सुरेन्द्र राणा का प्रभावी संबोधन और ग्लोबल मार्केट्स टीम द्वारा विदेशी मुद्रा उत्पादों पर प्रस्तुति शामिल है।

इस अवसर पर,उप प्रबंध निदेशक (रिटेल-एएसएफ) सुरेन्द्र राणा ने ग्राहकों के अपने संबोधन में, भारत सरकार द्वारा वर्ष 2030 तक 2 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर के निर्यात के महत्वाकांक्षी लक्ष्य को प्राप्त करने के प्रति विनिर्माण क्षेत्र के विकास की आवश्यकता पर बल दिया तथा इसके उन्होने तत्संबंधित महत्वाकांक्षी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सभी हितधारकों से योगदान का अनुरोध किया। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि देश के सकल घरेलू उत्पाद में सतत वृद्धि के लिए विनिर्माण क्षेत्र के विकास में निर्यातकों की बड़ी भूमिका है। इसके अतिरिक्त, उन्होंने उल्लेख किया कि भारत सरकार बुनियादी ढांचे में भारी निवेश कर रही है और रक्षा और अर्धचालक जैसे उभरते क्षेत्रों में निर्यात बढ़ाने पर भी ध्यान केंद्रित कर रही है, जो निर्यात में लक्षित वृद्धि को प्राप्त करने के लिए पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करेगी तथा उन्होंने निर्यात में साझेदारी और वृद्धि को मजबूत करने के लिए ग्राहकों से किसी भी प्रतिक्रिया और सुझाव का स्वागत किया।

इस बारे में, ग्लोबल मार्केट्स उप प्रबंध निदेशक, रवि रंजन ने निर्यातकों को विभिन्न बैंकिंग समाधान प्रदान करने में ग्लोबल मार्केट्स द्वारा निभाई गई भूमिका के बारे में जानकारी दी। उन्होंने देश के निर्यात में तेलंगाना राज्य की भूमिका की सराहना कर, इस बात पर भी प्रकाश डाला कि तेलंगाना राज्य की वृद्धि राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि से आगे बढ गई है।

2 महीने के लिए बढ़ाया गया पीसी घोष का कार्यकाल

हैदराबाद, 21 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना बैराज के निर्माण की जांच कर रहे न्यायमूर्ति पीसी घोष न्यायिक आयोग का कार्यकाल राज्य सरकार ने दो महीने के लिए बढ़ा दिया है। आयोग को शुरू में 31 दिसंबर तक अपनी रिपोर्ट सौंपनी थी, लेकिन अब वह जिरह की प्रक्रिया पूरी करने की प्रक्रिया में है इसलिए इसका कार्यकाल 28 फरवरी, 2025 तक बढ़ा दिया गया है।

डीसीएम ने बाइक को रौंदा

तीन लोगों की मौत

देवरकोंडा, 21 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस ने बताया कि शनिवार सुबह मल्लेपल्ली रोड पर दरगाह के पास हुए एक भीषण सड़क हादसे में 3 मोटरसाइकिल सवारों की मौके पर ही मौत हो गई। मोटरसाइकिल सवार दो पुरुष और एक महिला दरगाह की तरफ से देवरकोंडा शहर की ओर जा रहे थे, तभी उसी दिशा से आ रही एक डीसीएम वैन ने उन्हें कुचल दिया। तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। उनकी पहचान देवरकोंडा मंडल के थाटिकोले गांव के निवासियों के रूप में हुई है।

झील में कार दुर्घटनाग्रस्त, सभी यात्री सुरक्षित

यदाद्री-भोंगीर, 21 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। यदाद्री भोंगीर जिले के भूदान पोचमपल्ली मंडल में शनिवार को एक अजीब दुर्घटना में एक कार जलालपुर झील में दुर्घटनाग्रस्त हो गई। कार में सवार हैदरपुर के लोग सुरक्षित बचने में सफल रहे।

हयातनगर के चंद्र रेड्डी और एलबी नगर के सग्गू एल्लारेड्डी को दुर्घटना में मामूली चोटें आईं। यह हादसा उस समय हुआ जब वे हैदराबाद से पोचमपल्ली जा रहे थे। कार अनियंत्रित होकर झील में जा गिरी। सौभाग्य से, कार में सवार लोगों को मामूली चोटें आने के बावजूद बचा लिया गया। हाल ही में इसी झील में हुई एक ऐसी ही घटना में पांच युवकों की जान चली गई थी।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

'इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड के ...

संशोधन यह सुनिश्चित करता है कि नियमों में उल्लिखित कागजात ही सार्वजनिक निरीक्षण के लिए उपलब्ध हों और कोई अन्य दस्तावेज जिसका नियमों में कोई संदर्भ नहीं है, उसे सार्वजनिक निरीक्षण की अनुमति नहीं है। चुनाव आयोग के पदाधिकारियों ने कहा कि मतदान केंद्रों के अंदर से सीसीटीवी कैमरे की फुटेज का दुरूपयोग मतदाता गोपनीयता से समझौता कर सकता है।

उन्होंने यह भी कहा कि फुटेज का इस्तेमाल एआई का उपयोग करके फर्जी कहानी बनाने के लिए किया जा सकता है। पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय ने हाल ही में चुनाव आयोग को हरियाणा विधानसभा चुनाव से संबंधित आवश्यक दस्तावेजों की प्रतियां अधिवक्ता महमूद प्राचा को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया था। उन्होंने चुनाव संचालन से संबंधित वीडियोग्राफी, सीसीटीवी कैमरा फुटेज और फॉर्म 17-सी भाग I और II की प्रतियां मांगने के लिए याचिका दायर की थी।

चुनाव आयोग पारदर्शिता से क्यों डरता है :

वहीं इस मामले में कांग्रेस ने चुनाव आयोग पर निशाना साधा और पूछा कि चुनाव आयोग पारदर्शिता से क्यों डरता है। जयराम रमेश ने कहा, पार्टी संशोधन को कानूनी रूप से चुनौती देगी।

सोशल मीडिया एक्स पर रमेश ने कहा, अगर हाल के दिनों में भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) की तरफ से प्रबंधित चुनावी प्रक्रिया की तेजी से खत्म होती अखंडता के बारे में हमारे दावों की कभी पुष्टि हुई है, तो वह यही है।

देश में पराली ...

इन प्रोजेक्ट्स में कुल 60 लाख टन पराली का उपयोग हुआ है। अब हम चावल के भूसे से भी सीएनजी बना रहे हैं। सीएनजी पेट्रोल से सस्ती है। इससे प्रदूषण भी कम होता है, साथ ही पैसे की बचत होती है। इससे किसानों को काफी फायदा होगा।

इसरो-ईएसए के ...

इस मिशन में भारतीय वैज्ञानिकों द्वारा किए गए कुछ अन्वेषण का प्रयोग अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर किए जाएंगे।

इस मौके पर सोमनाथ ने कहा कि इसरो ने मानव अंतरिक्ष उड़ान के लिए एक रोडमैप तैयार किया है। इसके तहत भारत अपने स्वदेशी अंतरिक्ष स्टेशन बीएएस (भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन) भी बनाने जा रहा है और इससे ईएसए के साथ सहयोग के नए रास्ते खुलेंगे। वहीं, ईएसए के प्रमुख एशबैचनर ने इस समझौते को दोनों एजेंसियों के लिए बहुत महत्वपूर्ण बताया और इसरो की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस समझौते से दोनों के बीच सहयोग और मजबूत होगा।

इसरो और ईएसए के प्रमुखों ने एक्सिओम-4 मिशन के लिए साझा कामों की प्रगति पर भी संतोष जताया। उन्होंने भविष्य के मानव अंतरिक्ष मिशन के क्षेत्र में निरंतर सहयोग बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर दिया।

पीआरएसआई, हैदराबाद चैप्टर को सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार मिला

हैदराबाद, 21 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पब्लिक रिलेशंस सोसाइटी ऑफ इंडिया (पीआरएसआई) द्वारा रायपुर, छत्तीसगढ़ एक होटल में आयोजित चल रहे 46वें अखिल भारतीय जनसंपर्क सम्मेलन में शनिवार 21 दिसंबर को पीआरएसआई, हैदराबाद चैप्टर को सर्वश्रेष्ठ चैप्टर का पुरस्कार मिला।

यह पुरस्कार, पूर्व अध्यक्ष, राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग, पूर्व सांसद और विधायक नंद कुमार साईं और पीआरएसआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अजीत पाठक ने प्रदान किया। पीआरएसआई हैदराबाद चैप्टर के अध्यक्ष डॉ. एस रामू और सचिव डॉ. के यादगिरी के नेतृत्व में चैप्टर के सदस्यों ने पुरस्कार प्राप्त किया।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

मेलबर्न टेस्ट में बुमराह रच सकते हैं इतिहास

अपने नाम करेंगे खास रिकॉर्ड !

मेलबर्न, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 का चौथा टेस्ट मैच अब एक ऐतिहासिक मोड़ पर है। जसप्रीत बुमराह, जो इस सीरीज में शानदार प्रदर्शन कर चुके हैं, अब एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम करने के करीब हैं। आइए जानते हैं क्या है वो खास रिकॉर्ड और क्या बुमराह इस चुनौती को पार कर इतिहास रच पाएंगे?

क्या है ये खास रिकॉर्ड

जसप्रीत बुमराह इस समय बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 में 21 विकेट लेकर सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। अगर वह बॉक्सिंग डे टेस्ट में 9 और विकेट लेते हैं, तो वह एक सीरीज में 30 विकेट लेने वाले पहले तेज गेंदबाज बन जाएंगे। इससे पहले यह रिकॉर्ड सिर्फ भारतीय स्पिनर हरभजन सिंह के नाम है, जिन्होंने 2000-01 की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में 32 विकेट लिए थे।

बुमराह रच सकते हैं इतिहास

मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में शुरू होने वाले इस टेस्ट मैच में भारतीय टीम सीरीज में बढ़त लेने के इरादे से उतरेगी। तीसरे टेस्ट में शानदार प्रदर्शन कर 9 विकेट लेने वाले बुमराह से इस मैच में भी बड़ी उम्मीदें हैं। अगर वह इस टेस्ट में 9 विकेट लेने में सफल रहते हैं, तो वह हरभजन सिंह के 32 विकेट के रिकॉर्ड के करीब पहुंच सकते हैं और एक तेज गेंदबाज के तौर पर इतिहास रच सकते हैं।

एमसीजी पर नया रिकॉर्ड बनाने के करीब बुमराह

जसप्रीत बुमराह का एमसीजी में प्रदर्शन हमेशा शानदार रहा है। वह इस मैदान पर अब तक 15 टेस्ट विकेट ले चुके हैं। अगर वह एक और विकेट लेते हैं, तो वह अनिल कुंबले को पीछे छोड़कर MCG में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज बन जाएंगे। इसके साथ ही अगर वह 5 विकेट हासिल करते हैं, तो MCG में टेस्ट क्रिकेट में 20 विकेट लेने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बन जाएंगे।

मौके का फायदा उठाकर अपने नाम दर्ज करेंगे कई रिकॉर्ड

भारतीय टीम इस मैच को जीतकर न केवल सीरीज में बढ़त लेना चाहती है, बल्कि बुमराह भी इस ऐतिहासिक मौके का फायदा उठाकर अपने नाम कई रिकॉर्ड दर्ज करना चाहेंगे। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के इस अहम टेस्ट में बुमराह का प्रदर्शन निश्चित रूप से भारतीय टीम की जीत की संभावनाओं को मजबूत करेगा।

विराट कोहली का पब फिर मुश्किल में घिरा

बीबीएमपी ने जारी किया नोटिस

बंगलूरू, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली का बार नई मुश्किलों में घिर गया है। बंगलूरू में चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास स्थित वन 8 कम्यून पब एवं रेस्तरां को बृहत बंगलूरू महानगर पालिका (बीबीएमपी) ने नोटिस दिया है। दरअसल, अग्नि सुरक्षा उपायों को लागू नहीं करके उल्लंघन करने के लिए नोटिस दिया गया है।

सामाजिक कार्यकर्ता वेंकटेश ने अग्नि सुरक्षा उपायों में बरती जा रही लापरवाही की शिकायत निगम से की थी। इसी पर बीबीएमपी ने बार को नोटिस जारी किया। इस नोटिस में कहा गया है कि अग्नि सुरक्षा लागू नहीं की गई है। यहां तक कि अग्निशमन विभाग का प्रमाण पत्र प्राप्त नहीं किया है।

इन शहरों में भी ब्रांच

विराट कोहली के वन 8 कम्यून की दिल्ली, मुंबई, पुणे और कोलकाता जैसे बड़े शहरों में ब्रांच हैं। बंगलूरू वाला पब पिछले साल दिसंबर में खुला था। यह कस्तूरबा रोड पर रत्नम कॉम्प्लेक्स की छठी मंजिल पर स्थित है, जो एम चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास ही स्थित है।

मैनेजर के खिलाफ हुआ था मामला दर्ज

इससे पहले भी यह रेस्तरां चर्चाओं में आ चुका है। जुलाई में वन 8 कम्यून पब के मैनेजर पर पुलिस ने केस दर्ज किया था। आरोप था कि रात एक बजे बंद होने की समयसीमा के बाद भी यह बार खुला हुआ था और ग्राहकों को सर्व कर रहा था। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, रात में गश्त कर रहे सब-इंस्पेक्टर को खबर मिली थी कि वन 8 कम्यून बार देर रात तक चलता रहता है। जब सब-इंस्पेक्टर रात 1:20 बजे पहुंचे, तो उन्होंने पाया कि बार ग्राहकों को सेवा दे रहा है। इसके आधार पर एफआईआर दर्ज की गई। सूत्रों ने बताया कि तय समयसीमा के बाद भी खुले पाए गए तीन दूसरे पबों के खिलाफ भी कार्रवाई की गई है।

पूर्व क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा के खिलाफ अरेस्ट वारंट

आरोप- कर्मचारियों का पीएफ जमा नहीं किया, 23 लाख रुपए बकाया

बेंगलुरु, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। पूर्व क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा के खिलाफ शनिवार को अरेस्ट वारंट जारी किया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह वारंट EPFO से जुड़े एक केस में जारी किया गया है। बेंगलुरु के रीजनल पीएम कमिश्नर ने 4 दिसंबर को यह वारंट जारी किया था, लेकिन बेंगलुरु स्थित अपने घर पर क्रिकेटर नहीं मिले थे।

बताया जा रहा है कि उथप्पा अपनी फैमली के साथ दुबई में हैं। सेंचुरीज लाइफ स्टाइल ब्रांड प्राइवेट लिमिटेड से जुड़े उथप्पा पर आरोप है कि उन्होंने कर्मचारियों की सैलिरी से PF की रकम काटी, लेकिन यह रकम उनके पीएफ अकाउंट में जमा नहीं कराया।

2007 टी-20 वर्ल्ड कप का थे हिस्सा

रॉबिन उथप्पा 2007 का टी-20 वर्ल्ड कप जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रहे हैं। भारत ने महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में पाकिस्तान को 5 रन से हराते हुए टी-20 वर्ल्ड कप का खिताब जीता था। रॉबिन ने पाकिस्तान के खिलाफ फाइनल मुकाबले में 8 रन बनाए थे।

उथप्पा ने भारत की ओर से 46 वनडे और 13 टी-20 इंटरनेशनल मुकाबले खेले। उन्होंने वनडे में 6 फिफ्टी की बदौलत उन्होंने 934 रन बनाए। टी-20 में उथप्पा ने एक फिफ्टी के सहारे 249 रन बनाए।

उथप्पा ने आईपीएल में 4 हजार से ज्यादा रन बनाए

उथप्पा ने आईपीएल में 205 मुकाबले खेल चुके हैं। इसमें उन्होंने 27.51 की औसत और 130.55 के स्ट्राइक रेट से 4952 रन बनाए। उन्होंने आईपीएल में 27 अर्धशतक जड़े हैं। उनका बेस्ट स्कोर 88 रन का रहा है।

ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगेसी ने अमेरिका से लगाई गुहार

विश्व रैपिड चैंपियनशिप के लिए वीजा देने की मांग

नई दिल्ली, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। विश्व नंबर चार अर्जुन ने विदेश मंत्री एस जयशंकर, केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया और अखिल भारतीय शतरंज महासंघ (एआईसीएफ) से भी उन्हें वीजा जारी कराने के लिए मदद की गुहार लगाई है।

भारतीय ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगेसी को विश्व रैपिड और ब्लिट्ज शतरंज चैंपियनशिप के लिए अमेरिका ने अब तक वीजा जारी नहीं किया है और उन्होंने इसके लिए अमेरिका से गुहार लगाई है। यह चैंपियनशिप 26 से 31 दिसंबर तक न्यूयॉर्क में होने जा रही है। चैंपियनशिप में एक सप्ताह से भी कम समय बाकी होने के कारण अर्जुन ने अमेरिकी दूतावास गुहार लगाई है कि उन्हें जल्द से जल्द वीजा जारी किया जाए, जिससे वह इस चैंपियनशिप में खेल सकें।

विश्व नंबर चार अर्जुन ने विदेश मंत्री एस जयशंकर, केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया और अखिल भारतीय शतरंज महासंघ (एआईसीएफ) से भी उन्हें वीजा जारी कराने के लिए मदद की गुहार लगाई है। चैंपियनशिप में पूर्व विश्व चैंपियन और विश्व नंबर एक मैग्नस कार्लसन, विश्व नंबर तीन फैबियानो कारुआना, इयन नेपोमनियाच्ची और बोरिस गेलफेंड सहित लगभग 300 शतरंज खिलाड़ी भाग लेंगे।

अर्जुन ने सोशल मीडिया पर अमेरिका दूतावास को संबोधित किया कि उन्होंने अपना पासपोर्ट वीजा के लिए दिया हुआ है, लेकिन यह अभी तक उनके पास नहीं पहुंचा है। एरिगेसी हाल में 2800 की ईएलओ रेटिंग हासिल करने वाले दिग्गज विश्वनाथन आनंद के बाद दूसरे भारतीय और दुनिया भर में 16वें खिलाड़ी बने थे।

एरिगेसी ने एक्स पर लिखा, भारत में अमेरिका के दूतावास, पिछले सप्ताह मैंने वीजा स्टैम्पिंग के लिए अपना पासपोर्ट आपके पास जमा किया था और अभी तक मुझे यह वापस नहीं मिला है। मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि कृपया प्रक्रिया में तेजी लाएं और मेरा पासपोर्ट जल्द से जल्द वापस करें क्योंकि मुझे विश्व रैपिड एंड ब्लिट्ज चैंपियनशिप के लिए न्यूयॉर्क जाने के लिए इसकी जरूरत है। अगर कोई मेरी इसमें मदद कर सकता है तो कृपया मुझे सीधे संदेश करें।

भारतीय ओलंपिक संघ विवाद पर खेल राज्य मंत्री खडसे ने तोड़ी चुप्पी

बोली- मतभेद सुलझाने के प्रयास जारी

नई दिल्ली, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) में चल रहे विवाद पर केंद्रीय खेल राज्य मंत्री रक्षा खडसे ने चुप्पी तोड़ी और कहा कि सरकार ओलंपिक खेलों के लिए मजबूत और सफल बोली सुनिश्चित करने के लिए आईओए में मतभेदों को सुलझाने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। खडसे ने कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार भारतीय खेलों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है और 2036 ओलंपिक की सफल बोली से देश में खेलों को बड़ा बढ़ावा मिलेगा।

आईओए अध्यक्ष पीटी उषा का कार्यकारिणी के उन 12 सदस्यों के साथ तनातनी चल रही है जिन्होंने रघुराम अय्यर की आईओए के सीईओ के रूप में नियुक्ति को मंजूरी नहीं दी है। इससे भारत की अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आइओसी) के सामने अच्छी छवि पेश नहीं हो रही है। यह इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत 2036 में होने वाले ओलंपिक खेल और पैरालंपिक खेलों की मेजबानी की दौड़ में शामिल है। भारत ने खेलों की मेजबानी करने के लिए आईओसी के भविष्य के मेजबान आयोग को आशय पत्र सौंप दिया है। अंतरराष्ट्रीय संस्था के साथ कई बार की बातचीत के बाद भारत ने यह महत्वपूर्ण कदम उठाया।

खडसे ने कहा, मुझे लगता है कि हर कोई मिलकर काम करने की कोशिश में लगा है और हम आईओए के मसलों को सुलझाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। मंत्रालय सभी मतभेद और मसलों को सुलझाने के लिए प्रयासरत है ताकि भारत में एक बड़ी खेल प्रतियोगिता के आयोजन का लक्ष्य हासिल किया जा सके। इसके लिए हम सभी को मिलकर काम करना होगा। हमें ओलंपिक बोली को सकारात्मक तरीके से आगे बढ़ाने की जरूरत है।

उन्होंने कहा, ओलंपिक बोली प्रक्रिया पूरी होने में बहुत समय लगता है। अंतिम निर्णय आईओसी के पास है। हमने राष्ट्रीय ओलंपिक समिति, जो कि आईओए है, के माध्यम से अपनी बोली लगाई है। यह एक शुरुआत है। हम कोशिश कर रहे हैं क्योंकि ओलंपिक बड़ा मंच है। अगर हमें मेजबानी का अधिकार मिलता है, तो निश्चित रूप से यह भारत के लिए गर्व का क्षण होगा। भारत अब किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं है और खासकर खेल के क्षेत्र में हम आने वाले दिनों में और अधिक काम करना चाहते हैं।

ऑस्ट्रेलिया से ड्रॉप होने पर मैकस्वीनी बोले- टूट चुका हूं

जो चाहता था कर नहीं पाया

BGT-2024-25 में नाथन मैकस्वीनी

मैच	पारियां	रन	एवरेज	100/50s
3	6	72	14.40	0/0

मेलबर्न, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। युवा ओपनर नाथन मैकस्वीनी ऑस्ट्रेलियाई टीम से ड्रॉप होने के बाद सदमें में हैं। 25 साल के इस बल्लेबाज ने शनिवार को चैनल-7 को दिए इंटरव्यू में इस बात को स्वीकार किया। हालांकि, उन्होंने कड़ी मेहनत करके दोबारा टीम में जगह बनाने का वादा भी किया।

25 साल के मैकस्वीनी ने कहा- 'हां, मैं टूट चुका हूं। ऑस्ट्रेलिया के लिए खेलने का मेरा सपना सच हुआ, लेकिन उस तरह से नहीं, जैसे मैं चाहता था। खेल में ऐसा होता है। मैं कड़ी मेहनत करके अगले मौके के लिये खुद को तैयार करूंगा।'

मैकस्वीनी को एक दिन पहले ऑस्ट्रेलियाई टीम से ड्रॉप किया गया था। उनकी जगह 19 साल के ओपनर सैम कोंस्टास को पहली बार टीम में शामिल किया गया था। हां, मैं टूट चुका हूं। ऑस्ट्रेलिया के लिए खेलने का मेरा सपना सच हुआ, लेकिन उस तरह से नहीं, जैसे मैं चाहता था। खेल में ऐसा होता है। मैं कड़ी मेहनत करके अगले मौके के लिये खुद को तैयार करूंगा। क्रिकेट में ऐसा ही है। मौका मिलने पर अच्छा नहीं खेलते हैं तो आपकी जगह सुरक्षित नहीं है। मैं चूक गया, लेकिन अब फिर मेहनत करके टीम में दोबारा जगह बनाऊंगा।

मैकस्वीनी भारत के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में फ्लॉप रहे हैं। वे 3 मैचों की 6 पारियों में महज 72 रन ही बना सके हैं। वे एक भी फिफ्टी नहीं बना सके हैं। इस सीरीज में मैकस्वीनी का हाईएस्ट स्कोर 39 रन रहा है। उन्हें जसप्रीत बुमराह ने 6 में से 4 पारियों में पवेलियन की राह दिखाई। मैकस्वीनी ने भारत के खिलाफ 10, 0, 39, 10*, 9 और 4 रन ही बना सके हैं।

पूर्व कप्तान क्लार्क बोले- यह करियर का अंत हो सकता है

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क ने मैकस्वीनी के ड्रॉप होने को उनके करियर का अंत बताया है। वहीं, पूर्व ल्लेबाज माइक हसी ने मैकस्वीनी से हमदर्दी जताते हुए कहा- 'मुझे उसके लिए दुख हो रहा है। यह बहुत कठिन फैसला था।'

बांग्लादेश ने 80 रन से तीसरा टी-20 जीता

पहली बार वेस्टइंडीज के खिलाफ क्लीन स्वीप किया; जाकेर अली का नाबाद अर्धशतक

खेल डेस्क, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश ने तीसरे टी-20 मुकाबले में वेस्टइंडीज को 80 रनों से हरा दिया है। इस तरह बांग्लादेश ने 3 मैचों की सीरीज 3-0 से अपने नाम किया और पहली बार टी-20 फॉर्मेट में वेस्टइंडीज खिलाफ क्लीन स्वीप किया। किंग्सटन में खेले गए मैच में बांग्लादेश के कप्तान लिटन दास ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग का फैसला किया। टीम ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 189 रन बनाए। जवाब में कैरेबियन टीम 16.4 ओवर में 109 रनों पर सिमट गई। जाकेर अली ने नाबाद 72 रनों बनाए। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

बांग्लादेश के लिए जाकेर अली ने नाबाद 72 रन बनाए

बांग्लादेश के लिए जाकेर अली ने 41 गेंदों पर नाबाद 72 रनों बनाए। उन्होंने अपनी पारी में 3 चौके और 6 छक्के जड़े। परवेज हौसेन इमोन ने 21 गेंदों पर 39 रन बनाए। जबकि मेंहदी हसन मिराज ने 23 गेंदों पर 29 रनों का योगदान दिया। वेस्टइंडीज के लिए रोमरियो शेफर्ड ने सबसे ज्यादा 2 विकेट लिए। इसके अलावा अल्जारी जोसेफ, रोस्टन चेस और गुदाकेश मोटे को 1-1 विकेट मिला।

189 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरूआत बेहद खराब रही। टीम के लगातार विकेट गिरते रहे। ओपनर ब्रैंडन किंग शून्य पर आउट हुए। वहीं, जॉनसन चार्ल्स ने 18 गेंदों पर 23 रनों का योगदान दिया। वेस्टइंडीज के लिए रोमरिया शेफर्ड ने सबसे ज्यादा 27 गेंदों पर 33 रन बनाए। उन्होंने अपनी पारी में 1 चौका और 3 छक्के जड़े। इसके अलावा विकेटकीपर बल्लेबाज निकोलस पूरन ने 10 गेंदों पर 15 रन बनाए।

बांग्लादेश के लिए रिशाद हौसेन 3 विकेट झटके। इसके अलावा तस्कीन अहमद और मेंहदी हसन मिराज ने 2-2 विकेट लिए। जबकि तंजीम हसन साकिब और हसन महमूद को 1-1 विकेट मिला। बांग्लादेश के जाकेर अली ने वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे टी-20 में नाबाद अर्धशतक लगाया। इसके बाद वह गूगल पर सर्च होने लगे और ट्रेंड करने

रवींद्र जडेजा ने अश्विन के संन्यास पर किया बड़ा खुलासा

मेलबर्न, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। आर अश्विन ने बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के बीच इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लेकर हर किसी को हैरान कर दिया। अश्विन के अचानक संन्यास लेने से साथी खिलाड़ी रवींद्र जडेजा भी दंग रह गए। अश्विन-जडेजा की जोड़ी अब कभी इंटरनेशनल क्रिकेट में कभी एक साथ दिखने वाली नहीं है। इन दोनों खिलाड़ियों ने लंबे समय तक टीम इंडिया के लिए एक साथ मिलकर गेंदबाजी की है। वहीं अब मेलबर्न टेस्ट से पहले रवींद्र जडेजा ने अश्विन के संन्यास को लेकर बड़ी बात कही है। मेलबर्न में होने वाले चौथे टेस्ट मैच से पहले रवींद्र जडेजा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया।

इस दौरान अश्विन के संन्यास लेने पर जडेजा ने बताया कि, "हम पूरा दिन साथ में थे, लेकिन उन्होंने रिटायर को लेकर कोई हिंट तक नहीं दिया। प्रेस कॉन्फ्रेंस से पांच मिनट पहले ही मुझे उनके संन्यास की जानकारी मिली।" आगे उन्होंने कहा कि, "अश्विन मेरे ऑन-फील्ड मेंटोर की तरह हैं, हमे अब आगे बढ़ना है और उम्मीद करते हैं कि आगे चलकर हमे उनसे बेहतर गेंदबाज ऑलराउंडर मिले। कोई भी खिलाड़ी उनकी जगह नहीं ले सकता ऐसा नहीं है, भारत के पास काफी प्रतिभाशाली खिलाड़ी मौजूद हैं।" भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच गाबा में तीसरा टेस्ट मैच खेला गया था। ये मैच पांचवें दिन ड्रॉ हो गया था। इस मैच में रवींद्र जडेजा ने कमाल की बल्लेबाजी करते हुए 77 रन की पारी खेली थी। हालांकि गेंदबाजी में जडेजा का प्रदर्शन उतना खास नहीं रहा था। अब टीम इंडिया को सीरीज का चौथा मैच मेलबर्न में खेलना है, इस मैच को जीतकर टीम इंडिया सीरीज में 2-1 की बढ़त हासिल करना चाहेगी।

अनमोलप्रीत ने 35 बॉल में सेंचुरी लगाई : लिस्ट-ए क्रिकेट में तेज शतक लगाने वाले भारतीय बने

खेल डेस्क, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। पंजाब के बल्लेबाज अनमोलप्रीत सिंह ने शनिवार को विजय हजारे ट्रॉफी 2024-25 में अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ 35 गेंदों में शतक लगा दिया। अनमोलप्रीत लिस्ट-ए क्रिकेट में सबसे तेज शतक लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं।

अनमोलप्रीत ने पूर्व भारतीय बल्लेबाज यूसुफ पठान का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 2010 में महाराष्ट्र के खिलाफ बड़ौदा के लिए 40 गेंदों में शतक बनाया था। अनमोलप्रीत ने सिर्फ 45 गेंदों पर 12 चौकों और 9 छक्कों की मदद से 115 रनों की तेज पारी खेली।

अनमोलप्रीत का 35 गेंदों में शतक अब लिस्ट-ए इतिहास का तीसरा सबसे तेज शतक है। वे केवल ऑस्ट्रेलिया के जैक फ्रेजर मैकगर्क (29 बॉल में) और साउथ अफ्रीका के दिग्गज एबी डिविलियर्स (31 बॉल में) से पीछे हैं।

पंजाब ने टूर्नामेंट के अपने पहले मैच में 165 रन के टारगेट को केवल 12.5 ओवर में हासिल कर लिया। पंजाब ने अरुणाचल के खिलाफ टॉस जीतकर पहले बॉलिंग का फैसला लिया। अरुणाचल ने पंजाब को 165 रन का टारगेट दिया। पंजाब ने इसे एक विकेट खोकर हासिल कर लिया।

श्रेयस अय्यर ने कर्नाटक के खिलाफ नाबाद 114 रन बनाए

विजय हजारे ट्रॉफी के पहले दिन एक अन्य मैच में मुंबई के कप्तान श्रेयस अय्यर ने कर्नाटक के खिलाफ नाबाद शतक लगाया। उन्होंने सिर्फ 50 गेंद में अपना शतक पूरा किया। अय्यर ने मुंबई के लिए 55 बॉल पर नाबाद 114 रन की पारी खेली। इस पारी में उन्होंने 10 चौके और 5 छक्के भी लगाए। श्रेयस की पारी के कारण मुंबई ने कर्नाटक के खिलाफ 50 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 382 रन बनाए।

'रैतू भरोसा' एक महत्वाकांक्षी योजना : मुख्यमंत्री

हैदराबाद, 21 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी शनिवार को विधानसभा में कहा कि राज्य सरकार ने 'रैतू भरोसा' को एक महत्वाकांक्षी योजना माना है। सरकार रैतू भरोसा के तौर-तरीकों को अंतिम रूप देने और आगे बढ़ने के लिए मुख्य विपक्षी दल से सुझाव मांग रही है। रैतू भरोसा का मुख्य उद्देश्य किसानों का समर्थन करना है। उन्होंने कहा कि सरकार रैतू भरोसा को लागू करने और कृषक समुदाय को हरसंभव सहायता देने के लिए प्रतिबद्ध है। हमारा विचार उन किसानों का समर्थन करना है जो जमीन पर निर्भर हैं और जमीन को अपनी मां मानते हैं।

उन्होंने कहा कि रैतू बंधु का उद्देश्य एक निवेश सहायता योजना है। निवेश सहायता किसे मिलनी चाहिए? पिछली सरकार ने 10 साल में रैतू बंधु के रूप में 72,817 करोड़ रुपये खर्च किए। योजना का लाभ बंजर जमीन, लेआउट और राष्ट्रीय राजमार्गों को भी दिया गया। 72,817 करोड़ रुपये में से लगभग 22,000 करोड़ रुपये अपात्रों को दिए गए हैं। क्या हम पहाड़ों, पत्थरों और सड़कों तक रैतू भरोसा का विस्तार करते रहेंगे? गजवेल निर्वाचन क्षेत्र में राजीव रोड को भी रैतू बंधु दिया गया। अमंगल में श्रीशैलम की सड़कें और क्रशर इकाइयां और खनन भूमि भी रैतू बंधु के अंतर्गत मानी गईं। पिछले शासकों के कुछ अनुयायियों ने भी फर्जी शीर्षक दस्तावेजों के माध्यम से रैतू बंधु प्राप्त किया। हैदराबाद के 50 किलोमीटर के दायरे में 70 से 80 प्रतिशत भूमि पर खेती नहीं हो रही है। हैदराबाद के आसपास के लगभग 3 करोड़ एकड़ क्षेत्र को भी रैतू बंधु का लाभ दिया गया था। रैतू बंधु के रूप में हजारों करोड़ की लूट हुई है। सरकार को उम्मीद है कि 80,000 पुस्तकों का अध्ययन करके विशाल ज्ञान प्राप्त करने वाले नेता किसानों के आश्वासन पर सुझाव देंगे। हमारी सरकार का लक्ष्य हर गरीब व्यक्ति को सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। विपक्ष सभी को रैतू भरोसा देने और उनका पालन करने की मांग कर रहा है। अगर हम उन्हें रोल मॉडल मानेंगे तो हम उनके जैसे नहीं होंगे। किसान हमारे लिए रोल मॉडल हैं और उनका कल्याण हमारे लिए महत्वपूर्ण है। मुख्य विपक्षी नेता यह मानकर सदन में नहीं आ रहे हैं कि उन्हें समाज के सामने सिर झुकाना पड़ेगा।

क्या हमें स्टोन क्रशर, लेआउट और राष्ट्रीय राजमार्गों पर किसानों को आश्वासन देना चाहिए? विपक्ष को सुझाव देना चाहिए। कोई सुझाव उचित हैं, तो हम सुनने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि 2019 में, मैंने संसद में किसानों की आत्महत्या पर सवाल पूछे। सदन ने 2014, 2015, 2016 में किसानों की आत्महत्या पर जवाब दिया। वर्ष 2014 में 160 किसानों ने आत्महत्या की, 2015 में 516 और 2016 में एपी में 239 किसानों ने आत्महत्या की। देश में सबसे ज्यादा आत्महत्या करने वाले किसान महाराष्ट्र में हैं- 2014 में 2568, 2015 में 3030 और 2016 में 2550 मामला है। बीआरएस शासन में किसानों की आत्महत्या के मामले में दूसरे नंबर पर तेलंगाना है। 2014 में 898, 2015 में 1358 और 2016 में 632 किसानों ने आत्महत्या की। तेलंगाना से ज्यादा आबादी वाले राज्यों में किसानों की इतनी बड़ी संख्या में आत्महत्या नहीं हुई। यह शर्मनाक है कि अमीर और अधिशेष वाले राज्य में इतनी बड़ी संख्या में किसानों की आत्महत्या की खबरें सामने आई हैं। बीआरएस नेताओं को अपना सिर नीचे करके किसानों से माफी मांगनी चाहिए थी। इसके बजाय वे खुद की बड़ाई कर रहे हैं। किसानों ने विपक्ष को करारा सबक सिखाया है।

विपक्ष सरकार से एक साल के शासन की उपलब्धियों के बारे में पूछ रहा है। विपक्ष को देखना चाहिए कि 10 साल के शासन में क्या हुआ। पिछली सरकार ने पांच साल में एक लाख रुपये की कर्जमाफी पर 16,143 करोड़ रुपये खर्च किए। दूसरी बार सत्ता में आने के बाद बीआरएस सरकार ने 11,909 करोड़ रुपये के कृषि ऋण माफ किए। इसमें से केवल 8,515 करोड़ रुपये ब्याज के भुगतान के लिए इस्तेमाल किए गए। कुल ऋण माफी केवल 3384 करोड़ रुपये थी। पिछली सरकार ने 10 साल में 27,000 करोड़ रुपये माफ किए। कांग्रेस सरकार ने पहले साल में सिर्फ 27 दिनों में 25,35,963 किसानों का 20,616 करोड़ रुपये का ऋण माफ किया। यह देश में अभूतपूर्व है। हम इसे अपनी महानता नहीं मानते। हम इसे अपनी जिम्मेदारी मानते हैं। सरकार ने 11.12.2018 से 09.12.2023 के बीच किसानों के ऋणों पर विचार किया। हमने उन पर विचार नहीं किया जो उन्होंने चुकाए नहीं थे और जो उन्होंने बकाया चुकाए थे। पिछली सरकार ने कहा कि उनके पास किसानों को देने के लिए 8,000 करोड़ रुपये भी नहीं हैं। अब वे किसानों के कल्याण की बात कर रहे हैं।

क्या बिना जिम्मेदारी के इस तरह की बात करना उचित है? कांग्रेस ही एकमात्र ऐसी पार्टी है जो कभी पीछे नहीं हटती और न ही मुंह फेरती है। केसीआर के विधानसभा में न होने के बावजूद महान नेता सोनिया गांधी ने तेलंगाना को राज्य का दर्जा दिया। बीआरएस नेता भूल गए कि वे सोनिया के पास गए और उनके पैरों पर गिर पड़े। बीआरएस नेता अभद्र हैं।

बीआरएस-कांग्रेस के बीच 24 घंटे बिजली आपूर्ति को लेकर बहस

इस्तीफे की चुनौती

हैदराबाद, 21 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। विधानसभा में शनिवार को 'रैतू भरोसा' पर संक्षिप्त चर्चा के दौरान सदस्यों ने विभिन्न मुद्दों पर अपने दावे गलत साबित होने पर इस्तीफा देने की चुनौती दी। यह सब तब शुरू हुआ जब बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामाराव ने कहा कि पिछली बीआरएस सरकार ने किसानों को पर्याप्त पानी और 24 घंटे मुफ्त बिजली की आपूर्ति की थी।

उनके बयान का जवाब देते हुए सड़क एवं भवन मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने आरोप लगाया कि बीआरएस सरकार ने प्रतिदिन केवल 11 से 14 घंटे बिजली की आपूर्ति की है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह आपूर्ति भी दिन में पांच से छह बार बाधित होती है। उन्होंने कहा कि उन्होंने स्वयं सब-स्टेशनों पर लॉग बुक की जांच की है।

कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने चुनौती देते हुए कहा कि सदन स्थगित होने के तुरंत बाद हम नलगोंडा जाएंगे और किसानों से बात करेंगे। अगर मैं गलत साबित हुआ तो मैं स्पीकर के फॉर्मेट में अपना इस्तीफा दे दूंगा।

उन्होंने यह भी कहा कि बीआरएस और भाजपा विधायकों के विरोध के बावजूद कांग्रेस सरकार मूसी नदी पुनरुद्धार परियोजना शुरू करेगी। कांग्रेस विधायकों द्वारा मंत्री का उत्साहवर्धन करने के दौरान बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने याद दिलाया कि उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क द्वारा सदन में प्रस्तुत श्वेत पत्र के अनुसार, यह स्पष्ट रूप से घोषित किया गया था कि बीआरएस सरकार ने एक दिन में औसतन 19.2 घंटे मुफ्त बिजली की आपूर्ति की थी।

कांग्रेस पार्टी के इस दावे का खंडन करते हुए कि किसानों को 24 घंटे मुफ्त बिजली आपूर्ति का पेटेंट उसके पास है, रामा राव ने उन्हें अकेले नलगोंडा जिले के सब-स्टेशनों की लॉग बुक की जांच करने की चुनौती दी। रामा राव ने कहा कि अगर यह साबित हो जाता है कि किसानों को 24 घंटे मुफ्त बिजली की आपूर्ति की जा रही है, तो सभी बीआरएस विधायक अपना इस्तीफा दे देंगे।

उन्होंने बताया कि पलामुरु में बीआरएस सरकार ने लंबित परियोजनाओं को पूरा करके बंजर भूमि को उपजाऊ भूमि में बदल दिया है। उन्होंने कहा कि पानी और बिजली की उपलब्धता ने जिले में रिवर्स माइग्रेशन को बढ़ावा दिया है।

जवाब में पर्यटन मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव ने आरोप लगाया कि बीआरएस सरकार पलामुरु रंगारेड्डी लिफ्ट सिंचाई योजना को पूरा करने में विफल रही है। कृष्ण राव ने घोषणा की, अगर मैं गलत साबित हुआ तो मैं अपना इस्तीफा दे दूंगा। उनके जवाब में बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने कहा कि केसीआर सरकार ने कलवाकुर्ती, भीमा, नेट्टमपाडु और कोइलसागर लंबित परियोजनाओं को पूरा करने के लिए 4000 करोड़ रुपये खर्च किए और पलामुरु जिले में 6.5 लाख एकड़ जमीन को पानी की आपूर्ति की गई।

रैतू भरोसा योजना संक्रांति से लागू होगी : तुम्मला

हैदराबाद, 21 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने घोषणा की है कि रैतू भरोसा कार्यक्रम आगामी संक्रांति त्योहार से शुरू होगा। हालांकि, उन्होंने उल्लेख किया कि 'रैतू भरोसा' योजना के कार्यान्वयन के संबंध में अंतिम तौर-तरीकों को अभी अंतिम रूप दिया जाना बाकी है। शनिवार को विधानसभा में कार्यक्रम पर एक संक्षिप्त चर्चा में भाग लेते हुए, तुम्मला नागेश्वर राव ने संकेत दिया कि सभी हितधारकों से इनपुट पर विचार करने के बाद ही दिशानिर्देश स्थापित किए जाएंगे, और उन्होंने पुष्टि की कि उनकी सरकार का इस योजना में नामांकित लाभार्थियों की संख्या कम करने का कोई इरादा नहीं है। उन्होंने कहा, पिछले प्रशासन ने 2017-18 की अवधि में रैतू बंधु योजना शुरू की थी, जिसके तहत किसानों को प्रति सीजन 4,000 रुपये प्रति एकड़ दिए जाते थे। बाद में 2018-19 में यह राशि बढ़ाकर 5,000 रुपये कर दी गई। योजना के प्रावधानों के तहत, लाभ केवल उन लोगों के लिए थे जो सक्रिय रूप से भूमि पर खेती करते हैं, हालांकि, इसके कार्यान्वयन में विसंगतियों के कारण कई अपात्र व्यक्तियों को भी सहायता मिल रही है। मंत्री ने कहा कि इसके उचित कार्यान्वयन के तौर-तरीकों को निर्धारित करने के लिए एक कैबिनेट उप-समिति का गठन किया गया है। उन्होंने कहा कि समिति कई विशेषज्ञों और किसानों की सलाह और सुझाव लेने के बाद तौर-तरीके तैयार कर रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार सदन के सदस्यों की राय एकत्र करके, उन सभी को संकलित करके, अंतिम प्रक्रियाओं पर निर्णय लेकर और संक्रांति उत्सव से रैतू भरोसा योजना को लागू करके योजना को लागू करने के लिए तैयार है।

गैर-तेलुगु छात्रों के लिए बढ़ाई गई विशेष छूट

हैदराबाद, 21 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। गैर-तेलुगु भाषी छात्रों को बड़ी राहत देते हुए स्कूल शिक्षा विभाग ने उन्हें अनिवार्य विषय के रूप में तेलुगु पढ़ने से छूट दे दी है। यह वर्तमान शैक्षणिक वर्ष में कक्षा IX और X के विद्यार्थियों तथा अगले शैक्षणिक वर्ष 2025-26 में कक्षा X के विद्यार्थियों पर लागू होगा। स्कूल शिक्षा निदेशक ई.वी. नरसिम्हा रेड्डी ने स्कूली छात्रों के लिए अनिवार्य विषय के रूप में तेलुगु पढ़ाने और सीखने की छूट अवधि बढ़ाने की कार्यवाही जारी की।

कार्यवाही के अनुसार, राज्य बोर्ड, सीबीएसई, आईसीएसई, आईबी या अन्य बोर्ड से संबद्ध सभी स्कूलों को शैक्षणिक वर्ष 2025-26 से कक्षा 1 से 9 तक के लिए अनिवार्य तेलुगु विषय को लागू करना होगा। इससे पहले, चूंकि कोविड-19 महामारी के कारण कक्षाएं संचालित नहीं की जा सकीं, इसलिए राज्य सरकार ने स्कूलों को 2023-24 तक समाप्त होने वाले दो शैक्षणिक वर्षों के लिए कक्षा IX और X के छात्रों के लिए तेलुगु को अनिवार्य विषय के रूप में लागू करने से छूट दी थी।

एक और ऑटो चालक की आत्महत्या पर केटीआर ने जताई चिंता

हैदराबाद, 21 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य में एक और ऑटो चालक की आत्महत्या पर चिंता व्यक्त करते हुए बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामाराव ने शनिवार को राज्य सरकार द्वारा अधूरे वादों के कारण ऑटो चालकों के बीच बढ़ती परेशानी पर प्रकाश डाला।

उन्होंने कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि वह 12,000 रुपये की वार्षिक वित्तीय सहायता देने के वादे को पूरा करने में विफल रही है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी से राज्य में ऑटो चालकों के लिए उनके समर्थन के बारे में सवाल करते हुए उन्होंने कहा कि कई लोग ठोस सहायता की कमी के कारण ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि पंगन यादगिरी जैसे ऑटो चालकों की मौतें सरकार द्वारा संचालित त्रासदियों से कम नहीं हैं। उन्होंने सरकार से परिवारों की सहायता के लिए तत्काल कार्रवाई करने का आग्रह किया। बीआरएस पार्टी ऑटो चालकों के साथ एकजुटता में खड़ी है, उन्होंने उनकी लड़ाई को अपना समर्थन देने का वादा किया और सरकार से उनकी तत्काल जरूरतों को पूरा करने की मांग की।

तेलंगाना के लोग अधूरे वादों और बढ़ते असंतोष का एक साल देख रहे हैं, जो समृद्धि और खुशी लाने वाले बदलावों के वास्तविक प्रभाव पर सवाल उठा रहे हैं। बीआरएस पार्टी ऑटो चालकों के साथ एकजुटता में खड़ी है, उन्होंने उनकी लड़ाई को अपना समर्थन देने का वादा किया और सरकार से उनकी जरूरी जरूरतों को पूरा करने की मांग की।

सीएमआरएफ गरीबों के लिए वरदान : सांसद

हैदराबाद, 21 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भुवनगिरी के सांसद चामला किरण कुमार रेड्डी ने कहा कि सीएमआरएफ गरीबों के लिए वरदान की तरह है। भुवनगिरी के सांसद चामला किरण कुमार रेड्डी ने आज पेद्दा अंबरपेट के कैंप कार्यालय में भुवनगिरी संसदीय क्षेत्र के 17 लाभार्थियों को 7 लाख 17 हजार 500 रुपये के चेक सौंपे। इस अवसर पर सांसद किरण कुमार रेड्डी ने कहा कि सीएमआरएफ गरीबों के लिए वरदान की तरह है और मुख्यमंत्री राहत कोष उन गरीबों के लिए बहुत उपयोगी होगा जो बेहतर चिकित्सा उपचार के लिए कॉर्पोरेट अस्पतालों में भर्ती हैं।

नॉलेज सिटी में मामूली आग

दुर्घटना के बाद परिचालन फिर से शुरू

हैदराबाद, 21 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार को सुबह नॉलेज सिटी में आग लगने की घटना के बाद, सत्व समूह ने एक बयान में कहा कि उच्च गुणवत्ता वाले सुरक्षा उपाय किए गए थे और आग का शीघ्र पता लगा लिया गया, उसे नियंत्रित किया गया और अच्छी तरह से प्रशिक्षित ऑन-साइट आपातकालीन प्रतिक्रिया टीम द्वारा बुझा दिया गया। सत्व समूह के प्रवक्ता ने कहा कि इस घटना में कोई चोट या हताहत नहीं हुआ है तथा स्थिति अब पूरी तरह नियंत्रण में है।

बयान में कहा गया है कि नॉलेज सिटी में, वे कर्मचारियों, आगंतुकों और बुनियादी ढांचे की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हैं।

सरकार के विरोध में पूर्व होमगार्ड फ्लडलाइट टावर पर चढ़ा

सेवा बहाल करने की मांग, कहा- कांग्रेस ने किया था वादा

हैदराबाद, 21 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एक पूर्व होमगार्ड ने हैदराबाद के एलबी स्टेडियम में फ्लडलाइट टावर पर चढ़कर राज्य सरकार से उन्हें सेवा में बहाल करने की मांग की। अंजनेयुलु ने दावा किया कि राज्य गठन से पहले तेलंगाना आंदोलन में भाग लेने के कारण उन्हें और 250 अन्य होमगार्डों को सेवा से हटा दिया गया था। इसके बाद सरकार ने आंदोलन को दबाने के लिए यह कदम उठाया।

अंजनेयुलु ने कहा कि हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव के दौरान मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने होमगार्ड को सेवा में बहाल करने का वादा किया था।

हालांकि, राज्य में कांग्रेस सरकार को सत्ता में आए एक साल बीत चुका है, लेकिन मुख्यमंत्री अपना वादा निभाने में विफल रहे हैं। अंजनेयुलु ने बताया कि सभी 250 पूर्व होमगार्डों के पास उचित दस्तावेज और सबूत हैं और वे शहर के विभिन्न कार्यालयों में काम कर चुके हैं। पुलिस मौके पर पहुंच गई है।

अंबेडकर का अपमान करने वाले अमित शाह को इस्तीफा देना चाहिए : जग्गारेड्डी

हैदराबाद, 21 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आईआईसी अध्यक्ष निर्मला जग्गारेड्डी और हजारों कार्यकर्ताओं ने जग्गारेड्डी के नेतृत्व में संगारेड्डी में एक विशाल रैली में भाग लिया। इस अवसर पर टीपीसीसी के कार्यकारी अध्यक्ष जग्गारेड्डी ने कहा कि कांग्रेस ने अंबेडकर को अभूतपूर्व सम्मान दिया है।

अगर कांग्रेस अंबेडकर को महान बुद्धिजीवी मानती है तो बीजेपी उनका अपमान करेगी। इस देश के लोगों की जिम्मेदारी है कि वे अंबेडकर को याद रखें। उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का यह कहना कि अंबेडकर का जाप करना एक फैशन बन गया है, यह गैर जिम्मेदाराना बयान है। विश्व प्रतिभा अम्बेडकर जिन्होंने आजादी के समय देश को एक महान संविधान दिया। उन्होंने दलित वर्गों के उत्थान के लिए समान अधिकार प्रदान करने और उनके भविष्य का मार्ग प्रशस्त करने के लिए कड़ी मेहनत की। आज मोदी और अमित शाह प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के रूप में काम कर रहे हैं तो यह अंबेडकर की कृपा है। उन्होंने कहा कि

अमित शाह का अंबेडकर नहीं भगवान का जाप करने का आह्वान भाजपा की अहंकारी राजनीति की पराकाष्ठा है। भाजपा संविधान को बदलकर तानाशाही की राजनीति करना चाह रही है। अम्बेडकर, नेहरू और महात्मा गांधी के इतिहास और उनके बलिदानों से आज की पीढ़ी को अनभिज्ञ बनाने और इतिहास को बदलने की साजिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि इस मामले में राहुल गांधी अंबेडकर द्वारा लिखित संविधान को बचाने के लिए बड़े पैमाने पर लड़ाई लड़ रहे हैं।

भारत जोड़ो और भारत न्याय यात्रा के नाम पर राहुल गांधी संविधान हाथ में लेकर हजारों किलोमीटर चले और संविधान के मूल्यों की बात की। अगर राहुल गांधी लोगों को अंबेडकर के बारे में संविधान के बारे में बताएंगे तो बीजेपी डर जाएगी। इसीलिए बीजेपी राहुल गांधी को रोकने और दबाने की साजिश रच रही है।

बाचुपल्ली पुलिस ने पब पर मारा छापा

हैदराबाद, 21 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बाचुपल्ली पुलिस ने शुक्रवार रात नियमों के उल्लंघन के आरोप में एक पब पर छापा मारा। एक गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने बाचुपल्ली स्थित वन पेग बार पर छापा मारा और पाया कि प्रबंधन बिना किसी अनुमति के संगीत और नृत्य का आयोजन कर रहा था। पुलिस ने डीजे म्यूजिक साउंड सिस्टम जब्त कर लिया और प्रबंधन के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया। पुलिस ने देर रात छापेमारी की।

बुनकरों की आत्महत्या जारी

सिरसिला में एक और ने की आत्महत्या

राजन्ना-सिरसिला, 21 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिरसिला में गुरुवार सुबह एक और बुनकर ने आत्महत्या कर ली। बीवाई नगर निवासी नक्का श्रीनिवास (41) ने घर में फांसी लगाकर जान दे दी। स्थानीय लोगों ने सुबह श्रीनिवास को फांसी पर लटका हुआ पाया और पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है।

बैद्यनाथ नागपूर असली आयुर्वेद

आयुर्वेद अपनाए..स्वस्थ रहें!

असहनीय जोड़ो का दर्द

स्वर्ण भस्म से युक्त होनें से असरकारक।
- पुराने से पुराना जोड़ो का दर्द
- कमर दर्द, घुटनों का दर्द
- मासपेशियों का अकडना
- मोच आदि दूर करने में सहायक।

रुमार्थो गोल्ड+ कॅप्सूल
शुद्ध स्वर्ण भस्म से निर्मित
बाहयोपचार के लिये।
रूमा ऑईल
तुरन्त आराम दिलानें में सहायक।

श्री अनु क्रिष्णा, करिमनगर
प्र. मेरी उम्र 53 वर्ष है। मुझे 20 दिन पहले बुखार आया था। उसके बाद हाथ पैरों के जोड़ो में जकड़न व दर्द हुवा। बुखार ठीक हो गया लेकिन शरीर के जोड़ों में दर्द बहुत है, कमजोरी भी है। कृपया उपाय बताएं।
उ. इन दिनों अधिकतर लोगों में बुखार के साथ जोड़ों में दर्द चिकनगुनिया के लक्षणों के साथ मिल रहा है। दर्द की अनेक दवाइंया लेने के बाद भी रोगी को दर्द कम नही होता है। ऐसे में **बैद्यनाथ रुमार्थो गोल्ड प्लस कॅप्सूल** 1-1 कॅप्सूल सुबह-सांय भोजन बाद पानी से लेना चाहिए। अथवा **बैद्यनाथ योगराज गुग्गुल** भी दर्द के लिए उपयुक्त दवां है। इसका सेवन 1-1 टॅबलेट सुबह शाम पानी के साथ कर सकते है। जिसके सेवन से जोड़ों के दर्द में आराम मिलता है। अशक्तता दूर करने के लिए **बैद्यनाथ च्यवनप्राश स्पेशल** 1-1 चम्मच सुबह शाम दुध के साथ ले सकते है। कुछ दिन के सेवन से काफी राहत मिलती है।

श्री यतिन नायडू, हैद्राबाद
प्र. मुझे 3 साल से डायबिटीज है। ऑखें के सामने अंधेरा छा जाता है व दिनभर के काम से रात में अत्याधिक थकान महसूस करता हूँ।
उ. **बैद्यनाथ मधुमेहारी ग्रॅन्यूल्स** 2-2 चम्मच पानी के साथ दिन में दो बार भोजन के 15 मिनीट पूर्व लेवें साथ ही **बैद्यनाथ च्यवनप्राश शुगर फ्री (च्यवनप्राश)** का सेवन काफी लाभदायक होता है। कमजोरी होने पर **बैद्यनाथ वसंतकुसुमाकर रस** 1-1 टॅबलेट दिन में दो बार भोजनबाद पानी के साथ लेवें।

श्री कैलास राव, निजामाबाद
प्र. मुझे पाच साल से बवासीर की तकलीफ है। शौच के जगह खुजली चलती है व दर्द बहुत होता है। शौच के समय रक्त गिरता है।
उ. **बैद्यनाथ सिड्पाईल्स** 2-2 टॅबलेट दिन में दो बार पानी के साथ लेवें। **बैद्यनाथ अभयामृत** 4-4 चम्मच सममाग पानी के साथ दिन में दो बार भोजनबाद लेवें।

वैद्य रमेश शर्मा, एम. डी. (आयु.)
प्रधान वैद्य

बैद्यनाथ के दवाइयों के साथ जानकारी हेतू सेवनविधी दी है। इस का प्रयोग वैद्यकिय परामर्श से करें। अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें 844 844 4935 I www.baidyanath.co

प्रिंसिपल धुलवा रहे कपड़े, छात्रों ने किया प्रदर्शन

संगारेड्डी, 21 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अंडोले स्थित सामाजिक कल्याण बालिका आवासीय विद्यालय की छात्राओं ने शिकायत की है कि उनकी प्रधानाचार्या सद्गुणा मैरी ग्रेस कथित तौर पर उनसे नियमित रूप से अपने कपड़े और कार धुलवाती हैं तथा अपना कमरा साफ करवाती हैं। उत्पीड़न को बर्दाश्त न कर पाने के कारण छात्रों ने शनिवार को स्कूल परिसर में विरोध प्रदर्शन किया, जिसके बाद राजस्व प्रभागीय अधिकारी पांडू और सीआई अनिल कुमार तुरंत मौके पर पहुंचे। हालांकि अधिकारियों ने उन्हें समझाने की कोशिश की और उन्हें उच्च अधिकारियों के समक्ष इस मुद्दे को उठाने का आश्वासन दिया, लेकिन छात्रों ने अपना विरोध प्रदर्शन जारी रखा। उन्होंने प्रिंसिपल मुर्दाबाद, मुर्दाबाद के नारे लगाए। जब छात्रों ने शांत होने से इनकार कर दिया, तो आरडीओ ने कलेक्टर वलूरू क्रांति को सूचित किया, जिन्होंने अतिरिक्त कलेक्टर चंद्रशेखर को स्कूल का दौरा करने के लिए कहा। छात्रों ने चंद्रशेखर से शिकायत की कि प्रिंसिपल भी शिक्षकों को परेशान कर रहे हैं। शारीरिक शिक्षा की शिक्षिका स्वाति उत्पीड़न को सहन न कर पाने के कारण छुट्टी पर चली गईं, जबकि छात्रों ने कहा कि गणित की शिक्षिका भी प्रिंसिपल के साथ इसी तरह की समस्याओं का सामना कर रही हैं। अतिरिक्त कलेक्टर ने आश्वासन दिया कि वे गहन जांच के बाद उचित कार्रवाई करेंगे।

श्रीमद्भागवत गीता क्षेत्रम्
(श्री गीता भवन)
सोमसुंदरम् विथी, जनरल बाजार, कलासीगुड़ा, सिकंदराबाद (तेलंगाना) - 500 003
https://goo.gl/maps/noCEALbUMyL2

संपूर्ण श्रीमद्भगवत गीता

सम्पूर्ण भागवत गीता सामूहिक पारायणम्,
रविवार(22-12-24) को 10.00 सुबह से 2:00 दोपहर तक, बाद में महाप्रसाद, श्रीमद्भागवत गीता क्षेत्रम (श्री गीता भवन), जनरल बाजार, अजंली सिनेमा टॉकिस के सामने , सिकंदराबाद ।

श्री गोपाल बल्दवा-श्रीमती मन्जू बल्दवा

cont: 9000366660

|| श्री कृष्णः शरणम् मम् || *|| जय श्री कृष्ण ||*

सभी भक्तगण प्रधारे। फोन करें या मैसेज करके आना सब व्यवस्था करने के लिये आधार कार्ड अनिवार्य, हिन्दु पहचान के लिये। प्रति माह के तीसरे रविवार यूट्यूब चैनल पर प्रसारित ।

श्री टी. विश्वेश्वर
सिकंदराबाद
09290444203

सत्यनारायण गोपाल बल्दवा
ब्रिगेट रोड नें 7, बंजारा हिल्स, हैदराबाद, मोबाईल 9000366660

GB GOPAL BALDAWA GROUP

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.